मेरी पुस्तक

द्वितीय श्रेणी

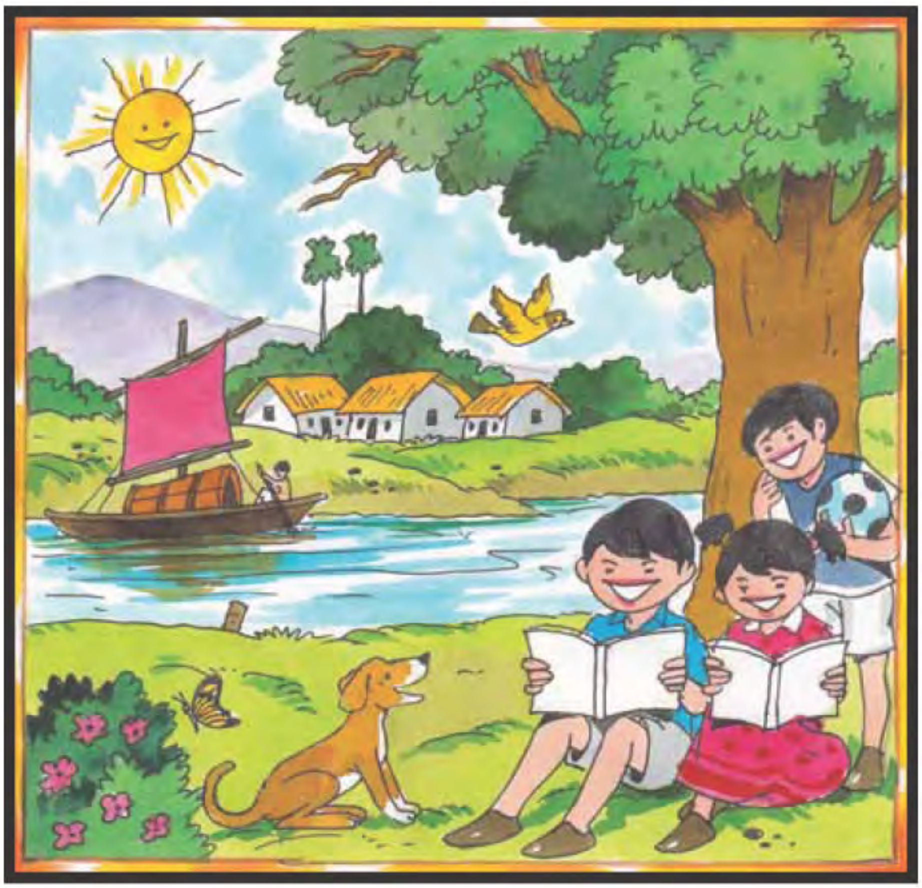

सत्यमेव जयते

विद्यालय शिक्षा विभाग * पश्चिम बंग सरकार

पश्चिम बंग प्राथमिक शिक्षा परिषद

विद्यालय शिक्षा विभाग | पश्चिम बंग सरकार

विकास भवन, कोलकाता – ७०० ०९१

पश्चिम बंग प्राथमिक शिक्षा परिषद

डी० के० ७/१ विधान नगर, सेक्टर – २

कोलकाता – ७०० ०९१

Neither this book nor any keys, hints, comment, notes, meanings, connotations, annotations, answers and solutions by way of questions and answers or otherwise should be printed, published or sold without the prior approval in writing of the Director of School Education, West Bengal. Any person infringing this condition shall be liable to penalty under the West Bengal Nationalised Text Books Act, 1977.

प्रथम संस्करण : दिसम्बर २०१३
द्वितीय संस्करण : दिसम्बर २०१४

मुद्रक

वेस्ट बंगाल टेक्सटबुक कॉरपोरेशन लिमिटेड

(पश्चिमबंग सरकार का उद्यम)

कोलकाता -७०००५६

परिषद की बात

नए पाठ्यक्रम और पाठ्यसूची के अनुसार द्वितीय श्रेणी के लिए 'मेरी पुस्तक' प्रकाशित की गई है। पुस्तक में प्रथम भाषा हिन्दी, द्वितीय भाषा अंग्रेजी एवं गणित को समवेत (Integrated) रूप में प्रस्तुत किया गया है। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा 2005 तथा शिक्षा अधिकार कानून 2009 इन दोनों के आधार पर यह अभिनव परिकल्पना की गई है। पुस्तक के केन्द्र में रवीन्द्रनाथ ठाकुर रचित 'सहज पाठ' द्वितीय भाग है। राज्य की मुख्यमंत्री माननीया श्रीमती ममता बंद्योपाध्याय ने 2011 साल में एक 'विशेषज्ञ समिति' का गठन किया। उक्त समिति को पहली कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक के विद्यालय स्तरीय पाठ्यक्रमों, पाठ्यसूचियों तथा पाठ्य पुस्तकों की समीक्षा एवं पुनर्विवेचना करने का दायित्व दिया गया था। उक्त समिति की सलाह के अनुसार नये पाठ्यक्रम, पाठ्यसूची एवं पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया है।

विगत २०१२ में नए पाठ्यक्रम के अनुसार प्रथमश्रेणी के लिए 'मेरी पुस्तक' प्रकाशित की गई थी। छात्रों की सुविधा हेतु उक्त पुस्तक के अन्तिम सामर्थ्यों के साथ मेल रखते हुए द्वितीय श्रेणी के लिए 'मेरी पुस्तक' निर्मित की गयी। इस नयी पाठ्यपुस्तक में एक ओर जहाँ प्रत्येक पाठ के अन्त में 'शिक्षण परामर्श' दिया गया है वहीं दूसरी ओर पुस्तक के शेष भाग में पुस्तक को कक्षा में व्यवहार के लिए विभिन्न प्रकार के परामर्श भी दिए गए हैं। आशा करते हैं, यह पुस्तक राज्य के बच्चों की शिक्षा क्षेत्र में एक बड़ी भूमिका का निर्वाह करने में सफल होगी। और बुनियादी स्तर पर शिक्षा के एक नए युग का प्रारम्भ होगा।

इस पुस्तक के निर्माण में चुनिंदा शिक्षाविदों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विषय विशेषज्ञों की एक बड़ी भूमिका है। उनके निरंतर परिश्रम द्वारा ही इस पुस्तक को बहुत ही कम समय में प्रस्तुत करना सम्भव हुआ।

विभिन्न शिक्षाविदों, समाज के शिक्षा प्रेमी लोगों, शिक्षाव्रतियों एवं अभिभावकवृन्दों के विचारों ने भी इस पुस्तक के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उन्हें धन्यवाद देता हूँ।

जिन लेखक-लेखिकाओं की रचनाएँ इस पुस्तक में संकलित हैं, उन्हें कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। पश्चिम बंगाल सरकार प्राथमिक शिक्षा की समस्त विषयों की पुस्तकों का प्रकाशन कर प्राथमिक विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं में नि:शुल्क वितरित करती है। इस परियोजना के क्रियान्वयन में पश्चिम बंगाल सरकार के शिक्षा विभाग, पश्चिमबंग शिक्षा निदेशालय एवं पश्चिमबंग सर्वशिक्षा मिशन ने भी विभिन्न प्रकार से सहायता प्रदान की है। द्वितीय श्रेणी की 'मेरी पुस्तक' २०१३ साल में सम्पूर्ण नये कलेवर, नयी परिकल्पना के साथ मुद्रित हुई। हमारे राज्य के सभी भागों में यह पुस्तक समयानुसार पहुँच जाएगी। पुस्तक की उत्कर्ष वृद्धि हेतु सभी को अपने विचार एवं परामर्श देने का आह्वान करता हूँ।

दिसम्बर, २०१४
आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र भवन
डी- के ७/१, सेक्टर-२,
विधान नगर, कोलकाता - ७०० ०९१

मानिक भट्टाचार्य
अध्यक्ष
पश्चिम बंग प्राथमिक शिक्षा परिषद

प्राक्कथन

माननीया मुख्यमंत्री के प्रयास से सन् २०११ में विद्यालय पठन–पाठन के क्षेत्र में एक 'विशेषज्ञ समिति' का गठन किया गया। इस 'विशेषज्ञ समिति' का दायित्व था, विद्यालय के पाठ्यक्रमों, पाठ्सूचियों तथा पाठ्यपुस्तकों की चर्चा एवं पुनर्विन्यास करना। उसी विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के अनुसार नये पाठ्यक्रम और पाठ्यसूची तैयार हुए हैं। इस कार्य के लिए हमने राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा – २००५ तथा शिक्षा का अधिकार कानून – २००९ को आधार के रूप में व्यवहार किया। सन् २०१३ से पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा गृहित शिक्षा का अधिकार कानून पूर्णत: लागू है। फलस्वरूप, नये प्रकार से 'शिशुकेन्द्रिक' शिक्षा उपयोगी पाठ्यक्रम, पाठ्यसूची एवं पाठ्यपुस्तकों की आवश्यकता थी। याद आता है, आक्षेप के स्वर में एक समय रवीन्द्रनाथ ने लिखा था,— ......'हमने नोट लिखा है, कंठस्थ किया है, पास किया है। पर वसंत की दक्षिणी हवाओं के समान हमारी शिक्षा मनुष्यत्व के कुंजों–कुंजों में नये पत्ते उगाकर फूलों को खिला नहीं पा रही।......इसमें संगीत नहीं, चित्र नहीं, आत्मप्रकाश के आनन्दमय उपाय उपकरण नहीं। यह कितनी बड़ी दरिद्रता है, जिसकी बोधशक्ति तक हमारी लुप्त हो गई है।'

इस महान द्रष्टा के शिक्षा के आदर्शों का अनुसरण करते हुए हमने पाठ्यक्रमों, पाठ्यसूचियों एवं पाठ्यपुस्तकों में संगीत, चित्र तथा 'आत्मप्रकाश के आनन्दमय उपाय एवं उपकरणों को समन्वित आकार में देने का प्रयास किया है। ताकि सम्पूर्ण सामर्थ्य अर्जन के साथ ही साथ बालक इसके माध्यम से सार्विक विकास की ओर अग्रसर हो सके, 'विशेषज्ञ समिति' का यही उद्देश्य है। नोट लिखना, कंठस्थ करना तथा उसे परीक्षा की उत्तर पुस्तिका पर किसी तरह बिखेर देना, जैसी पद्धति को हमने शिक्षा के आंगन से निकाल देना चाहा है। यदि इस पुस्तक के माध्यम से हमारे राज्य की शिक्षा में कोई बड़ा परिवर्तन हो तभी हमारा परिश्रम सार्थक हुआ, मानेंगे।

द्वितीय श्रेणी की 'मेरी पुस्तक' में हिन्दी, अंग्रेजी और गणित इन तीनों विषयों को हमने समन्वित रूप में प्रस्तुत किया गया है। सम्पूर्ण पुस्तक में विभिन्न अभ्यास कार्यों के माध्यम से शिक्षार्थियों को निर्धारित योग्यता तक पहुँचाने का प्रयत्न किया गया है। पुस्तक के पन्ने–पन्ने पर जिस प्रकार रंग–बिरंगे चित्र हैं, वैसे ही प्रत्येक प्रासंगिक पन्ने के नीचे 'शिक्षण परामर्श' भी दिये गये हैं। पुस्तक के अन्तिम भाग में तुलनात्मक रूप में विस्तृत शिक्षण परामर्श हैं। इस नयी 'कार्य आधारित शिक्षण' (Activity Based learning) प्रक्रिया का शिक्षार्थी उपभोग करेंगे, यही आशा करता हूँ।

द्वितीय श्रेणी की 'मेरी पुस्तक' में 'अक्षर ज्ञान' और 'शब्द भंडार' तैयार करने के क्षेत्र में ईश्वरचन्द्र विद्यासागर रचित 'वर्ण परिचय' पुस्तक के अधिक भाग का अनुसरण किया गया है।

शिक्षार्थियों के समक्ष सीखना जिससे की 'आनन्दमय' एवं 'भयहीन' हो हमने यही प्रयास किया है। चुनिंदा शिक्षाविदों, शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं विषय विशेषज्ञों ने बहुत कम समय में ही पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया है। पश्चिम बंगाल के प्राथमिक शिक्षा की सम्पूर्ण नियामक पश्चिमबंग प्राथमिक शिक्षा परिषद् है। उनकी निर्दिष्ट समिति ने पुस्तक का अनुमोदन करके हमें उपकृत किया है। उन्हें अशेष कृतज्ञता ज्ञापन करता हूँ। इस तरह की समेकित पुस्तक का निर्माण भारत में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में वेमिशाल है। इस पुस्तक के माध्यम से अगर विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नए युग का निर्माण हो, तभी हम अपने प्ररिश्रम को सार्थक समझेंगे। पश्चिमबंग प्राथमिक शिक्षा परिषद, पश्चिम बंगाल के शिक्षा विभाग तथा पश्चिमबंग सर्व शिक्षा मिशन ने इस कार्य में विभिन्न प्रकार से सहायता प्रदान किया है। उन्हें धन्यवाद देता हूँ।

माननीय शिक्षामंत्री, डा. पार्थ चटर्जी ने विभिन्न सलाहों परामर्शों के द्वारा हमें उपकृत किया है। उन्हें कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ।

समस्त शिक्षाप्रेमी जनों से हमारा निवेदन है कि इस पुस्तक की उत्कर्षवृद्धि हेतु उनके द्वारा प्रेषित विचारों एवं परामर्शों को हम सादर ग्रहण करेंगे।

दिसम्बर, २०१४
निवेदिता भवन, पंचमतल,
विधाननगर, कोलकाता – ७०० ०९१

अभीक मजुमदार
अध्यक्ष
'विशेषज्ञ समिति'
विद्यालय शिक्षा विभाग
पश्चिम बंग सरकार

विशेषज्ञ समिति द्वारा परिचालित पाठ्यपुस्तक प्रणयन परिषद

सदस्यगण

अभीक मजुमदार (सभापति, विशेषज्ञ समिति) रथीन्द्र नाथ दे (सचिव, विशेषज्ञ समिति)

रत्ना चक्रवर्ती बाग्ची (सचिव, पश्चिम बंग प्राथमिक शिक्षा परिषद)

ऋत्विक मल्लिक, सौम्यसुन्दर मुखोपाध्याय, रुद्रशेखर साहा, मिथुन नारायण बसु,
अनुराधा घोष, पुर्णेन्दु चटर्जी, रातुल कुमार गुहा, सैकत राउत, विपुल सन्यासी,
शंकरनाथ भट्टाचार्य, सुमना सोम, तपसुन्दर बंद्योपाध्याय,
मलय कृष्ण मजुमदार, पार्थ दास, प्रद्युत पाल,
सन्दीप राय, नीलांजन दास,
द्वीपेन बसु

आवरण एवं अलंकरण

गौतम चट्टोपाध्याय

रूपायण

विप्लव मंडल

सहायता : साधन चक्रवर्ती, शुभंकर भुंईया, दीप्तेन्दु विश्वास

विशेष कृतज्ञता

ए. के. जलालउद्दीन, जोगेन चौधरी,

विदिशा मुखोपाध्याय

मेरी पुस्तक

नाम ....

माता का नाम ....

पिता का नाम ....

विद्यालय का नाम ....

रोल नम्बर (क्रमांक) ....

घर का नम्बर और रास्ते का नाम ....

....

गाँव का नाम / शहर का नाम ....

जिला का नाम ....

एक

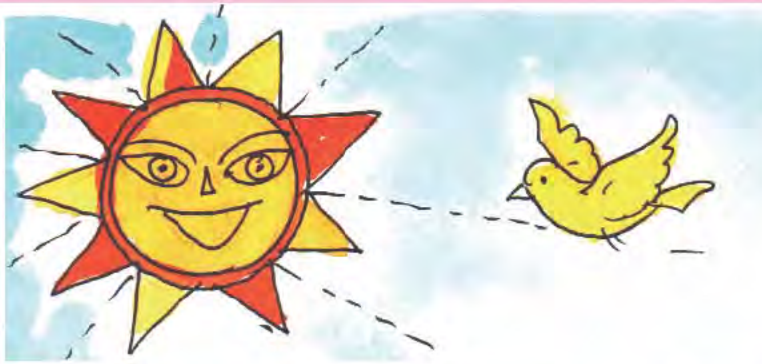

शिक्षा वह साधन है जिसके द्वारा मनुष्य की शक्तियों की वृद्धि होकर बौद्धिक विकास होता है।

शिक्षा मानव जीवन की आधारशिला है, यह उसके सर्वांगीण विकास का अत्योत्तम साधन है।

गणित तर्क सम्भत विचार, यर्थाथ कथन तथा सत्य को बोलने का सामर्थ्य प्रस्तुत करता है।

गणित सभ्यता का दर्पण है।

(वि.द्र. : शिक्षक/शिक्षिकागण उपरोक्त कथनों को पढ़ेंगे और इसके बारे में छात्रों के बीच चर्चा करेंगे।)

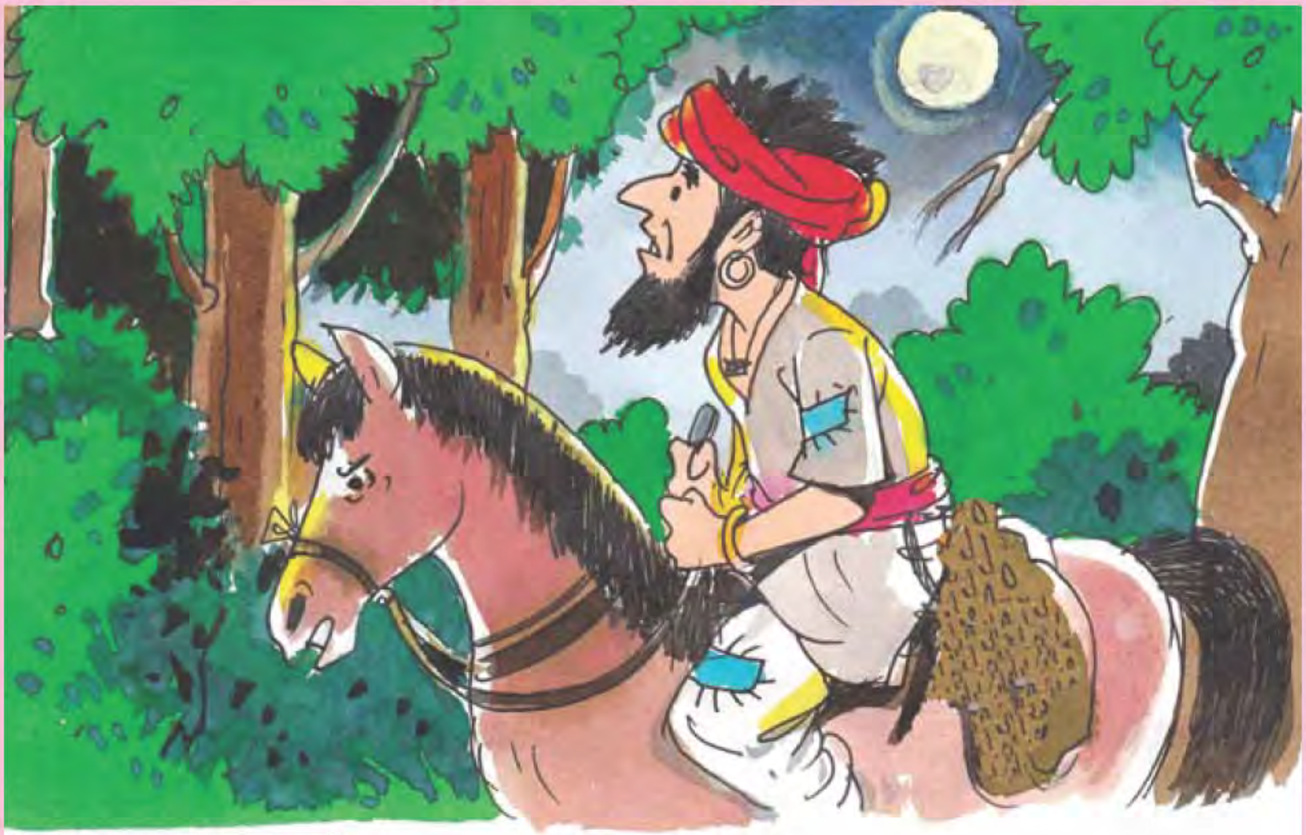

जंगल की राह में

अली बाबा क्वचित् इस राह आते। घने जंगल में आगे बढ़ना बड़ा कठिन था। डालियों-पत्तों को धक्का देते हुए घोड़ा आगे बढ़ता चला। शुक्ल पक्ष की चाँदनी चारों ओर छिटक रही थी। डर लग रहा था, जंगल की राह को नहीं जानना खतरनाक है। पर उसके मन में हमेशा घूमते रहता, वही—' *खुल जा सिम-सिम* '।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

क्व = क् + व   त्त = त् + त

क्क = क् + क   क्ल = क् + ल

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : पक्व, छत्ता, एक्का, क्लास

अक्षरों को जोड़कर घरों में लिखें :

छ + क्का = ____   क्वा + र = ____

शिक्षण परामर्श : *शिक्षार्थियों में संयुक्ताक्षरों के व्यवहार और निर्माण की जानकारी होगी। शिक्षार्थी संयुक्ताक्षरों का विभिन्न क्षेत्रों में व्यवहार करना सीखेंगे।* (३-२५ पेज) *(वि. द्र. : क्वचित् = कभी-कभी, शुक्लपक्ष = चाँदनीपक्ष)*

पतंग उड़ाने के दिन

शुक्रवार का आना विक्रम के लिए बहुत मजेदार होता है। शनिवार और रविवार तो अवकाश रहता है। वह और टिपू दोनो पतंग उड़ाने में दक्ष हैं। पतंग उड़ाने में कोई उनके समकक्ष नहीं है।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

क्र = क् + र   क्ष = क् + ष

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : वक्र, चक्र, पक्ष, अक्षर

अक्षरों को जोड़कर घरों में लिखें :

क्र + म + शः = ____   क्र + मि + क = ____

स + क्ष + म = ____   शि + क्ष + क = ____

आकाश में कितने तारे

रात के आकाश में असंख्य तारे हैं। मैं मग्न होकर गिनता हूँ। दिन के आकाश में सूरज रहता है। उसकी रोशनी से जाग्रत रहता है चारो ओर। रवि की किरणों से ग्लानि मिट जाती है। मुग्ध होकर देखता हूँ।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

ख्य = ख् + य

ग्ल = ग् + ल

ग्न = ग् + न

ग्र = ग + ्र

ग्ध = ग् + ध

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : मुख्य, भग्न, अग्र, ग्राम, ग्लास, दग्ध।

किए गये के अनुसार खाली घरों में लिखें: ख्याति = ख्या + ति

संख्य = ☐ + ☐

ग्राम = ☐ + ☐

रुग्ण = ☐ + ☐

दुग्ध = ☐ + ☐

(वि. द्र. : जाग्रत = जागता हुआ, ग्लानि = दु:ख, सख्य = मित्रता, रुग्ण = बीमार)

खेल के मैदान में

आज फाइनल खेल था। गैलरी में खूब भीड़ थी। दिग्दिगंत से लोग आए थे। कोई भी दल गोल नहीं कर सका। खेल के पूरा होने पर दोनों दलों को युग्म विजेता घोषित कर दिया गया। एक खिलाड़ी के घायल होने के कारण खेल में थोड़ा विघ्न पैदा हुआ था। लेकिन मैदान में चिकित्सक के मौजूद रहने के कारण वह खिलाड़ी शीघ्र ही ठीक हो गया।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

ग्द = ग् + द

घ्न = घ् + न

ग्म = ग् + म

घ्र = घ् + र

त्स = त् + स

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : वाग्मी, प्राण, तमोघ्न, वत्स, घ्राण

बॉयी ओर के शब्दों के साथ दॉयी ओर के शब्दों को मिलाएं :

गैलरी	जल्दी
युग्म	बाधा
विघ्न	दोनों एक साथ
शीघ्र	मैदान में बैठने की जगह
चिकित्सक	डॉक्टर

(वि. द्र. : दिग्दिगंत = सब ओर)

नाव चली

देखो, वह मयूरपंखी नाव जा रही है। नाव बहुत सुन्दर है। कृष्णा उस पर सवार है। आसमान में शंखचील पक्षी है। वह सम्बलपुर जा रही है। वहाँ नवीन संघ के मैदान में सांध्यकालीन वनभोज का आयोजन है।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

न्द = न् + द म्ब = म् + ब

ष्ण = ष् + ण ध्य = ध् + य

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : अन्दर, अम्बर, तृष्णा, मध्य।

खाली घरों में सही अक्षरों को लिखें और जोड़कर उन्हें बॉक्स में लिखें

क	न्द	रा	=	कन्दरा
	ष्ण	ता	=	
चु	म्ब		=	
	ध्या		=	

बिखरे शब्दों को सजाकर सही वाक्य बनाकर लिखें :

बहुत नाव सुन्दर है ....

चमकता है सूरज आकाश में ....

बिल्ली और उसके बच्चे

बिल्ली अपने दो बच्चों के साथ जा रही है। बाहर कड़ी धूप है। माँ ने छायेदार आच्छादन खोज निकाला। वहाँ कोने में दो रोटियाँ भी पड़ी थीं। रोटी उसके बच्चों के लिए सुपाच्य है। खुश होकर बच्चे अपनी माँ के शरीर में उनकी चपटी नाक को घिसने लगे।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

ल्ल = ल् + ल

च्च = च् + च

च्छ = च् + छ

च्य = च् + य

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : कच्चा, अच्छा, पल्ला, वाच्य

गोल घेरे से संयुक्ताक्षरों को लेकर खाली घरों में भरें और उन्हें जोड़कर खाली घरों में लिखें :

च्चा, ल्ला, च्छ, च्य

ह			=	
स			=	
	टा		=	
म		र	=	

(वि. द्र. : आच्छादन = छाजन)

मेला में

बज्रपुर के मेले की साज-सज्जा देखकर मैं चकित हो गया। शीतकालीन कुज्झटिका को दूरकर चारों ओर रोशनी से उज्ज्वल है। छन-छन करती जलेबियाँ तली जा रही हैं। चारों ओर से आये ज्ञात-अज्ञात तरह-तरह के लोगों की भीड़ से जम जाता है मेला।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

ज्र = ज् + र

ज्झ = ज् + झ

ज्ज = ज् + ज

ज्ज्व = ज् + ज् + व

ज्ञ = ग् + य

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : अग्र, गुज्झा, लज्जा, प्रज्ज्वलित, विज्ञान

गोल घेरे से अक्षरों को लेकर खाली घरों में भरें और मिलाकर लिखें :

__	ज्ज	न	=	______
अ	ज्ञा	__	=	______
__	ग्र		=	______

(गोल घेरा : स, न, उ)

शिक्षण परामर्श : *शिक्षार्थी तीन अक्षरों वाले विशेष संयुक्ताक्षरों का प्रयोग करना सीखेंगे। शिक्षक-शिक्षिका इसी प्रकार के और भी तीन अक्षरों वाले विशेष संयुक्ताक्षरों के उदाहरण शिक्षार्थियों के सामने उपस्थित करेंगे।(वि. द्र. : कुज्झटिका = कोहरा, गुज्झा = गुप्त या छिपा हुआ)*

घासों का नक्शा

गाँव में पेड़-पौधे अधिक हैं। खेतों में शतरंजी के नक्शे की तरह घास बिछी है। आकाश में चंचल बादलों का आना-जाना लगा है। पेड़-पौधे तूफानों-झंझावातों की मार सहकर भी खूब खुश हैं।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

रं = र + अं

चं = च + अं

क्श = क् + श

झं = झ + अं

गं = ग + अं

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : रंग, चंदन, रिक्शा, झंझट, गुंजन

घरों को पूरा करें : (एक कर दिया गया है)

	वं	
चं	च	ल
	ना	

	मं	
जं		ल
	ल	

	गुं	
रं		न
	न	

	झं	
साँ		
	ट	

हँसी का नाटक

नाट्य कलाकार मंच पर हैं। एक कलाकार हाथ जोड़े घुटनों के बल बैठा है। दूसरा कमर पर हाथ रखकर अट्टहास कर रहा है। सुनते ही छोटे बच्चों की सिट्टी–पिट्टी गुम हो गयी। सबसे अच्छे कलाकार को ट्रॉफी मिलेगी। यह नाटक हमारे पाठ्य पुस्तक में नहीं है।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

ट्य = ट् + य   ट्र = ट् + र

ट्ट = ट् + ट   ठ्य = ठ् + य

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : ट्यूलिप, ट्राम, पट्टी, अपाठ्य,

गोलघर से अक्षरों को लेकर खाली जगहों को भरें :

(ट्रे, ट्य, ट्टू, ठ्य)

(१) लत्ती से ल___ घुमाते हैं।

(२) नाटक लिखनेवाला ना___कार है।

(३) हावड़ा से___न द्वारा मधुपुर जाएंगे।

(४) '*मेरी पुस्तक*' हमारी पा___ पुस्तक है।

बाजा के ताल पर

खेल के मैदान में आज बहुत भीड़ है। बाजा बज रहा है। ड्रम के ताल पर लड़के-लड़कियाँ ड्रिल कर रहे हैं। यह मैदान हवाई अड्डा के पास है। कतारों में बैलून आकाश में उड़ते हुए दिखाई दे रहे है।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

ड्र	=	ड्	+	र
ड्ड	=	ड्	+	ड

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें :

ड्रेस, ड्रेन, गुड्डा, गुड्डी।

अक्षरों के साथ स्वर वर्णों को जोड़ें और नये अक्षरों को लगाकर नया शब्द बनायें और लिखें : (एक कर दिया गया है)

ड्ड	+	आ	=	ड्डा	→	अड्डा
ड्ड	+	ई	=		→	
ड्ड	+	ऊ	=		→	
ड्र	+	आ	=		→	
ड्रा	+	इ	=		→	

गोपी की मुसीबत

राजा बहुत घमंडी था। गोपी अपने हाथों की मुट्ठी बाँधे उसके सामने खड़ा है। फिर भी उसने डुग्गी पिटवाकर गोपी को राज्य से बाहर कर दिया। विपन्न गोपी अरण्य में चला गया। राजा के आदेश को टालेगा कौन ?

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

ट्ठ = ट् + ठ

ज्य = ज् + य

ण्य = ण् + य

ग्ग = ग् + ग

न्न = न् + न

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : चिट्ठी, झुग्गी, ज्यादा, पुण्य, सन्न।

गोल घर से शब्द लेकर खाली स्थानों को भरें :

मैदान के किनारे रविवार का ________ लगा है। बाजार में ________ की भीड़ है। बच्चे________ होकर हाट में घूम रहे हैं। आलू, पटल, बैगन, लौकी, पपीता आदि सब्जियों की ________ लगी हैं। हाट में ________ सी चीजें मिलती हैं।

दुकानें, लोगों, बहुत खुश, हाट

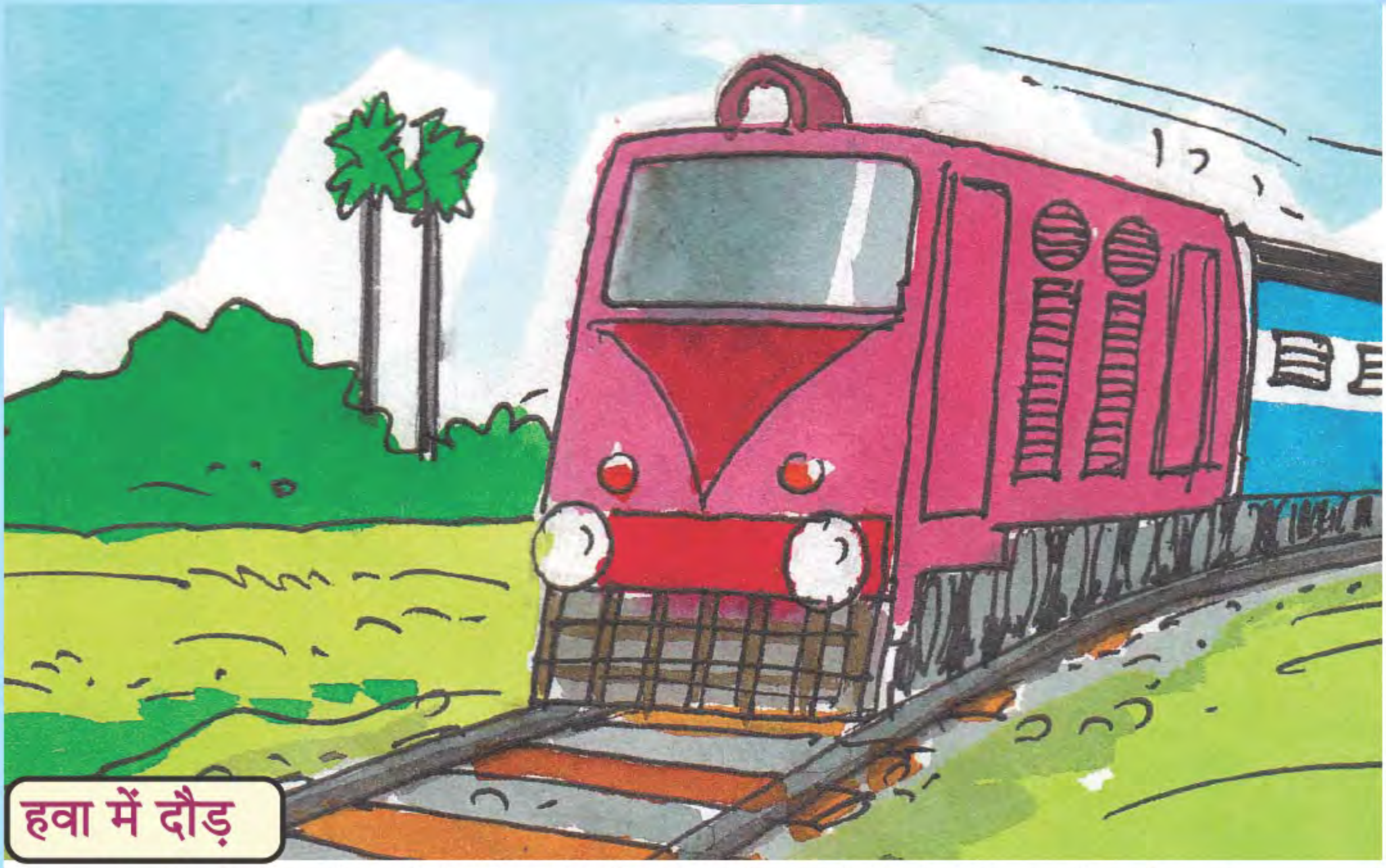

हवा में दौड़

ट्रेन त्वरित गति से दौड़ रही है। खेतों खलिहानों को पार करती जा रही है। उस पर बहुत से यात्री सवार हैं। उत्थान बाबु अपने सामानों को बड़े यत्न से सजाकर रख रहे हैं। रत्नदीप भी उसी ट्रेन में है। ट्रेन के दौड़ने के आनन्द से वह आत्मविभोर है। खिड़की से बाहर का दृश्य अनोखा लगता है। वह देख रहा है हवा के साथ चक्के का द्वैरथ। द्रिमि–द्रिमि की आवाज गूँज रही है। सचमुच अद्‌भुत है यह पृथ्वी।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

त्व = त् + व

ट्र = ट् + र

त्र = त् + र

त्थ = त् + थ

त्न = त् + न

त्म = त् + म

दृ = द् + ऋ

श्य = श् + य

द्व = द + व्

द्‌भ = द् + भ

थ्व = थ् + व

वि. द्र. : द्वैरथ = दो रथों के बीच होने वाला युद्ध/यहाँ लोहे की पटरी एवं चक्के के बीच युद्ध का भाव, द्रिमि–द्रिमि = गतिमान रेलगाड़ी के समय की एक आवाज।

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : तत्व, ट्रक, पात्र, जत्था, पत्नी, खत्म, द्वितीय, उद्‌भिज।

आओ शब्द जाल भरें :

अगल-बगल	ऊपर नीचे
३. महान व्यक्ति	१. तेज
४. किनारा	३. मतवाला
६. वतन	५. छोड़ देना
८. घमण्ड	७. मित्र का उल्टा

१.	▨	▨	३.		
४.		▨		▨	▨
▨	▨	५.	▨	६.	७.
▨	▨	८.		▨	

अगल-बगल
३. महात्मा
४. तट
६. देश
८. गर्व
ऊपर-नीचे
१. द्रुत
३. मस्त
५. त्यागना

वाक्य रचना करें :

पृथ्वी : ....

अद्‌भुत : ....

द्रुत : ....

सबेरे के आकाश में

भोर होते ही आकाश का ध्यान भंग होता है। अन्धेरा छँट जाता है। जन्म लेता है एक नया दिन। सबेरा होता है। पक्षियों के चहचहाहट की ध्वनि कानों में आती है। लगता है जैसे यह कोई अन्य पृथिवी हो। अन्तर में जागता है एक आनन्दमय सिहरण।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

ध्य = ध् + य

न्ध = न् + ध

न्म = न् + म

ध्व = ध् + व

न्य = न् + य

न्त = न् + त

न्द = न् + द

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : ध्यान, अन्धा, जन्म, ध्वजा, कन्या, अन्त, बन्द।

खाली घरों में वर्णों को बिठाकर शब्दों को पूरा करें :

अ		न्न
भि		

	स्त्र
न्य	

अ		न्य

		न्द

	त	
अ		न्त
	य	

वि. द्र. : अन्तर = हृदय।

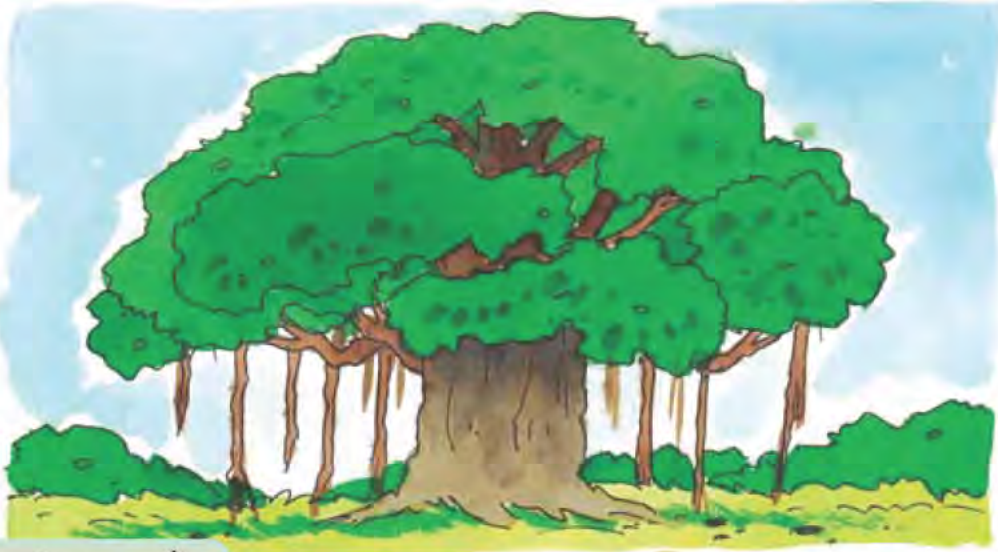

बरगद की जटाएँ

हावड़ा जिले के शिवपुर में वानस्पतिक उद्यान है। यहाँ बरगद का एक विशाल वृक्ष है। जिसकी उम्र सौ वर्षों से भी ज्यादा है। इसकी असंख्य जटाएं नीचे उतरकर पृथ्वी में समाई हैं। आँधी–तूफान या बाढ़ का कोई असर इसपर नहीं पड़ता। इसकी शाखाओं के ऊपर चिड़ियों का मेला लगा रहता है।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

स्प	=	स्	प	क्ष	=	क	ष	ज्य	=	ज्	य
द्य	=	द्	य	म्र	=	म्	र	ख्य	=	ख्	य

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : प्रचुर, फ्रॉक, सप्ताह, वृक्ष, राज्य, असंख्य, विद्यालय।

गोलक के अक्षरों को जोड़ें और शब्द बनाकर पास वाले घरों में लिखें।

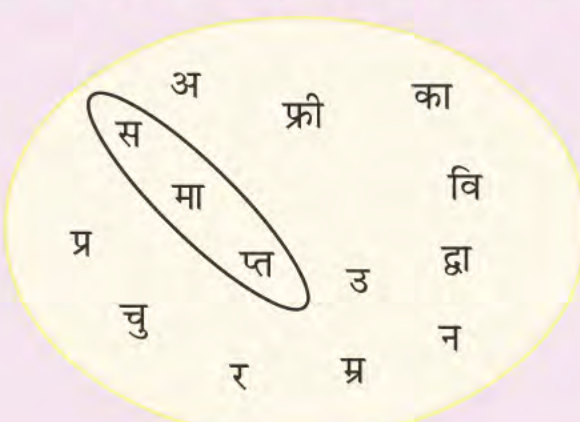

= समाप्त

=

=

=

=

बाजार–हाट

ब्रजपुर में बाजार लगा है। गाँव–देहात से व्यवसायी आकर यहाँ डाला लगाते हैं। यहाँ सबकुछ मिलता है। और सस्ता मिलता है। भ्रमर अपने पिताजी के साथ आयी है। लोगों के शोर–गुल वाले शब्दों से बाजार व्यस्त है। वहाँ उसने एक बड़ी कतला मछली को देखा। जिसे देख वह आश्चर्य चकित रह गयी।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

ब्र = ब् + र   व्य = व् + य   स्त = स् + त

भ्र = भ् + र   ब्द = ब् + द   श्च = श् + च

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : ब्रश, व्यय, खास्ता, भ्रमण, शब्दार्थ, पश्चिम।

नए–नए शब्द बनाएं :

	व्य	
अ		य
	कु	ल
स		ता
	ब्र	

ऊपर के शब्दों को लेकर शब्द पहेली पूरा करें :

अगल–बगल
२. धोखा
४. गिरा हुआ
६. हाट

ऊपर–नीचे
१. घूमना
३. तकलीफ
४. भौंरा
५. पिता के पिता

■	१	■	■
२		■	■
■		■	३
■	■	४	
५	■		■
६			■

हल
अगल–बगल
२. भ्रम
४. भ्रष्ट
६. बाजार
ऊपर–नीचे
१. भ्रमण
३. कष्ट
४. भ्रमर
५. बाबा

पहाड़ों की पुकार

लम्बा पहाड़ी पथ। नीचे पहाड़ी नदी बह रही है। बहुत ही मनोरम जगह है। यहाँ उछल-कूद करना ठीक नहीं। प्रकाश मद्धिम होने को आया। अब और आगे बढ़ना असम्भव है। सबकी सम्मति लेकर यहीं तंबू गाड़ें। देखो वो दूर सुरम्य पहाड़ों की चोटियाँ, लग रहा है जैसे हमें बुला रही हैं।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

म्ब = म् + ब   द्ध = द + ध्   म्भ = म् + भ

म्म = म् + म   म्य = म् + य

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : अम्बा, बुद्ध, आरम्भ, अम्मा, सौम्य।

सजाकर शब्द बनाएं एवं उनसे वाक्य बनाएं : (एक कर दिया गया है)

ल म्ब क	कम्बल	यह कम्बल बहुत सुन्दर है।
द्ध शु		
स ल म्भ		
त म्म हि		
न म्या		

अज्ञात इतिहास

धूप लगते ही कुहासे का पर्दा कर्पूर की तरह गायब हो गया। सामने ही बहुत पुराना दुर्ग खड़ा है। उम्र की मार से जीर्ण-शीर्ण है। फिर भी निर्विकार खड़ा है। हम सभी धैर्य के साथ घूमकर देख रहे थे। बीते जमाने की अनगिनत बातें इस किले में छिपी हैं। जिसे लेकर किसी के मन में कोई तर्क नहीं उठता।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

र्द = र् + द
र्प = र् + प
र्ग = र् + ग
र्ण = र् + ण
र्व = र् + व
र्य = र् + य
र्क = र् + क

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : सर्द, सर्प, मार्ग, कर्ण, पर्व, आर्य, गर्क।

दाएं से बाएं को मिलाएं

र्	+	ग	द्र
र्	+	क	र्य
द्	+	र	र्ग
क्	+	र	र्क
र्	+	य	क्र

नीचे दिए शब्दों के समान अर्थों वाले शब्दों को पाठ से खोजकर खाने में लिखें :

कोहरा = ______
किला = ______
बहुत पुराना = ______
धीरज = ______

मजेदार चिड़ियाघर

हम माता-पिता के साथ चिड़ियाघर गये थे। बारहसिंगा व भालू देखा। उलट-पुलट करता अपने पिंजरे में बन्दर कूद रहा है। पास ही बोल्डरों से घिरा गैंडे का घर था। शुतुरमुर्ग के पंख एक कलात्मक शाल की तरह लग रहे थे। यह सब कोई कोरी कल्पना नहीं। बहुत ही मजेदार एक वास्तविक सत्य अनुभव!

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

न्द	=	न्	+	द		ल्ड	=	ल्	+	ड		त्म	=	त्	+	म
ल्प	=	ल्	+	प		स्त	=	स्	+	त		त्य	=	त्	+	य

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : अन्दर, होल्डर, आत्मा, शिल्प, अस्त, त्याग।

पाठ पढ़कर इन प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में लिखें :

१. चिड़ियाखाने में बन्दर कैसे लटक रहा था ? ....

२. गैंडे का घर किस चीज से घिरा था ? ....

३. शुतुरमुर्ग के पंख कैसे लग रहे थे ? ....

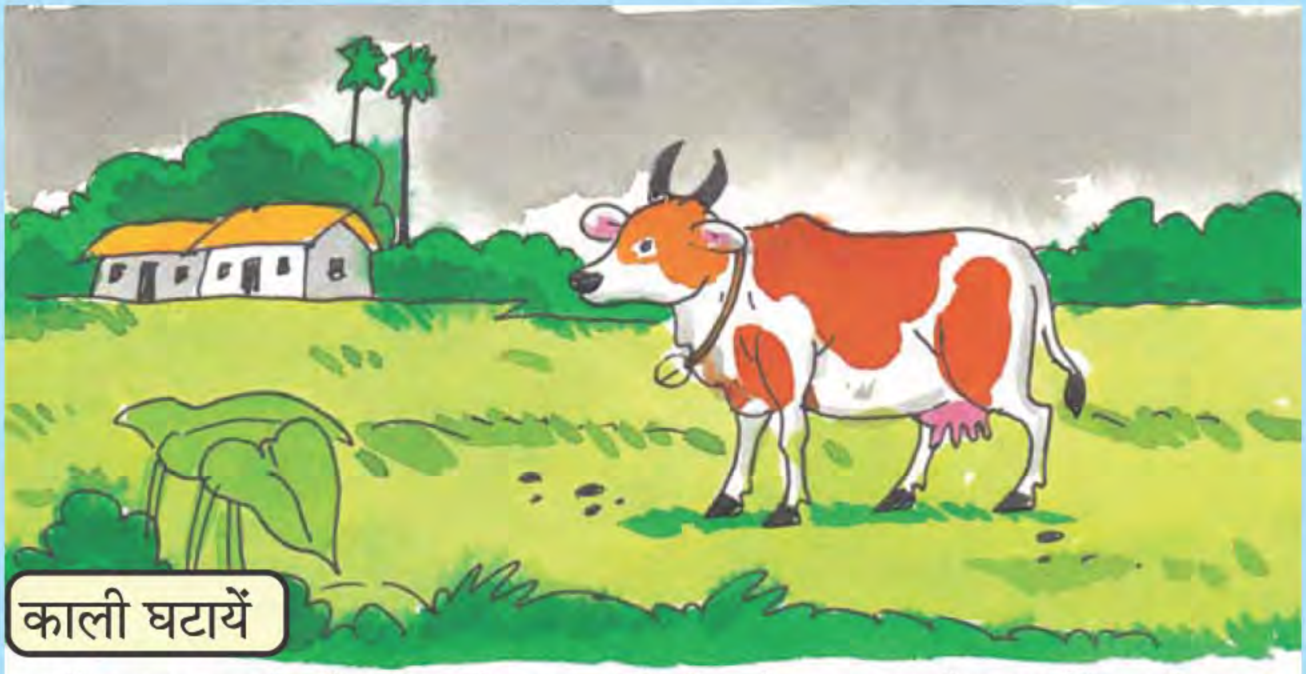

काली घटायें

अभी श्रावण का महीना है। पश्चिम के आकाश में घने काले बादल छाए हैं। सम्पूर्ण विश्व निश्चल और निःशब्द है। अवश्य ही कोई तूफान आने वाला है। गाय मैदान में धीरे-धीरे चल रही है। आज अब और प्रकाश के दर्शन नहीं होंगे। शाम को घूमने जाने का प्रश्न ही नहीं उठता।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

श्र = स् + र　　श्च = श् + च　　म्प = म् + प

श्व = श् + व　　ब्द = ब् + द　　श्य = श् + य

श्न = श् + न

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : श्रवण, निश्चित, पम्प, अश्व, अब्दुल, श्याम, जश्न।

खाली स्थानों में इन्हें भरकर नए शब्द बनाएं :

(श्य, स्व, श्न, श्चि, श्रा, प्र, श्व, अ)

दृ				यं		प्र	
	प		म			व	ण
	ति		वि				न्त
		र		वि		म	

पाठ पढ़कर इन प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में लिखें :

१. घने बादल कहाँ छाए थे ?

....

२. गाय किस तरह चल रही है ?

....

३. आज किसका दर्शन नहीं होगा ?

....

जलमग्न

सुबह से ही वर्षा हो रही है। कुछ भी शुष्क नहीं है। बरसाती पहनकर लोग चल रहे हैं। कुछ लोग छाता भी लगाये हैं। सब कुछ जलमग्न हो गया है। किसी तरह शरीर बचाने का यह श्रेष्ठ तरीका है। एकमात्र कृष्ण काका की ही दुकान खुली है। चलें, मुझे सरसों खरीदकर लाना है।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

ष्क = ष् + क   ष्ण = ष् + ण

ग्न = ग् + न   ष्ठ = ष् + ठ

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें : कनिष्क, अग्नि, भग्न, उष्ण, काष्ठ, विष्णु।

एक नया शब्द और बनाएं :

ग्न →	लग्न	मग्न
ष्ठ →	पृष्ठ	
ष्क →	आविष्कार	
ष्ण →	तृष्णा	

पाठ पढ़कर केवल एक वाक्य में उत्तर लिखें :

१. लोग क्या पहन कर बाहर निकले हैं?

....

२. किसकी दुकान खुली है?

....

३. क्या खरीदकर लाना है?

....

नहाने उतरें

नदी की धारा तेज है। धीरे-धीरे उतरें। अस्थिर होना ठीक नहीं। स्थिर होकर पानी में उतरना होगा। इस्पात की तरह सख्त पत्थरों के ऊपर पाँव रखकर स्नान करना होगा। चलो स्पर्श करें शीतल निर्मल जल। इतना साफ और स्पष्ट कि एकदम नीचे तक साफ दिखाई देता है।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

स्थ = स् + थ स्प = स् + प ख्त = ख् + त

त्थ = त् + थ स्न = स् + न ष्ट = ष् + ट

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें: स्थान, अस्पताल, पुख्ता, जत्था, स्नायु, पुष्ट।

नीचे दिए संयुक्त वर्णों को शब्द के पहले, बीच में और अन्त में लगाकर नए शब्द बनाएं :

स्था ष्ट
स्त स्व

प्र ◯ न

बि ◯ र

दु ◯

◯ र

अ व ◯

नए शब्दों से वाक्य बनाएं :

....

....

....

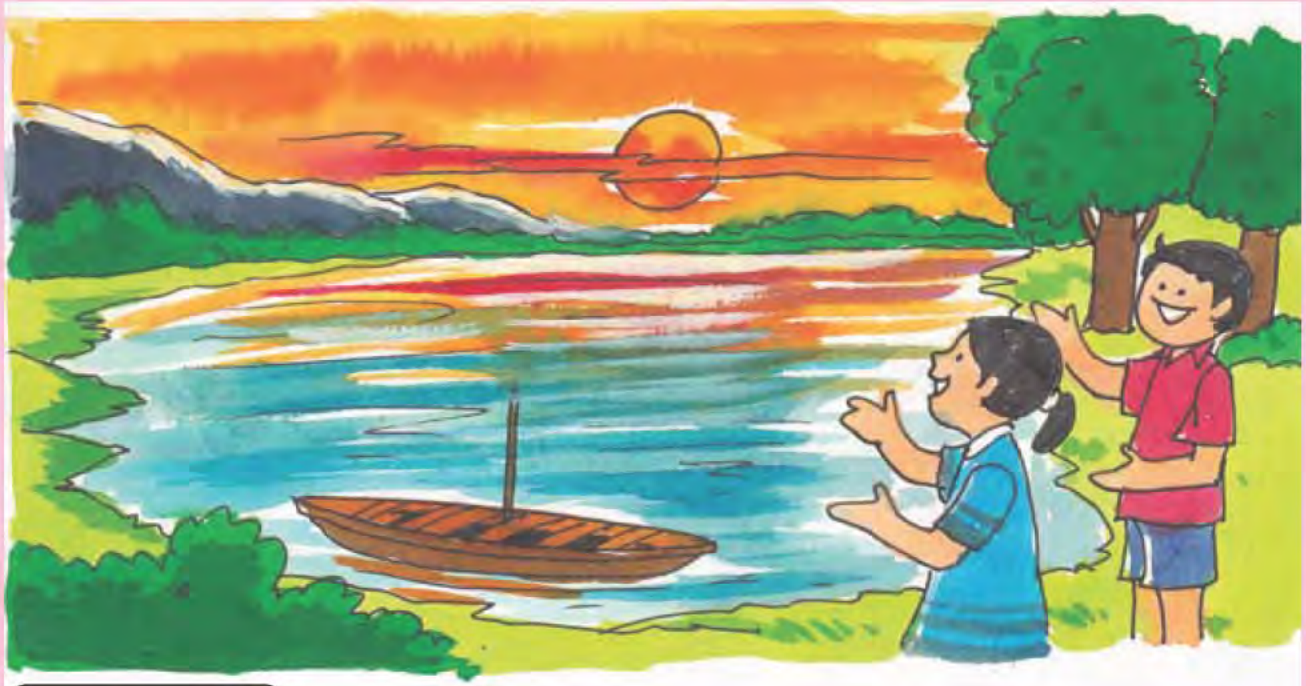

शाम सुहानी

अभी अपराह्न काल है। लग रहा है जैसे झील के पानी में सूर्य अस्त हो रहा है। सम्पूर्ण आकाश में लालिमा छायी हुई है। जिसे देखकर हृदय आह्लादित हो जाता है। ऐसी संध्या का आह्वान मन को मुग्ध कर देता है।

चलो अब ऊपर के रंगीन भागों को अलग करके देखें :

ह्न	=	ह	+	न्
म्प	=	म्	+	प
हृ	=	ह	+	ऋ
ह्ल	=	ह	+	ल्
ह्व	=	ह	+	व्
ग्ध	=	ग्	+	ध

आओ इसी तरह के कुछ नए शब्द और सीखें: चिह्न, कम्पन, सुहृद, प्रह्लाद, अह्वायक, दुग्ध।

खाली स्थानों में उचित संयुक्ताक्षर बैठाएं :

पू	र्वा		
म	ध्या		
सा	या		
अ	प	रा	

पाठ पढ़कर एक वाक्य में उत्तर लिखें :

१. शाम का और दूसरा नाम क्या है ?

....

२. किसके पानी में सूर्य अस्त हो रहा है ?

....

३. आकाश में क्या छाया है ?

....

See and say :

CAPITAL LETTERS						
V	A	B	C	D		
O	E	F	G	H		
W	I	J	K	L	M	N
E	O	P	Q	R	S	T
L	U	V	W	X	Y	Z
	CONSONANT					

small letters						
v	a	b	c	d		
o	e	f	g	h		
w	i	j	k	l	m	n
e	o	p	q	r	s	t
l	u	v	w	x	y	z
	consonant					

Circle the capital letters :

This is my bat.

I love my school.

That is Debu's ball.

We live in India.

We play cricket every Sunday.

The Taj Mahal is in India.

Read the sentences. Notice the Capital Letters :

1. She is Minu .
2. I have a pet cat.
3. Pinaki is my brother.

Use of Capital Letters :

1. In case of **I**
2. At the beginning of a sentence
3. In case of names of people, place, village, country, river, mountain, days of the week etc.

Rewrite the sentences using capital letters :

i am mouli. mita is my friend. we live in belna. belna is beside the river damodar. every sunday, we play together.

See and say :

1 one

one cat

2 two

two dogs

3 three

three bugs

4 four

four hens

5 five

five pigs

Say :

bat	mat
hat	rat

bog	hog
fog	log

hug	mug
jug	rug

den	pen
men	ten

big	fig
dig	wig

See and say :

6 six

six books

7 seven

seven balls

8 eight

eight trees

9 nine

nine shops

10 ten

ten ducks

Say :

cook	moon
hook	pool

call	hall
fall	tall

free	heel
jeep	peel

ship	cash
shut	fish

back	clock
pack	rock

Look at the pictures. Fill in the gaps :

__three__ green trees

__________ red jeeps

__________ small ducks

__________ big bags

__________ fat sheep

__________ huge ships

__________ hopping frogs

__________ sailing boat

__________ jumping fishes

__________ tiny cars

Match column A with column B :

A	B
1) sky	a) green
2) milk	b) black
3) leaf	c) yellow
4) crow	d) white
5) yolk	e) blue

Colour the picture. Write three sentences about the picture:

See and Say :

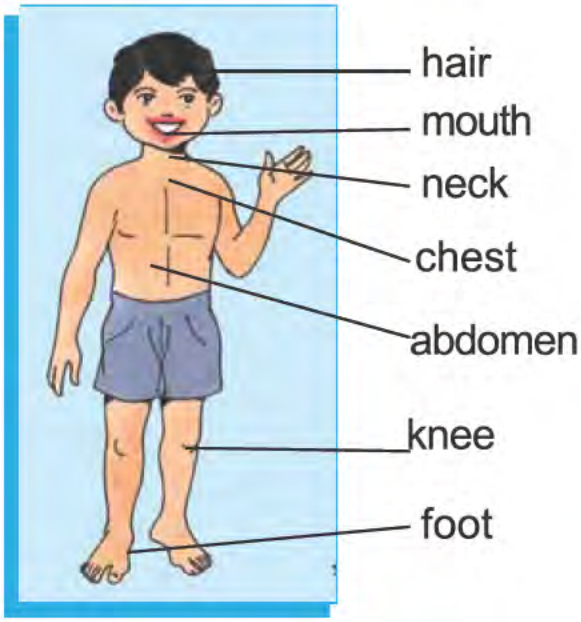

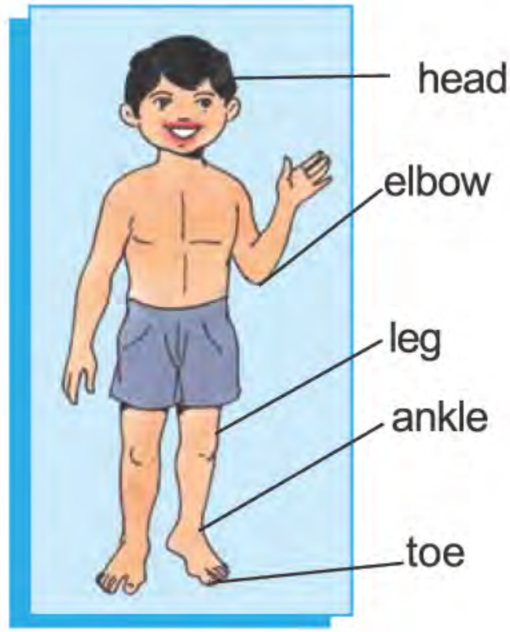

See the words in the help box . Fill in the gaps correctly :

1. I _______ my hands.
2. I _______ my head.
3. I _______ on my legs.
4. I _______ on my feet.

Help box

nod
clap
run
stand

उजाला

ओ... सूरज जागा, अंधेरा भागा।
फैला उजाला, आखों को भाया।।

धरती जगमग करती है।
उर में खुशियाँ भरती है।।

मदमाता मन, करता है मनमानी।
खिला गगन, चली हवा सुहानी।।

पंख फैलाए उड़ते हैं पंछी।
तितलियाँ देखो फूलों से मिलतीं।।

पाते ही उजाला मतवाले होते।
चम्पा-चमेली बागों में खिलते।।

अरे! पत्तों में भी है हँसी छायी।
अनवरत अमृत झरता है भाई।।

शब्दार्थ : उर = हृदय; गगन = आकाश; अनवरत = लगातार; अमृत = अमर; झरता = गिरता

शिक्षण परामर्श : *शिक्षार्थी इस गीत को सुर और लय में गाएगें। शिक्षक / शिक्षिका उनकी मदद करेंगे।*

प्रभात वर्णन

—मदन मोहन तर्कालंकार

पक्षी सब करते कलरव, गयी रात आयी भोर।
उपवन में फूलों की कलियाँ खिल गयीं चारों ओर।।
ढोरों को लिए चराने जाता, पशुपालक राखाल।
मन लगाकर पढ़ते बच्चे, करते पाठ ख्याल।।
फूटा फूल चमेली का, फैली उसकी सुगंध।
मधुलोभी भौंरा आया, मिलने फूल के संग।।
निकला सूरज गगन में, लेकर लोहित वर्ण।
मिला उजाला धरती को, पुलकित होता मन।।
लगती ठंडी हवा तन में, भरती नया जोश।
चमक रही है पत्तों पर, रात वाली ओस।।
उठो बच्चों, मुँह धोओ, बदलो अपने भेस।
अपने-अपने पाठों में, मन का करो निवेश।।

शब्दार्थ :

कलरव = मधुर ध्वनि
भोर = सबेरा
उपवन = बगीचा
ढोर = जानवर / मवेशी
पशुपालक = पशु पालनेवाला
ख्याल = याद
लोहित = लाल रंग का
वर्ण = रूप
भेस = पहनावा / वेश-भूषा
उजाला = प्रकाश
पुलकित = हर्षयुक्त
निवेश = लगाना

शिक्षण परामर्श : *छात्र कक्षा में इस कविता को लय में पाठ करेंगे।*

नीचे के चित्र में अपनी पसन्द का रंग भरें :

See and say :

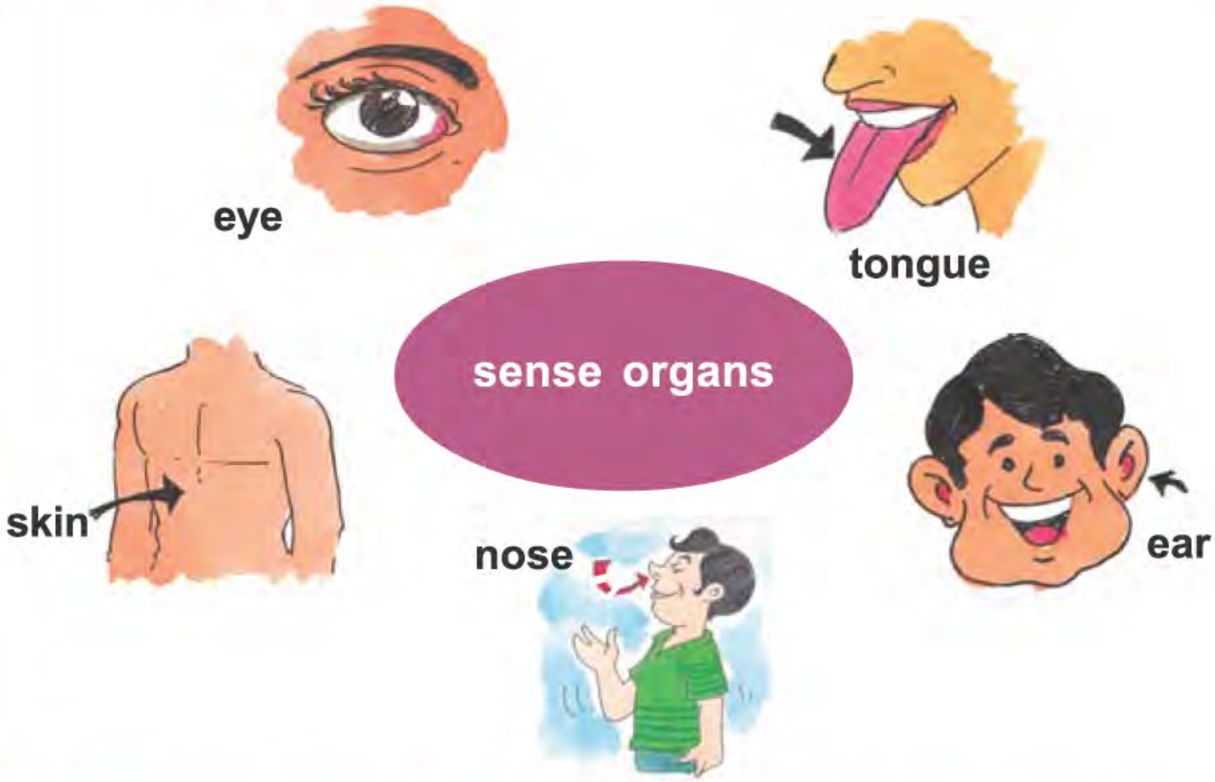

See the words in the help box . Fill in the gaps correctly :

1. I _______ with my eyes.
2. I _______ with my nose.
3. I _______ with my ears.
4. I _______ with my tongue.
5. I _______ with my skin.

Help box

smell
taste
touch
see
hear

See and write :

I can see a ________________.

I can see a ________________.

I can see a ________________.

I can see a ________________.

I can see a ________________.

Match column A with column B :

A	B
1. china rose	1. white
2. sunflower	2. pink
3. lotus	3. violet
4. lily	4. yellow
5. dahlia	5. red

See and write :

I can see a ______________.

I can see a ______________.

I can see a ______________.

I can see an ______________.

I can see an ______________.

Make a list of fruits :

1. lemon
2. m ________
3. j ________
4. b ________
5. g ________
6. w ________

Draw pictures of your favourite flowers and fruits:

Write the names of the flowers and fruits :

Flowers	Fruits
1.	1.
2.	2.
3.	3.

Listen and say :

Watermelon, watermelon
Rolling down the street.
Watermelon, watermelon
Stopped at my feet.

I put him in my wagon
And took him home.
I hoped he liked it
And wouldn't try to roam.

See and say :

What is this ?

This is a book.

What is that ?

That is a book.

What is this ?

....

What is that ?

....

What is this?

....

What is that?

....

A telling sentence starts with a capital letter and ends with a full stop [.]

An asking sentence starts with a capital letter and ends with a question mark [?]

See and Say :

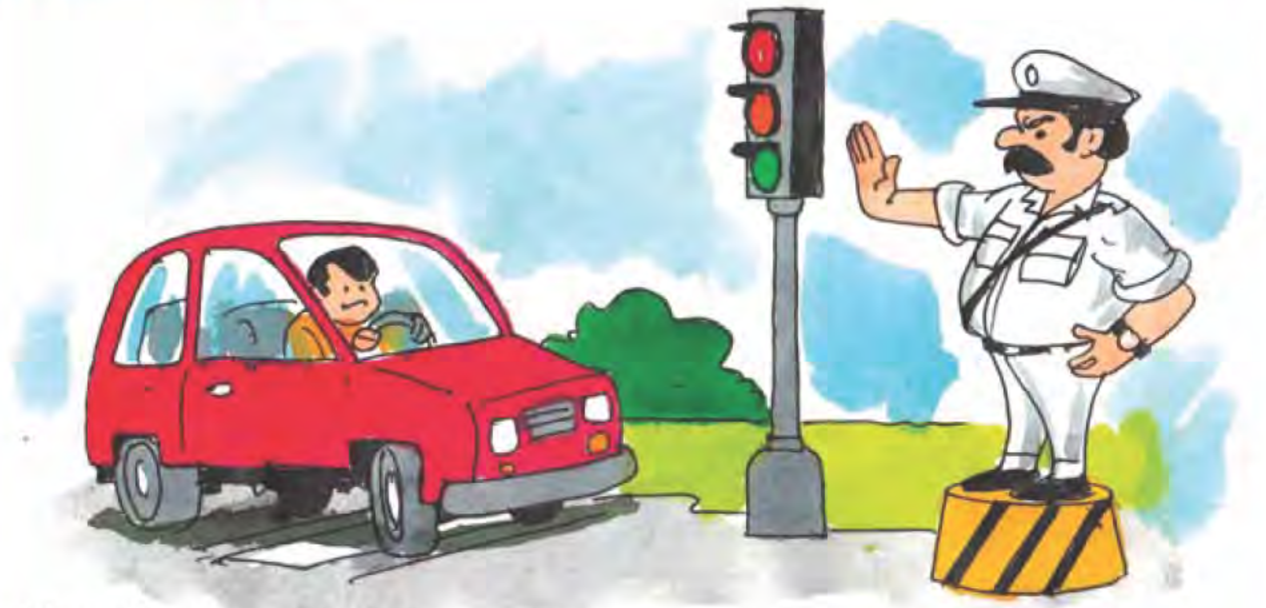

The signal was red.

The car did not stop at the signal.

The driver broke the rule.

Read the sentences:

There are six members in our family. They are my grandfather, grandmother, father, mother, sister and me. My father is a teacher. He teaches English. My mother is a housewife. She takes good care of us. My sister reads in class three. I am in class two. We are a very happy family.

Fill in the gaps with words from the passage:

a) There are _____________ members in our family.

b) My father is a _________.

c) My sister reads in class ________.

d) We are a very _________ family.

Draw the pictures :

the sun

a banana

a glass

a leaf

an umbrella

a hut

चित्र देखकर खाली घरों में ठीक-ठीक लिखें :

चित्र में २ नंबर पेड़ १ नंबर पेड़ से [ ] है, लेकिन ३ नंबर पेड़ से [लम्बा] है। यहाँ १ नंबर पेड़ सबसे [ ] और ३ नंबर पेड़ सबसे [ ] है।

यहाँ बिल्ली, बाघ से [ ] है, किन्तु चूहे से [ ] है। यहाँ चूहा सबसे [ ] है और बाघ सबसे [ ] है।

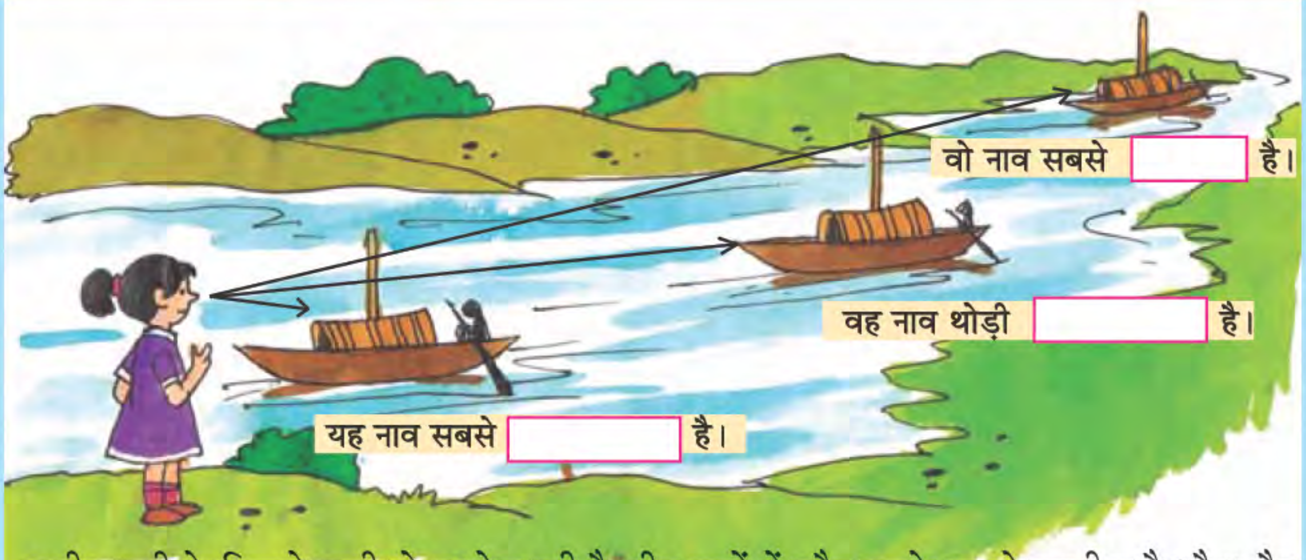

सबीना नदी के किनारे खड़ी होकर देख रही है, तीन नावों में कौन उसके सबसे नजदीक है और कौन सबसे दूर ?

चित्र देखकर खाली घरों में ठीक-ठीक लिखें :

२ नंबर शीशी में १ नंबर शीशी से [ ] मधु है, लेकिन ३ नंबर शीशी से [अधिक] मधु है।

(१) बीच वाली शीशी में बांयी ओर की शीशी से [ ] मधु है।

(२) बीच वाली शीशी में दांयी ओर की शीशी से [ ] मधु है।

(३) यहाँ सबसे अधिक मधु [ ] नंबर शीशी में है।

(४) यहाँ सबसे कम मधु [ ] नंबर शीशी में है।

हम पिंजड़े के [ ] हैं। लेकिन हिरण पिंजड़े के [ ] है।

बन्दर भी पिंजड़े के [अन्दर] है।

चित्र देखकर खाली घरों में ठीक-ठीक लिखें :

बड़ा-छोटा

मीर राजू राना

राजू के हाथ का बॉल राना के बॉल से **बड़ा**, जबकि मीर के हाथ के बॉल से ______ है।

यहाँ मीर के हाथ का बॉल सबसे ______ है और राना के हाथ का बॉल सबसे ______ है

हल्का-भारी

तरबूज नारंगी लीची

नारंगी तरबूज से **हलकी** है, पर लीची से ______ है।

यहाँ तरबूज सबसे ______ है और लीची सबसे ______ है।

मोटा-पतला

१ नंबर २ नंबर बाँसुरी

२ नंबर पेड़ का तना १ नंबर पेड़ के तने से ______ है लेकिन बाँसुरी से **मोटा** है।

यहाँ १ नंबर पेड़ का तना सबसे ______ है। बाँसुरी सबसे ______ है।

चित्र देखकर खाली घरों में ठीक-ठीक लिखें :

ऊँचा-नीचा

यह आम जरा ______ है, इसलिए सोमेन इसे डंडे से तोड़ रहा है।

वह आम बहुत ______ है, इसलिए डेविड पेड़ पर चढ़ गया है।

यह आम बिल्कुल ______ है, इसलिए आसिफ जमीन पर खड़ा होकर ही तोड़ रहा है।

यहाँ सबसे ऊँचाई पर ______ आम तोड़ रहा है, सबसे ______ वाला आम तोड़ रहा है आसिफ।

मोटा-पतला

दादी माँ फर्श पर बैठकर पुस्तक पढ़ रही है। उनकी पुस्तक मोटी है। बहन टेबुल पर बैठकर पुस्तक पढ़ रही है। उसकी पुस्तक दादी माँ की पुस्तक से ______ है।

आगे-पीछे

लड़के दौड़ रहे हैं। बॉबी सबसे ______ है। सबसे पीछे है ______।

सलमान जॉन से आगे है पर बॉबी के ______ है।

जॉन सनी के ______ है, लेकिन ______ से पीछे है।

चित्र देखें और खोजें :

☺अधिक–कम ☺भारी–हल्का ☺लम्बा–नाटा ☺बड़ा–छोटा ☺दूर–नजदीक ☺आगे– पीछे ☺मोटा–पतला ☺ऊपर–नीचे ☺सीधा–टेढ़ा।

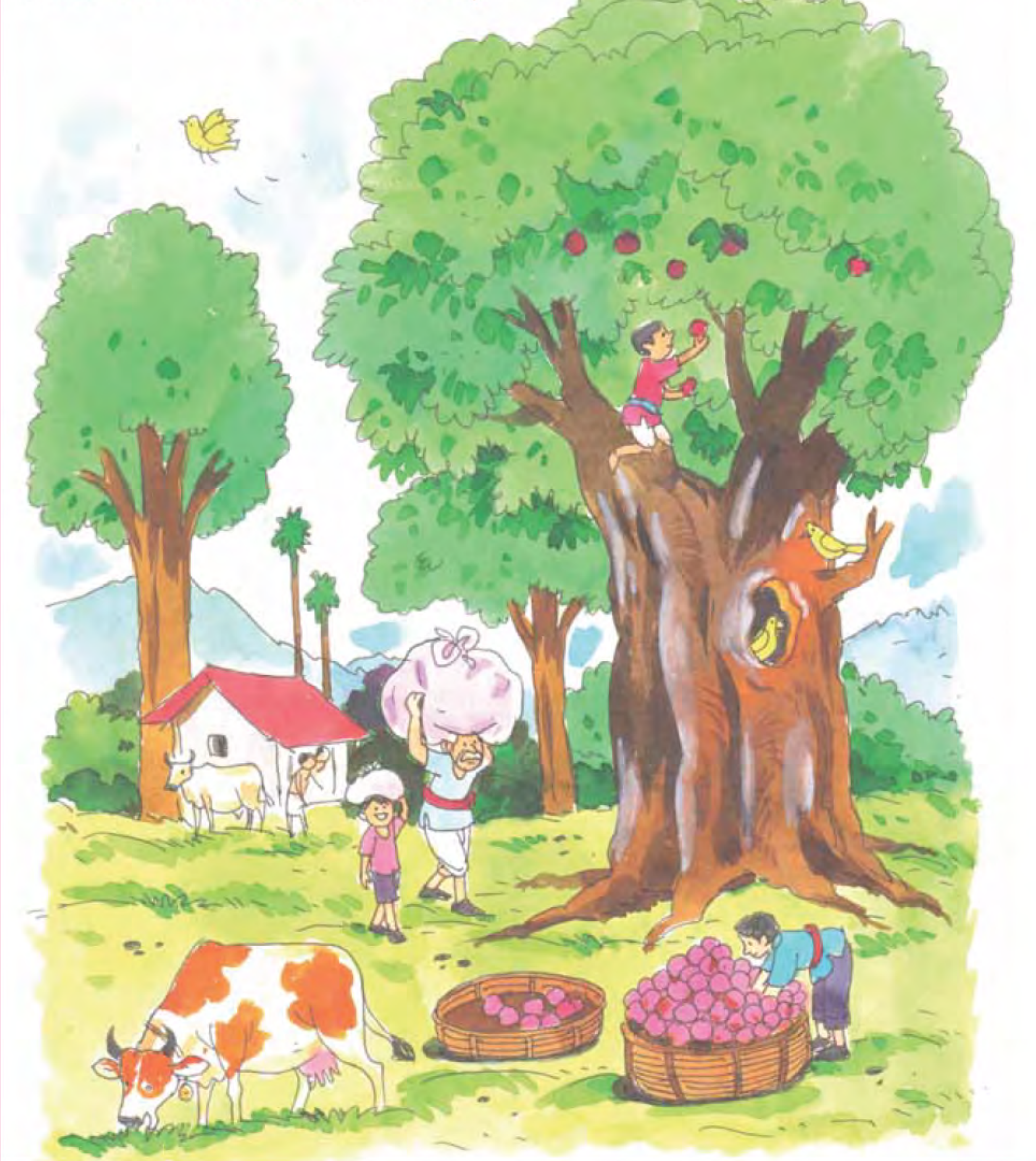

चित्र देखकर खाली घरों में ठीक-ठीक लिखें :

४ < ५ < ७ < ८ < ९

___ < ___ < ___ < ___ < ___

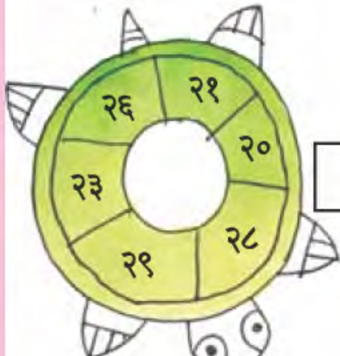

___ > ___ > ___ > ___ > ___ > ___

___ < ___ < ___ < ___ < ___

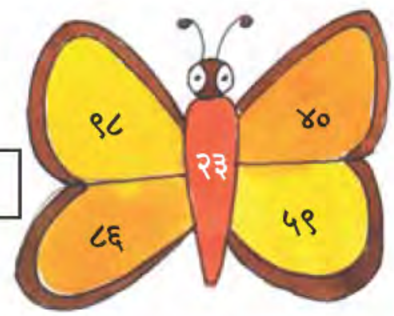

___ < ___ < ___ < ___ < ___

___ > ___ > ___ > ___ > ___

चित्रों को देखें और समझकर लिखें :

द०	इ०
	३
+	४
+	३
	☐

☐ + ☐ + ☐ = ☐

द०	इ०
	☐
+	☐
+	☐
	☐

☐ + ☐ + ☐ = ☐

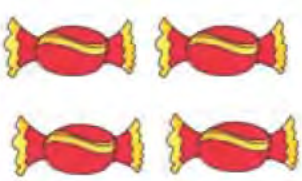

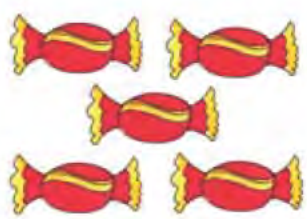

द०	इ०
	☐
+	☐
+	☐
	☐

☐ + ☐ + ☐ = ☐

चित्रों को देखें और समझकर लिखें :

इ०
५
– २
३

५ – २ = ३

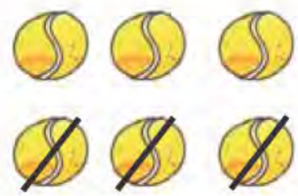

इ०
६
– ३

६ – ३ = ☐

इ०
७
– २

७ – २ = ☐

इ०
☐
– ☐

☐ – ☐ = ☐

फूल के पास बांयी ओर से ५ तितलियाँ और दांयी ओर से ८ तितलियाँ उड़ती हुई आ रही हैं। अब फूल के पास कुल कितनी तितलियाँ हैं, देखें।

	द०	इ०
	☐	
☐	☐	
	☐	

८ + ५ = ____

यहाँ कुल ☐ तितलियाँ हैं।

एक जगह ९ फूल थे। उनमें से ५ फूलों को उठा लेने पर, कितने फूल वहाँ रहेंगे, देखें :

	द०	इ०
	☐	
☐	☐	
	☐	

____ ____ ____ = ____.

उस जगह ☐ फूल रहेंगे।

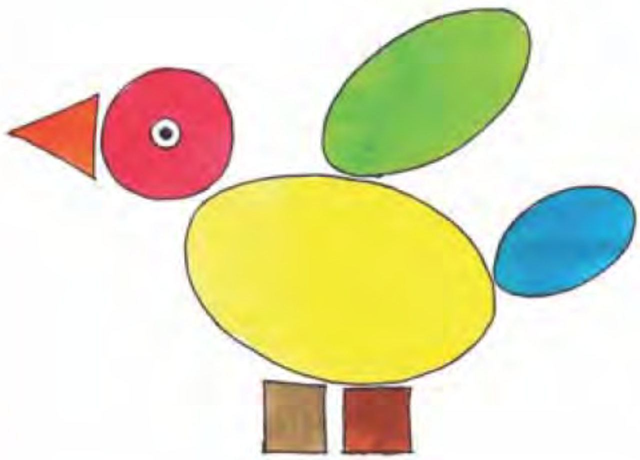

नीचे दिए गए आकारों द्वारा खाली स्थानों में चित्र बनाएं और रंग भरें :

चित्रों को देखते हुए अगले खाली घरों को अनुकरण करते हुए भरें :

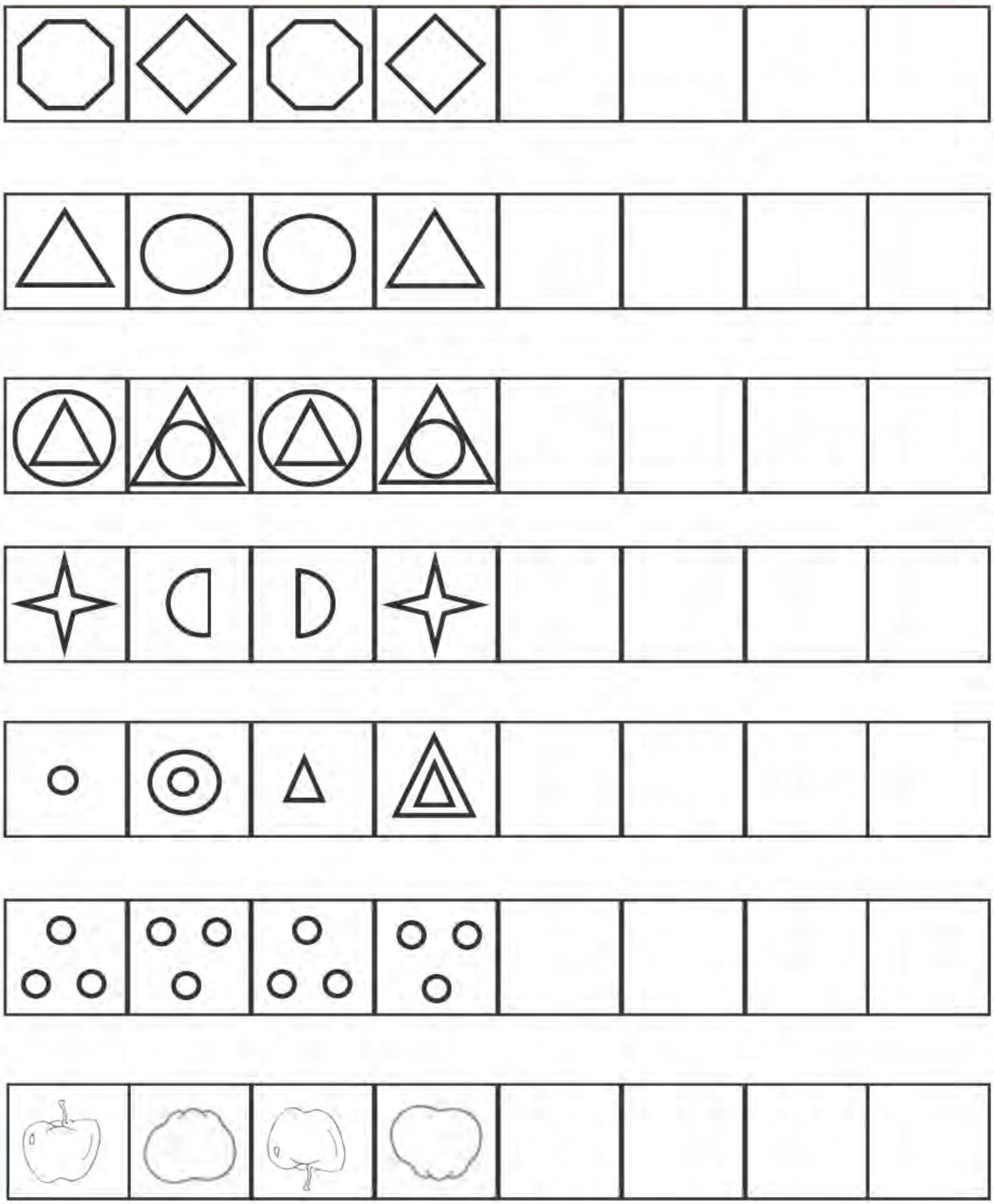

काठी में मोती पिरोएं :

आज हम बगीचे में खेलेंगे। पेड़ के नीचे बहुत आम गिरे हैं। उन्हें चुनकर हम टोकरी में जमा करेंगे। अब देखें किसने कितने आम चुने हैं। नये तरीके से काठी और ९ लाल मोतियों के द्वारा हम उन्हें गिनेंगे। काठी में ९ से अधिक मोती पिरोएं नहीं जा सकते।

अब काठी का नाम दिया *इकाई की काठी* या *इकाई का घर*

१ आम के लिए १ लाल मोती पिरोयेंगे।
२ आम के लिए २ लाल मोतियाँ पिरोयेंगे।
५ आम के लिए ५ लाल मोतियाँ पिरोयेंगे।
९ आम के लिए ९ लाल मोतियाँ पिरोयेंगे।

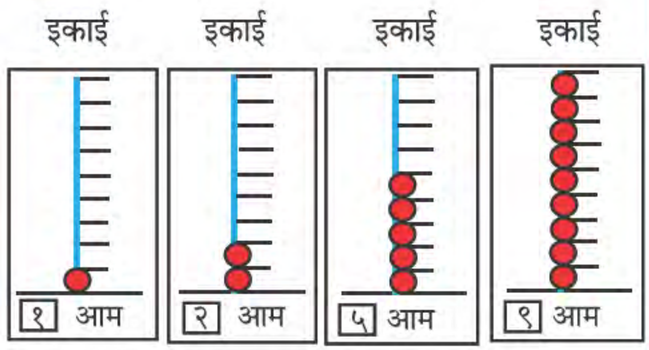

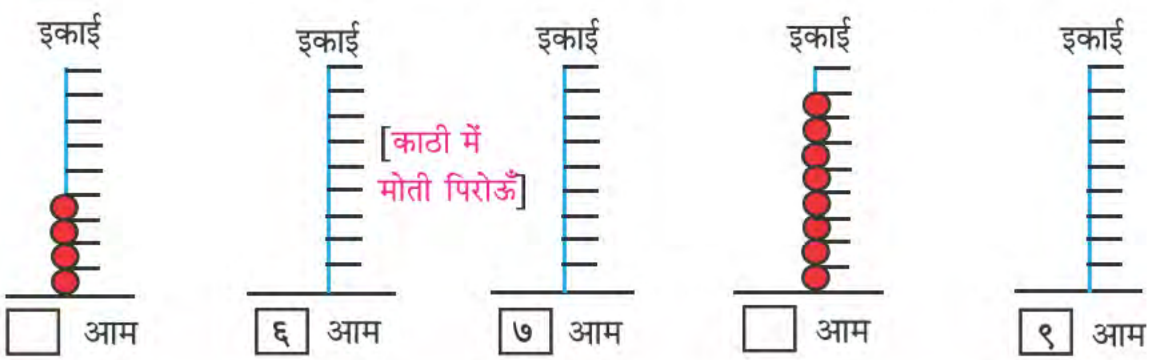

काठी में मोती बैठाएँ :

मिलि १० आम चुनी है। रंगीन मोतियों और काठी की मदद से वह गिनेगी। अत: उसे एक नयी काठी और चाहिए। इस नयी काठी का नाम रखा '*दहाई की काठी*' या '*दहाई का घर*'।
इस प्रकार १० लाल मोतियों के बदले एक **पीला** मोती लिया।

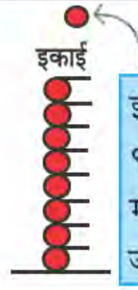

इकाई की काठी में ९ से अधिक लाल मोतियां नहीं डाली जा सकतीं।

मोती लिया।

और पाया,

→ १० →

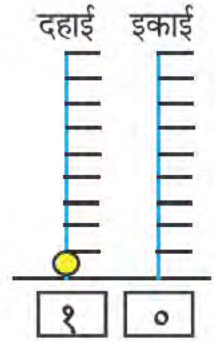

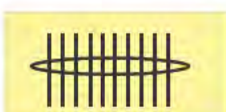 → १० → मोती पिरोएं

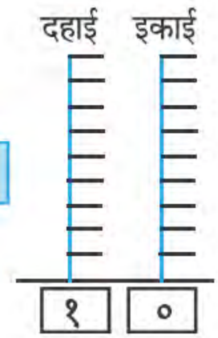

→ १० →

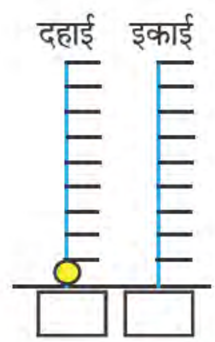

काठियों में मोती पिरोएं :

दहाई की काठी में पीले मोतियों को बढ़ाने पर क्या मिलेगा, देखें :

१ ०

एक दस या एक दहाई

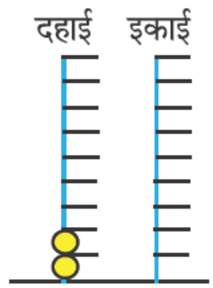

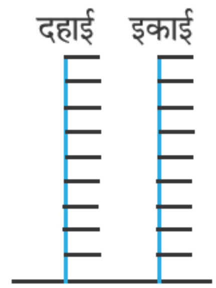

३ ०

तीन दस

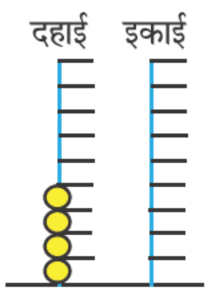

५ ०

पाँच दस

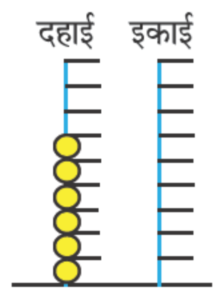

७ ०

सात दस

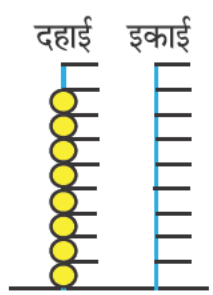

९ ०

नौ दस

काठियों में मोती देखें और समझकर खाली काठियों में मोती पिरोएँ :

यदि इस तरह पिरोएँ

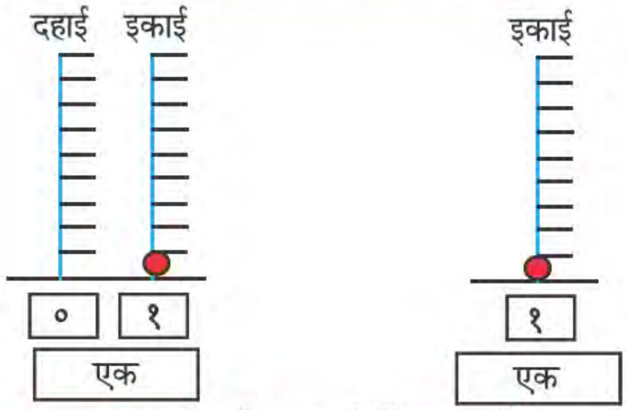

इस प्रकार १ और ०१ दोनों समान हैं।

काठी और मोतियों की मदद से ३ और ०३ बनाएँ :

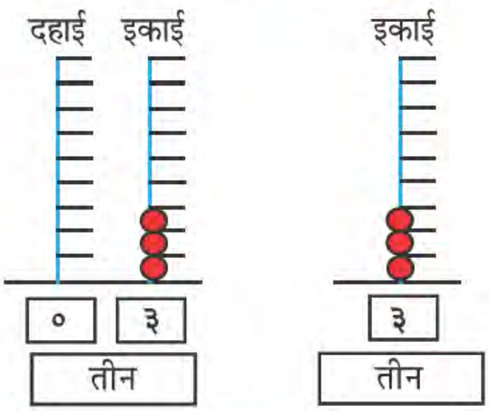

→ ०३ और ३ दोनों समान हैं।

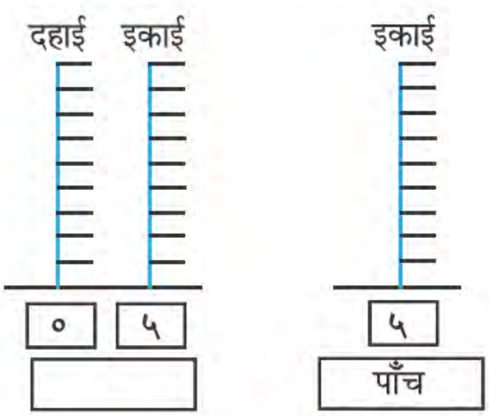

→ ☐ और ☐ दोनों समान हैं।

(मोतियां पिरोएं और खाली घरों में लिखें)

दस को मिलाकर समूह बनाएँ, खाली घरों में ठीक से लिखें :

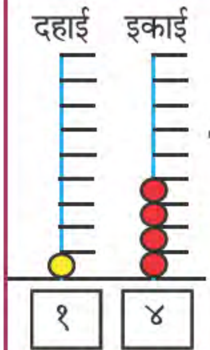

→ १४ → एक दस चार

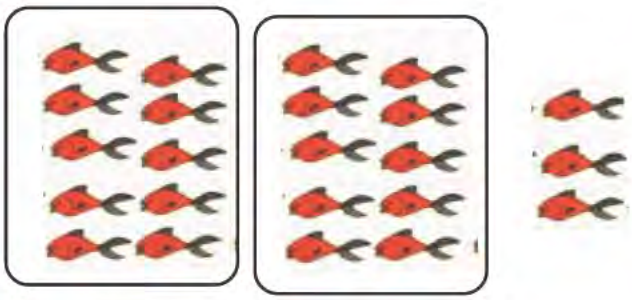

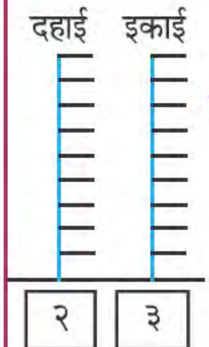

स्वयं मोतियां पिरोएं और लिखें।

→ ☐ → ☐

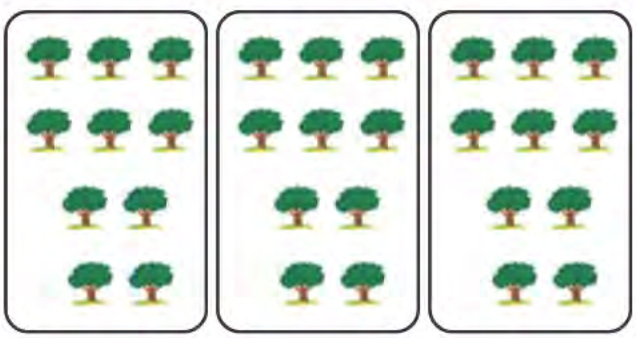

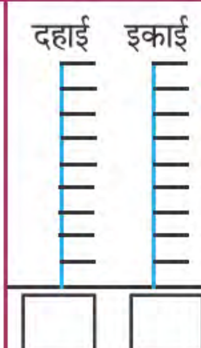

स्वयं मोतियां पिरोएं और लिखें।

→ ☐ → तीन दस

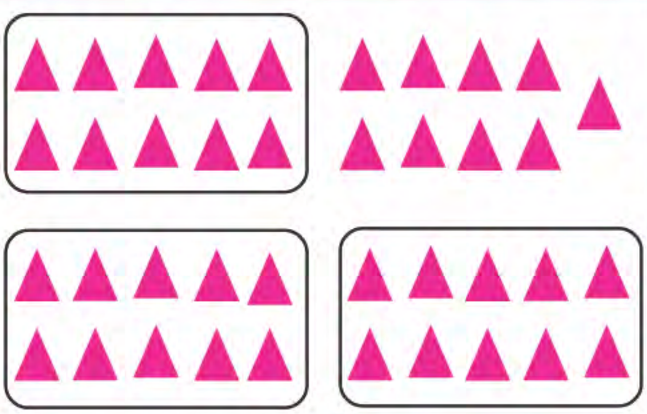

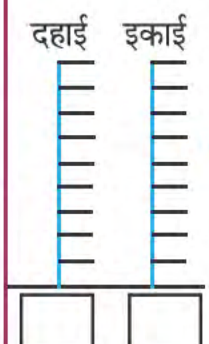

स्वयं मोतियां पिरोएं और लिखें।

→ ☐ → ☐

कितने बैलून हुए, देखें

मेले में सुनील को उसके पिताजी ने १२ बैलून खरीदकर दिए। उसकी दीदी ने उसे ३ बैलून और दिए। सुनील के पास अब कुल कितने बैलून हुए, देखें–

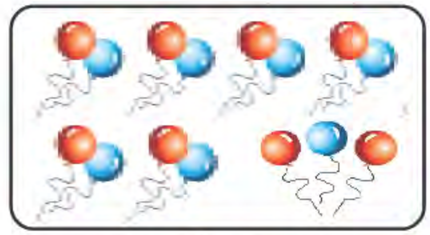

१२ बैलून + ३ बैलून = १५ बैलून

दूसरी तरह से जोड़ें

द०	इ०
१	२
+	३

बैलून पाते हैं।

लगे हाथ करके देखें

और →

स्वयं गिनकर जाँचने से पाते हैं,

अब, १५ बैलून और ११ बैलून मिलकर कितने बैलून होंगे, देखें।

	द०	इ०
	१	५
+	१	१
	२	६

लगे हाथ करके देखें

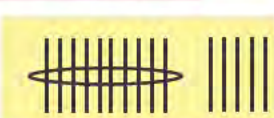 और 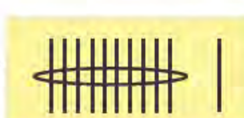 → 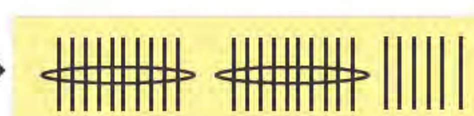

देखा कि संख्याओं को जोड़ते समय इकाई के अंक के नीचे इकाई के अंक को और दहाई के अंक के नीचे दहाई के अंक को लिखेंगे।

समझें और करें

जोड़ें :

१। २२ + ६ = ☐

	द०	इ०
	२	२
+		६

२। ५० + २ = ☐

	द०	इ०
+		

३। ४० + २० = ☐

	द०	इ०
	४	०
+	२	०

४। ५२ + १६ = ☐

	द०	इ०
+		

चित्रों को देखें और जोड़ें :

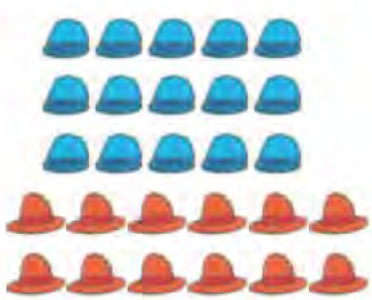

त्यौहार के दिन बच्चे रंगीन टोपी को पहनेंगे। एक दुकान में १५ नीली और १२ लाल टोपियाँ है। कुल मिलाकर कितनी टोपियाँ दुकान में हैं, देखें।

कुल ☐ टोपियाँ दुकान में हैं।

	द०	इ०
+		

पर्यावरण दिवस के दिन हम पौधे लगाएंगे। हमलोगों ने २३ पौधों को लगाया। हमारे शिक्षकों ने ३६ पौधों को लगाया। कुल मिलाकर कितने पौधे लगाए गए, देखें।

कुल मिलाकर ☐ पौधे लगाए गए।

	द०	इ०
+		

खाली घरों में लिखें :

१ रुपया ५० पैसे

या डेढ़ रुपये

____ रुपये ____ पैसे

या अढ़ाई रुपये

____ रुपये ____ पैसे

या साढ़े तीन रुपये

____ रुपये ____ पैसे

या साढ़े चार रुपये

____ रुपये ____ पैसे

या ____ रुपये

____ रुपये ____ पैसे

या ____ रुपये

चित्रों को देखें और रेखा खींचकर मिलान करें :

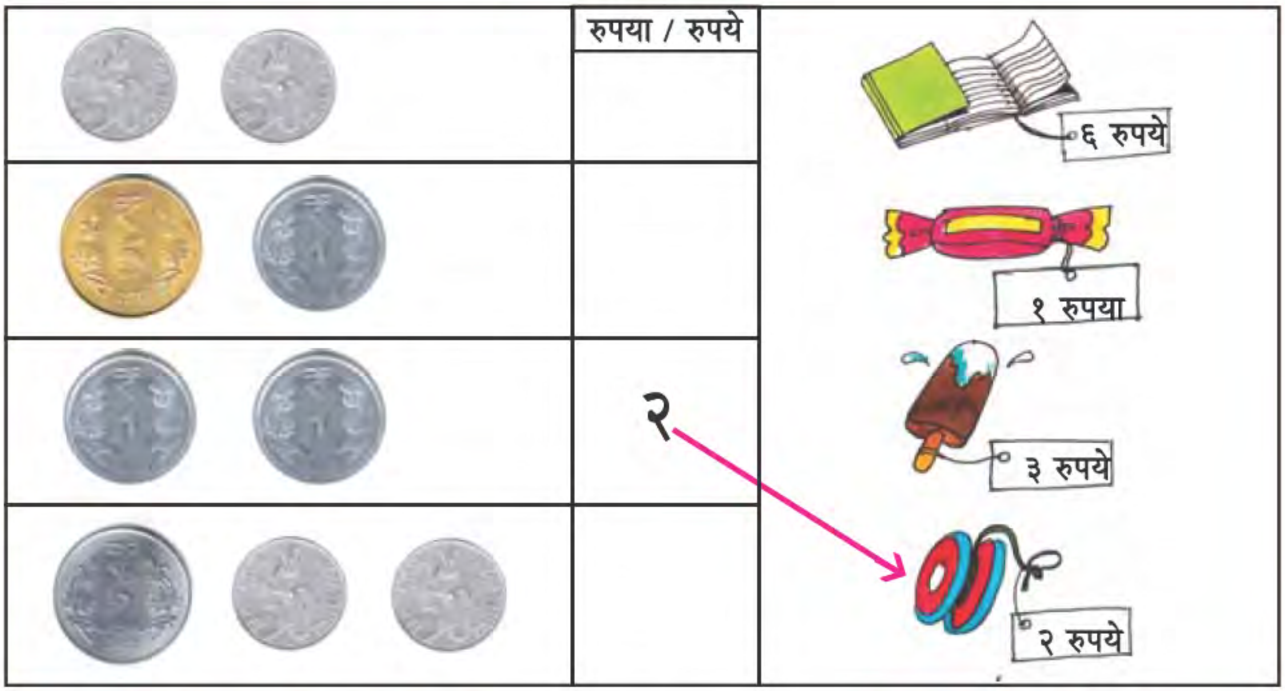

कौन-कौन से सिक्कों को मिलाने पर उनका मान बगल वाली चीज की कीमत के बराबर होगी। उन पर (√) लगाएं। और बाकी बचे सिक्कों के चित्रों को (×) काट दें।

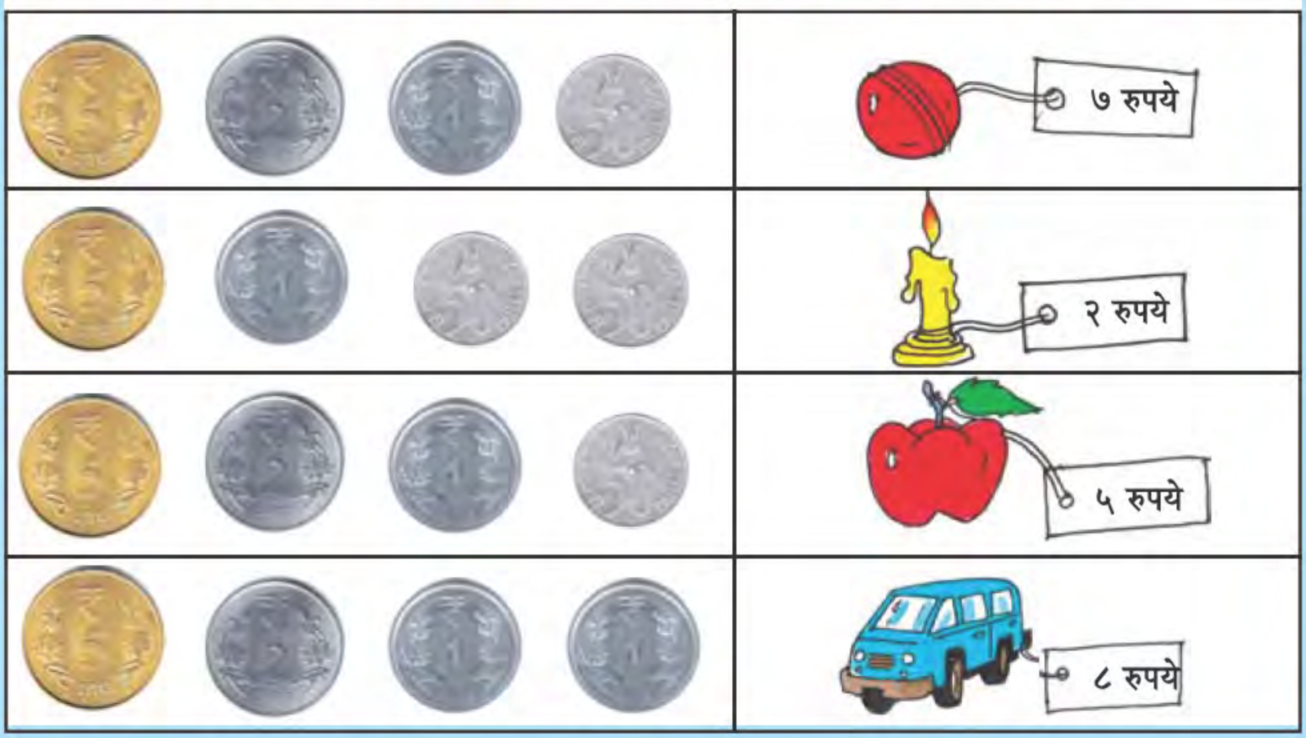

रंगीन कार्डों की मदद से गिनें :

सभी मित्रों ने मिलकर बहुत से आम तोड़े हैं। और तय किया है कि नये तरीके से रंगीन कार्डों द्वारा कितने आम तोड़े गये हैं, उन्हें गिनूँगा।

१ आम के लिए– १ लाल कार्ड

२ आमों के लिए– १ १ लाल कार्ड

३ आमों के लिए– १ १ १ लाल कार्ड

इस तरह ६ आमों के लिए ________ लाल कार्ड।

फिर १ १ १ १ १ १ १ लाल कार्डों के लिए ________ आम।

इस तरह १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ → १० (१० लाल कार्डों के बदले एक १०– का पीला कार्ड लिया)

इसतरह रंगीन कार्डों की मदद से १२ आमों को हम कैसे दिखाएंगे—

१ १ १ १ १
१ १ १ १ १ → १०

१ १ → १० १ १ → १२ आम।

उसी तरह

१ १ १ १ १
१ १ १ १ १

१ १ १ १
१ १ १ → ☐ → ☐ आम।

१० १ १ → ☐ आम

☐ → ३१ आम (स्वयं कार्ड बिठाएँ)

संख्याओं को बारी-बारी जोड़कर मिलाएं। क्या पाते हैं, देखे :

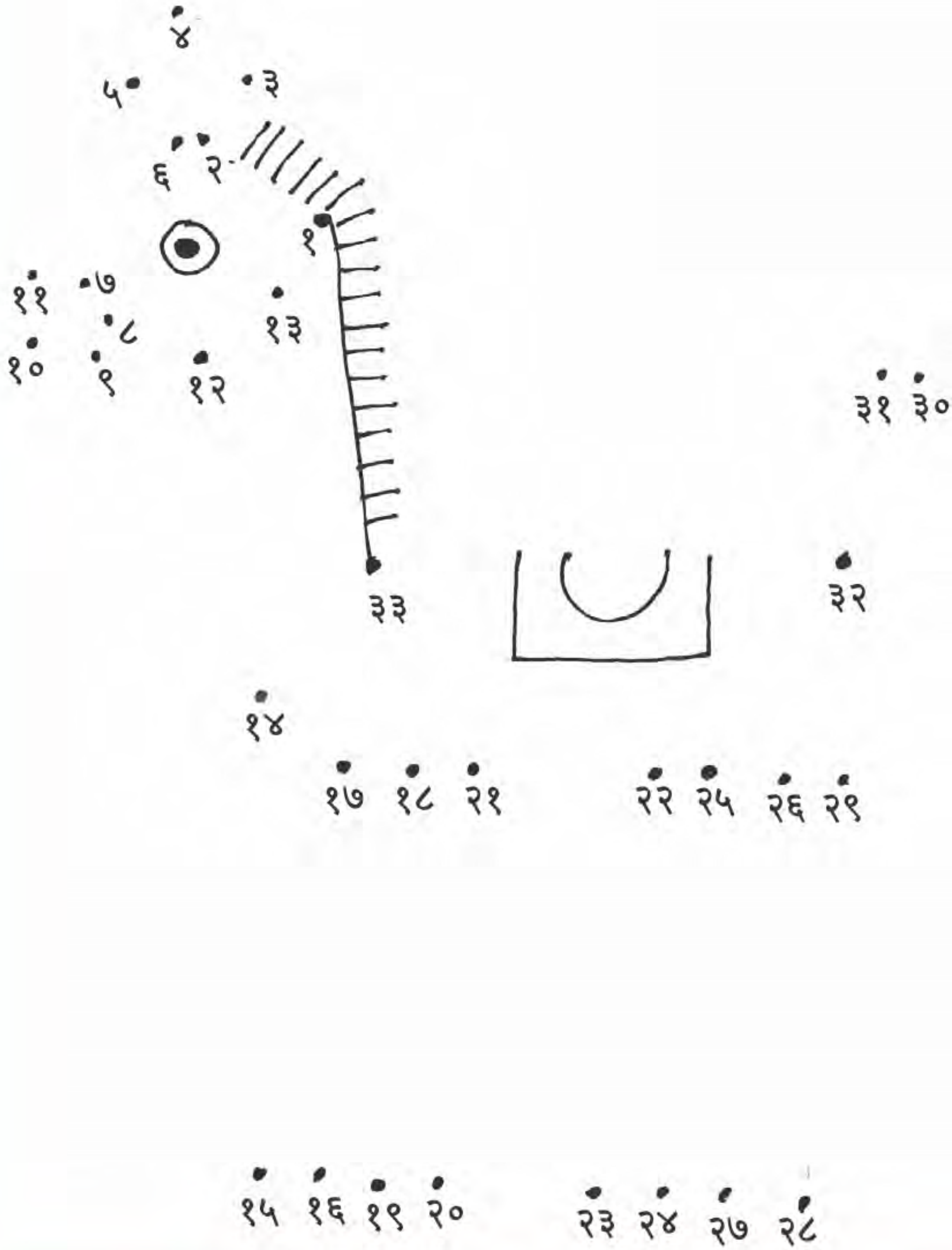

दो

हमारे देश का राष्ट्रगान

जनगणमन–अधिनायक

जनगणमन–अधिनायक जय हे भारत भाग्य विधाता !
पंजाब सिंधु गुजरात मराठा द्राविड़ उत्कल बंग
बिन्ध्य हिमाचल यमुना गंगा उच्छलजलधितरंग।
तव शुभ नामे जागे तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा।
जनगणमंगलदायक जय हे भारतभाग्यविधाता।
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय, जय हे।।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर

नीचे के चित्र को पूरा कर उसमें रंग भरें :

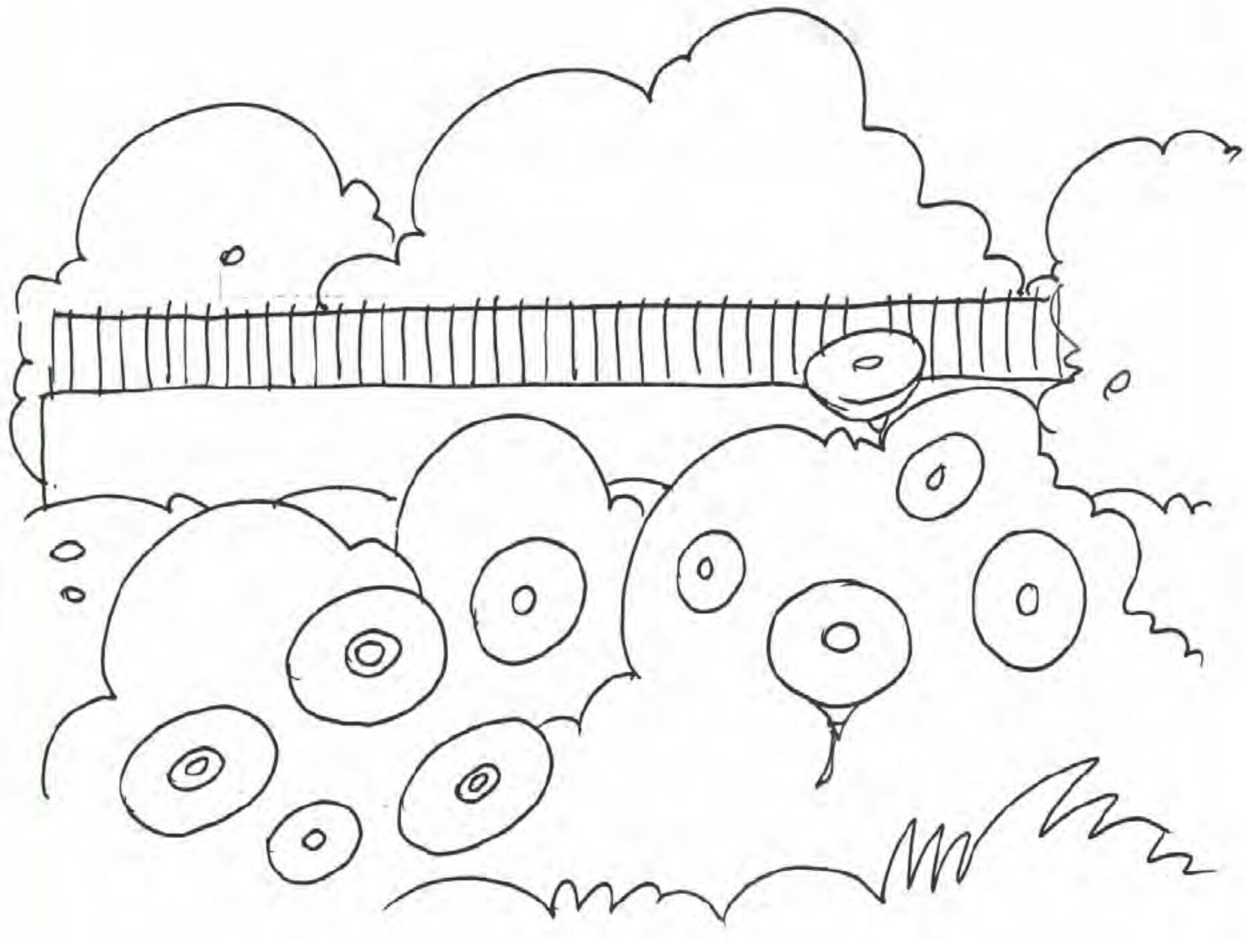

बारिश के दिन

—*अन्नदाशंकर राय*

सन–सन सन–सन हवा बहे
आयी बारिश की बौछार
खिड़की दरवाजे रह गये खुले
अस्त–व्यस्त हुआ संसार।
खिली धूप फिर उसके बाद
अहा, है वह कितनी मीठी!
फिर घिर आये काले बादल
जोरों की बारिश होती
धूमिल दिखती है यह सृष्टि
जाये जहाँ तक अपनी दृष्टि।
खिचड़ी का दिन है यह आज
चलो, मनायें फीस्ट,
क्या खाना चाहते, बोलो
बैठ बनाएं लिस्ट।

शब्दार्थ : बौछार = वर्षा की तिरछी आती हुई बूंदों का समूह। धूमिल = धुंधला। सृष्टि = संसार। दृष्टि = नजर। फीस्ट = भोज। लिस्ट = सूची।

लगे हाथ करके देखें

१. सन–सन, सन–सन हवा चले– 'सन–सन' कहने से हम हवा की आवाज समझते हैं। इसी तरह 'टिप–टिप' और 'खिल–खिल' ये दोनों शब्द किसकी आवाज समझाने के लिए काम में लगाते हैं, लिखें।

२. अस्त, व्यस्त, फीस्ट, लिस्ट इन शब्दों के संयुक्ताक्षरों को अलग–अलग करके दिखायें।

३. किस ऋतु की बात कविता में कही गयी है?

शिक्षण परामर्श : *छात्र इस कविता को पढ़ेंगे और अभ्यास कार्य करेंगे।*

Look at the table :

Monday	Tuesday	Wednesday	Thursday	Friday	Saturday	Sunday
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

This is a page of a calendar. It shows the days of a month.

There are 12 months in a year. Some months have 30 days. Some months have 31 days.
Only February has 28 or 29 days.

See and say :

Learning tips : *Students will read the names of months. And know about months in an year.*

दौड़ प्रतियोगिता

ऊपर के चित्र को देखकर नीचे की खाली जगहों को भरें :

चित्र देखकर क्रमिक स्थान या पूरणवाचक स्थिति तय करें :

सबसे आगे पहुँच रही है [३७] नम्बर जर्सीवाली लड़की	वह आयी प्रथम **(1st)** ।
देखकर लगता है उसके बाद आयेगी [ ] नम्बर जर्सीवाली लड़की	लगता है वह होगी द्वितीय**(2nd)** ।
देखकर लगता है उसके बाद आयेगी [ ] नम्बर जर्सीवाली लड़की	लगता है वह होगी तृतीय **(3rd)** ।
देखकर लगता है उसके बाद आयेगी [ ] नम्बर जर्सीवाली लड़की	लगता है वह होगी चतुर्थ **(4th)** ।
देखकर लगता है उसके बाद आयेगी [ ] नम्बर जर्सीवाली लड़की	लगता है वह होगी **पंचम (5th)** ।
देखकर लगता है उसके बाद आयेगी [ ] नम्बर जर्सीवाली लड़की	लगता है वह होगी **षष्ठ (6th)** ।

बारी–बारी क्रमिक स्थानों को बताने के लिए **प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, पंचम** और **षष्ठम्** जैसे शब्दों का व्यवहार किया जाता है। इन्हें कहा जाता है **क्रमवाचक** या **पूरणवाचक संख्या**।

शिक्षण परामर्श : *क्रमवाचक या पूरणवाचक संख्या के विषय में जानकारी।*

पूरणवाचक संख्याओं को लिखने और पढ़ने की विधि :

नीचे के खाली स्थानों को भरें :

शब्दों में	संक्षेप में	शब्दों में	संक्षेप में
प्रथम	१ला (1st)	षष्ठम	६ठा (6th)
द्वितीय	२रा (2nd)		
तृतीय	३रा (3rd)		
चतुर्थ	४था (4th)		
पंचम	५वाँ (5th)		

ग्रीष्म ऋतु को साल का प्रथम ऋतु माना जाता है। नीचे के खाली घरों में सटीक पूरणवाचक संख्याओं को संक्षेप में लिखें :

(क) ग्रीष्म ऋतु साल का [१ला] ऋतु है।

(ख) हेमन्त ऋतु साल का [ ] ऋतु है।

(ग) बसन्त ऋतु साल का [ ] ऋतु है।

(घ) वर्षा ऋतु साल का [ ] ऋतु है।

(ङ) शीत ऋतु साल का [ ] ऋतु है।

(च) शरद ऋतु साल का [ ] ऋतु है।

 शिक्षण परामर्श : *क्रमवाचक या पूर्णवाचक संख्या के विषय में जानकारी।*

बादल वाले दिन

पूण्यलता चक्रवर्ती

सुबह आँखों को खोल फिर आँखों को बंद कर लिया मीना ने, ओफ— अब और सहा नहीं जाता! सारी रात बारिश हुई, पर अभी भी टिप-टिप-टिप। पास ही बैठी वीणा गुनगुना रही थी- *आ-रे बादल, काले बादल.....*। मीना ने मुँह फुलाकर कहा- 'ऐसे खराब मौसम में भी तुम्हें गाना आ रहा है दीदी? मुझे तो रोना आ रहा है।' वीणा ने हँसकर कहा- 'तुम्हें तो बादलों भरे दिन सुहाते नहीं इसलिए तुम्हें रोना आ रहा है, मैं तो बादलों को पसंद करती हूँ इसलिए मुझे गाना आ रहा है। लो, अब उठकर मुँह धोकर, चाय पीओगी, चलो'

चाय पीने बैठते ही झमाझम बारिश होने लगी। छोटे भाई नन्दू ने ताली बजाते हुए कहा 'बहुत मजा! आ रहा है। आज स्कूल नहीं जाना पड़ेगा— '*आओ बारिश हे— ले, बिस्कुट दूँगा मैं-ले*'। मीना बोली- '*जाओ रे बादल जल बरसाओ—मक्खन रोटी गरम चाय ले आओ*।'

(नन्दू)- '*आ बारिश जोर... से, दूध दूँगा माप....के*'

(मीना)- '*जा रे बादल उड़कर जा... देश छोड़कर दूर तू जा।*'

बादल हो या बरसात, पिताजी ठीक समय पर ऑफिस जाएंगे— उन्हें बहुत काम है। रास्ते में पानी जमा है, माँ ने जल्दी-जल्दी स्टोव पर खाना चढ़ाया।

नन्दू ने बारिश में भींगकर नहाने का मजा लिया, मीना को कल थोड़ी खांसी थी इस कारण वह बारिश में भींग नहीं सकी, मन और खराब हो गया। माँ के हाथों से बना खाना खूब स्वादिष्ट होता है, खिचड़ी में घी देकर आलू का चोखा, चटनी, पापड़ के साथ खाया तब जाकर मन फिर से चंगा हुआ!

शिक्षण परामर्श : *बच्चे कहानी पढ़ेंगे।*

दोपहर के समय माँ लेटे–लेटे ही किताब पढ़ रही है, वीणा सिलाई कर रही है, नन्दू कागज की नाव बनाकर पानी में तैरा रहा है। मीना का मन लेकिन किसी में नहीं लग रहा– सिलाई हाथ में लेकर, झाड़–झटककर रख दिया; नन्दू के पास बैठकर दो–चार नावों को पानी में तैराकर ही 'सब बेकार'! कहकर उठ गई, एक कहानी की किताब लेकर बैठी।— जैसे ही कहानी में छोटी लड़की घने जंगल में रास्ता भूल गई; वैसे ही किताब को फेंक दिया। उसके बाद मुँह फूलाकर खिड़की के किनारे बैठ गई।

सामने वाले रास्ते के किनारे धूल से सना, धूप से झुलसा पेड़ बारिश में नहा कर तरो–ताजा हो गया है, उसके हरे पत्तों के बीच खिले हैं गोल–गोल, झूमते, कदम्ब के पीले फूल! पेड़ के नीचे कितना कचड़ा जमा था वह सब हरी घासों से ढक गया; चूस कर फेंक दिए गए आम की गुठलियों से छोटे–छोटे पौधे निकले हैं, उनके मुलायम लाल पत्ते झिलमिला रहे हैं, शैवालों से भरी दीवाल लग रही जैसे हरे मखमली चादर से ढकी है— इन्हें देखकर मीना का फूला हुआ मुँह हँसमुख हो गया।

हठात् मीना जोरों से खिलखिला कर हँस पड़ी। नन्दू दौड़ा आया– 'क्या हुआ भई छोटी दीदी... ?' 'एक छोटा लड़का सामने वाले खुले चबूतरे पर बैठकर कुछ खा रहा था, वह बड़ा लड़का आया और उसके हाथ से खाने को छीनकर भागते ही, पाँव फिसल कर– ही:, ही:, ही:– खिड़की से देखकर नन्दू भी हो–हो कर हँसने लगा, 'एकदम कीचड़ सना भूत! अच्छा हुआ– *जैसी करनी वैसा फल* !'

शाम को फिर काले बादलों से आकाश भर गया; बादलों की गड़गड़ाहट के मादल बजे और शुरू हो गया तूफानी हवाओं का सनकी नृत्य। बारिश शुरू होने के पहले ही पिताजी घर वापस आ गये। घर में घुसते ही एक लुभावनी खुशबू उनके नाक में आई, कानों में पहुँची गाने की एक मीठी धुन। देखा, माँ गरम हलवा बना रही है, और मीना तथा वीणा चाय की टेबुल को सजाती हुयी गाना गा रही

हैं– ' *मेघ की जटाओं को उड़ाता, कौन करता नृत्य है— ए... ए... ए... ए... ए...* । नन्दू तो गा नहीं सकता, किन्तु वह उनके गीत के ताल पर ताल मिलाकर हिलते–डुलते नाच रहा है!

शब्दार्थ :

टिप–टिप = हल्की बारिश की आवाज, झमाझम = वर्षा होने का शब्द, धुन = गाने की आवाज, गुठली = बीज, मुँह फुलाना = नाराज होना, हँसमुख = हँसी भरा चेहरा, मादल = संथाली लोगों का एक प्रकार का ढोल, नृत्य = नाच, ।

Fill in the table :

Number of days	Name of the month(s)
7+7+7+7 = 28	
7+7+7+7+1 = 29	
7+7+7+7+2 = 30	
7+7+7+7+3 = 31	

Listen and say :

Thirty days has September
April, June and November,
February has twenty-eight alone
All the rest have thirty-one,
Excepting leap year, that's the time
When February's days are twenty-nine.

The months of a year come in the following order :

1. January	2. February	3. March
4. April	5. May	6. June
7. July	8. August	9. September
10. October	11. November	12. December

Learning tips : *Students will do the activities. They will tell the rhyme along with the teacher.*

नीचे के चित्रों को देखें (ग्रीष्म ऋतु साल की पहली ऋतु है)

ग्रीष्म ऋतु	वर्षा ऋतु	शरद ऋतु	हेमन्त ऋतु	शीत ऋतु	बसन्त ऋतु

पूरणवाचक संख्या बैठाकर नीचे के खाली स्थानों को भरें :

(ऊपर दिए गए चित्र ऋतुओं के क्रमानुसार या पूरणवाचक संख्यानुसार हैं)

चित्र	शब्दों में	संक्षेप में
	प्रथम	१ला

 शिक्षण परामर्श : *छात्र क्रमवाचक या पूरणवाचक संख्याओं का व्यवहार करके ऊपर का कार्य पूरा करेंगे।*

बादल वाले दिन

लगे हाथ करके देखें

१. नीचे दिए प्रश्नों का उत्तर लिखें :

१.१ वीणा सुबह कौन सा गीत गा रही थी ? ____________________

१.२ वीणा और मीना के छोटे भाई का क्या नाम था ? ____________________

१.३ माँ ने किसके ऊपर खाना बिठाया था ? ____________________

१.४ मीना बारिश में क्यों नहीं नहा सकी ? ____________________

१.५ दोपहर के समय कौन क्या कर रहा था, लिखें :

माँ	मीना	वीणा	नन्दू

१.६ वर्षा ऋतु के कौन से फूल के बारे में तुमने इस कहानी में जाना ?

____

२. वाक्य रचना करें :

वर्षा– ____________________

रोना– ____________________

रास्ता– ____________________

कहानी– ____________________

शिक्षण परामर्श : *छात्र 'बादल वाले दिन' कहानी को पढ़ेंगे और इस अभ्यास कार्य को पूरा करेंगे।*

Fill in the gaps :

a. The first month of a year is ______________ .

b. ______________ comes between May and July.

c. The last month of a year is ______________ .

d. The month that never has thirty or thirty-one days is ________ .

See and Say :

April, May and June
summer

July and August
monsoon

September and October
early autumn

November
late autumn

December and January
winter

February and March
spring

Learning tips : *Students will do the activities. They will read the names of months and seasons.*

There are six seasons in West Bengal.

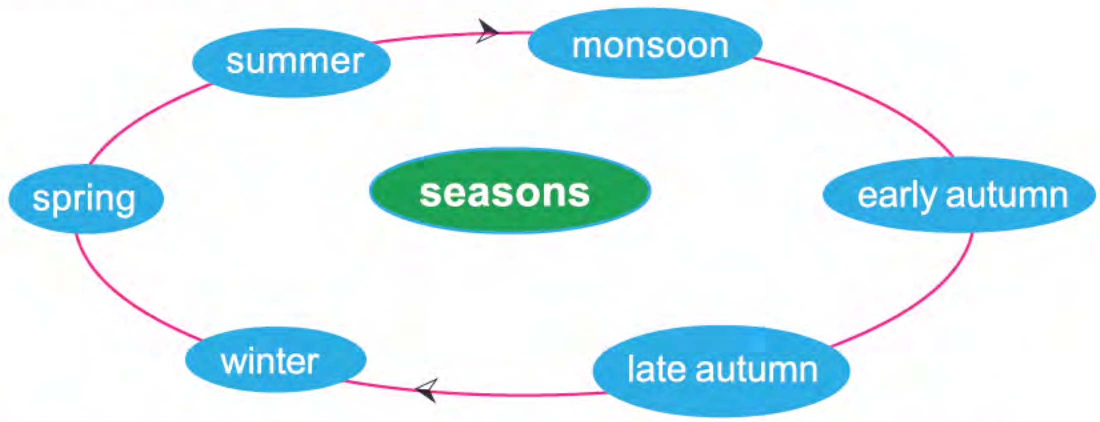

Read the words on the screen. Fill in the boxes below :

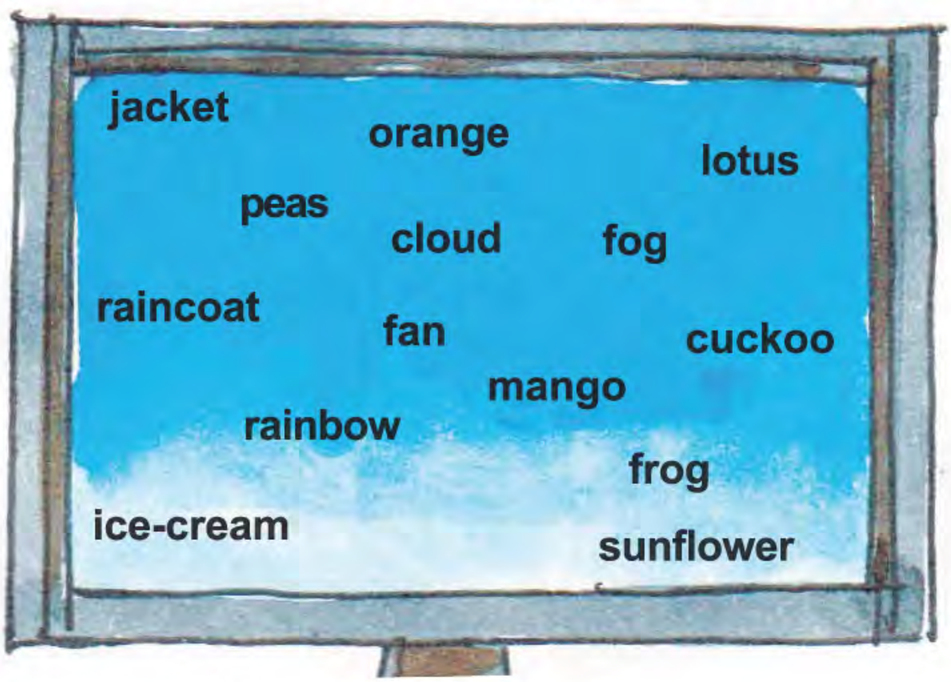

summer	monsoon	early autumn
late autumn	**winter**	**spring**

Learning tips : *They will read the names of months and seasons. Students will do the activities.*

कार्डों की मदद से संख्या बढ़ाएँ

१० –के कार्ड का खेल।

पलाश और पियाली आज १० –के कार्ड लेकर खेलेंगे।

'एक–एक करके कार्ड मैं तुमको दूँगी। तुम्हें कितना मिला, गिनकर बोलोगे।'

दिया	मिला		
१० →	१०	१०	दस
१० १० →	१० + १०	२०	बीस
१० १० १० →	१० + १० + १०	३०	तीस
१० १० १० १० →	१० + १० + १० + १०	४०	चालीस
१० १० १० १० १० →	१० + १० + १० + १० + १०	५०	पचास
१० १० १० १० १० १० →	१० + १० + १० + १० + १० + १०	६०	साठ
१० १० १० १० १० १० १० →	१० + १० + १० + १० + १० + १० + १०	७०	सत्तर
१० १० १० १० १० १० १० १० →	१० + १० + १० + १० + १० + १० + १० + १०	८०	अस्सी
१० १० १० १० १० १० १० १० १० →	१० + १० + १० + १० + १० + १० + १० + १० + १०	९०	नब्बे

 शिक्षण परामर्श : *काम के माध्यम से दस का जोड़। अंकों में और शब्दों में लिखना।*

बादल वाले दिन

लगे हाथ करके देखें

३. 'ऐसे खराब मौसम में भी तुम्हें गाना आ रहा है, दीदी ?'—वाक्य में एक प्रश्न किया गया है। ऐसे ही और कई वाक्य खोजकर लिखें।

४. 'कर्म' –इस शब्द में संयुक्ताक्षर 'र्म' है। ऐसे ही रेफ (र्) जोड़कर दस शब्द और लिखें।

५. 'बादल वाले दिन' कहानी में बरसात की बातें हैं। वैसे ही पाँच वाक्य सुन्दर बनाकर लिखें।

६. संयुक्ताक्षरों का प्रयोग करते हुए समान अर्थ वाले अन्य शब्दों को सीखें :

नाच		त्य		बारिश	व		
मजा			द	लड़की	क		
आम	आ			मुलायम	न		
माखन	म			खुशबू	सु		

७. बरसात के दिनों में खाए जाने वाले कुछ चटपटे व्यंजनों का नाम इस कहानी से चुनकर लिखें।

....

८. इन शब्दों के विपरीत शब्द इस कहानी से चुनकर लिखें।

रोना =.........., ठण्डा = ..., बहन = ..., अच्छा = ..., बदबू = ... ।

९. कहानी को पढ़ें और निम्न वाक्यों से किनका संबंध है, लिखें। (एक कर दिया गया है)

९.१. मुझे तो रोना आ रहा है। ....मीना का..

९.२. बादल हो या बरसात ठीक समय पर ऑफिस जायेंगे। ....

९.३. दोपहर के समय लेटे–लेटे किताब पढ़ रही हैं। ....

९.४. हरे पत्तों के बीच गोल–गोल खिला हूँ, पीला। ....

९.५. वह उनके गीत के ताल पर ताल मिलाकर हिलते–डुलते नाच रहा है!

....

शिक्षण परामर्श : *'बादलों के दिन' पढ़कर अभ्यास कार्य करेंगे।*

आओ रंग भरें

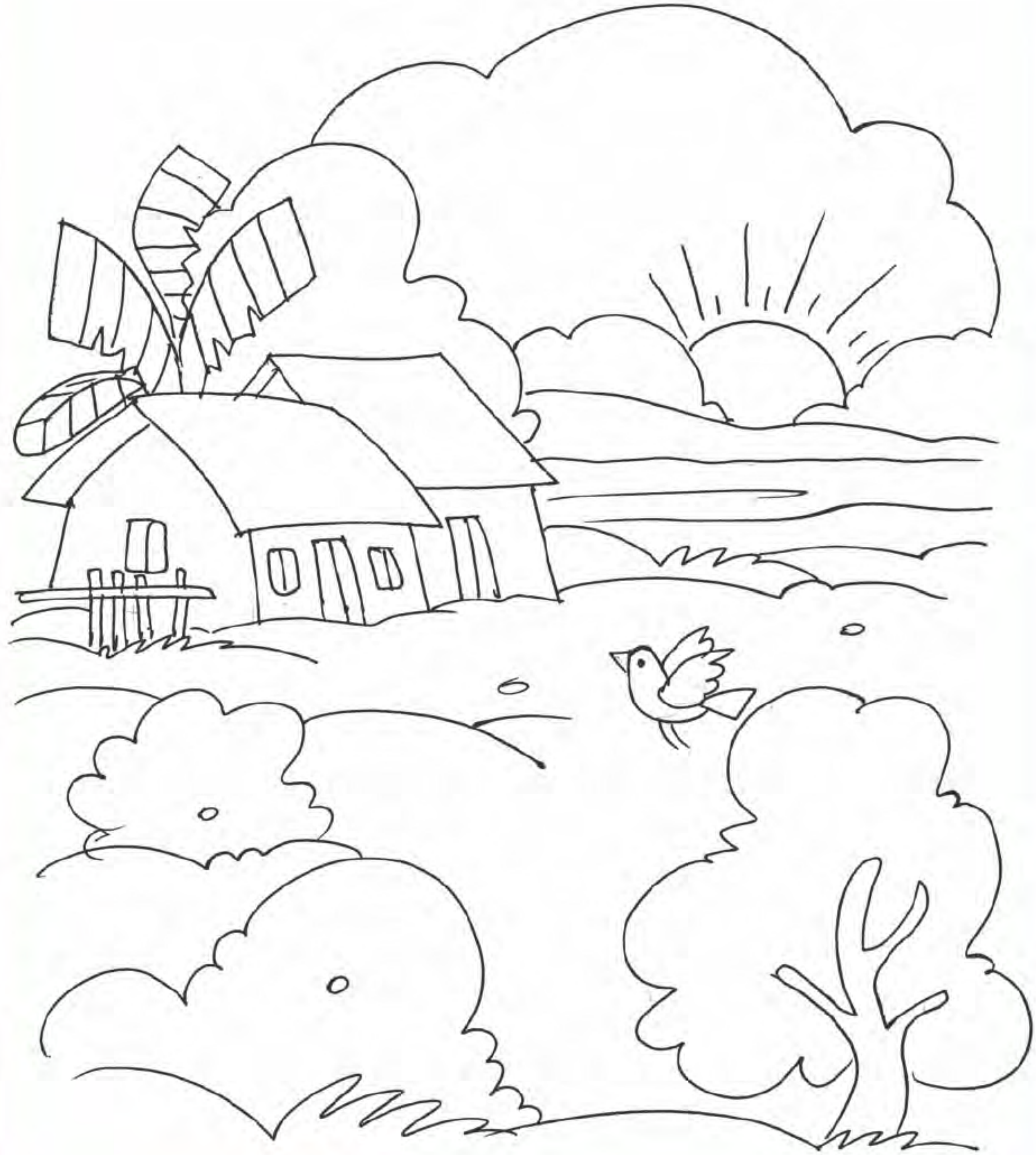

शिक्षण परामर्श : *छात्र उपर दिया गया काम करेंगे।*

Fill in the boxes correctly with names of seasons :

a) black cloud, strong wind

b) very hot, dry pond

c) new leaf, blossoms

d) cold wind, marigold

e) mist, dry leaf

f) white cloud, light rain

Let's read :

The weather changes from day to day. Some days are sunny. Other days are cloudy. Some days are rainy. Other days are snowy or windy. The weather is always changing. We have different weather in different seasons.

Tell the class :

Different people like different seasons. Which season do you like the most? Why do you like the season so much?

Learning tips : *Students will do the activities. Teacher will encourage the students to participate in **Tell the class** activity.*

रंगीन कार्डों का खेल

दहाई	इकाई	स्थानीय मान में विस्तारित करके लिखें	अंकों में लिखें	स्थानीयमान के अनुसार शब्दों में लिखें	शब्दों में लिखें
१०		१० + ०	१०	एक दहाई शून्य इकाई	दस
१०	१	१० + १	११	एक दहाई एक इकाई	ग्यारह
१०	१ १				बारह
१०	१ १ १				तेरह
१०	१ १ १ १				चौदह
		१० + ५	१५		पन्द्रह
		१० + ६	१६		सोलह
		१० + ७	१७		सत्रह
		१० + ८	१८		अठारह
१०	१ १ १ १ १ १ १ १ १				उन्नीस
१० १०		२० + ०			बीस

शिक्षण परामर्श : *११ से २० तक स्थानीय मान के विस्तारित रूप में लिखना। स्थानीय मान के अनुसार शब्दों एवं अंकों में लिखना।*

बारह मासा —*सुभाष मुखोपाध्याय*

बैशाख में आती कालबैशाखी,
जेठ महीने में पकता आम
दो महीने भयंकर गरमी,
मिलता नहीं हमें आराम।

आषाढ़ में बादलों का मेला,
बंद श्रावण में उनका खेला
दो महीने चलता रहता,
बारिश का यह रेला।

मन भादों में रहता बेचैन,
आश्विन माह उत्सव की रैन
काशफूलों से भरा भुवन,
शरदकाल में देखें नैन।

कार्तिक में हम काटें धान,
अगहन माह में भरते गोला
लगकर हेमन्त में ठंडक देखो,
गोविन्द का है गाल फूला।

फाल्गुन भरता फाग से,
परब चैत्र में है लगता
लिए मधुर रस फूल,
बसन्त की रातों में जगता।।

शिक्षण परामर्श : *छात्र इस कविता को पढ़ेंगे। वे साल के सभी महिनों के नाम तथा उनसे जुड़ी कुछ तथ्यों की जानकारी प्राप्त करेंगे।*

शब्दार्थ : भयंकर = भीषण, बहुत अधिकता। रेला = अधिकता। उत्सव = त्यौहार। रैन = रात। भुवन = धरती। नैन = आँख। गोला = अनाज आदि रखने का गोदाम। फाग = रंग। परब = पर्व।

लगे हाथ करके देखें

१। नीचे गोले में दिए गए महीने और ऋतुओं के नाम को अलग-अलग स्तम्भों में लिखें :

महीना

बैशाख
हेमन्त आश्विन
ग्रीष्म शरद बसन्त
भादों कार्तिक

ऋतु

२। खाली स्थानों को भरें :

२.१ बैशाख की आंधी को .... के नाम से बुलाते हैं।

२.२ जेठ को .... और श्रावण को .... भी कहते हैं।

३। कौन सी ऋतु कवि की आखों में कैसी है :

ग्रीष्म	
वर्षा	
शरद	
हेमन्त	
शीत	
बसन्त	

४। विपरितार्थक शब्द लिखें : पका - ...., गर्मी - ...., कम - ...., रात - ....।

५। वाक्य बनाकर लिखें :

आँधी - ....।

उत्सव - ....।

फूल - ....।

बर्फ - ....।

शिक्षण परामर्श : *शिक्षार्थी ऊपर दिए गए अभ्यास कार्य को करेंगे।*

See and say :

	a ball		an orange
	a cup		an apple
	a doll		an egg
	a fan		an igloo
	a table		an umbrella
	a mat		an elephant

Use of a and an :

1. **We use (say and write) a or an for one object.**
2. **We use a before consonant sounds.**
3. **We use an before vowel sounds.**

but always ...

the sun

the earth

Learning tips : *Students will read the table. They will learn the use of **a** and **an** and see the use of **the**.*

खाली घरों में ठीक-ठीक भरें :

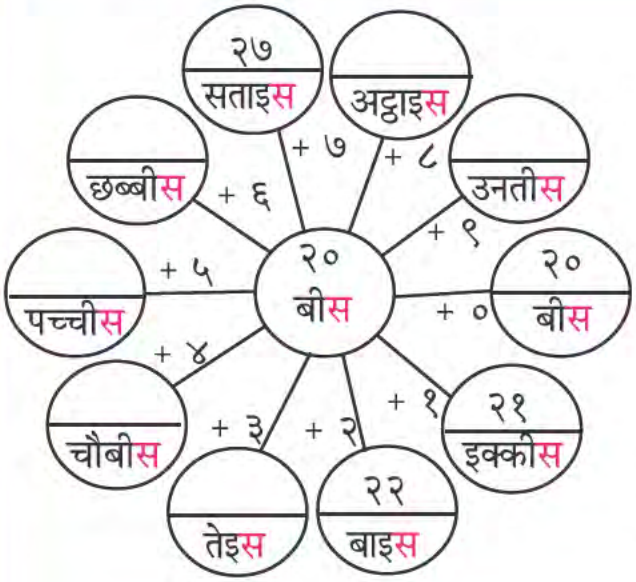

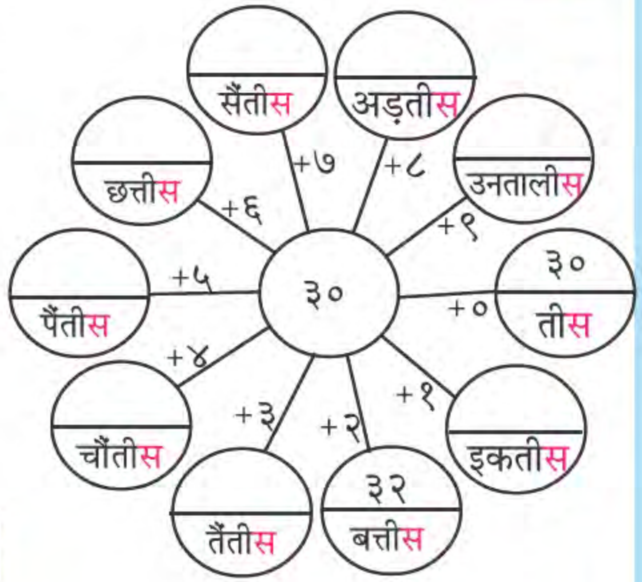

३९	+१	४०	चालीस
४०	+१	४१	इकतालिस
४१	+१		बयालिस
४२	+१		तैंतालिस
४३	+१		चौवालिस
४४	+१		पैंतालिस
४५	+१		छियालिस
४६	+१		सैंतालिस
४७	+१		अड़तालिस
४८	+१		उनचास
४९	+१		पचास

शिक्षण परामर्श : *२१ से ५० तक को स्थानीय मान में विस्तारित करके लिखना। स्थानीय मान के अनुसार शब्दों में लिखना, अंकों और शब्दों में लिखने का ज्ञान।*

रंगीन कार्डों लेकर खेलें :

कार्डों को देखें और संख्याओं को बनाएँ–

दहाई इकाई	स्थानीय मान में विस्तार	अंकों में लिखें	शब्दों में लिखें
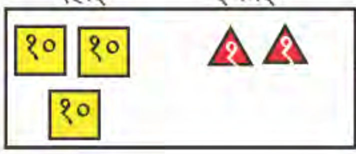 →	३० + २	३२	बत्तीस

जो संख्या देखे वह उसका प्रकृत मान। जो समझे वह उसका स्थानीय मान।

दहाई के घर की संख्या का प्रकृत मान ३ है पर स्थानीय मान ३० होगा
इकाई के घर की संख्या का प्रकृत मान २ है और स्थानीय मान २ रहेगा

→ ☐ ☐ ☐

दहाई के घर की संख्या का प्रकृत मान ☐ और स्थानीय मान ☐
इकाई के घर की संख्या का प्रकृत मान ☐ और स्थानीय मान ☐

→ ☐ ☐ ☐

दहाई के घर की संख्या का प्रकृत मान ☐ और स्थानीय मान ☐
इकाई के घर की संख्या का प्रकृत मान ☐ और स्थानीय मान ☐

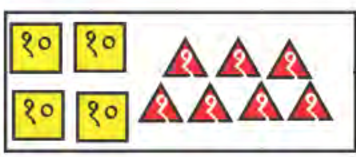 → ☐ ☐ ☐

दहाई के घर की संख्या का प्रकृत मान ☐ और स्थानीय मान ☐
इकाई के घर की संख्या का प्रकृत मान ☐ और स्थानीय मान ☐

संख्या	प्रकृत मान	स्थानीय मान
२ (६)	६	६
(७) ६		
३ (८)		

संख्या	प्रकृत मान	स्थानीय मान
(३) ०		
९ (९)		
(८) २		

शिक्षण परामर्श : *प्रकृत मान और स्थानीय मान की जानकारी।*

खाली घरों में ठीक-ठीक भरें :

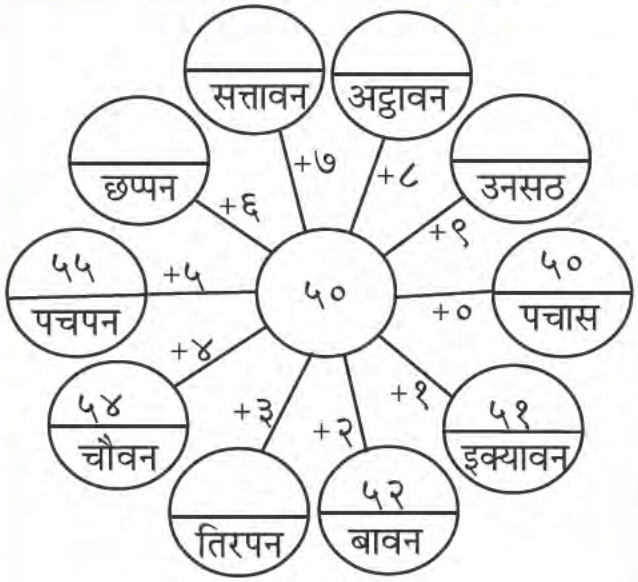

५९	+१	६०	साठ
६०	+१	६१	इकसठ
६१	+१		बासठ
६२	+१		तिरसठ
६३	+१		चौंसठ
६४	+१		पैंसठ
६५	+१		छियासठ
६६	+१		सड़सठ
६७	+१		अड़सठ
६८	+१		उनहत्तर
६९	+१		सत्तर

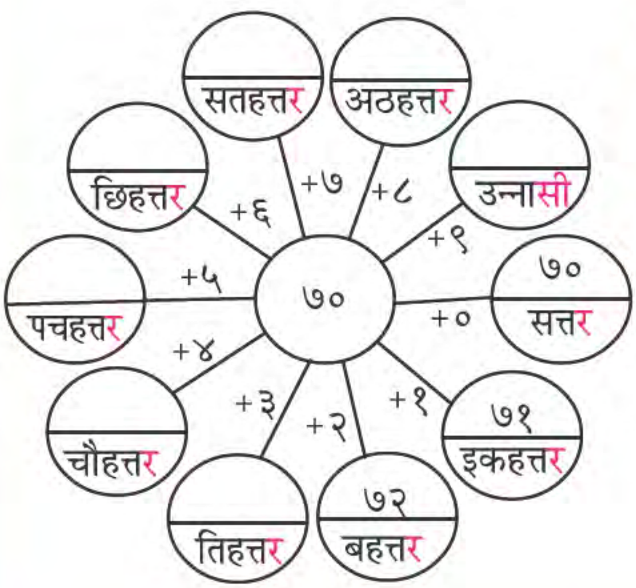

शिक्षण परामर्श : *५१ से ७९ तक को उनके स्थानीय मान में विस्तारित करके लिखना। स्थानीय मान के अनुसार शब्दों में तथा अंकों में लिखना। स्थानीय मान और प्रकृत मान की जानकारी।*

See the pictures. Write 'a', 'an' or 'the' to fill in the gaps :

(1) This is ______________ house.

(2) This is ______________ axe.

(3) This is ______________ eagle.

(4) This is ______________ train.

(5) This is ______________ moon.

Look at the pictures and make sentences :

This is __________ __________ .

This __________ __________ __________ .

__________ __________ __________ __________.

Learning tips : *Students will do the activities.*

खाली घरों को ठीक से भरें

७९	+१	८०	अस्सी (०) + (८०)	९०	+०	९०	नब्बे (०) + (९०)
८०	+१	८१	इक्यासी (१) + (८०)	९०	+१		इक्यानबे (__) + (__)
८१	+१		बिरासी (२) + (__)	९१	+१		बानबे (२) + (९०)
	+१	८३	तिरासी (__) + (__)		+१	९३	तिरानबे (३) + (__)
	+१	८४	चौरासी (__) + (__)		+१	९४	चौरानबे (__) + (__)
८४	+१		पचासी (५) + (__)	९४	+१		पंचानबे (__) + (__)
८५	+१		छियासी (__) + (__)	९५	+१		छियानबे (__) + (__)
	+१		सत्तासी (__) + (__)		+१	९७	सत्तानबे (७) + (__)
	+१	८८	अट्ठासी (__) + (__)	९७	+१		अट्ठानबे (__) + (__)
८८	+१		नवासी (__) + (__)	९८	+१		निन्यानबे (__) + (__)
८९	+१	९०	नब्बे (__) + (__)	९९	+१	१००	एक सौ (__) + (__)

 शिक्षण परामर्श : ८१ से ९९ तक की संख्या को स्थानीय मान के विस्तारित रूप में लिखना। स्थानीय मान के अनुसार शब्दों में तथा अंकों में लिखना।

खाली घरों को भरें

उन				
तीस	तालिस	चास	सठ	हत्तर
			५९	

खाली घरों को नीचे किए गए के अनुसार भरें :

संख्या	दहाई के घर का प्रकृत मान	इकाई के घर का प्रकृत मान	दहाई के घर का स्थानीय मान	इकाई के घर का स्थानीय मान	शब्दों में लिखें
२६	२	६	२०	६	छब्बीस
	३	९			
			३०	८	
					उन्नीस
५०					
	६	५			
					पचहत्तर
			८०	८	
	९	५			
९९					

शिक्षण परामर्श : *'उन' शब्द के व्यवहार की जानकारी। प्रकृत मान और स्थानीय मान की जानकारी।*

योगफल निकालें :

केले के पौधे से सोहन को उसके चाचा ने १८ केले तोड़कर दिए।
माँ ने दिये ८ केले।

		दहाई	इकाई
चाचा ने दिये	१ ८ केले	१० १०	१ १ १ १ १ १ १ १
माँ ने दिये	+ ८ केले		१ १ १ १ १ १ १ १
	२ ६ केले	१० १०	१ १ १ १ १ १

इस प्रकार अब सोहन के पास २६ केले हैं।

किन्तु सोहन ने अपनी दीदी से ४ केले और लिए।

		दहाई	इकाई
सोहन के पास थे	२ ६ केले	१० १० १०	१ १ १ १ १ १
दीदी से लिए	+ ४ केले		१ १ १ १
	३ ० केले	१० १० १०	

अब सोहन के पास कुल ३ ० केले हैं।

(१)

दहाई	इकाई	दहाई	इकाई
१० १० १०	१ १ १ १ १	२	५
१०	१ १ १ १ १ १	+१	६
१० १० १० १०	१	४	१

(२)

दहाई	इकाई	दहाई	इकाई
		३	२
		+३	९

(१)

द.	इ.
५	९
+ २	३
८	२

द.	इ.
४	७
+ ३	८

द.	इ.
६	९
+ १	७

द.	इ.
२	७
+ ४	४

शिक्षण परामर्श : *पहले कार्ड की मदद से, फिर बगैर कार्ड के हासिल वाले जोड़ की जानकारी।*

पारसमणि

अंतर में हमारे दीपक ज्ञान का जले,
अज्ञान तम हमारा यही तो हरे।
मन बने हमारा, देवालय तुम्हारा,
प्रकाशित हो जाए संसार सारा।
अनवरत ज्ञान का प्रदीप यह जले,
छूते हीं निकलें जिससे तारे नये-नये।
दूर कर दे जो आखों का अंधेरा,
देख पायें जहाँ तक, दिखे सबेरा।
दीपक ज्ञान का सब जगह जले,
दु:ख दर्द हम सभी का यही तो हरे।।

शब्दार्थ : पारस = स्पर्शमणि, एक कल्पित पत्थर जिसके प्रति लोगों में यह धारणा है कि जिसके स्पर्श या छूने से लोहा सोना हो जाता है; दीपक = प्रदीप; तम = अंधेरा; हरे = दूर करना; देवालय = देवगृह;

शिक्षण परामर्श : *शिक्षार्थी शिक्षक-शिक्षिका की मदद से स्पष्ट और शुद्ध उच्चारण के साथ लय में यह गीत गाएंगे।*

मेले में खरीदे हुए अपने प्रिय वस्तुओं का चित्र बनाएँ-

शिक्षण परामर्श : *छात्र उपरोक्त काम स्वयं करेंगे।*

See and say :

brinjal

cabbage

potato

tomato

chilli

onion

Learning tips : *Students will read the names of different vegetables.*

See the pictures. Fill in the gaps :

I can see a ________________.

I can see an ________________.

I can see a ________________.

I can see a ________________.

I can see a ________________.

I can see a ________________.

Match vegetables with their colours :

vegetables	colours
1) potato	a) green
2) chilli	b) violet
3) cabbage	c) red
4) brinjal	d) brown

Learning tips : *Students will do the activities.*

स्वयं करें

त्यौहार के मौके पर गाँव के एक रास्ते में ३८ बत्तियाँ लगाई गईं। दूसरे रास्ते में ४५ बत्तियाँ लगाई गईं। दोनों रास्तों में कुल मिलाकर कितनी बत्तियाँ लगाई गईं, हिसाब करें।

		द.	इ.
एक रास्ते में बत्तियाँ लगाई गईं		३	८
दूसरे रास्ते में बत्तियाँ लगाई गईं	+	४	५
दोनों रास्तों में कुल बत्तियाँ लगाई गईं–			

पतंगबाजी का उत्सव चल रहा है। सुबह ६८ बड़ी पतंगें आकाश में उड़ीं। शाम को १४ छोटी पतंगें आकाश में उड़ीं। सुबह और शाम को मिलाकर कुल कितनी पतंगें उड़ी थीं हिसाब करें।

मेले में कल २७ टोकरियाँ बिकी। आज ४६ टोकरियाँ बिकी। दोनों दिनों में कुल मिलाकर कितनी टोकरियाँ बिकीं, हिसाब करें।

एक बस द्वारा ४२ लोग घूमने जा रहे थे। बाद में और ८ लोग उसपर सवार हो गए। अब उस बस में कुल कितने लोग सवार हैं, हिसाब करके देखें।

स्वयं शब्दों में सवाल गढ़कर लिखें—

		द.	इ.
रजिया ने पौधे लगाए		२	८
उसकी सहेली ने पौधे लगाए	+	२	९
दोनों ने कुल पौधे लगाए			

स्वयं शब्दों में सवाल गढ़कर लिखें—

		द.	इ.
पूजा ने माला बनाया		२	८
सबीना ने माला बनाया	+	२	९
दोनों ने मिलकर माला बनाया			

शिक्षण परामर्श : *भाषा या घटनाओं की मदद से संख्याओं का जोड़ सीखना और जोड़ के सवाल को देखकर भाषा में उन्हें गढ़कर लिखना।*

कम करें

त्यौहारों से भरा शरतकाल। रहमत चाचा की डाली में ३४ फूल हैं। मैंने डाली से २ फूलों को ले लिया। हिसाब करके देखें अब कितने फूल डाली में बचे हैं?

से ले लिया →

३४ फूल – २ फूल = ३२ फूल

दूसरी तरह देखें

	द.	इ.	
	३	४	
–		२	
	३	२	फूल बचे

लगे हाथ जाँच करके देखें–

३४ →

२ →

३४ – २ → → ३२

(दो अंकों की संख्या से एक अंक की संख्या को घटाते समय पहली संख्या के इकाई वाले अंक के ठीक नीचे दूसरी संख्या के इकाई का अंक लिखा जाएगा।)

शिक्षण परामर्श : *दो अंकों की संख्या से एक अंक की संख्या को घटाने की जानकारी। (बिना हासिल वाले)*

खाली घरों को भरें

एक नाव पर २८ लोग जा रहे थे। उत्सव में शामिल होने के लिए ७ लोग बागबाजार घाट पर उतर गए। अब उस नाव में कितने लोग बैठे हैं, जरा देखें।

द.	इ.
२	८
–	७

आम वाले पेड़ पर ३५ आम हैं। त्यौहार के मौके पर मामाजी मेरे घर आए हैं। उनके खाने के लिए ४ आम तोड़े गए। पेड़ पर अब और कितने आम हैं, जरा हिसाब करें।

द.	इ.
३	५
–	४

पिताजी ने बाजार से १२ केलों को खरीदकर लाया। मैंने उनमें से २ केलों को खा लिया। अब कितने केले बचे हैं, जरा हिसाब करके देखें।

द.	इ.
१	२
–	२

खाली घरों को भरें

द.	इ.
१	८
–	७

द.	इ.
२	५
–	४

द.	इ.
३	८
–	६

द.	इ.
२	४
–	४

द.	इ.
४	९
–	८

द.	इ.
५	६
–	५

द.	इ.
६	७
–	६

द.	इ.
७	७
–	७

द.	इ.
८	९
–	८

द.	इ.
९	७
–	५

शिक्षण परामर्श : *कहानी के माध्यम से दो अंकों की संख्या से बगैर हासिल रखे एक अंक की संख्या को घटाना।*

अन्यत्र

—सुखलता राव

हटिया पर हो–हल्ला,
किनें–बेचें लोग गल्ला।
भीड़ लगाये लोग–जन,
माल देखो मन–मन।
चावल दाल नून तेल,
लौकी भिंडी बैगन बेल।
तरकारी आलू सीम,
अण्डा मछली आइसक्रीम।
डाला भरे अमरूद आम,
केला पपीता लीची जाम।
अरे ! हाँड़ी–हाँड़ी ठाँसा,
मजेदार गुड़ का बतासा।
वह देखो किसका लड़का,
स्कूल छोड़ कैसे बहका।
छोड़कर पढ़ाई आया,
उड़ाने वो कबूतर लाया।

लगे हाथ काम करें

१. कविता के आधार पर तालिका पूरी करें :

हटिया पर बिकने वाली चीजें–

सब्जियों का नाम	
फलों का नाम	
मोदीखाना में भी मिलने वाली चीजें	
और दूसरी चीजें	

शब्दार्थ : अन्यत्र = दूसरी जगह, हटिया = बाजार, हो–हल्ला = शोरगुल, गल्ला = अनाज, माल = सामान, मन = चालीस सेर की तौल (वजन का परिमाप), जाम = जामुन, ठाँसा = ठूँस–ठूँस कर भरा।

 शिक्षण परामर्श : *छात्र कविता का सस्वर वाचन करेंगे और अभ्यास कार्य करेंगे।*

See the pictures. Fill in the boxes correctly :

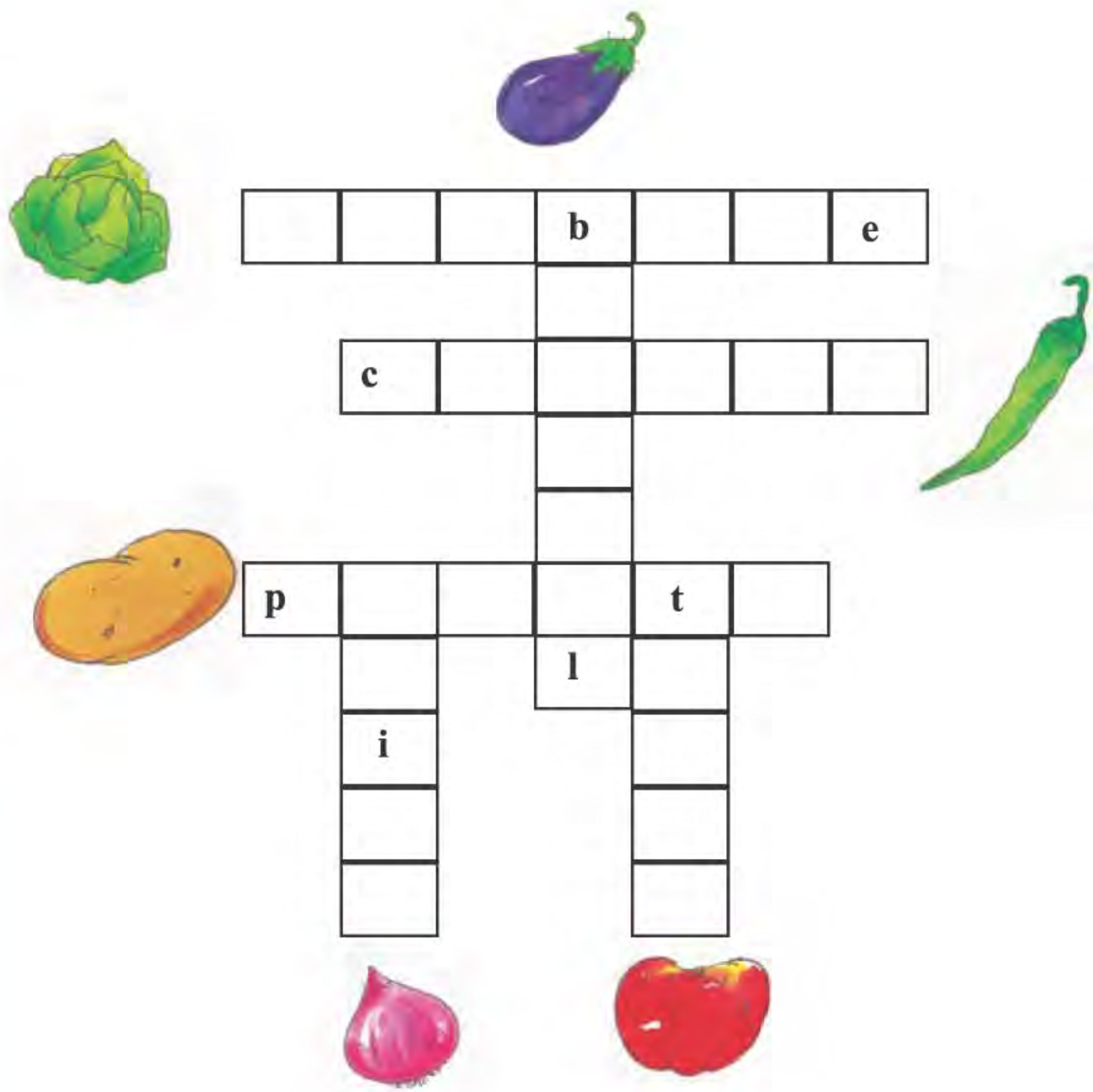

Learning tips : *Students will fill in the crossword puzzle.*

Listen and say :

Tomatoes are red, beans are green
A brinjal has a crown, just like a queen.
Potatoes are brown, onions are pink,
Carrots have juice which I can drink.
Vegetables make me healthy and wise,
I'll eat some daily with milk and rice.

Draw pictures of four vegetables. Colour them and write their names .

 Learning tips : *Teacher will encourage the students to participate in the rhyme. Then students will do the other activities.*

मेले में टोकरियों की बिक्री :

जाड़े का मौसम है। शांतिनिकेतन में पौष का मेला लगा है। हसन चाचा बेंतों से बनी २३ टोकरियों को मेले में रखकर बेच रहे हैं। ७ टोकरियाँ बिक गई हैं। अब कितनी टोकरियाँ और बच गयीं, रंगीन कार्डों के द्वारा उसका हिसाब करें।

हसन चाचा के पास–

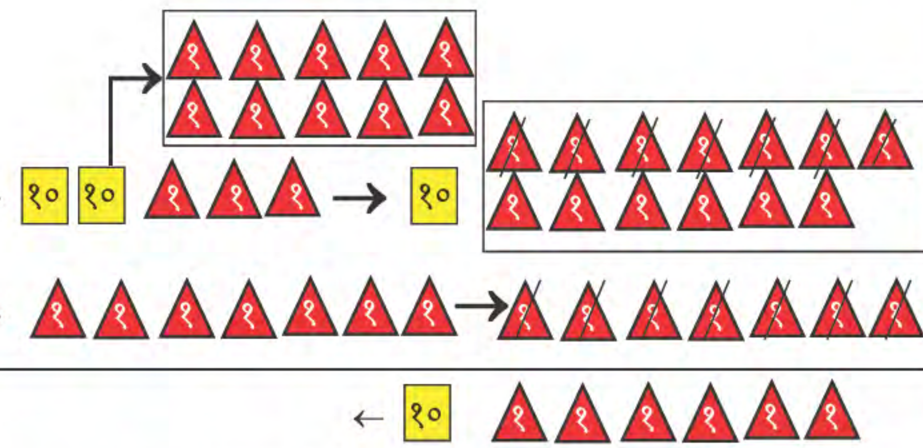

हसन चाचा के पास अब कुल १६ टोकरियाँ रह गयी हैं।

काठियों के द्वारा जाँचें :

१	१०
द.	इ.
~~२~~	~~३~~
—	७
१	६

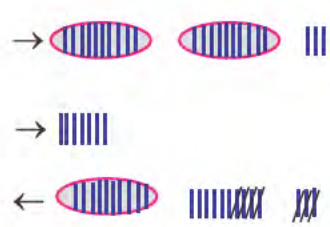

मेले में चित्रों की बिक्री

एक चित्रकार महोदय मेले में बेचने के लिए २१ चित्रों को बनाकर लाये हैं। पिछले दो दिनों में उन्होंने अपने ७ चित्रों को बेचा। उनके पास अब और कितने चित्र रह गये। रंगीन कार्डों के द्वारा उसका हिसाब करें।

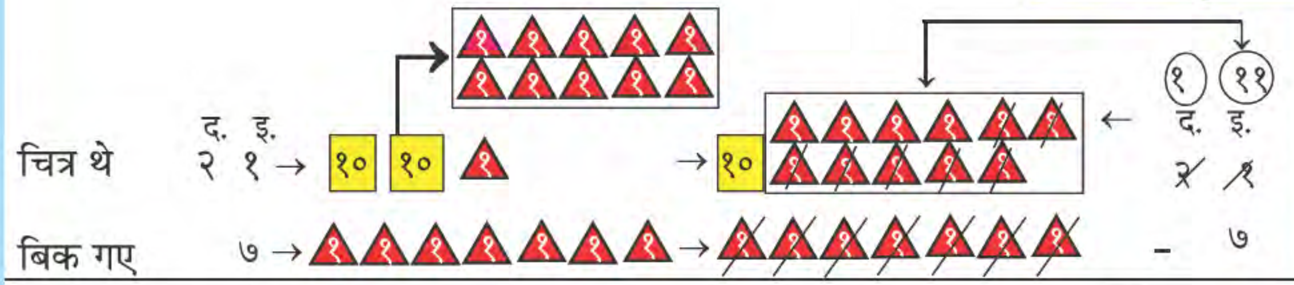

अब रह गए ☐ चित्र ← ☐ → ☐

रंगीन कार्ड लेकर घटाएं :

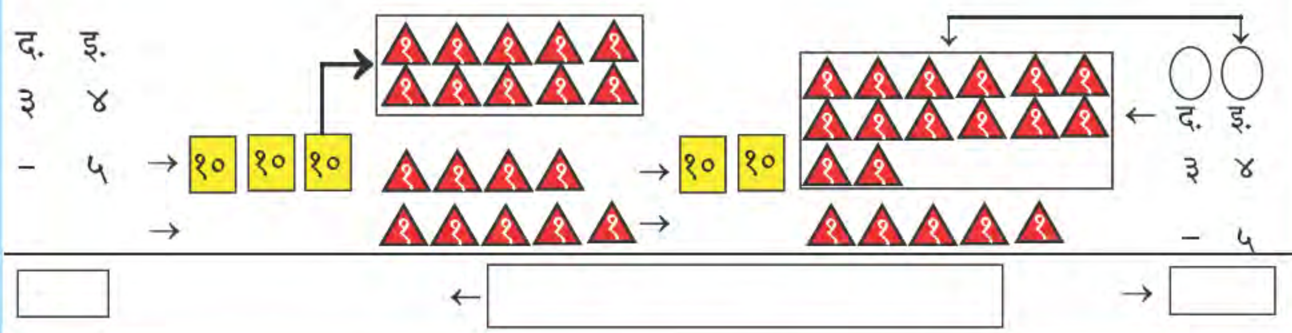

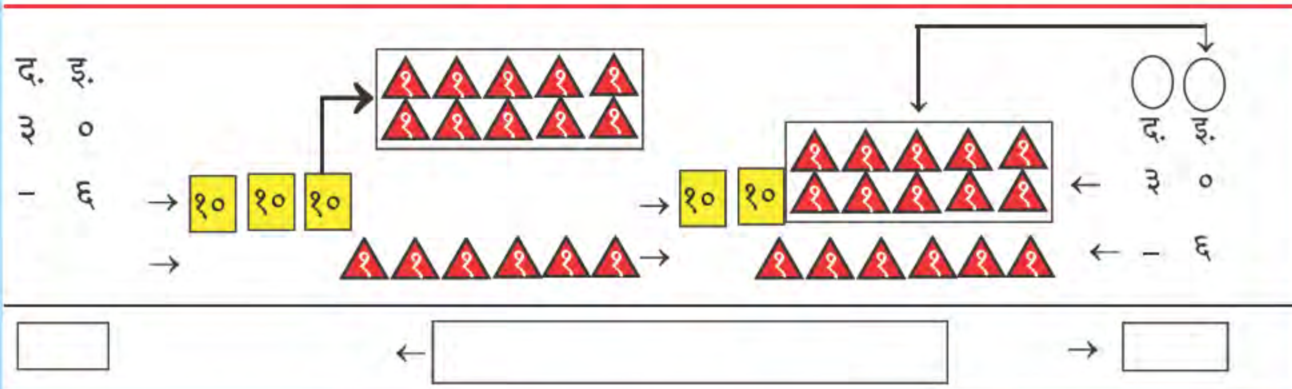

 शिक्षण परामर्श : *कार्ड की मदद से हासिल वाले घटाव की जानकारी।*

चलो घटाएं :

	५	१२
(१)	द.	इ.
	~~६~~	~~२~~
−	४	६
	१	६

(२)	द.	इ.
	७	४
−	१	९

(३)	द.	इ.
	४	१
−	१	८

(४)	द.	इ.
	८	०
−	३	५

(५)	द.	इ.
	६	३
−	२	५

(६)	द.	इ.
	८	२
−	६	७

(७)	द.	इ.
	४	१
−	१	८

(८)	द.	इ.
	८	०
−	३	५

(९)	द.	इ.
	७	३
−	५	८

(१०)	द.	इ.
	९	०
−	२	५

(११)	द.	इ.
	९	२
−	६	८

(१२)	द.	इ.
	७	३
−	३	८

(१३)	द.	इ.
	९	०
−	८	८

(१४)	द.	इ.
	७	०
−	६	८

(१५)	द.	इ.
	४	२
−	२	८

(१६)	द.	इ.
	३	७
−	२	९

शिक्षण परामर्श : *हासिल वाला घटाव की जानकारी।*

उचित शिक्षा

एक जंगल के किनारे एक विशाल जामुन का पेड़ था। एक गौरैया को वह पेड़ बहुत पंसद आया। यहाँ शान्ति से रहा जा सकेगा ऐसा समझकर गौरैया ने उसके डाल पर अपना घोंसला बनाया और उसमें अण्डे दिये। समयानुसार अण्डों को फोड़कर चार चूजे बाहर निकले। अभी उनकी आँखें भी नहीं खुली थीं। गौरैया रोज उनके लिए कीड़े-मकोड़ों को खोजकर लाती और उन्हें खिलाती। देखते-देखते उनकी आँखें खुलीं। भूख लगते ही वे किलबिलाने लगते। उन्हें देखकर माँ का मन खुशी से भर उठता, वह उनके लिए और अधिक खाना खोजकर लाती और उन्हें खिलाती।

इसी तरह दिन कट रहे थे। हठात् एक दिन एक भीमाकार हाथी झूमता हुआ आकर उसी जामुन के पेड़ के नीचे खड़ा हो गया। बहुत देर से वह अपनी पीठ को खुजला रहा था, किन्तु उसका मन नहीं भर रहा

 शिक्षण परामर्श : *छात्र इस कहानी को पढ़ेंगे।*

था। जामुन के पेड़ को देखकर उसमें वह अपने शरीर को रगड़ने लगा। उसे बहुत अच्छा लगा। तब वह और तेजी से अपनी पीठ को पेड़ में लगड़ने लगा। यह देख गौरैया के बच्चे डर से भयभीत हो गये। गौरैया पहले तो कुछ समझ न सकी, पर बाद में देखी कि एक भीमाकार हाथी उसकी पसंद वाले जामुन के पेड़ में अपनी पीठ तेजी से रगड़ रहा है। और पेड़ भी जोरों से हिल रहा है। मुसीबत सामने आता देखकर वह चिल्लायी, 'अरे.. यह क्या कर रहे हो? रूको, रूको। पेड़ के ऊपर तो मेरा घोंसला है।'

हाथी बोला, 'तो मैं क्या करूँ?'

'जल्दी रूको। नहीं तो मेरा घोंसला टूट जायेगा। मेरे बच्चों को बहुत डर लग रहा है।'

हाथी हँसकर बोला, 'तुम्हारे बच्चे डर गये तो मैं क्या करूँ? गड्ढे में छिपाने जाउँगा?'

गौरैया ने अनुनय-विनय करते हुए कहा, 'दया करके तुम पेड़ को अब और मत हिलाओ। मेरे बच्चों ने अभी उड़ना नहीं सीखा है। ऊँचे घोंसले से गिरने पर वे मर जायेंगे।'

हाथी को अपनी पीठ खुजलाने के बाद बहुत आराम लग रहा था। कहा, 'इससे मेरा क्या?'

गौरैया जितनी विनती करती हाथी को उतना ही मजा आता। वह लगातार पेड़ हिलाता जाता और कहता, 'मुझे तो खूब मजा आ रहा है।'

अचानक पेड़ बहुत जोरों से हिलने लगा। गौरैया के नन्हें बच्चे अपने दुर्बल पंखों को फड़फड़ाते चीं.... चीं...., चें.... चें..... करने लगे। अब गौरैया को बहुत गुस्सा आया। उसने विनती करना छोड़ तीखे स्वर में हाथी से कहा,

'आखिरी बार कह रही हूँ। अभी... रूको। नहीं तो —'

हाथी ने हँसकर कहा, 'नहीं तो क्या?'

'नहीं तो... तुम्हें पछताना पड़ेगा।'

'तुम जैसी छोटी चिड़िया मेरा कुछ भी नहीं कर सकती।'

'देखोगे, क्या कर सकती हूँ।'

'देखना ही तो चाहता हूँ। ले देख अब और जोर-जोर से तुम्हारे पेड़ को हिला रहा हूँ।' कहकर वह सचमुच पेड़ को और जोर-जोर से हिलाने लगा। गौरैया चिल्ला उठी, 'ठहरो! कैसे तुम्हारा दमन किया जाय, दिखाती हूँ!' कहती हुई वह फुर्र से उड़कर हाथी के सूप जैसे एक कान में ढुक गयी। अंदर वह अपने पंखों को फड़फड़ाती और अपनी चोंच से ठोकर मारती।

शिक्षण परामर्श : *छात्र इस कहानी को पढ़ेंगे।*

दर्द के मारे हाथी चिंघाड़ उठा। जमीन पर सोकर वह अपने सिर को मिट्टी में घिस-घिस कर गौरैया को मारने की चेष्टा करने लगा। 'किन्तु वह मार सकेगा क्या ?' गौरैया तो उसके कान के भीतर है। कराहते हुए हाथी ने कहा, 'मुझे बहुत दर्द हो रहा है। तुम जल्दी से निकल जाओ मेरे कान से, प्यारी बहना मेरी'

कान के भीतर से ही गौरैया ने कहा, 'इससे मेरा क्या ? यहाँ उड़ना तो मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।'

'नहीं-नहीं बहन तुम मुझे बचाओ। मैं पेड़ को और कभी नहीं हिलाऊँगा। इस बार तुम मुझे क्षमा कर दो।'

गौरैया ने कहा, 'क्या तुम सच कह रहे हो ?'

हाथी ने कहा, 'हाँ... बिल्कुल सच।'

गौरैया अब हाथी के कान से बाहर निकल आयी। तब जाकर हाथी के जान में जान आया। पेड़ की डाल पर अपने बच्चों के पास जाकर गौरैया ने कहा, '*शरीर के बल पर घमंड करना अच्छी बात नहीं है। याद रखो छोटे प्राणी के पास भी कुछ क्षमता हो सकती है।*'

हाथी को भी अच्छी और उचित शिक्षा मिली। इसलिए '*हमेशा याद रखूँगा*' यह कहते हुए हाथी वहाँ से द्रुत गति से दौड़ता हुआ भाग निकला।

शब्दार्थ : शिक्षा = सबक, चूजे = चिड़िया के बच्चे, भीमाकार = अति विशाल, किलबिलाना = कुलबुलाना, चिंघाड़ = चीख, भयभीत = आतंकित, मुसीबत = समस्या, विनती = प्रार्थना, दुर्बल = कमजोर, चेष्टा = कोशिश, क्षमा = माफ, घमंड = अहंकार, क्षमता = सामर्थ्य, द्रुत = तेज

शिक्षण परामर्श : *छात्र इस कहानी को पढ़ेंगे।*

See and say :

That is ...

a tiger

a lion

a camel

an elephant

Match column A with B :

A	B
1. camel	a. trunk
2. lion	b. stripes
3. elephant	c. mane
4. tiger	d. hump

Learning tips : *Students will read the names of animals. They will do the activity.*

Look at the picture :

You can see the body parts of many animals in this picture. Name the animals.

____

____

____

Learning tips : *Students will do the activity.*

चित्र बनाएँ

हमलोग चिड़ियाखाना घुमने गए थे। वहाँ अनेक पशु और पक्षियों को देखा। बहुत अच्छा लगा। बड़ा मजा आया। पशु–पक्षी मुझे बहुत याद आते हैं। अपनी कॉपी में उनका चित्र बनाकर रखने की इच्छा हो रही है। लेकिन पशु–पक्षियों का चित्र बनाना बड़ा ही कठिन है।

भैया चित्र बना रहे हैं। मिठू, आओ। भैया के पास बैठकर हम उनसे पशु–पक्षियों के चित्रों को बनाने का नियम सीखें।

भैया बोले– सभी चित्र कुछ सीधी और टेढ़ी लकीरों द्वारा बनाए जा सकते हैं।

हमने सीधी ———————— और टेढ़ी लकीरों को खींचा ।

अब हम सीधी और टेढ़ी लकीरों द्वारा सहज एवं सरल चित्रों को बनाएँ :

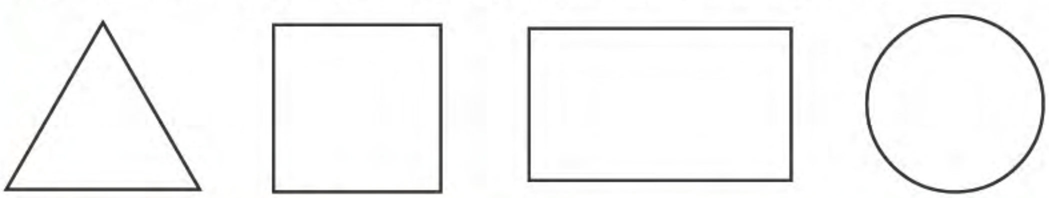

इनकी मदद से तरह–तरह के चित्रों को बनाएँ।

शिक्षण परामर्श : *ज्यामितिक आकृतियों का नाम न जानते हुए विभिन्न आकारों की जानकारी।*

उचित शिक्षा

लगे हाथ करके देखें

१. पाठ में आये हुए संयुक्ताक्षरों वाले पाँच शब्दों को इस कहानी से खोजकर लिखें :

....

२. नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर लिखें :

२.१ गौरैया ने घोंसला कहाँ बनाया था ? ....

२.२ गौरैया के चूजे क्यों डर गए थे ? ....

२.३ गौरैया ने किस प्रकार हाथी को सबक सिखाया ? ....

२.४ गौरैया ने अन्त में हाथी से क्या कहा ? ....

३. कहानी में किसने क्या किया उसे नीचे की तालिका में लिखें–

गौरैया	हाथी

४. बांयी ओर के शब्दों को दांयी ओर लिखे उनके विपरितार्थक शब्दों के साथ मिलाकर लिखें :

पसन्द	–	सबल		–	
भय	–	अनुचित		–	
दुर्बल	–	नापसन्द		–	
अन्दर	–	साहस		–	
उचित	–	बाहर		–	

५. 'किल–बिल', चें–चें, 'फुर्र' ये शब्द किन–किन प्राणियों से सम्बन्धित है ? उनके किन–किन कार्य–कलापों को समझाने के लिए हम इनका व्यवहार करते है ? इन तीन शब्दों से तीन अलग–अलग वाक्य स्वयं बनाकर लिखें।

शिक्षण परामर्श : *छात्र 'उचित शिक्षा' कहानी पढ़कर उपर के अभ्यास कार्य करेंगे।*

See the pictures...

Learning tips : *Students will know about different activities of birds.*

See and say ...

That is a cuckoo.

That is an Indian roller.

That is a parrot.

That is a kingfisher.

That is a peacock.

That is a wagtail.

That is a magpie robin.

Learning tips : *Students will read the sentences. They will know the names of birds.*

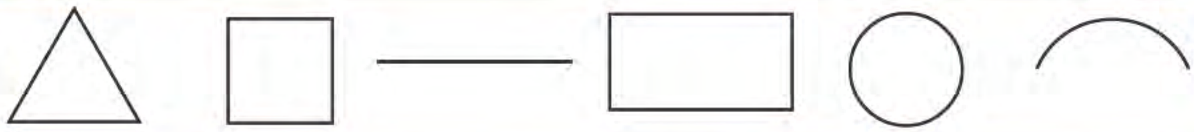

भैया ने कहा, सभी चित्रों को ठीक तरह से सजाकर सभी पशु-पक्षियों का चित्र बनाया जा सकगा। हम चित्र बनाने की चेष्टा करें। चित्र किसकी तरह दिखते हैं, उसे खाली घरों में लिखें और चित्रों में रंग भरें।

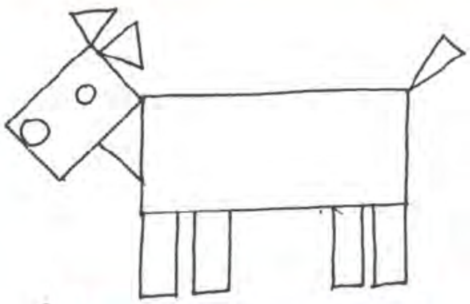

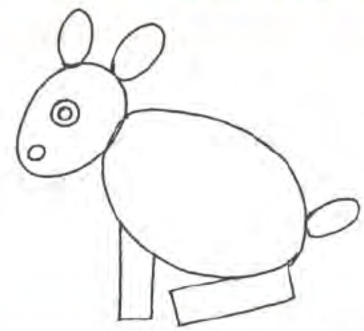

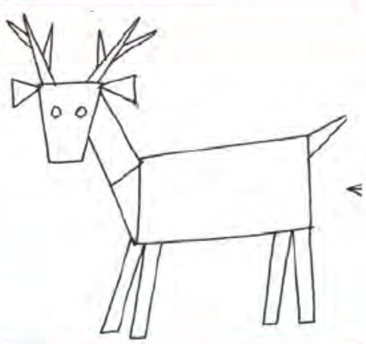

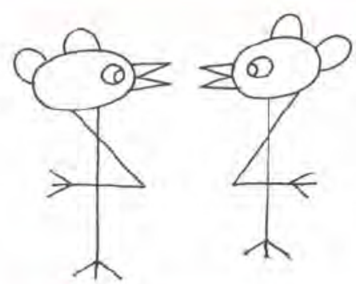

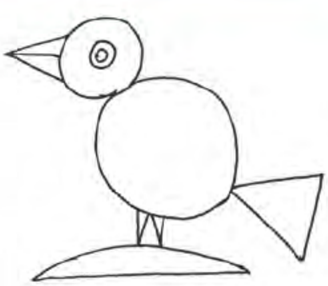

चित्र बनाते-बनाते हमें जाने-पहचाने पशु-पक्षी याद आ रहे हैं। मन कचोट रहा है।

See the pictures of the birds.Write their names:

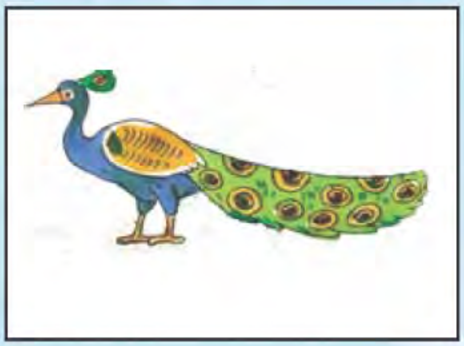

Fill in the gaps. Use words from the help box :

(a) Birds have ___________ .

(b) Birds eat with ____________.

(c) Birds live in ____________.

(d) Some birds can __________ sweet songs.

Help box

sing

beaks

wings

nests

Learning tips : *Students will do the activities.*

Colour the bird :

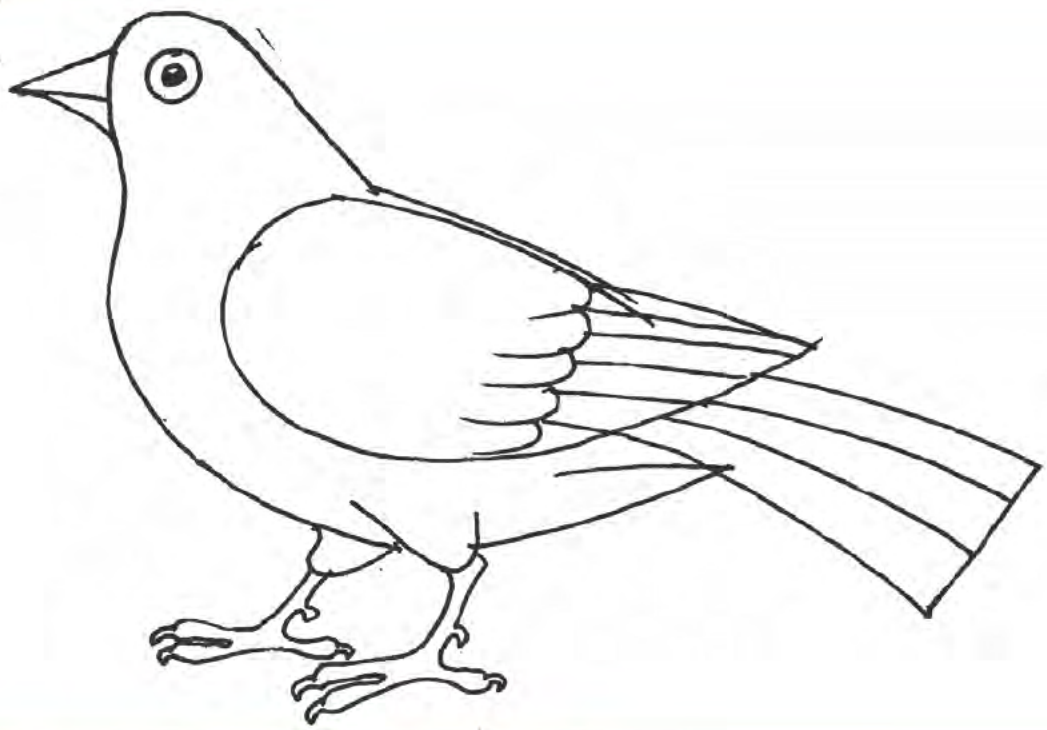

Draw the picture of a bird. Colour it :

Learning tips : *Students will do the activities.*

अतिथि पक्षी

—*सरल दे*

आ रे आ मौसमी चिरैया आ, तू तो मेरी मेहमान,
दूर देश से आती उड़कर, हजारों लाखों तू मिलकर।
है राह तेरी जानी पहचानी, हमें न जाना तुम भूल,
बाट तुम्हारी जोह रहे हैं, हम बगिया के फूल।
रंग–बिरंगे रूप तुम्हारे, और चंचल तेरे पाँव,
बड़ी सुरीली कंठ तुम्हारी, ठहरना मेरे गाँव।
मेरे घर के पास झील में, तैरो–विचरो मजे करो
ठंड बिताकर साथ हमारे, फिर हिम प्रदेश को कूच करो।

शब्दार्थ : मौसमी = किसी खास मौसम का, हिम–प्रदेश = बर्फीला देश, सुरीली = मधुर सुर वाली, मेहमान = अतिथि, बाट = राह, जोहना = प्रतिक्षा करना, विचरो = विचरना, कूच = प्रस्थान।

शिक्षण परामर्श : *छात्र इस कविता को पढ़ेंगे।*

1. Some birds fly many miles.
2. They fly for food and shelter.
3. They fly to live in friendly climate.
4. They are migratory birds.

Write four sentences about birds :

____

____

____

____

____

____

Learning tips : *Students will know about migratory birds. They will do the activity.*

स्वयं करें :

रोशनआरा ने ३२ गेंदा के फूलों को लेकर माला गूँथना शुरू किया। किन्तु माला गूँथने के बाद डालिया में १२ फूल बच गये हैं। माला में कितने फूल लगे हैं, हिसाब करें।	द. इ. माला गूँथने के लिए लिया ३ २ फूल। डलिया में बचे हैं – १ २ फूल। माला में हैं ☐ फूल।
आज खूब बारिश हो रही है। इसलिए १२ छात्र–छात्राएं स्कूल नहीं आ सके। हमारी कक्षा में कुल छात्र–छात्राओं की संख्या ३७ है। तब आज कितने लोग स्कूल आए हैं, हिसाब करें।	
शोभन ६० पतंगों को लाया है। उसने हमें ४८ पतंगों को दे दिया। शोभन के पास अब कितने पतंग हैं, हिसाब करें।	
सानिया के पास ३३ बिंदी है। सानिया ने १८ बिंदी अपनी सहेलियों को दे दिया। अब सानिया के पास कितनी बिंदी है, देखें।	
स्वयं शब्दों में सवाल गढ़कर लिखें :	द. इ. दुकानदार को दिया ३ ० रुपये। रितेश की कॉपी का दाम – १ ८ रुपये। रितेश को वापस मिलेंगे ☐ रुपये।
स्वयं शब्दों में सवाल गढ़कर लिखें :	द. इ. बस में लाग थे ४ ८ लोग। बस से उतर गए – १ ८ लोग। अब बस में लोग हैं ☐ लोग।

शिक्षण परामर्श : *कहानी के द्वारा घटाव की जानकारी और स्वयं कहानी के रूप में समस्या बनाना।*

अतिथि पक्षी

लगे हाथ करके देखें

१. अतिथि पक्षी कविता के कवि हैं ....

२. अतिथि पक्षी किन पक्षियों को कहा गया है ? ....

३. अतिथि पक्षी किस तरह हमारे देश आते हैं ? ....

४. साल के किस समय उन्हें देखा जाता है ? ....

५. जाड़े के अन्त में अतिथि पक्षी क्या करते हैं ? ....

६. संयुक्ताक्षरों का व्यवहार करते हुए समान अर्थ वाले शब्द बनाएं :

चिड़ियां =	प	क्षी	घर =			
राह =			गाँव =			
फूल =			हिम =			

७. 'मेरे घर के पास झील में, तैरो–विचरो मजे करो
ठंड बिताकर साथ हमारे फिर हिमप्रदेश को कूच करो।'— द्वारा कविता में कवि ने प्रवासी पक्षियों को जाड़े के कुछ महीने यहाँ आकर विभिन्न जलीय क्षेत्रों जैसे– पोखरों, जलाशयों, झीलों, बीलों, कच्छ भूमि, दलदली भूमि आदि में अतिथि बनकर रहने के बारे में कहा है।

इन अतिथि पक्षियों से संबंधित नीचे के वाक्यों को पूरा करें –

१. अतिथि पक्षी दूर–दूर से .... हैं।

२. वे पक्षी भोजन और आश्रय की .... यहाँ आते हैं।

३. भयंकर ठंड से बचने के लिए वे .... हैं।

४. जाड़े के अंत में वे .... हैं।

शिक्षण परामर्श : *छात्र इस अभ्यास कार्य को करेंगे।*

वि. द्र. : कच्छ भूमि = कछार क्षेत्र।

Listen and say :

Flip-Flap ! Flip-Flap!
Rises my kite,
Up and up in the sky,
Blue and bright.

Flip-Flap! Flip-Flap!
Goes my kite,
Sometimes to my left,
And sometimes to my right.

Flip-Flap! Flip-Flap!
Flies my kite,
High and high above,
Touching the skies.

Learning tips : *Teacher will encourage the students to participate in the rhyme.*

आम चुनें :

१. पिछले दिन आये तूफान में बहुत से आम गिर गए। मैंने १२ आम चुने हैं। भैया ने १८ आम चुने हैं। बहन ७ आम चुनी है।

१० दहाई   इकाई

	द.	इ.		
मैंने चुना है	१	२	→	१०
भैया ने चुना है	१	८	→	१०
बहन चुनी है +		७	→	
	३	७	←	१० १० १०

हम तीनों ने मिलकर कुल ☐ आम चुने हैं।

आज माँ ने बहुत से लड्डू बनाएँ हैं। उन्होंने दीदी को ८ और भैया को ७ लड्डू दिये। बाकी बचे १५ लड्डूओं को माँ ने रख दिया। माँ ने कुल ☐ लड्डू बनाए हैं।

१० दहाई   इकाई

				द.	इ.
दीदी को दिया	८ लड्डू	→	१०		८
भैया को दिया	७ लड्डू	→		+	७
रख दिया	+ १ ५ लड्डू	→	१०	+ १	५
कुल लड्डू ☐		←	१० १० १०	☐	

शिक्षण परामर्श : कार्ड की मदद से दो अंकों की किन्हीं तीन या दो अंकों की किन्हीं दो और एक अंक की किसी एक संख्या का जोड़, जिनका योगफल ९९ से कम हो।

बैलून घर

–*शंख घोष*

तुम सब हो धरती के लोग
मेरा तो यह बैलून घर–
इसी बैलून में सारे दिन
हवा में बहता रहता दिन भर।
तुम देखते सिर के ऊपर
अरे! कैसे मेरे दिन बीते
ऊपर रह उन मेघों को
देखूँ मैं पैरों के नीचे।

एक देश से हो तुम बँधकर
मेरे तो हैं देश हजार
ऐसा मेरा बैलून घर
सीमा नहीं है जिसकी यार।
क्या तुम भी मेरी तरह चाहते
रहने के संग चलने का स्वाद!
अपने अपने घर के ऊपर
बहुत बड़ा एक बैलून बाँध!

शिक्षण परामर्श : *छात्र इस कविता को उपयुक्त विराम चिन्ह छन्द तथा भाव के अनुसार पढ़ेंगे।*

See and say :

ant

honey bee

butterfly

mosquito

cockroach

beetle

See the pictures. Fill in the gaps :

This is a honey bee.

This is ________ ________.

This ________ ________ ________.

________ ________ ________ ________.

Learning tips : *Students will read the names of insects and do the activities.*

स्वयं करें :

१।

	द.	इ.
	३	६
+		९
+		८

२।

	द.	इ.
	२	७
+	३	०
+		३

३।

	द.	इ.
	३	५
+	३	०
+	२	९

४।

	द.	इ.
	४	२
+	५	५
+	१	९

दयाराम चाचा की टोकरी में अनेक लीचियाँ हैं। उन्होंने मिमी को १४ और पथिक को १९ लीचियाँ दीं। उनकी टोकरी में अभी और १३ लीचियाँ हैं। हिसाब करके देखें, दयाराम चाचा की टोकरी में पहले कितने लीचियाँ थी।

	द. इ.	
मिमी को दिए		लीचियाँ
पथिक को दिए		लीचियाँ
टोकरी में बची हैं		लीचियाँ
टोकरी में थीं कुल		लीचियाँ

शब्दों में सवाल गढ़ें और लिखें :

	द. इ.	
जलेबी	२ २	रुपये
पापड़	१ ७	रुपये
बादाम	३ ८	रुपये
कुल खर्च		रुपये

शिक्षण परामर्श : *हासिल रखकर जोड़ना परन्तु योगफल १०० से कम हो।*

बैलून घर

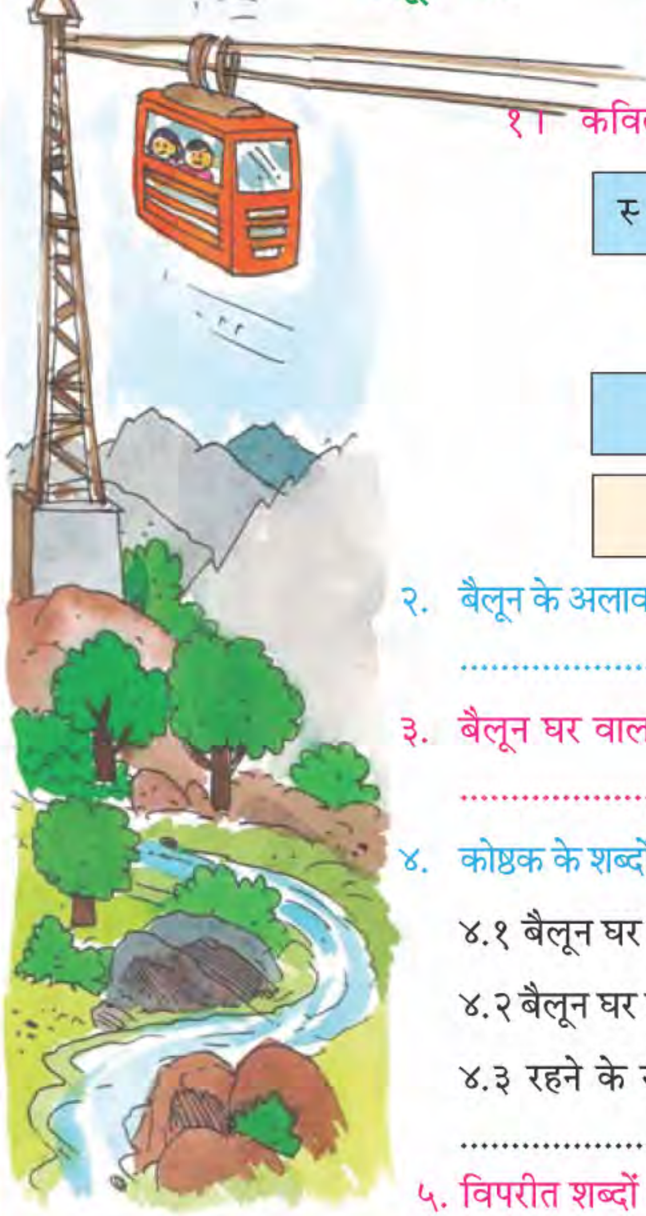

लगे हाथ करके देखें

१। कविता के संयुताक्षरों द्वारा नए शब्द बनाएं :

स्	वा	द	स्	व	
	क्	या	क्	य	
		स्थ			च्छ
		री	शा		

२. बैलून के अलावा आसमान में ....
....को भी उड़ते देखते हैं।

३. बैलून घर वाला बालक बादलों को अपने ....
.... बहते हुए देखता है।

४. कोष्ठक के शब्दों को खाली जगहों में भरें। (सीमा, हवा, बहुत बड़ा)

४.१ बैलून घर में चढ़कर .... में उड़ा जा सकता है।

४.२ बैलून घर की कोई .... नहीं होती।

४.३ रहने के साथ चलने का स्वाद पाने के लिए घर के ऊपर .... बैलून बाँधना होगा।

५. विपरीत शब्दों से खाली स्थान भरें–

ऊपर __________, बाँधो __________, धरती __________, बड़ा __________ ।

६. वाक्य बनाएं :

दिन : ....

हवा : ....

अपना : ....

बैलून : ....

शिक्षण परामर्श : *'बैलून घर' कविता को पढ़कर इस अभ्यास कार्य को छात्र पूरा करेंगे।*

Read the sentences :

One evening, the beetle wanted some honey. So the beetle called the glow worm. The glow worm came with light. Together, they went to the hive of a bee. On the way, they heard the sound of a cricket.

Read the clues. Fill in the boxes :

Across :

1. A cricket makes
2. A glow worm gives
3. An insect has six

Down :

4. A bee collects
5. A mosquito spreads

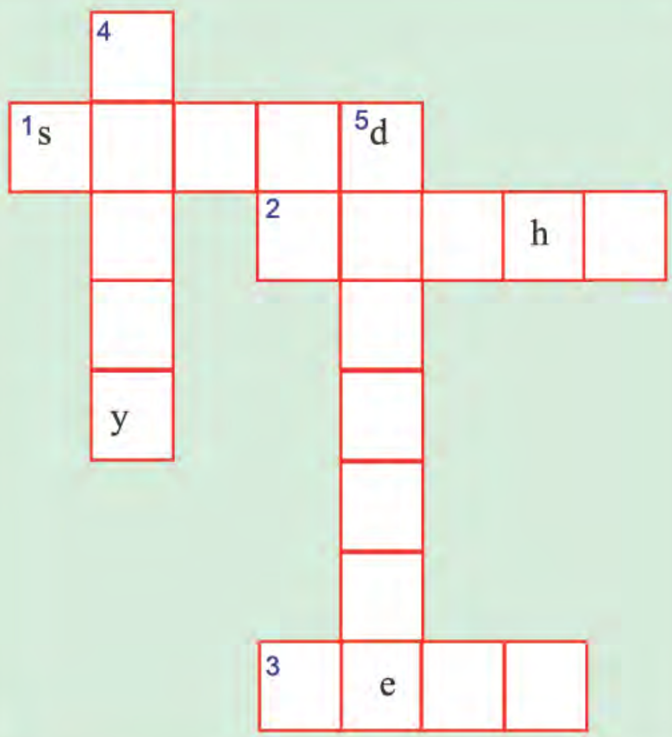

 Learning tips : *Students will read the sentences and do the activity.*

बड़ा और छोटा समझें

सायन के पास २१ माचिस की तीलियाँ हैं। लेकिन माचिस के बॉक्स में ३१ तीलियों को रखना है। और कितनी अधिक तीलियों की जरूरत है, देखें।

	द.	इ.	
सायन को रखना है	३	१	तीलियाँ
सायन के पास हैं	– २	१	तीलियाँ
और जरूरत है	१	०	तीलियाँ

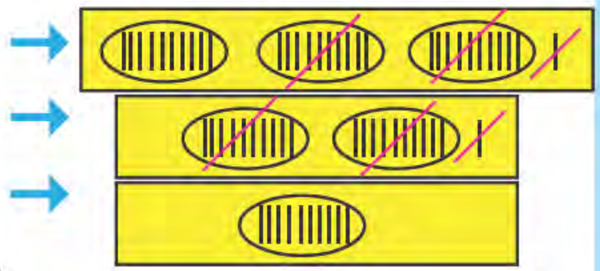

इसप्रकार ३१, २१ से [ ] (बड़ा / छोटा) है।

३१ [ ] २१ (> या < बिठाएं)

यदि सायन को ४१ तीलियाँ बॉक्स में रखना होता, तो हिसाब करके देखें उसे और कितने अधिक तीलियों की जरूरत है।

	द.	इ.	
तीलियाँ रखनी होगी	[ ]	[ ]	
सायन के पास हैं	– २	१	
	[ ]	[ ]	तीलियाँ

उसे और [ ] तीलियों की जरूरत है।

४१, २१ से [ ] (बड़ा / छोटा) है। ४१ [ ] २१ (> या < बिठाएं)

नीचे खाली घरों में (> या < बिठाएं)

३१ [>] २१, ४१ [>] २१, ५१ [ ] २१, ६१ [ ] २१, ७१ [ ] २१, ८१ [ ] २१

इकाई के घर का अंक वही रखकर दहाई के घर के अंक को बढ़ाने या घटाने पर संख्या का मान बढ़ता या घटता है।

शिक्षण परामर्श : *संख्याओं में बड़े या छोटे की जानकारी।*

मोतियों की माला बनाएँ

जरीना ने २७ मोतियों की माला बनाई है। जूली ने १७ मोतियों की माला बनाई है। किसकी माला में अधिक मोतियाँ हैं, देखें।

जरीना की माला → →

जूली की माला → →

द.	इ.	
२	७	मोती
− १	७	मोती
१	०	मोती

इसप्रकार जरीना की माला में जूली की माला से ☐ मोतियां हैं। (अधिक / कम)

अत: २७ ☐ १७ (> / < बिठाएं)

अभ्यास करें

२७ →

१७ →

२७ – १७ → → १०

इसलिए कौन संख्या बड़ी है और कौन छोटी है इसे जानने के लिए, पहले दहाई के अंक को देखेंगे। उसके बाद इकाई के अंक को देखेंगे।

> या < बिठाएं

२७ ☐ ३६, ४१ ☐ २९, ५६ ☐ ६५, ४२ ☐ ५८, ७१ ☐ ६८

१। छोटे से बड़े (आरोही) क्रम में सजाएँ-

८५, ९६, ७७, ६६, ६० → ☐

२। बड़े से छोटे (अवरोही) क्रम में सजाएँ-

५०, ४८, ८८, ७७, ४० → ☐

शिक्षण परामर्श : *संख्याओं के बड़ा या छोटा होने की जानकारी। आरोही और अवरोही क्रम में लिखने की जानकारी।*

Read the sentences:

Insects are small. All insects have six legs. Most insects can fly. They have wings. Insects are in the world we live in. They are in the garden. They are in the desert. They are in the hills. They are everywhere.

Tick (✓) the correct answer :

1. Insects are big / huge / small.
2. All insects have four / six / five legs.
3. Most / no / all insect(s) can fly.
4. Insects are only in the hills /only in the desert / everywhere.

Listen and say :

Insects All Around

Lady bugs and butterflies,

Buzzing bees up in the sky.

Teeny, tiny little ants,

Crawling up and down the plants

Many insects can be found

In the sky and on the ground.

Learning tips : *Students will do the activities. Teachers will encourage the students to sing to the tune of **"twinkle, twinkle, little star"***

मिला, २ + २ = ४ दो के २ समूह मिलकर ४ हुए।

यहाँ समूह = २ , प्रत्येक समूह में २ टोपियाँ है।

फिर,

मिला, □ + □ + □ = ६

तीन २ के समूह मिलकर □ हुए। यहाँ समूह = ३ , प्रत्येक समूह में २ टोपियाँ

मिला □ + □ + □ + □ = □

□ २ के समूह मिलकर □ हुए। यहाँ समूह = □, प्रत्येक समूह में □ टोपियाँ।

इसप्रकार २ + २ + २ + २ + २ = □

□ + □ + □ + □ + □ + □ = १२

 शिक्षण परामर्श : *जोड़ के माध्यम से गुणा की जानकारी।*

संक्षेप में नए तरीके से लिखें

		संक्षेप में मिला	गुणनफल
२ का एक समूह = २ →		२ × १	= २
२ के दो समूह = ४ →	२ + २ = ४ →	२ × २	= ४

२ के ☐ समूह = ६	२ + २ + २ = ☐	२ × ☐ = ☐
२ के ☐ समूह = ☐	२ + २ + २ + २ = ☐	२ × ☐ = ☐
२ के ☐ समूह = १०	☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ = ☐	२ × ☐ = ☐

और मिलकर→

३ + ३ = ☐ → ३ × २ = ☐ गुणनफल → ☐

४ बिंदियां + ४ बिंदियां + ४ बिंदियां = १२ बिंदियां

संक्षेप में पाते हैं ४ + ४ + ४ = १२ → ☐ × ☐ = ☐

स्वयं करें :

(१) ३ + ३ + ३ = ☐ → ☐ × ☐ = ☐

(२) □ + □ + □ + □ + □ = □ → २ × ५ = □

(३) □ + □ = □ → ४ × २ = □

(४) ५ + ५ + ५ = □ → □ □ □ = □

(५) ७ + ७ = □ → □ □ □ = □

अगल-अलग समूह बनाएं :

→ ३ × □ = □

३ फूलों के २ समूह

→ २ × □ = □

२ फूलों के □ समूह

→ ४ × □ = □

→ □ × ४ = □

→ २ × □ = □

→ ५ × २ = □

 शिक्षण परामर्श : *समूहों द्वारा गुणा की जानकारी।*

हमारा गाँव

—बन्दे अली मियां

छोटा सा यह गाँव हमारा छोटे छोटे इसके घर,
मिलजुल कर रहते सब कोई नहीं दिगर।
गाँव के सब बच्चे हैं आपस में भाई-बहना,
एकसाथ खेलें हम साथ साथ स्कूल में पढ़ना,
मारामारी हिंसा हम करते नहीं कभी,
माता पिता गुरुजनों से डरते सदा सभी।
छोटा सा यह गाँव हमारा माता के समान,
देती हवा उजाला बचाती सबकी जान।

खेत भरे धान, है पानी भरी झील
लगते ही चाँदनी करती झिलमिल
पेड़ आम जामुन के बाँसों के झाड़
मिलजुल कर रहते सब जैसे परिवार।
निकले सुनहला सूरज पूरब में सबेरे
पक्षी बोलें, बहे हवा, नाना फूल खिले।

शब्दार्थ :

दिगर = दूसरा / पराया। मारामारी = मारपीट। हिंसा = अहित। गुरुजन = पूज्य लोग, आदरणीय लोग। उजाला = रोशनी। जान = प्राण। मिलजुल = एक साथ। चाँदनी = चन्द्रमा का प्रकाश।

शिक्षण परामर्श : *छात्र इस कविता को पढ़ेंगे।*

लगे हाथ करके देखें

१. ठीक उत्तर चुनकर लिखें :

१.१ हमारे गाँव में कोई किसी का (पराया / अपना) नहीं है।

१.२ हमारा गाँव (छोटा / बड़ा) है।

१.३ हमारा गाँव हमारी (दोस्त / माता) के समान है।

१.४ खेत भरे धान, है पानी भरी झील (सूरज / चाँद) की किरणों से झिलमिलाती है।

१.५ कविता में कुल पंक्तियों की संख्या (७ / १४) है।

२. कविता में आये संयुक्ताक्षरों वाले दो शब्द हुए : (१) .... (२) ....

उनमें प्रयुक्त संयुक्ताक्षरों को लिखें और उनका व्यवहार कर नये शब्द बनाएं।

संयुक्ताक्षर हैं (१) .... (२) ...., नये शब्द हुए (१) .... (२) ....

३. कविता से शब्दों को लेकर खाली स्थानों को भरें :

३.१ गाँव के सभी बच्चे __________ जाते हैं।

३.२ गाँव में खेत __________ धान और __________ से भरी झील है।

३.३ गाँव में सभी अपने __________ के जैसे रहते हैं।

३.४ __________ और __________ करना ठीक नहीं है।

३.५ __________ में रहना बहुत मजेदार है।

४. इन शब्दों के विलोम / विपरितार्थक शब्दों को इस कविता से चुनकर लिखें :

बड़े = ..., शहर = ..., पिता = ... अंधेरा = ...

५. नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें :

५.१ हमारा छोटा सा गाँव किसके समान है? ....

५.२ चाँदनी पाकर कौन झिलमिला रहा है? ....

५.३. पूरब में सुनहले सूरज के उगने के बाद क्या-क्या होता है? ....

....

 शिक्षण परामर्श : *छात्र 'हमारा गाँव' कविता पढ़कर अभ्यास कार्य करेंगे।*

संक्षेप कर नये तरीके से लिखें

→ ☐ × ४ = ☐

(स्वयं चित्र बनाएं)

☐ ☐ ☐ → ४ × ३ = ☐

देखें थालियों में लगता है सेब हैं—

अरे! थाली तो खाली इसमें तो कुछ भी नहीं मतलब खाली अथार्त् सेब ***शून्य*** है।

दोनों को मिलाने पर भी कोई सेब नहीं मिला, अतः ०

०	+	०	=	०
कोई सेब नहीं इसलिए- ०	और	कोई सेब नहीं इसलिए- ०		कोई सेब नहीं इसलिए- ०

इसलिए- ० × २ = ० = २ × ०

खाली थालियों में फल देखें और खाली घरों में संख्या लिखें-

० + ☐ + ☐ = ☐

मिला, ० × ३ = ☐ अथवा ३ × ० = ☐

इस प्रकार पाया कि किसी संख्या के साथ ० का गुणा करने पर ☐ होता है।

स्वयं करें :

(१) २ × ३ = ☐

(२) ५ × २ = ☐ = २ × ☐

(३) ३ × ० = ☐

(४) ☐ × ४ = ०

शिक्षण परामर्श : *संख्याओं को शून्य से गुणा करने की जानकारी।*

कितने सेब ?

	→ १ × ० = ०
	→ १ × १ = १
	→ १ × २ = २
	→ १ × □ = ३
	→ □ × ४ = ४
	→ □ × □ = ५
	→ १ × ६ = □
	→ १ × ७ = □
	→ १ × ८ = □
	→ १ × ९ = □
	→ १ × १० = □

इस प्रकार पाया कि किसी भी संख्या के साथ १ का गुणा करने पर गुणनफल वही संख्या होती है।

स्वयं करें :

(१) १ × ८ = □	(२) ७ × १ = □	(३) ११ × □ = ११
(४) ६ × □ = १ × □	(५) □ × १२ = १२	(६) □ × १ = १८

 शिक्षण परामर्श : *छात्रों को किसी संख्या को १ से गुणा करने की जानकारी होगी।*

खरगोश की छलांग देखें–

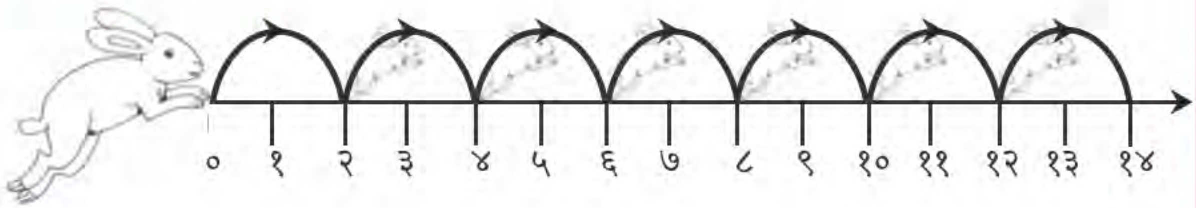

खरगोश की छलांग देखें और वह कितनी दूर गया, मापें	संक्षेप में लिखें
छलांग नहीं लगाने से जाता है ०	२ × ० = ०
१ छलांग में गया २ → □	२ × □ = □
२ छलांग में गया २ + २ → □	२ × २ = □
३ छलांग में गया □ + □ + □ → □	२ × □ = □
४ छलांग में गया □ + □ + □ + □ → □	२ × □ = □
५ छलांग में गया □ + □ + □ + □ + □ → □	□ × ५ = १०
६ छलांग में गया □ + □ + □ + □ + □ + □ → □	२ × □ = □
७ छलांग में गया □ + □ + □ + □ + □ + □ + □ → □	२ × □ = □
८ छलांग में गया □ + □ + □ + □ + □ + □ + □ + □ → □	२ × □ = □
९ छलांग में गया □+□+ □+□+□+ □+□+ □+□ → □	२ × □ = □
१० छलांग में गया १८ + २ → □	२ × १० = □
११ छलांग में गया □ + □ → २२	२ × ११ = □
१२ छलांग में गया □ + □ → □	२ × १२ = □

शिक्षण परामर्श : *२ के साथ विभिन्न संख्याओं का गुणा।*

Draw the picture of a morning scene in your locality:

 Learning tips : *Students will do the activity.*

See and say :

one
shirt

one
frock

two
shirts

two
frocks

three
shirts

three
frocks

many
shirts

many
frocks

Read the words :

one	many
boat	boats
dog	dogs
hen	hens

one	many
table	tables
car	cars
tree	trees

Fill in the gaps :

one	many
pen	
	books

one	many
	stones
bottle	

Learning tips : *Students will have ideas about singular and plural numbers.*

चित्रों को देखकर कुछ लिखें

२ × □ = □

□ × □ = □

□ × □ = □

५ × □ = □

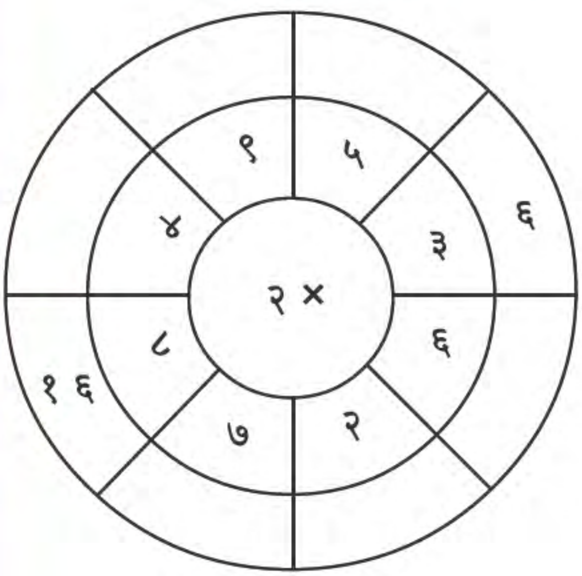

गुणनफल की इकाई में ४ रहने पर लाल रंग दूँ।

गुणनफल की इकाई में ६ रहने पर नीला रंग दूँ।

गुणनफल की इकाई में ८ रहने पर हरा रंग दूँ।

 शिक्षण परामर्श : *चित्र की सहायता से गुणा की जानकारी।*

पेड़ के पत्तों से मजेदार खेल

एक-एक कर पेड़ के पत्तों को सजाकर कितने पत्ते मिले, देखें।

	३ × ० = □
	३ × १ = □
	३ × □ = □
	३ × □ = □
	□ × ४ = □
	□ × ५ = □
	□ × ६ = □
	□ × □ = □
	□ × □ = □
	□ × □ = □
	□ × □ = □

स्वयं करें :

(१) ३ × ४ = □ (२) ३ × ५ = □ (३) ६ × ३ = □

(४) ३ × ७ = □ (५) ७ × ३ = □ (६) □ × ६ = १८

(७) ३ × ९ = □ (८) ३ × ० = □ (९) ३ × □ = ३०

शिक्षण परामर्श : *३ के साथ विभिन्न संख्याओं का गुणा।*

See, read and count :

This is a pen.

This is a lion.

This is a key.

This is a cat.

These are two pens.

These are three lions.

These are four keys.

These are five cats.

Read again :

These are two bats.

These are three apples.

These are four dolls.

These are five hens.

Learning tips : *Students will read the table. They will learn the difference between the use of 'this' and 'these'.*

टुनटुनी की छलांग देखें :

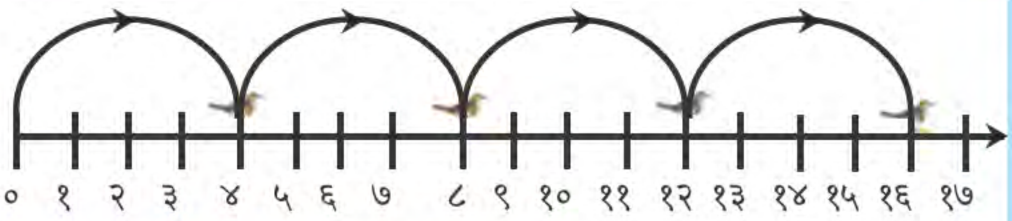

आज हम टुनटुनी की छलांग को देखेंगे और मजेदार कुछ बनाएंगे।

टुनटुनी

१ छलांग में जाती है ४ घर	६ छलांग में जाती है २०+ □ = □ घर
२ छलांग में जाती है □ + □ = ८ घर	७ छलांग में जाती है □ + □ = □ घर
३ छलांग में जाती है ८ + ४ = □ घर	८ छलांग में जाती है □ + □ = □ घर
४ छलांग में जाती है १२ + □ = □ घर	९ छलांग में जाती है ३२ + □ = □ घर
५ छलांग में जाती है □ + □ = २० घर	१० छलांग में जाती है □ + □ = □ घर

पहले घर से तीन घर छोड़कर रंग भरें :

१	२	३		५	६	७		९	१०
११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०

शिक्षण परामर्श : *४ के साथ विभिन्न संख्याओं का गुणा।*

बुद्धि की परीक्षा

—नृपेन्द्रकृष्ण चट्टोपाध्याय

एक बुढ़े व्यक्ति के दो बेटे थे। सारी जिन्दगी कमाकर उसने बहुत रुपये-पैसे जमा किये थे। ढलती उम्र को देखकर उसने निश्चय किया कि उसके दोनों बेटों में जो सबसे अधिक योग्य होगा, उसके ही हाथों में, मैं अपने रुपयों-पैसों का भार देकर जाऊँगा।

इस बात की परीक्षा लेने के लिए एक दिन उसने अपने दोनों बेटों को अपनी रोगशय्या के पास बुलाया और कहा, "देखो मैं तुम दोनों को एक-एक पैसा करके दो पैसे दे रहा हूँ। एक पैसा लेकर तुम्हें ऐसी चीज खरीद कर लाना होगा, जिससे कि मेरा यह कमरा भर जाए। जो ऐसा कर सकेगा, उसे ही मैं अपनी सारी सम्पत्ति का भार देकर जाऊँगा।"

एक-एक पैसा लेकर दोनों भाई बाजार की ओर चले। थोड़ी देर बाद बहुत सोचकर बड़े भाई ने एक पैसा देकर पुआल खरीदा और लाकर उसे कमरे में बिछाने लगा। लेकिन एक पैसा देकर खरीदे गए पुआल द्वारा कमरे को पूरी तरह भरा नहीं जा सका।

थोड़ी देर बाद ही उसका छोटा भाई एक पैसा देकर एक मोमबत्ती खरीदकर घर वापस लौटा। आकर उसने मोमबत्ती को जैसे ही जलाया वैसे ही उसके प्रकाश से वह कमरा पूरा भर गया!

तब बुढ़े व्यक्ति ने संतुष्ट होकर अपने छोटे बेटे से कहा, '*तुम्हें ही दे दिया मेरी पूरी सम्पत्ति का भार!*'

 शिक्षण परामर्श : *छात्र इस कहानी को पढ़ेंगे।*

शब्दार्थ : निश्चय = निर्णय, योग्य = लायक, रोगशय्या = रोगी का बिस्तर, सम्पत्ति = धन-दौलत, पुआल = बिचाली, संतुष्ट = तृप्त (संतोष होने का भाव), प्रकाश = रोशनी।

लगे हाथ करके देखें

१. नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें :

१.१ 'बुद्धि की परीक्षा' के लेखक कौन हैं? ....

१.२ कहानी में कितने लोगों के बारे में पढ़ा? ....

१.३ अपने बेटों को बुढ़े ने कितने पैसे दिए? ....

१.४ बड़े बेटे ने क्या खरीद कर लाया? ....

१.५ बुढ़ा अपने छोटे बेटे पर क्यों खुश हुआ? ....

२. नीचे के शब्दों का वाक्य बनाएँ :

सामान, घर, मोमबत्ती, संतुष्ट।

३. इन शब्दों के ऐसे अर्थ लिखें जिनमें संयुक्ताक्षर हों :

बेटा	पु	त्र		बिछौना			
संतुष्ट				घर			
बुढ़ा				भाई			

४. घटनाओं / वाक्यों को सजाकर लिखें :

४.१ अपने दोनों बेटों को अपनी रोगशय्या के पास बुलाया।

४.२ एक-एक पैसा लेकर दोनों भाई बाजार को निकले।

४.३ बुढ़े ने निश्चय किया कि उसके दोनों बेटों में जो योग्य होगा उसे ही पूरी सम्पत्ति का भार देगा।

४.४ बड़ा भाई पुआल खरीद कर लाया, और छोटे भाई ने मोमबत्ती खरीदी।

४.५ बुढ़े ने अपने छोटे बेटे को ही अपनी सारी सम्पत्ति का भार सौंप दिया।

शिक्षण परामर्श : *छात्र बुद्धि की परीक्षा कहानी पढ़ेंगे और अभ्यास कार्य करेंगे।*

See the pictures. Fill in the gaps:

These are three ______.

These are ______ ______.

These______ ______ ______.

______ ______ ______ ______.

See the pictures. Fill in the gaps with this and these :

1. ____ is a duck. ____ are two ducks.

2. ____ ____ a fan. ____ ____ ____fans.

3. ____ ________ frog. ____ ____ ____ ___.

 Learning tips : *Students will do the activities.*

स्वयं करें

प्रत्येक जार में ३ मछलियाँ हैं।
३ जारों में कुल कितनी मछलियाँ हैं देखें।

एक जार में □ मछलियाँ हैं।

३ जारों में □ × □ मछलियाँ,

= □ मछलियाँ हैं।

एक लड़के के हाथ में □ बैलून हैं।
□ लड़कों के हाथ में कितने बैलून हैं, देखें।

एक लड़के के हाथ में □ बैलून हैं।

दो के हाथ में □ × □ बैलून

= □ बैलून हैं।

एक मोटरकार में □ पहिये हैं। वैसी ही □ मोटरकारों में कुल कितने पहिए हैं, देखें।

१ मोटरकार में □ पहिये हैं।

मोटरकारें □ हैं,

कुल □ × □ पहिए,

= □ पहिये हैं।

एक पेंसिल की कीमत २ रुपये है। □ पेंसिलों की जरूरत है।
□ पेंसिलों की कीमत कितनी होगी, देखें।

□ पेंसिलों की जरूरत है।

□ □ रुपये
(स्वयं लिखें)

६ पेंसिलों की कीमत □ × □ रुपये

= □ रुपये।

शिक्षण का परामर्श : *चित्र व भाषा / घटना के माध्यम से गुणा की धारणा।*

स्वयं करें

नयनतारा के एक फूल में ५ पंखुड़ियाँ हैं। तो इन ४ फूलों में कुल मिलाकर कितनी पंखुड़ियाँ होंगी, देखें।

१ नयनतारा के फूल में □ पंखुड़ियाँ हैं।

□ □ × □ पंखुड़ियाँ हैं,

(स्वयं लिखे)

= □ पंखुड़ियाँ हैं।

एक सुतली में कागज के ७ रंगीन झंडे लटक रहे हैं। अब ३ सुतलियों में कुल कितने झंडे लटक रहे हैं देखें।

१ सुतली में कागज के □ रंगीन झंडे हैं।

३ सुतलियों में □ × □ झंडे,

= कागज के □ रंगीन झंडे हैं।

भाषा में लिखें और हल करके देखें।

एक थाली में □ अंडे हैं।

□ थालियों में □ □ □ अंडे,

= □ अंडे हैं।

भाषा में लिखें और हल करके देखें।

एक बॉक्स में □ रंग पेंसिलें हैं।

□ बॉक्सों में □ □ □ रंग पेंसिले हैं,

= □ रंग पेंसिलें हैं।

 शिक्षण का परामर्श : *कहानी व चित्र के माध्यम से गुणा करने की धारणा व भाषा में लिखने की धारणा।*

परोपकार

—रजनीकान्त सेन

पीती नहीं नदी कभी जल अपना,
खाते नहीं तरु कभी फल अपना;
करती नहीं गाय कभी अपना दुग्ध पान,
लकड़ी देती जलकर औरों को अन्नदान।
अपने रूप से सोना औरों को करता शोभित,
वंशी अपनी धुन से लोगों को करती मोहित!
अन्न उगाते बादल पर खाते नहीं अनाज,
लगे साधुओं का वैभव केवल परहित काज।

शब्दार्थ : तरु = पेड़। दुग्धपान = दूध पीना। शोभित = सुंदर। मोहित = मुग्ध, लुभाया हुआ। अनाज = अन्न। वैभव = ऐश्वर्य। केवल = मात्र। परहित = दूसरे की भलाई। काज = काम

शिक्षण परामर्श : *ऊपर की कविता को सही उच्चारण करके पढ़ेंगे।*

परोपकार करने वाले विभिन्न महान लोगों का चित्र नीचे दिया गया है। चित्रों के नीचे उनका नाम लिखें। और अपने से बड़े लोगों द्वारा इनकी जीवनी के बारे में जानकारी लें।

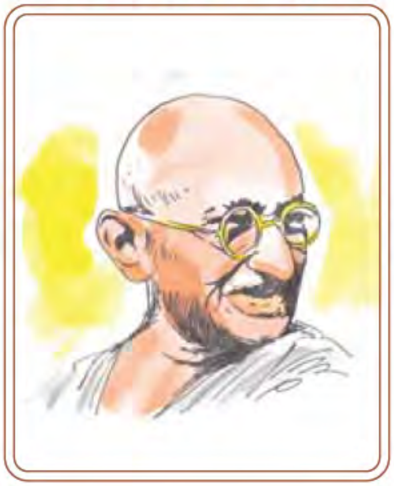

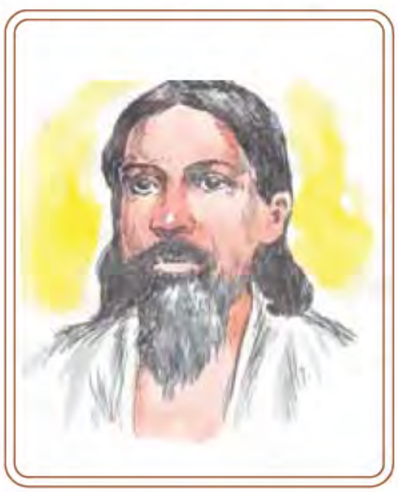

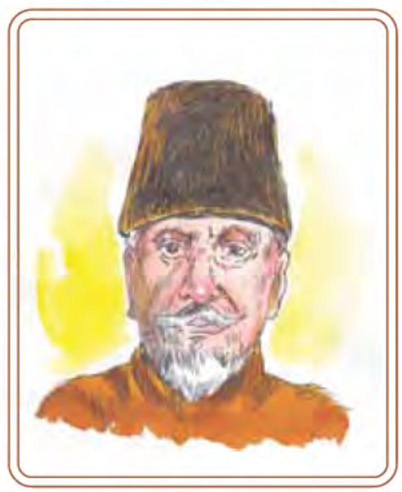

 शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी मनीषियों के जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।*

Read the sentences :

Mina and Bina are friends. They always walk to the school together. Mina's father is a doctor. He treats sick people in the village. Bina's father is a farmer. He works in the field. They all love their village.

Tick (✓) the correct answer :

1. Mina and Bina always go to playground / school together.
2. Mina's father treats the sick / healthy people in the village.
3. Bina's father is a doctor / farmer.
4. They all love their village / town .

Listen and say :

The Baby in the Cradle

The baby in the cradle
Goes rock-a-rock-a-rock.
The clock on the dresser
Goes tick-a-tick-a-tick.
The rain on the window
Goes tap-a-tap-a-tap,
But here comes the sun,
So we clap-a-clap-a-clap!

Learning tips : *Students will do the activity. Teacher will encourage the students to participate in the rhyme.*

मेंढक की छलांग को देखें और गिनकर खाली घरों में लिखें :

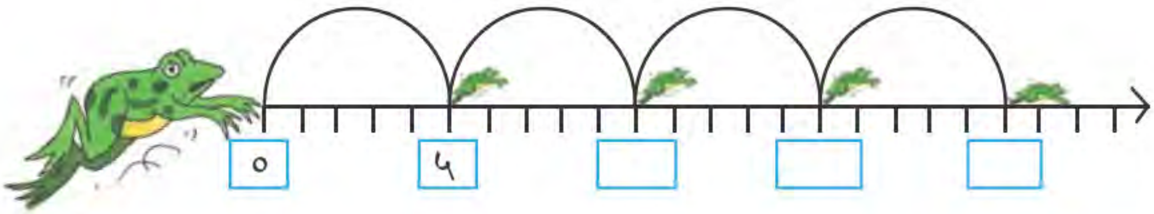

पहिए के खाली घरों को भरें।

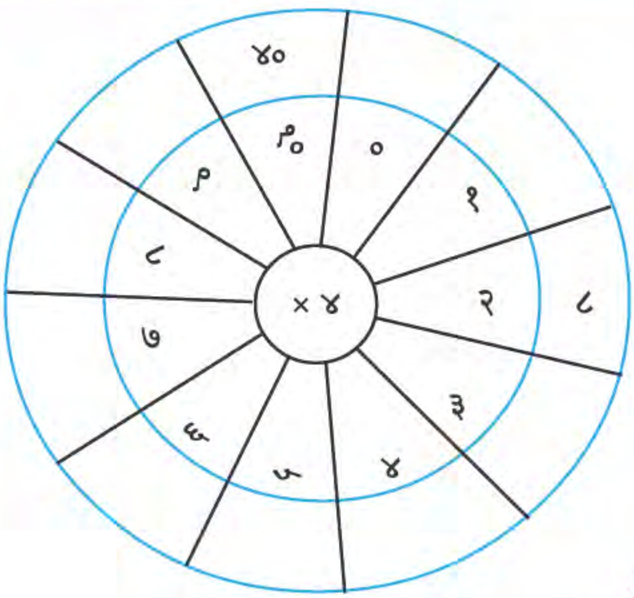

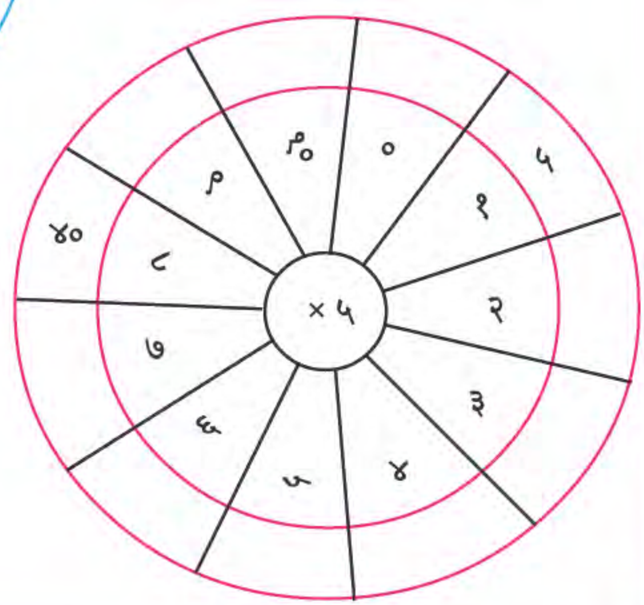

 शिक्षण परामर्श : *५ के साथ विभिन्न संख्याओं के गुणा की धारणा।*

गेंद सजाएँ और कितनी गेंदें लगेंगी, देखें।

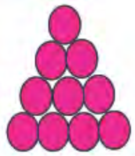

१ समूह में १० गेंदें ➔ १० × [१] = १० गेंदें लगेंगी।

□ समूहों में [१०] + [१०] = □ × □ = [२०] गेंदें लगेंगी।

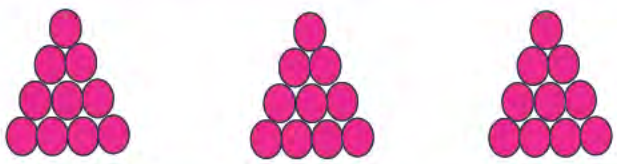

□ समूहों में □ + □ + □ = □ × □ = □ गेंदें लगेंगी।

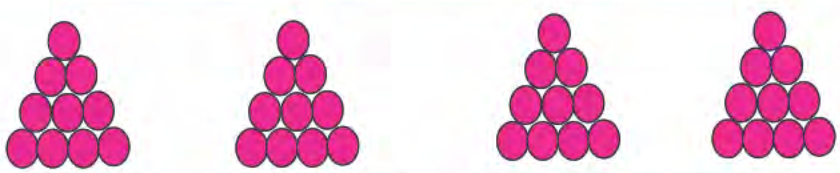

□ समूहों में □ + □ + □ + □ = □ × □ = □ गेंदें लगेंगी।

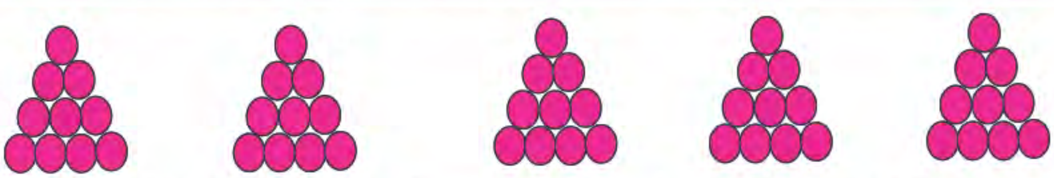

[५] समूहों में □ + □ + □ + □ + □ = □ × □ = □ गेंदें लगेंगी।

शिक्षण परामर्श : *१० के साथ विभिन्न अंकों का गुणा करने की धारणा।*

रंगीन कार्डो का मजा

२ + २ + २ = २ × ३ = ६

दूसरी तरह से मिला,

$$\begin{array}{r} \text{इ} \\ २ \\ \times ३ \\ \hline ६ \\ \hline \end{array}$$

यहाँ पर गुणनफल = □

किन्तु २- को तीन बार लिया गया।

इस २- को क्या कहेंगे?

यहाँ २- को **गुण्य** कहेंगे। चूँकि २- को यहाँ ३ बार लिया गया है। अतः ३- को यहाँ **गुणक** कहेंगे।

दूसरी तरह से मिला,

$$\begin{array}{r} \text{इ} \\ \square \\ \times \square \\ \hline \square \\ \hline \end{array}$$

२ + □ + □ + □ = □ × □ = □

यहाँ गुण्य = २, गुणक = □ और गुणनफल = □

दूसरी तरह से मिला,

$$\begin{array}{r} \text{इ} \\ \square \\ \times \square \\ \hline \square \\ \hline \end{array}$$

□ + □ + □ = □ × □ = □

यहाँ पर गुण्य = □, गुणक = □, गुणनफल = □

शिक्षण परामर्श : *गुण्य, गुणक व गुणनफल सम्बंधी धारणा।*

पेड़–पेड़ में

—नीरेन्द्रनाथ चक्रवर्ती

पेड़ पेड़ में लगे हैं फल
आम जामुन लीची कटहल,
और अगर तुम चाहो यदि
मिलते कुछ फल और अभी,
माँ के पास तो है रखा
बेर जामरूल बेल पका,
नाशपाती अमरूद तरकोया
पका केला कटहल का कोया।

लग हाथ करके देखें

१। कविता के कवि हैं – ....।

२। कविता में कुल .... फलों का नाम है।

३। माँ के पास कौन–कौन से फल रखे हैं ? ....।

४। कविता में आये वैसे फल का नाम खोजो जिसका अर्थ लता है। उस फल का नाम है ....।

५। पेड़ों पर कौन–कौन से फल लगे हैं ? ....।

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी कविता के छंद बनाए रखकर पढ़ेंगे। उसके बाद अभ्यास का कार्य करेंगे।*

वि.द्र. : जामरूल = सफेद जामुन, तरकोया = पके हुए ताल के अन्दर का खाने योग्य भाग। (तालशाँस)

See, read and count :

That is a kite.

Those are two kites.

That is a rat.

Those are three rats.

That is a tree.

Those are four trees.

That is a pig.

Those are five pigs.

Read again :

Those are two birds.

Those are three tigers.

Those are four elephants.

Those are five boats.

 Learning tips : *Student will read the sentences. They will learn learn the use of* ***those****.*

दूसरी तरह कुछ करें

मिथुन की एक टोकरी में १२ नारियल हैं। ३ टोकरियों में कुल कितने नारियल हैं, देखें।

३ टोकरियों में १२ × ३ नारियल हैं।

आसानी से १२ × ३ का मान ढूँढें।

१२ × ३

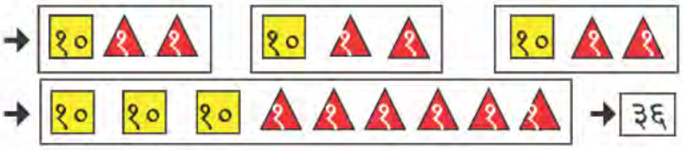

मिला, १२ × ३ = १२ + १२ + १२

= १० + २ + १० + २ + १० + २

= १०+१०+१० + २+२+२ = ३० + ६ = ३६

पहला तरीका

१२ × ३ →

	१२		
	१०	२	द इ ३ ० + ६
३	१० × ३ = ३०	२× ३ = ६	३६

दूसरा तरीका

	द	इ
	१	२
×		३
	३	६

काठियों के द्वारा लगे हाथ जाँच करके देखें

१२ →

१२ × ३ →

→

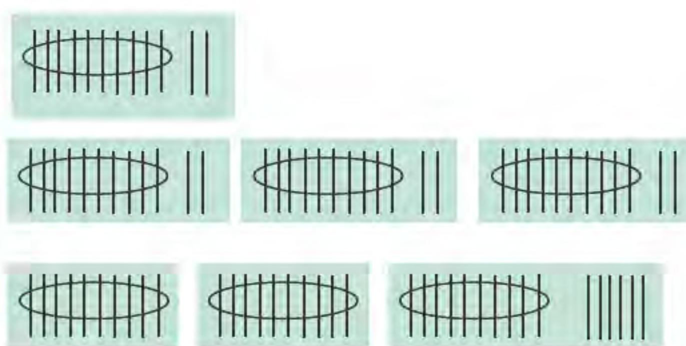

→ ३६

शिक्षण परामर्श : *कार्य के माध्यम से दो अंको की संख्या को एक अंक के (५ तक) संख्या द्वारा गुणा करने की धारणा एवं गुणनफल १०० से कम।*

स्कूल चलें और मजे करें :-

हमारे स्कूल के पास एक दुकान है। मैंने आज वहाँ से १४ लॉजेन्सों को खरीदा। प्रत्येक लॉजेन्स की कीमत २ रुपये है। तो मैं दुकानदार को कुल कितने रुपये दूँगा, देखें।

१ लॉजेन्स का दाम २ रुपये।

१४ लॉजेन्सों का दाम [१४ × २] रुपये।

पहला तरीका → [२]

१०	४
[ ] × [ ] = [ ]	[ ] × [ ] = [ ]

द इ
२ ०
\+ ८
[२ ८]

दूसरा तरीका

द इ
१ ४
× २
[ ]

मैने दुकानदार को [ ] रुपये दिए।

स्कूल में मेरे २३ मित्र हैं। प्रत्येक को २ लॉजेन्स करके दूँगा। कुल कितने लॉजेन्स लगेंगे हिसाब करके देखें।

१ मित्र को दूँगा २ लॉजेन्स

२३ मित्रों को दूँगा [ ] × [ ] लॉजेन्स

पहला तरीका →

[ ] × [ ] = [ ]	[ ] × [ ] = [ ]

द इ
[ ]
\+ [ ]
[ ]

दूसरा तरीका

द इ
×
[ ]

यदि प्रत्येक मित्र को मैं ४ बिस्कुट करके देता, तो १३ मित्रों के लिए कुल कितने बिस्कुट खरीदने पड़ते, देखें।

(स्वयं करें)

शिक्षण परामर्श : *कहानी के माध्यम से दो अंकों की संख्या को एक अंक के (५) संख्या द्वारा गुणा करने की धारणा एवं गुणनफल १०० से कम।*

See the pictures. Fill in the gaps:

1. Those are three ______.

2. Those are ______ ______ .

3. Those____ _____ _____.

4. _____ _____ _____ _____ .

See the pictures. Fill in the gaps:

1. ____ is a hut.

1 ____ are two huts.

2. ____ ____ a frog.

2. Those ____ ____ frogs.

3. ___ ________ dog.

3. ____ ____ ____ ____ .

Learning tips : *Student will do the activities.*

पिताजी के साथ बाजार में

अफसाना अपने पिताजी के साथ बाजार गई है। उसके पिताजी ने वहाँ ५ दर्जन केला खरीदा। १ दर्जन में १२ केले होते हैं। हिसाब करके देखें, पिताजी ने कुल कितने केले खरीदे।

१ दर्जन में १२ केले हैं।

५ दर्जन में होंगे ☐ × ☐ केले = ☐ केले।

पहला तरीका

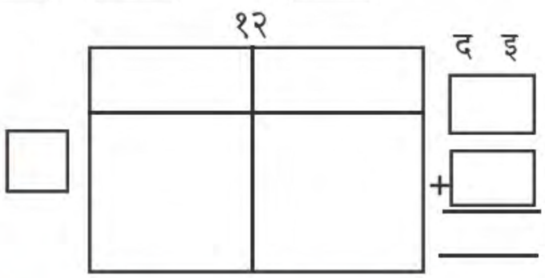

दूसरा तरीका

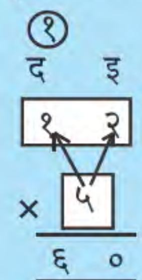

लगे हाथ करके देखें :-

१२ → १० १ १

१२ × ५ → [१० १ १] [१० १ १] [१० १ १] [१० १ १] [१० १ १]

→ १० १० १० १० १० १ १ १ १ १ १ १ १ १ १

→ १० १० १० १० १० १० → ६०

शिक्षण परामर्श : *दो अंकों की संख्या के साथ एक अंक की संख्या द्वारा (५ तक) गुणा लेकिन गुणनफल १०० से कम रहेगा।*

अपने से बनाएं

१। [२५] × [२] = [ ]

पहला तरीका

द इ

+

दूसरा तरीका

①

द	इ
२	५
×	२
५	०

२। [ ] × [ ] = [ ]

पहला तरीका

द इ

+

दूसरा तरीका

द	इ
१	८
×	३

चलो गुणा करें–

१। द इ १ ७ × ३	२। द इ १ २ × ८	३। द इ १ ५ × ६	४। द इ १ ६ × ५
५। द इ २ ९ × ३	६। द इ २ ४ × ३	७। द इ २ ३ × ४	८। द इ ३ ९ × २

शिक्षण परामर्श : *दो अंकों की संख्या के साथ एक अंक की संख्या का गुणा। गुणनफल १०० से कम।*

मेरे घर के पास

-विनय मजुमदार

मेरे घर के पास वह रेल की पटरी जाती
सारे दिन गाड़ियों की आवाज
सुनाई और दिखाई खिड़की से मेरे देती
देखते ही गाड़ी, भूल जाता काम काज।
सुनता मैं बैठे घर माइक से आते स्वर
कौन सी गाड़ी आएगी किस पल।
घोषणा होती दो बार बीतते ही कुछ पहर
मन देता उसी ओर चल।
बैठा हूँ मैं अपने घर गाड़ी सियालदह की उधर
अरे! वही तो आयेगी अब
इसी तरह घोषणाएं सुनूं समय तो मैं भी गिनूं
गाड़ी आएगी दौड़ती कब।

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी कविता को पढ़ेंगे और अभ्यास का कार्य करेंगे।*

भोंपू की आवाज आयी दी गाँव तक मेरे सुनायी
खिड़की से देखा अनायास
गाड़ी का है नीला रंग छोड़कर लिखने का संग
देखा गाड़ी लगी सरकने।
आसानी से समझ में आए जो गाड़ी में चढ़कर जाए
खुशी उनके मन में लगी भरने।

शब्दार्थ : पल = क्षण। पहर = समय। घोषणा = ऐलान। भोंपू = सीटी। अनायास = स्वतः।

लगे हाथ करक देखें

१. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखें :-

१.१ खिड़की से क्या दिखाई रहा है? ....

१.२ माइक से किसकी घोषणा होती है? ....

२. स्तम्भ मिलाएं :-

क	ख
कर्म	सुनना
श्रवण	काम
आनंदित	भूल
भ्रम	खुशी

३. विलोम शब्द लिखें :-

पास ____________;
आएगी ____________;
खुशी ____________;
सहज ____________।

४. वाक्य रचना करें :-

आवाज = ...
मन = ...
खिड़की = ...
घर = ...

५. जिन-जिन यानवाहनों पर चढ़ा हूँ उनके बारे में कुछ वाक्य लिखूँ :

उसमें लिखेंगे — यानवाहन का नाम, रंग, देखने में कैसा है, उसकी गति कैसी है, कैसी आवाज निकलती है, कहाँ से कहाँ तक जाती है, कहाँ गया और साथ में कौन था / थे, कैसा लगा?

सिखने का परामर्श : *विद्यार्थी कविता को पढ़कर अभ्यास का कार्य करेंगे।*

Look at the stars :

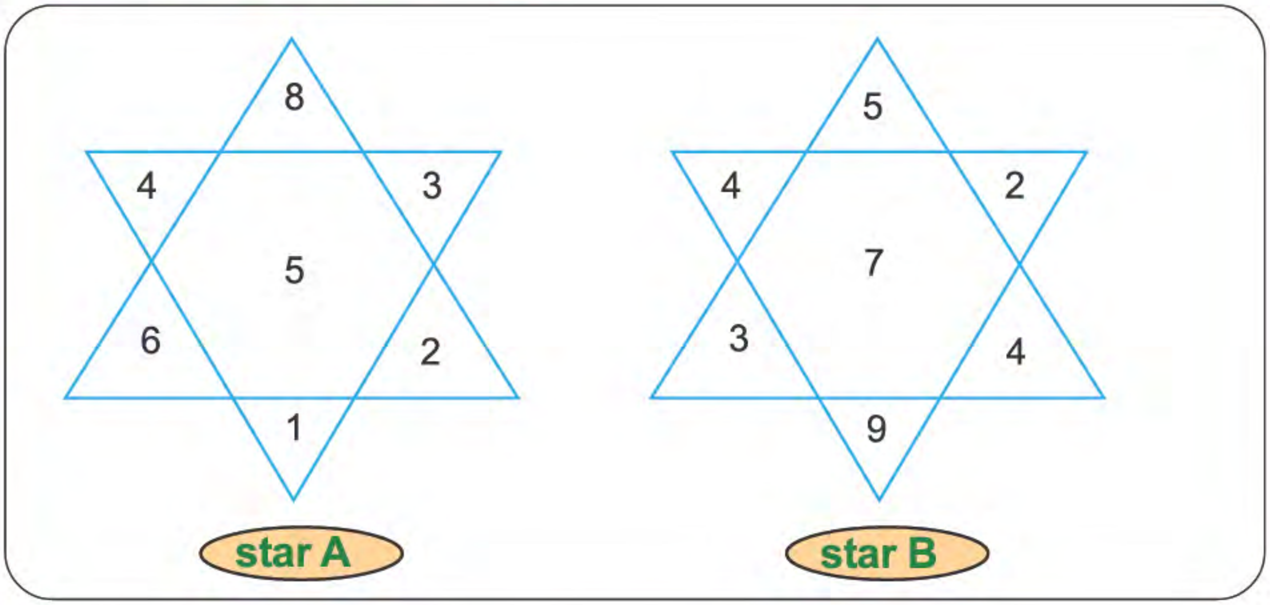

See the numbers. Colour the stars :

star A	star B
orange colour — numbers > 4	blue colour — numbers > 4
blue colour — numbers < 4	orange colour — numbers < 4

- Add the numbers you have coloured in star A.
- Add the numbers you have not coloured in star B.

Tell the class :

Which bird do you like the most? Why do you like it?

Learning tips : *Students will do the activities. Teacher will encourage the students to participate in the **'Tell the class'** actvity.*

समान संख्या में लड्डू खाएं :

आज मेरे दोनों मित्र मिता और मतिउर मेरे घर आये है। एक प्लेट में ६ लड्डूओं को रखकर माँ दे गई। उसे हम समान भागों में भाग करके लेंगे।

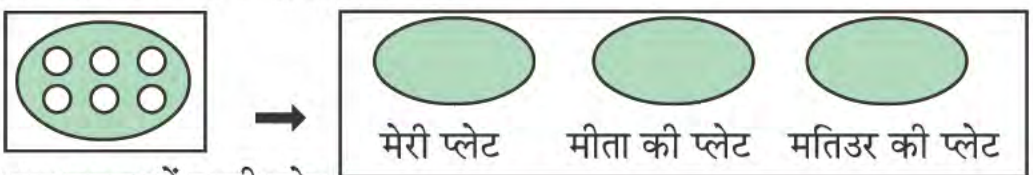

माँ द्वारा दिये गए लड्डूओं वाली प्लेट

सबसे पहले मैं प्रत्येक प्लेट में एक लड्डू करके रखूँगा।

अब प्लेट में बचे [६] − [३] = [३] लड्डू

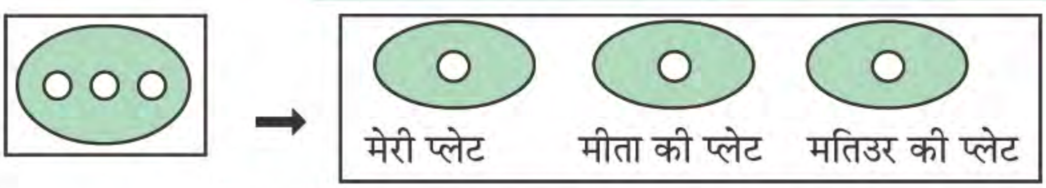

दुबारा मैं प्रत्येक प्लेट में और एक करके लड्डू और रखूँगा।

अब माँ के द्वारा दिए गए प्लेट में बचे [३] − [३] = [०] लड्डू

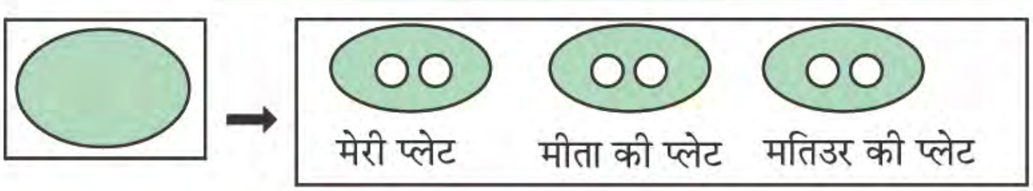

प्रत्येक को [ ] लड्डू मिले।

शिक्षण परामर्श : *घटाव के द्वारा बाँटने की धारणा।*

किस प्रकार मिला देखें,

६
− ३ [१] बार
३
− ३ [२] बार
०

अथार्त् ६ से बारी–बारी दो बार −३ को घटाया गया है।

इसलिए ६ लड्डूओं को ३ लोगों में समान भागों में भाग करने पर प्रत्येक को मिलेगा [   ] लड्डू।

इसे छोटे रूप में लिखेंगे, [६ ÷ ३ = २] , बोलेंगे ६ को ३ से भाग करने पर भागफल २ मिला।

"÷" इसे भाग का चिह्न कहेंगे।

१। ९ तिकोने कागज लिये–

नीचे तीन–तीन कागजों को जोड़कर फूलों के जैसा बनाया–

किस प्रकार मिला देखें

९
− ३ → १ बार
६
− ३ → २ बार
३
− ३ → ३ बार
०

कागज के एक फूल में मिली [   ] पंखुड़ियाँ

कागज के प्रत्येक फूलों में मिलीं ९ ÷ ३ = ३ पंखुड़ियाँ

शिक्षण परामर्श : *घटाव के द्वारा भाग की धारणा।*

२। मछली के आकार में कटे ६ कागज के टुकड़ों को लिया।
२ जारों में समान संख्या में उसे रखना है।

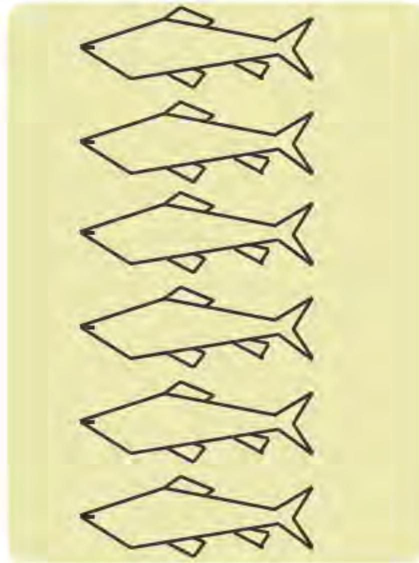

१ जार में □ मछली रखा

प्रत्येक जार में कागज वाली मछलियाँ मिलीं,

६ ÷ २ = □ मछलियाँ।

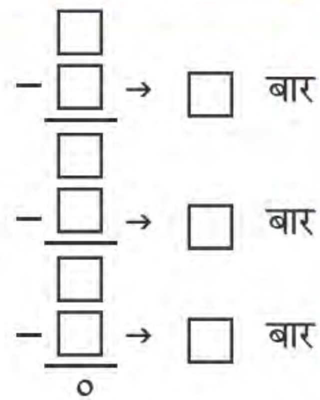

३) संदेश के आकार में कटे १२ कागज के टुकड़ों को ४ थालियों में समान भागों में भाग करके रखेंगे।

१ थाली में □ संदेश रखा।

मिला, १२ ÷ ४ = □ संदेश

स्वयं करें

ओ- धूप

–श्री निर्मलेन्दु गौतम

ओ धूप, तेरा सोने जैसा रूप
सुबह-सबेरे भाई—
चारों ओर बिखराए तुमने
सुनहली रोशनाई!
ओ धूप, मन करे दूर-दूर तक
रहे अम्बर नीला ही नीला!
गायें पंक्षी; फूलों की कलियाँ
चेहरा जिनका खिला-खिला
ओ धूप, घासों की छाती पर
रहते तुम झिलमिलाते!
आओ बच्चों बैठ धूप में
हस्तलिपि हैं लिखते!!

शब्दार्थ :
धूप = सूर्य की रोशनी
बिखराए = बिखेरना
सुनहली = सोने के जैसा
रोशनाई = प्रकाशित करना
अम्बर = आकाश
हस्तलिपि = हाथों की लिखावट

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर की कविता के छंदों को बनाए रखकर पढ़ेंगे।*

लगे हाथ करके देखें

१। नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें :-

१.१ धूप कब होती है? ....

१.२ धूप निकलने पर आकाश कैसा दिखयी देता है? ....

१.३ धूप निकलने पर पंक्षी और कलियाँ क्या करते हैं? ....

१.४ धूप को कहाँ झिलमिलाना देखा जाता है? ....

१.५ बच्चे धूप में बैठकर क्या करेंगे? ....

२। नीचे लिखे शब्दों के उपयुक्त पर्यायवाची शब्द को गोल घेरे से ढूँढकर लिखें :-

रूप, आकाश, स्वर्ण, पुष्प

अंबर- ....

फूल- ....

सोना- ....

चेहरा- ....

३। नदी में तैरती एक नौका का चित्र बनाएँ :

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी अभ्यास का कार्य करेंगे।*

Listen and say :

SOME TEDDY BEARS

Some teddy bears are tiny
Some teddy bears are tall,
Some teddy bears are big and round,
And some teddy bears are small.
All teddy bears look happy
No teddy bear looks sad,
All teddy bears are very good,
And No teddy bear is bad.

 Learning tips : *Teacher will encourage the students to participate in the rhyme.*

बिंदुओं को जोड़ कर चित्र बनाएँ और रंग भरें :-

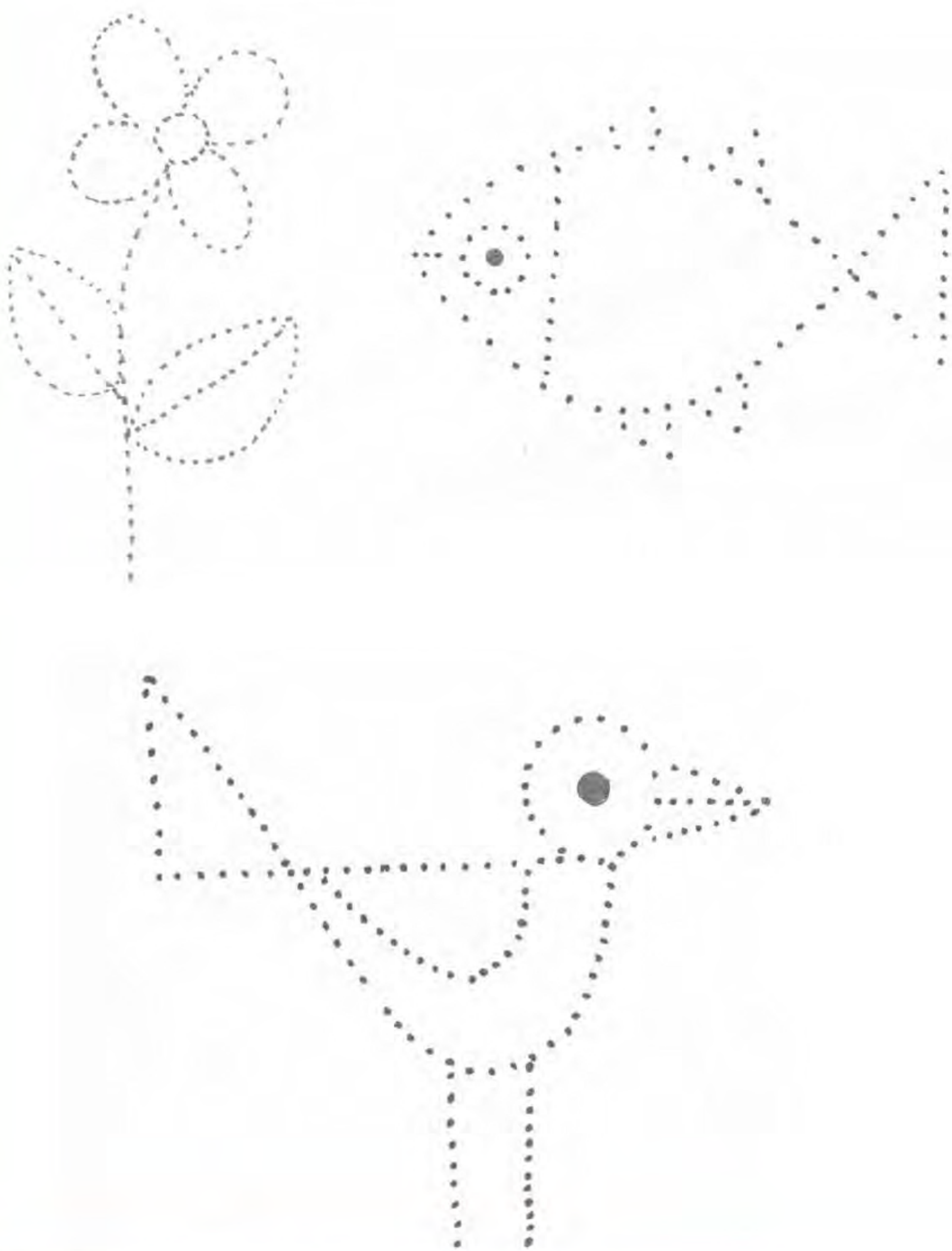

शिक्षण परामर्श : परामर्श : *छात्र ऊपर के चित्रों को पूरा करेंगे। चित्रों में रंग भरेंगे।*

रोशनी का उत्सव

उत्सव के दिन हमलोग मोमबत्तियाँ जलाएँगे। मीता दीदी ने ८ मोमबत्तियों को हम ४ लोगों में समान भागों में भाग करके दिया। प्रत्येक को कितनी मोमबत्तियाँ मिलीं, हिसाब करके देखें।

मिला, ८ ÷ ४ = ☐

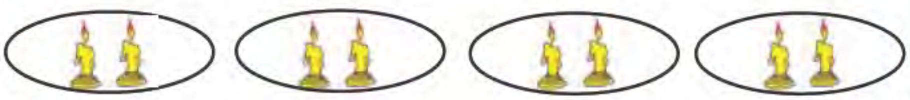

```
  ८
− ४ → १  बार
  ४
− ४ → २  बार
  ०
```

प्रत्येक को ☐ मोमबत्तियाँ मिलीं।

ठीक बना कि नहीं जांचें ४ × २ = ८

---

१२ लोग नदी के उस पार जाएँगे। घाट पर ३ नावें लगी हैं। सभी नावों पर समान संख्या में लोग चढ़ेंगे। प्रत्येक नाव पर कितने लोग चढ़ेंगे, हिसाब करें।

प्रत्येक नाव पर चढ़ेंगे ☐ ☐ ☐ = ☐ लोग

बाग-बार घटाव को दिखाते हुए स्वयं बनायें →

ठीक बना कि नहीं जांचें ☐ × ☐ = ☐

शिक्षण परामर्श : *दल बनाकर व वियोग कर भाग की धारणा।*

नीचे के अंकों को बार-बार घटाकर तथा समूह बनाकर भाग करें।

१० गेंदें हैं। उन्हें २ टोकरियों में समान संख्या में रखेंगे।

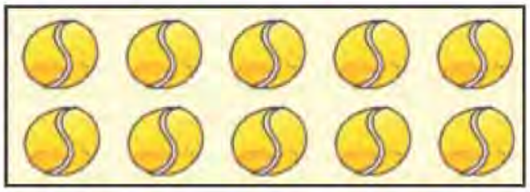

बार-बार घटाव को दिखाते हुए भाग करेंगे।

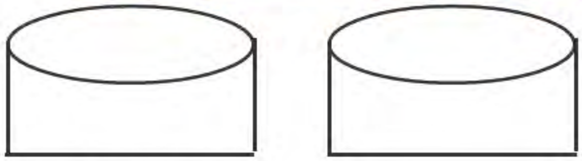

१० ÷ २ = ५

१ टोकरी में ___ गेंदों को रखा।

ठीक बना कि नहीं जांचें ५ × २ = १०

---

१२ बैलून हैं। समान संख्या में बैलूनों को भाग करके उन्हें ३ स्थानों पर रखेंगे।

___ ÷ ___ = ___

१ स्थान पर ___ बैलूनों को रखा।

ठीक बना कि नहीं जांचें ___ × ___ = ___

आज ४ दलों में बँटकर हमलोग खेलेंगे। कुल २० मित्र मिलकर मैदान में खेलने आए हैं। प्रत्येक दल में कितने लोग रहेंगे, हिसाब करें।

___ ÷ ___ = ___

प्रत्येक दल में ___ लोग रहेंगे।

ठीक बना कि नहीं जांचें ___ × ___ = ___

शिक्षण परामर्श : *दल बनाकर और घटाकर भाग की जानकारी होगी।*

तीलियों के समूह बनाएँ

२१ ÷ ३ = ?, किस प्रकार मिला, देखें।

२१ तीलियों को लिया। समान संख्या वाले तीलियों के ३ समूहों को बनाया।

२१ →
→
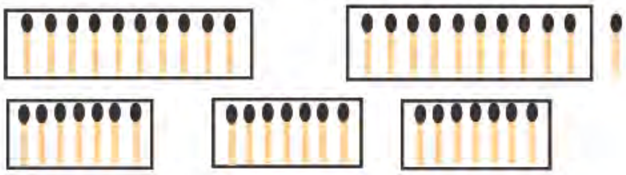

एक समूह में ☐ तीलियाँ हैं।

इस प्रकार, २१ ÷ ३ → ७ →

दूसरी तरह मिला,

```
     ७
   ┌─────
   │ द  इ
 ३ │ २  १
   −२  १      [क्योंकि ३ × ७ = २१]
   ──────
      ०
```

```
२१
− ३ →  १ बार
१८
− ३ →  २ बार
१५
− ३ →  ३ बार
१२
− ३ →  ४ बार
९
− ३ →  ५ बार
६
− ३ →  ६ बार
३
− ३ →  ७ बार
०
```

२० ÷ ५ = ?, किस प्रकार मिला, देखें।

२० तीलियों को लिया। उनसे ५ समूह बनाऊँगा जिनमें समान संख्या में तीलियाँ हों।

२० →

(स्वयं तीलियाँ रखें)

→ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

एक समूह में ☐ तीलियाँ हैं।

इस प्रकार २० ÷ ५ → 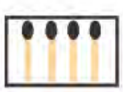 → ☐

```
     ☐
   ┌─────
   │ द  इ
 ५ │ २  ०     (क्योंकि ५ × ☐ = २०)
   −२  ०
   ──────
      ०
```


शिक्षण परामर्श : *कार्य के माध्यम से भाग की धारणा।*

विद्यासागर की कहानी

पिता के साथ पैदल चलता पुत्र कलकत्ता जा रहा है। सड़क के किनारे लगे मील के पत्थरों को दिखाकर पिता ने अंग्रेजी की संख्या की पहचान करायी। वह चटपट सीख गया। अंग्रेजी में लिखा था १९। इसके बाद १८, १७ .... इसी प्रकार १०। इसके बाद जितनी बार मील के पत्थर मिले, हर बार वह सटीक उत्तर देता। पिता तो चकित हो गए। सचमुच इतनी जल्दी सीख गया? अरे लड़के की स्मरण शक्ति तो असाधारण है! और इसे जाँचने हेतु मील के एक पत्थर को पार करते समय पिता ने बालक को बातों में ही उलझाये रखा। और मील के पत्थर को देखे बिना आगे बढ़ गये। उन्हें संदेह हुआ कि, कहीं अंदाज से तो वह संख्याओं को बोल नहीं रहा। मील के अगले पत्थर को दिखाते ही बालक ने कहा, यहाँ गलत लिखा है। यहाँ होगा ६, किन्तु लिखा है– ५। अब पिता समझ गये कि बालक की बुद्धि अतुलनीय है।

आगे चलकर इसी बालक की विद्वता से बंगाल के शिक्षा और साहित्य का क्षेत्र जगमगा उठा। शिक्षा और साहित्य की जगत में उनकी देन को आज भी हम कृतज्ञता के साथ याद करते है। जान लो उस श्रेष्ठ व्यक्ति का नाम ***ईश्वर चन्द्र विद्यासागर*** था। उनके पिता ठाकुरदास बंद्योपाध्याय द्वारा बालक ईश्वर को अपने साथ मेदिनीपुर से कोलकाता ले आते समय मील के पत्थरों वाली यह घटना घटी थी।

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी लेख को पढ़ेंगे।*

शब्दार्थ : मील का पत्थर – दूरी की माप वाले पत्थर। चटपट – जल्द। स्मरण शक्ति – याददाश्त्। चकित – आश्चर्य। विद्वता – पांडित्य। कृतज्ञता – कृतज्ञ होने का भाव। संदेह – शक। श्रेष्ठ – अति उत्तम।

लगे हाथ करके देखें

१. 'पिता के साथ पैदल चलता पुत्र कलकत्ता जा रहा है।' — 'पिता' व 'पुत्र' का परिचय लिखें।

पिता – ....पुत्र – ....

२. पिता ने पुत्र को किस प्रकार अंग्रेजी की संख्या की पहचान कराई ? ....

....

३.अपने बेटे की स्मरण शक्ति का पता पिता को कैसे चला ? ....

....

४. नीचे की घटनाओं को क्रमानुशार सजाकर अपनी कापी में लिखें :

४.१ और इसे जाँचने हेतु मील के एक पत्थर को पार करते समय पिता ने बालक को बातों में ही उलझाये रखा। और मील के पत्थर को देखे बिना आगे बढ़ गये।

४.२ सड़क के किनारे लगे मील के पत्थरों को दिखाकर पिता ने अंग्रेजी की संख्या की पहचान करायी।

४.३ उन्हें संदेह हुआ कि कहीं अंदाज से तो वह संख्याओं को बोल नहीं रहा।

४.४ सचमुच इतनी जल्दी सीख गया ? अरे लड़के की स्मरण शक्ति तो असाधारण है!

४.५ मील के अगले पत्थर को दिखाते ही बालक ने कहा, यहाँ गलत लिखा है।

५. शब्दों के अर्थ लिखें :

सटीक ____________ जगत ____________ संदेह ____________ बालक ____________

६. वाक्य रचना करें :

स्मरण : ....

जाँच : ....

अतुलनीय : ....

पत्थर : ....

 शिक्षण परामर्श : *विद्‌यार्थी अभ्यास का कार्य करेंगे।*

See and Say :

It is a ball.

It is a pencil.

It is an ice-cream

It is a bag.

Use of introuctory it :
It is used in the beginning of a sentence in case of non-living things; for living things except human beings.

See and write :

It is a clock.

______________________.

______________________.

______________________.

Learning tips : *Students will read the sentences, They will learn the use of* **introductory it.**

रंगीन कार्डों को उठाएं :

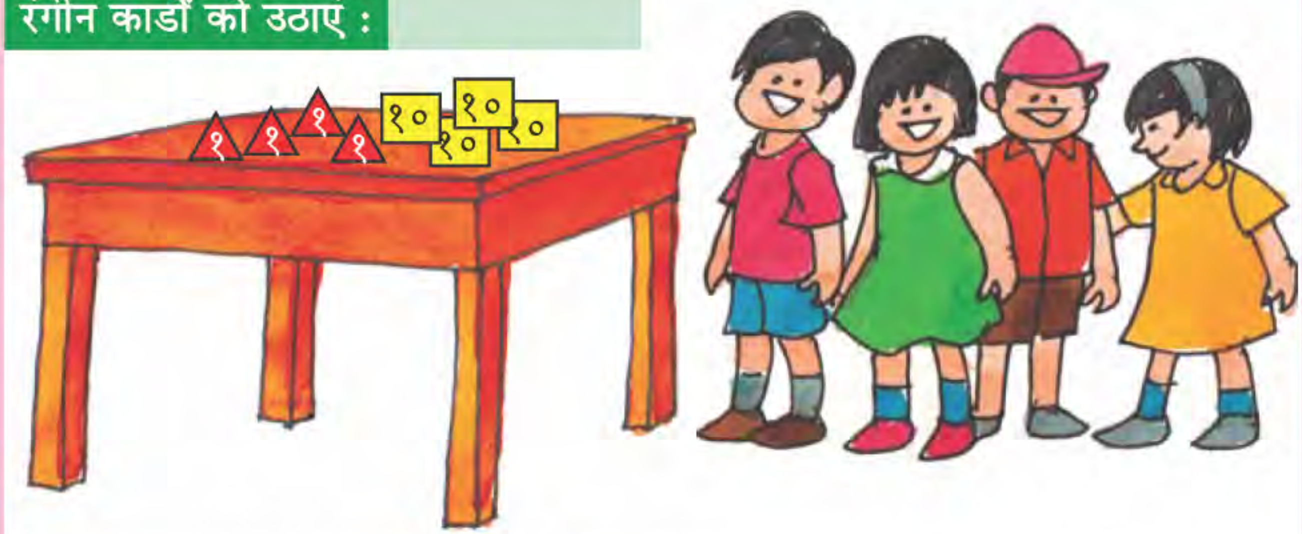

टेबुल पर आज मैंने बहुत से १ और १० के कार्डों को रखा है। दोस्तों को लेकर कार्डों के समान समूहों को बनाने की कोशिश करूँगा। और क्या मिला देखूँगा और भागफल लिखूँगा।

चमेली उठायी, → [१ १ १ १ / १ १ १ १ १] → [१ १ १] [१ १ १] [१ १ १]

समान तीन समूहों में सजा दें   ९ ÷ ३ → [१ १ १] → ३

भागफल → ३

जाँचें,

```
      ३
   ┌────
 ३ │  ९
   │ −९
   └────
      ०
```

लीना उठायी,

१२ → [१० १ १] → [१ १ १ १ १ १ १ १ / १ १ १ १] → [१ १ १ / १ १ १] [१ १ १ / १ १ १]

समान दो समूहों में सजाकर मिला → १२ ÷ २ → [१ १ १ / १ १ १] → ६

भागफल → ☐

जाँचें,

```
      ☐
   ┌────
   │ द  इ
 २ │ १  २
   │ −☐
   └────
      ०
```


शिक्षण परामर्श : *कार्डों के माध्यम से एक या दो अंकों की संख्या को एक अंक की संख्या (१ से ५) द्वारा भाग करना।*

मेरि उठायी,

३२ → 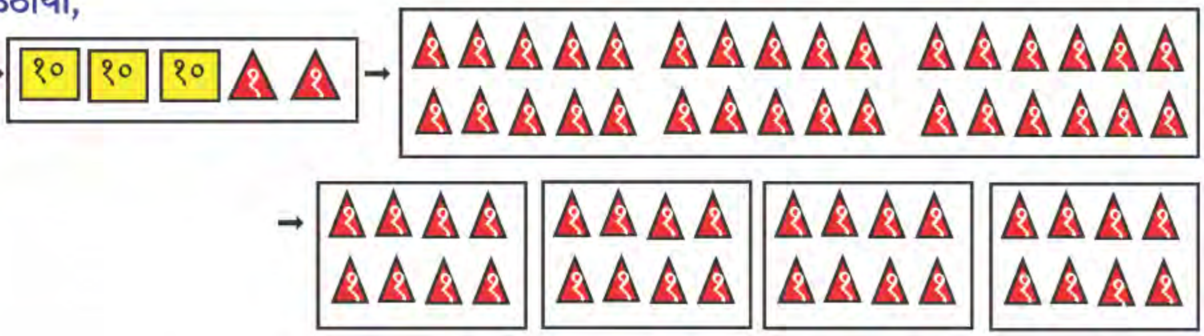

समान चार समूहों में सजाकर मिला → ३२ ÷ ४ → 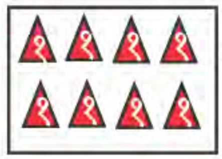 → ८

भागफल → ☐

जाँचें,

```
      ☐
   ┌──────
   │ द  इ
☐  │ ३  २
   │−☐
   ───────
         ०
```

मिहिर ने उठाया, → ४४ → 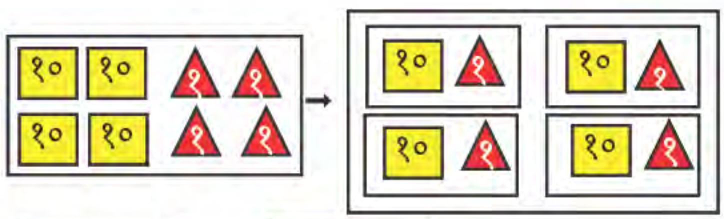

समान ४ समूहों में भाग करें → ४४ ÷ ४ → → ११

भागफल → ☐

जाँचें,

१० + १ = ११

```
   ┌──────
   │ द  इ
४  │ ४  ४
   −४  ०     (४ × १० = ४०)
   ───────
        ४
   −    ४    (४ × १ = ४)
   ───────
        ०
```

आलोक ने उठाया,

३६ → → 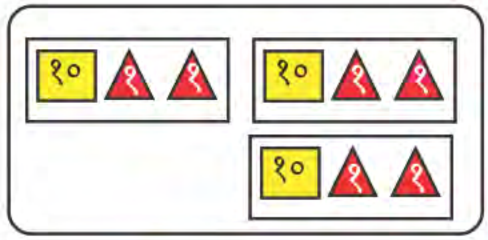

| समान ३ समूहों में भाग करके मिला | → ३६ ÷ ३ → → १२ |

भागफल → [ ]

१० + २ = १२

	द	इ
[ ]	३	६
	– ३	०
		६
	–	६
		०

रेजिना उठायी, ३२ → 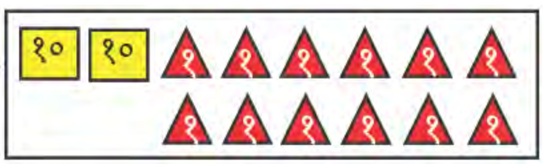 → 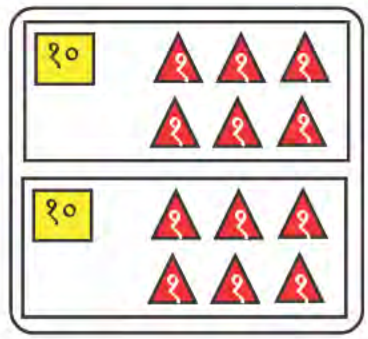

जाँच करें

समान २ समूहों में भाग करें → ३२ ÷ २ → 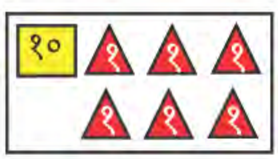 → १६

भागफल → [ ]

[ ] + [ ] = [ ]

	द	इ
२	३	२
	– [ ]	
	[ ]	
	– [ ]	

शिक्षण परामर्श : *दो अंकों की संख्या को एक अंक की संख्या (१ से ५ तक) से भाग एवं भागशेष शून्य।*

मिर्च के पौधे लगाएँ :

आज बागान में मिर्च के पौधे लगाये जायेंगे। ३६ मिर्च के पौधों को लाया गया है। मैं, मेरी बड़ी माँ और मेरी ममेरी बहन मिलकर ३ कतारों में समान संख्या में पौधों को लगाएँगे।

प्रत्येक लोग ☐ ÷ ☐

= ☐ पौधे लगाएँगे

दूसरी तरह मिला,

```
      १० + २ = १२
     ┌──────────
     │ द   इ
  ३  │ ३   ६     क्योंकि,  ३ × १० = ३०
     │-३   ०               ३ × २ = ६
     └──────────
           ६
       -   ६
     ──────────
           ०
```

लगे हाथ करके देखें :

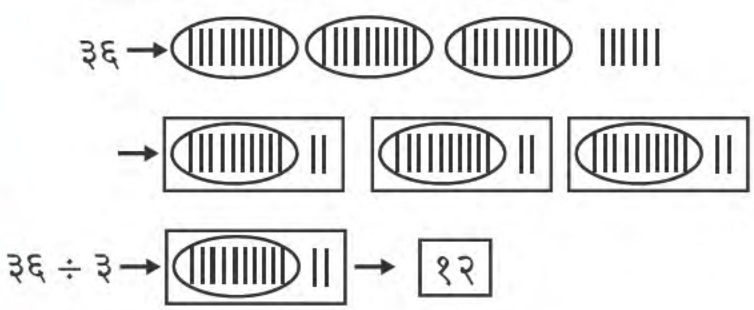

यदि मिर्च के ३९ पौधे रहते, तब हम ३ लोगों के द्वारा समान संख्या में भाग करके उन्हें लगाने पर, प्रत्येक लोग कितने मिर्च के पौधे प्रत्येक लगाते, हिसाब करें। (स्वयं करें)

शिक्षण परामर्श : दो अंकों की संख्या को एक अंक की संख्या (१ से ५ तक) से भाग एवं भागशेष शून्य।

१। आज समान संख्या में बँटकर या भाग होकर ५ पंक्तियों में हमलोग खाना खाने के लिए बैठेंगे। हम ६५ मित्र एक साथ खाना खायेंगे। हिसाब करें।

एक पंक्ति में बैठेंगे,

□ □ □ = □ लोग

दूसरी तरह से मिला,

१०+ ३ = १३

```
      १   ३
   ┌────────
   │  द   इ
 ५ │  ६   ५
   │ –□
   └────────
      १   ५
     –□
   ────────
          ०
```

५ × १० = □
५ × ३ = □

२। रमेश ने पेड़ से २८ डाभ तोड़े। उन्हें वह समान भागों में भाग करके दो थैलियों में रखेगा। प्रत्येक थैली में वह कितने डाभ रखेगा, हिसाब करके देखें।

प्रत्येक थैली में रखेगा,

□ □ □ = □ डाभ

दूसरी तरह भाग करें और जाँचकर देखें।

३। ६४ लॉजेन्सों को दो पैकेटों में समान भागों में भाग करके रखना है। प्रत्येक पैकेट में कितने लॉजेसों को रखूँगा, हिसाब करें।

प्रत्येक पैकेट में रखूँगा

□ □ □ = □ लॉजेन्स।

(स्वयं करें)

दूसरी तरह भाग करें और जाँचकर देखें।

 शिक्षण परामर्श : *भाषा के माध्यम से भाग की धारणा।*

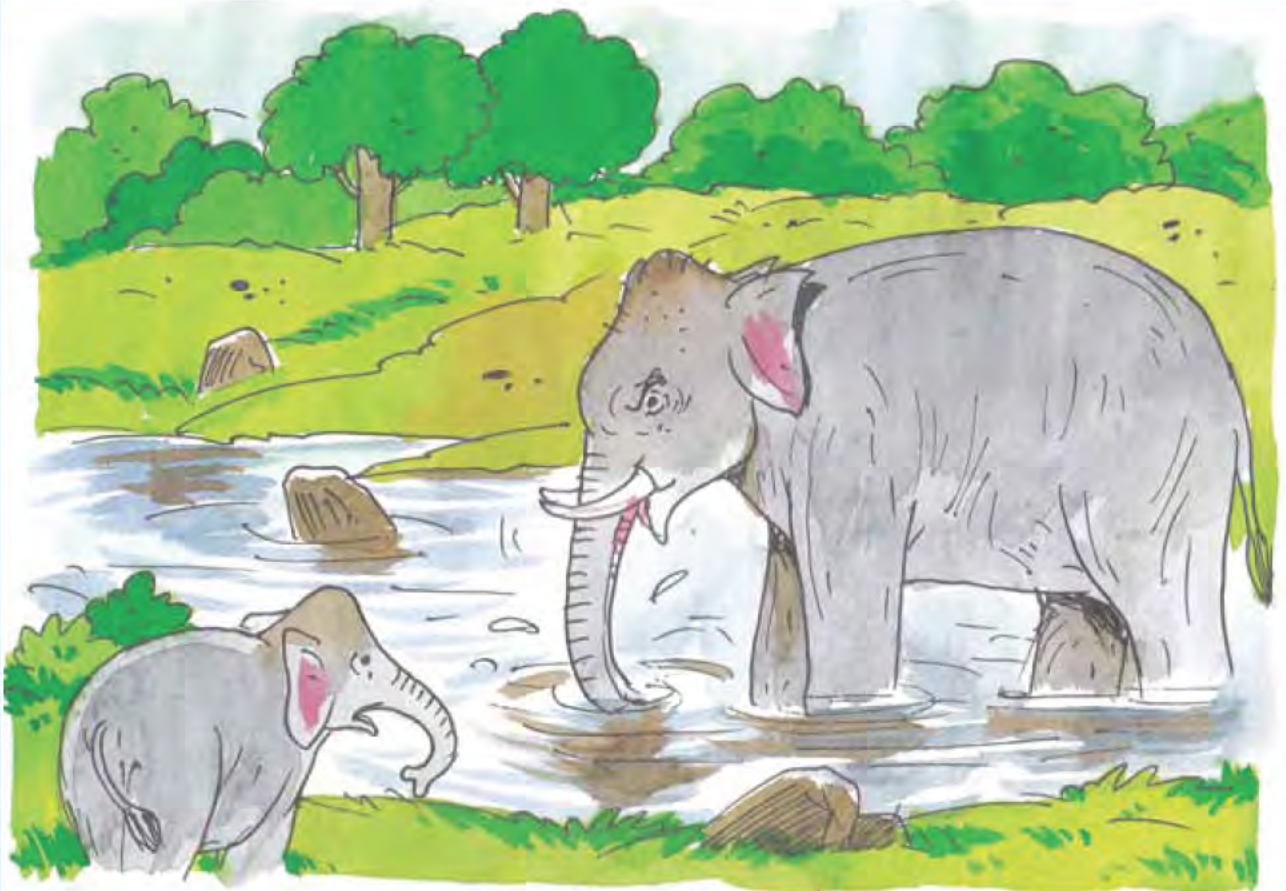

हाथी की माँ

लीला मजुमदार

अधिकांश जंगली जानवर सारी रात कहीं भी घूमते रहें न क्यों, भोर होने से कुछ पहले वे किसी नदी या जलाशय के किनारे आकर भरपेट पानी पी लेते हैं। ताकि दिन के उजाले में उन्हें पानी पीने के लिए न आना पड़े। क्योंकि दिन के उजाले में दिखायी पड़ने का मतलब एकदम असहाय अवस्था में शत्रु की आखों में पड़ना। इस तरह सुबह और शाम ही उनके पानी पीने का उचित समय है।

किन्तु यह समयकाल उनकी फोटो खींचने के लिए बहुत अच्छा नहीं है।

मजे की बात यह है कि सभी जानवर उन नमकीन पत्थरों को दो-एक बार चाट कर जाते हैं। उन्हें भी अपने शरीर को ठीक रखने के लिए नमक या लवण की जरूरत होती है।

मेरे एक कैमरामैन ने कभी किसी से एक छोटे जलाशय के बारे में सुन रखा था, जिसके नजदीक नमकीन पत्थर भी थे। वहाँ दिन के उजाले में भी बहुत से जानवर पानी पीने आते।

जलाशय बहुत छोटा था, उसे एक गहरा गड्ढा भी कहा जा सकता है। अंग्रेजी में इसे '*वाटर होल*'

ोशिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी लेख को पढ़ेंगे और मूलभाव का अनुकरण करेंगे।*

कहा जाता है। मित्र के मन में था कि कौन जानवर किस तरह पानी पीता है, उसकी फोटो खींचे। इसी कारण शाम होते ही वह एक पेड़ के ऊपर जा बैठा। उस समय जलाशय के पास कोई न था।

थोड़ी देर बाद ही एक विकराल हाथी वहा आकर पानी पीने लगा। पानी पी रहा है तो पीता ही जा रहा है। पानी पीने की उसकी बाहुल्यता को देखकर मित्र अवाक् रह गया।

उसी समय एक बच्चा हाथी भी जंगल से निकल कर जलाशय के पास जाकर खड़ा हुआ, किन्तु पानी के करीब जाने का साहस न कर सका।

उसे देखते ही बूढ़ा हाथी गुस्से में आ गया। सूँड़ हिलाता हुआ वह उसे खदेड़ने को दौड़ा। बेचारा बच्चा हाथी उल्टे-पाँव जंगल की ओर भाग चला।

इसके बाद बूढ़ा हाथी फिर से पानी पीने लगा।

थोड़ी देर बाद उसके पीछे की ओर से आकर बच्चा हाथी फिर हाजिर हुआ। इस बार लेकिन उसके साथ उसकी माँ भी आयी थी। उसकी हथिनी माँ कद और काठी में हाथी से जरा भी कम न थी। माँ और बेटा दोनों थोड़ी देर रूककर चुपचाप देखते रहे।

उसके बाद बच्चे को दूर खड़ा रखकर, माँ अकेले ही सूँड़ उठाये आगे बढ़ी और बूढ़े हाथी के पीछे तड़ाक से जोरदार एक सपाटा ऐसा लगाया कि बूढ़ा हाथी भयभीत होकर एक क्षण गवाँये बिना अपनी

 शिक्षण परामर्श : *विद्‌यार्थी इस लेख को पढ़ेंगे और मूलभाव का अनुकरण करेंगे।*

पूँछ उठाकर जंगल की ओर भाग निकला।

तब माँ ने बच्चे की ओर देखा, देखते ही बच्चा आगे आया और जलाशय से भरपेट पानी पिया। उसके बाद माँ ने भी पानी पिया और बच्चे को साथ लिए हिलते-डुलते जंगल में वापस चली गयी। मेरा मित्र भी पेड़ से उतरा और अपने आस्ताने की ओर चला। इस घटना को देखकर यह समझ में आता है कि *'वास्तव में इंसानों और जानवरों में अधिक अंतर नहीं है।'*

शब्दार्थ : अधिकांश — अधिकतर, जलाशय — झील, असहाय — निरुपाय , विकराल — विशालकाय, बाहुल्यता — अधिकता, इंसान — मनुष्य, आस्ताना — घर, अंतर — फर्क।

लगे हाथ करके देखें

१. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें :

१.१ जंगली जानवर कहाँ से पानी पीते हैं ?

१.२ वे सुबह और शाम को पेट भरकर पानी क्यों पी लेते हैं ?

१.३ जानवरों के फोटो खींचने का उचित समय कब होता है ?

१.४ जानवर अपने शरीर के लवण की जरूरत को किस प्रकार पूरा करते हैं ?

१.५ कैमरामैन का शौक क्या था ?

१.६ बच्चा हाथी अपनी माँ को लेकर क्यों आया था ?

१.७ हाथियों के क्रियाकलाप के समय कैमरामैन कहाँ था ?

२. कहानी से संयुक्ताक्षर वाले शब्दों को ढूंढकर निकालें। और उन संयुक्ताक्षरों से नए शब्द बनाएँ।

३. विलोम शब्द लिखें : उपयुक्त [ ], पीछे [ ], बूढ़ा [ ], छोटा [ ]।

४. वाक्य बनाएँ :

हाथी : ....

माँ : ....

विकराल : ....

क्षण : ....

गड्ढा : ....

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी इस लेख को पढ़कर अभ्यास का कार्य करेंगे।*

Make meaningful words :

+ tain = captain

+ day = ________

+ guin = ________

+ go = ________

________ + = ________

Learning tips : *Students will make meaningful words with the help of pictures.*

स्वयं हल करें

१) ३९ ÷ ३ = ☐

☐ ☐ ☐ = ☐

☐ + ☐ = ☐

द इ

०

२) २२ ÷ २ = ☐

☐ ☐ ☐ = ☐

☐ + ☐ = ☐

द इ

०

३) ३६ ÷ ३ = ☐

☐ ☐ ☐ = ☐

☐ + ☐ = ☐

द इ

०

४) क) ३६ ÷ २ = ☐

ख) ४५ ÷ ५ = ☐

ग) ४८ ÷ ४ = ☐

घ) ४२ ÷ ३ = ☐

सीखने का परामर्श : *दो अंकों की संख्या को एक अंक की संख्या (१ से ५ तक) से भाग एवं भागशेष शून्य।*

कितने जामुन बचे हैं, देखें :

दीदी ने मुझे ५ जामुन दिए हैं। जामुनों को समान भागों में भाग करके मुझे और मेरे भाई को लेना है। कौन कितने जामुन लेगा, हिसाब करें।

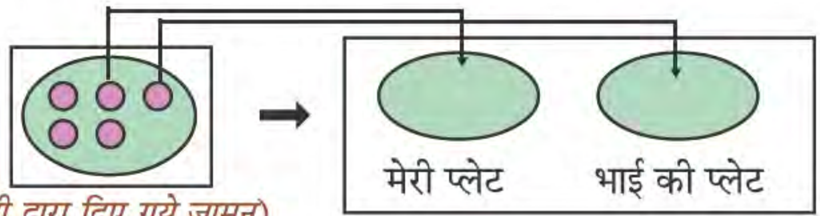

(दीदी द्वारा दिए गये जामुन)

१ जामुन करके दोनों थालियों में रखने के बाद

अब बचा [५] − [२] = [३]

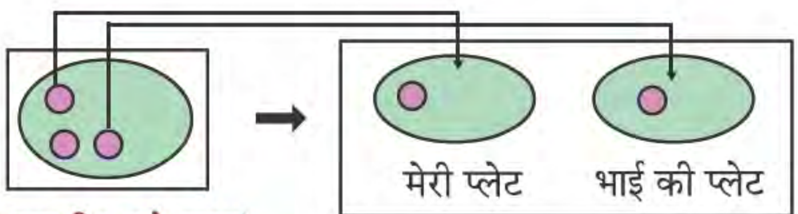

(दीदी द्वारा दिए गये जामुन)

फिर १ करके जामुन निकालकर दोनों थालियों में रखा, अब बचा− [३] − [ ] = [ ]

(दीदी द्वारा दिए गये जामुन)

इस प्रकार देख रहें हैं कि हमेशा समान भागों में भाग नहीं किया जा सकता। समान भागों में भाग करने के बाद जो बाकी बच गया, उसे क्या बोलेंगे ?

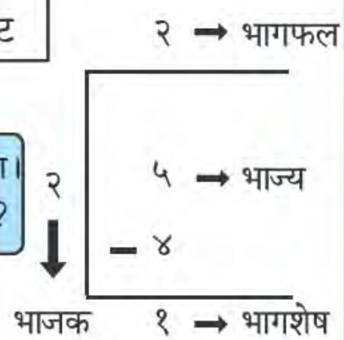

अंत में जो बच गया, उसे भाग नहीं किया जा सकता अतः उसे [भागशेष] कहेंगे। जिसे भाग किया जाता है उसे [भाज्य] कहेंगे। जिसके द्वारा भाग करते हैं, उसे [भाजक] तथा भाग करने के बाद जो मिला उसे [भागफल] कहेंगे।

देखा, भागशेष, भाजक से कम है।

शिक्षण परामर्श : *भाज्य, भाजक, भागफल व भागशेष की धारणा। भागशेष हमेशा भाजक से कम होता है, की धारणा।*

शब्दकल्पवृक्ष

—सुकुमार राय

ठाँय ठाँय धूम धड़ाम सुनकर लगा खटका—
फूल खिले ? वही बोलो ! लगा पड़ाका पटका !
साँय-साँय, सन-सन डर से कान बंद—
ऐसा लगा दौड़ी जाये फूलों की सुगंध ?
हड़-हड़, पट-पट- अरे क्या सुना भाई रे !
देखते नहीं गिरते ओले- मत जाओ बाहर रे।
चुप-चुप जरा सुनो ! छप-छप छपाक !
लगा चाँद डूब गया ? गप-गप गपाक !

घस-घस घच-घच कितना काटे यह रे !
धड़ा-धड़ खटर पटर- नींद टूटी क्यों रे !
घर्र-घर्र भन-भन घुमे कितनी मन में चिंता।
मन कितना नाचे सुन- धई धई धिन ता !
ठुंग-ठांग.. ढंग ढंग.. कितना दर्द बजता रे !
फट-फट छाती फटे बीच-बीच में रे !
हो-हो मार-मार 'बाप-बाप' चीख-पुकार-
पड़ रही मार लगे ? खिसक चलो अब यार।

शिक्षण परामर्श : *विद्‍यार्थी इस कविता का सटीक उच्चारण करते हुए पढ़ेंगे।*

Read the sentences :

Arka's favourite game is football. He plays the game with his friends everyday. His brother, Raju also plays the game with them. It keeps them fit.

Fill in the gaps with words from the passage:

1. Arka's favourite game is __________.
2. Arka plays the game with his __________.
3. Raju is Arka's __________.
4. The game keeps them __________.

Listen and say :

I love little pussy,

Her coat is so warm,
And if I don't hurt her
She'll do me no harm.
So I'll not pull her tail,
Nor drive her away,
But pussy and I very
Gently will play.

Learning tips : *Students will read the sentences and do the activities. Teacher will encourage the students to participate in the rhyme.*

नाटक देखें

आज हमारे मुहल्ले में एक नाटक का मंचन होगा। ३६ लोग नाटक देखने जाएंगे। हमलोगों ने तय किया है कि समान भागों में भाग होकर या बँटकर दोनों तरफ बैठेंगे। हिसाब करके देखें, एक तरफ कितने लोग बैठेंगे।

१ तरफ [ ] [ ] [ ] = [ ] लोग बैठेंगे।

पहला तरीका

```
       १० + ८ = १८
    ┌──────────────
    │ द   इ
    │ ३   ६
  २ │-२   ०
    └──────────────
      १   ६
     -१   ६
    ──────────────
          ०
```

दूसरा तरीका

```
        १   ८   → भागफल
     ┌─────────
     │  द   इ
  २  │  ३   ६   → भाज्य
  ↓  │ -२   ↓   ← २ × १
भाजक └─────────
        १   ६
       -१   ६   ← २ × ८
     ─────────
            ०   → भागशेष
```

यदि ३६ लोग समान भागों में भाग होकर ३ समूहों में बैठते, हिसाब करके देखें तब प्रत्येक समूह में कितने लोग बैठते।

प्रत्येक समूह में बैठते [ ] [ ] [ ] = [ ] लोग।

पहला तरीका

```
       [ ] + [ ]
      ┌──────────
      │ द    इ
  [ ] │ [    ]
      │ [    ]
      └──────────
        [    ]
        [    ]
      ──────────
```

दूसरा तरीका

```
        [     ]   → [     ]
     ┌─────────
     │  द   इ
  ३  │  ३   ६   → [     ]
  ↓  │ -३   ↓   ← ३ × १
 [ ] └─────────
      [     ]
     -[     ]   ← ३ × २
     ─────────
            ०   → [     ]
```

शिक्षण परामर्श : *दो अंकों की संख्या को एक अंक की (१ से ५ तक) संख्या से भाग देना।*

नीचे दिए प्रत्येक सवालों में भाज्य, भाजक, भागफल और भागशेष निर्णय करें :

सवाल	भाज्य	भाजक	भागफल	भागशेष
४२ ÷ ५	४२	५	८	२
३३ ÷ ३				
४७ ÷ ३				
५५ ÷ ४				
६४ ÷ ५				
८७ ÷ ४				
३० ÷ २				
७२ ÷ ५				
☐ ÷ २ स्वयं भरें				

गणित की भाषा में व्यक्त कर समाधान करें :

१. १३ फलों को ५ पक्षियों में खाने के लिए दिया जाएगा। प्रत्येक को समान संख्या में पूरा फल मिलेगा। कितने फल बचेंगे, हिसाब करें।

२. २३ टोपियों को कई लोगों में बराबर भागों में बाँट दिया गया। प्रत्येक को २ टोपियाँ मिलीं। कितनी टोपियाँ बचीं और कितने लोगों को टोपियाँ मिलीं।

३. ३७ नारियल हैं। समान संख्या में भाग करके ३ लोगों में उसे दे दिया। प्रत्येक को कितने नारियल मिले और कितने नारियल बचे रह गये, हिसाब करें।

 शिक्षण परामर्श : *भाषा के माध्यम से भाग करने की धारणा।*

See and say :

There is a car on the road.

There is a black board in the classroom.

There are apples on the table.

There is a hut beside the river.

Use of introductory there : There is used in the beginning of a sentence to show the place / location of persons, animals and things.

See and write:

There are flowers in the garden.

______________________________.

______________________________.

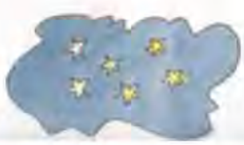

______________________________.

Learning tips : *Students will read the sentences. They will learn the use of introductory there and do the activities.*

Colour the pictures :

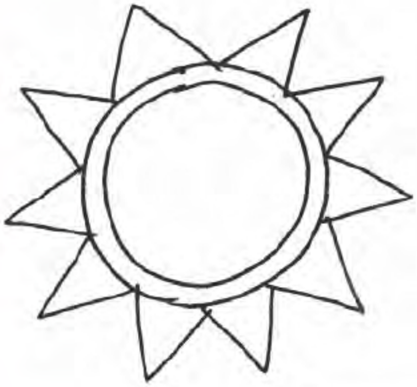

विश्वजयी विवेकानन्द

स्कूल में भूगोल की कक्षा चल रही थी। शिक्षक महोदय ने नरेन से एक प्रश्न किया। उत्तर सुनकर उन्होंने कहा, 'उत्तर गलत है।' उस समय सजा के रूप में शिक्षकों द्वारा छात्रों को शारीरिक दण्ड देने का प्रचलन था। गलत उत्तर लगने के कारण उन्होंने नरेन को पीटा। दण्ड पाकर भी नरेन बार-बार कहते 'मैने गलत उत्तर नहीं दिया, मैने सही कहा है।' ऐसा कहते ही शिक्षक और क्रोधित हो गये और नरेन को अपनी हथेलियों को सामने लाने को कहा। नरेन ने आँसू भरे आँखों के साथ अपने हाथ बढ़ा दिए। किन्तु बार-बार कहते 'मेरा उत्तर गलत नहीं है।' शिक्षक ने तड़ातड़ कई बेंत उसकी हथेलियों पर जड़ दिये। नरेन बेंत से पिटकर चुपचाप बेंच पर बैठे रहे।

घर आकर रोते-रोते नरेन ने सारी बातें अपनी माँ को बताई। माँ ने उसे सांत्वना देते हुए कहा, 'बेटे यदि तुम्हारी गलती नहीं हो तो इससे कुछ भी आता-जाता नहीं। फल जो भी हो न क्यों- तुम्हें जो सत्य लगे हमेशा उसे ही करते जाना। इसके लिए तुम्हें कभी अन्याय भी सहन करना पड़ सकता है- फिर भी सत्य को तुम कभी छोड़ना मत।'

एक सुखद घटना घटी, अगले दिन शिक्षक महोदय ने भूगोल की किताब को खोलकर देखा, भूल उनसे ही हुयी थी। उन्होंने नरेन को बुलाकर दु:ख प्रकट किया। इसके बाद उन्होंने कभी भी किसी दिन नरेन का अनादर नहीं किया।

यह नरेन कौन थे ? वे थे '*नरेन्द्रनाथ दत्त*'। जिन्हें सारा विश्व पहचानता है- *स्वामीजी* के नाम से। *स्वामी विवेकानन्द* - जो सत्य की राह से कभी नहीं भटके। उन्होंने मानवमुक्ति और सेवा का पथ सारी दुनिया को दिखाया। स्वदेश के प्रति वे अपनी माँ के समान स्नेह रखते थे।

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के लेख को पढ़ेंगे व मूलभाव का अनुकरण करेंगे।*

शब्दार्थ : सांत्वना – आशा दिलाकर शांत करना। अनादर – अवहेलना। तड़ातड़ = लगातार। विश्व–संसार। वास्तविक = असल। राह = पथ। सेवाव्रत – जनगण की मंगल साधना। स्वदेश – अपना देश।

लगे हाथ करके देखें

१. नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखें :

१.१ स्कूल में किस विषय की कक्षा चल रही थी ? ....

१.२ नरेन का उत्तर सुनकर शिक्षक ने क्या कहा ? ....

१.३ नरेन को सजा क्यों मिली ? ....

१.४ नरेन की माँ ने नरेन से क्या कहा ? ....

१.५ अन्त में मास्टरजी ने दुःख प्रकट क्यों किया ? ....

१.६ बचपन का नरेन बड़ा होकर किस नाम से प्रसिद्ध हुआ ? ....

२. घटनाओं को क्रमानुसार सजाकर अपनी कापी में लिखें :

२.१ स्कूल में भूगोल की कक्षा चल रही थी।

२.२ तड़ातड़ कई बेंत उसकी हथेलियों पर जड़ दिए।

२.३ उत्तर सुनकर उन्होंने कहा 'उत्तर गलत है।'

२.४ शिक्षक महोदय ने नरेन से एक प्रश्न किया।

२.५ शिक्षक महोदय ने भूगोल की किताब को खोलकर देखा, भूल उनसे ही हुयी थी।

२.६ किन्तु बार–बार कहते – 'मेरा उत्तर गलत नहीं है।'

२.७ माँ ने उसे सांत्वना देते हुए कहा, 'बेटे यदि तुम्हारी गलती नहीं हो तो इससे कुछ भी आता–जाता नहीं'

३. वाक्य रचना करें :

प्रश्न : ....

सत्य : ....

सुखद : ....

किताब : ....

विश्व : ....

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी अभ्यास का कार्य करेंगे।*

Fill in the gaps with it / there :

__________ is Sunday afternoon. __________ are children in the park.__________is a garden in the middle of the park.______________ are many flowers in the garden. _________ is a beautiful scene.

Make meaningful words:

- fly = butter

- rot = ______

- ato = ______

- pine = ______

______ - = ______

Learning tips : *Students will do the activities.*

Look at the pictures. Fill in the gaps with names of colours :

There are many flowers in the garden. The ________ rose and the ________ sunflower are friends.

" The ________ sky looks so beautiful," says the Rose.

" Yes it is. I like the ________ grass," says the sunflower.

They see the ________ lily. The lily plays with the ________ lotus.

Learning tips : *Students will do the activity.*

मान लो। तुम फूलों के बाग में खड़े हो। बाग में गुलाब, सूर्यमुखी, चंद्रमल्लिका और जवा आदि फूल खिले हैं। तुम किस फूल के साथ बात करना चाहोगे और किस तरह से बातें करोगे। उसे कुछ वाक्यों में लिखो।

Listen and say :

If you ever watched a butterfly,
You would think the same,
To call him rather "flutterby".
Is more a fitting name,

For what he has to do with butter
I cannot understand,
But he can surely flutter better
Than any insect can!

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के कार्यों के माध्यम से अपनी स्वच्छंद भावना को व्यक्त करेंगे। विद्यार्थी 'rhyme' में भाग लेंगे।*

बादलों के देश

उपेन्द्रकिशोर रायचौधुरी

था समतल में, आया हूँ बादलों के देश दार्जिलिंग में। कोलकाता से साढ़े सात हजार फुट की ऊँचाई पर। ठीक कितना ऊँचा है, इसका सटीक अनुमान लगाना बहुत कठिन है।

दार्जिलिंग के रास्ते वनों की शोभा बड़ी निराली है। अकेले जंगल में जाने पर जान को हथेलियों पर लेकर जाना पड़ता है, किन्तु ट्रेन से जाने पर कोई खतरा नहीं। एक बार लेकिन ट्रेन के सामने एक विशाल जंगली हाथी आ गया था। उसने ट्रेन को शायद नये तरह का कोई जानवर समझा होगा और वहाँ रहा होगा और लाइन के ऊपर खड़ा रहकर सोचा होगा कि उसके साथ लड़ें या भाग चलें। ठीक उसी समय ट्रेन के ड्राइवर ने पों-पों कर जोर से ट्रेन की सीटी को बजाते हुए ट्रेन को तेजी से बढ़ाया और जिसे देखते ही वह हाथी माई रे माई... ! कहता दुम दबाए अपनी जान लेकर भाग चला।

ट्रेन उन जंगलों से होती पहाड़ों को छूती हाँफते-हाँफते कनखजूरे की तरह टेढ़े-मेढ़े चलती। तीस फुट रास्ता तय करने पर वह एक फुट ऊँची उठती। लगभग डेढ़ हजार फुट ऊपर उठने पर

शिक्षण परामर्श : *विद्‌यार्थी ऊपर के लेख को पढ़ेंगे व मूलभाव का अनुकरण करेंगे।*

बादलों के साथ मुलाकात होती है। घर में बैठकर आकाश की ओर ताकने पर जिन बड़े-बड़े बादलों को देखते हैं, वे लगभग इतनी ही ऊँचाई पर रहते हैं। जैसे ही ट्रेन उनमें ढुकी वैसे ही यह समझने में देर नहीं लगी कि जिसे हम '*कुहासा*' कहते हैं, ये भी ठीक वैसी ही हैं। दूर से उन्हें देखने पर वे बादल और उनके अन्दर ढुककर देखने पर कुहासा।

लगभग साढ़े चार हजार फुट की ऊँचाई तक ट्रेन बड़े-बड़े पहाड़ों के दक्षिणी भाग से सटकर चलती रही; उन पहाड़ों के उत्तरी भाग में क्या है, उसे देखा नहीं जा सका। उसके बाद जैसे ही वह मुड़कर उन पहाड़ों को दक्षिणी ओर छोड़ती हुई उत्तर की ओर बढ़ी वैसे ही दिखाई पड़ी, धूप से चमक रही सफेद बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियाँ।

उसके बाद ठंडक भी धीरे-धीरे बढ़ने लगती है, तब यह समझने में देर नहीं लगती कि अब एक नए देश में आ गये हैं; जहाँ नये तरह की हवा है; नये तरह की शोभा है; नये तरह के लोग हैं और बादलों के नित नये-नये खेल हैं।

दार्जिलिंग जाने के रास्ते में सबसे ऊँचाई पर स्थित स्टेशन है 'घूम'। उसके एक स्टेशन के बाद है दार्जिलिंग; उससे और थोड़ा नीचे। घूम से दार्जिलिंग की दूरी कुल पाँच मील है, इतनी दूरी तय करने में अधिक समय नहीं लगता। चलते-चलते एक मोड़ घूमते ही अचानक दार्जिलिंग शहर दिखाई पड़ा। हलवाई की दुकान में मिठाईयों की थाल जैसे सजी रहती है, लगभग उसी तरह पहाड़ों की गोद में जैसे घर भी सजाये गये हों। देखने में बहुत सुंदर लगता है। किन्तु दार्जिलिंग की असली सुन्दरता तो उसके घर-द्वारों में नहीं, वह हुई बादलों और हिमालय तथा उजाले और छाया की शोभा।

कई दिनों सबेरे उठते ही देखा कि पहाड़ों की पीठ की पीठ पर बादलों के बच्चे जैसे सो रहे हों, उनके माथे के ऊपर से हिमालय की धुँधली चोटियाँ दिखायी दे रही हैं। अभी सूर्योदय नहीं हुआ है। पूरब के आकाश में शर्मीली हँसी की तरह हलका सा उजाला दिखाई पड़ा। फिर धीरे-धीरे हिमालय का चेहरा रंगीन होने लगा, उठकर रंग को ढाला और तूलिका लेकर बैठा, सोचा बहुत कुछ बनाऊँगा। पर शैतान बादलों के बच्चे! धूप की आहट लगते ही वे बेचारे भी अपना बिस्तर छोड़कर उठ बैठे। उसके बाद एक कदम, दो कदम चलते हुए न जाने किस देश की ओर वे रवाना हो गये और हिमालय को ढँक दिया। मेरी चित्रकारी के सारे कार्यक्रम को मिट्टी में मिला दिया। देखते ही देखते वे पहाड़ों, वनों, घरों सभी को जैसे निगल गये हो।

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के लेख को पढ़ेंगे व मूलभाव का अनुकरण करेंगे।*

अब आस-पास के घर, पेड़-पौधे कुछ भी देखने का उपाय नहीं है। हमारा घर जिस मजबूत पहाड़ के ऊपर खड़ा है, वह पुष्पक विमान की तरह शून्य में उड़ता परियों के देश की ओर तो नहीं जा रहा है, इस बात का विश्वास करना मुश्किल हो गया। दस मिनट बाद देखा कि सारे बादल उड़कर चले गये, और चारों ओर धूप झिलमिलाने लगी।

सुबह से शाम तक जब बार-बार धूप अपना रंग बदलता है तब बार-बार हिमालय के चेहरे का रंग भी बदलता जाता है। कभी मिश्री की डली, कभी आग, कभी सोने की तरह, कभी मोती की तरह, कभी सिल्क के ऊपर चाँदी की जरी जैसी, इस खड़िया की तरह जैसे जादूगर की जादुगरी। इसी तरह दिन बिताकर शाम को फिर सोने की तरह, आग की तरह, मानिक की तरह बनकर अपने नाटक का अंत किया। बैंगनी रंग के पहाड़ों के माथे पर मानिक की तरह बर्फ जमी है, इतना सुन्दर वह दृश्य, जिसकी बराबरी हो नहीं सकती। राजरानी के बहुमूल्य वस्त्र और मुकुट भी जिसके सामने शर्म से सिर झुका लेते हों।

इसी तरह रात भी आयी। यदि आकाश में उस समय उज्जवल चाँद रहे, तब तो उसकी शोभा और भी निराली हो जाती है। हाँ इसमें ऐसी कोई घबराहट नहीं, वास्तव में सभी को ऐसे दृष्यों के प्रति स्नेह नहीं भी हो सकता है। लेकिन जो समझते हैं, वे देखते ही बोल उठते हैं, '*अहा*'!

(आंशिक)

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के लेख को पढ़कर भूल भाव का अनुकरण करेंगे।*

शब्दार्थ : अनुमान = अंदाज। ड्राइवर = चालक। दार्जिलिंग = पश्चिम बंगाल राज्य का एक जिला। हिमालय = भारत के उत्तर में स्थित पर्वतमाला। मानिक = माणिक्य। चाँदी = रजत। खड़िया = चॉक।

लगे हाथ करके देखें

१. नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें :

१.१ बादलों के देश कहकर लेखक किस जगह की बात कह रहे हैं ?

१.२ दार्जिलिंग के रास्ते में ट्रेन कैसे चलती है ?

१.३ दार्जिलिंग के रास्ते में सबसे ऊँचाई पर स्थित स्टेशन का नाम क्या है ?

१.४ पहाड़ों के ऊपर घर किस तरह सजे दिखाई देते हैं ?

१.५ दार्जिलिंग में कौन सा पहाड़ दिखायी देता है ?

१.६ दार्जिलिंग में सबेरे का आकाश देखने में कैसा लगता है ?

१.७ उसे देखते ही कहते हैं, 'अहा !'– कौन कहते हैं ?

२. नीचे के शब्दों से संयुक्ताक्षरों को ढूंढकर लिखें :

दार्जिलिंग	— ____,	रास्ता	— ____,	राज्य	— ____,
बिस्तर	— ____,	ट्रेन	— ____,	बहुमूल्य	— ____,

३. कहानी से संयुक्ताक्षर वाले शब्दों को लिखें और उनसे संयुक्ताक्षरों को खोजकर निकालें :

दक्षिण	— क्ष,	____	— ____,	____	— ____,
____	— ____,	____	— ____,	____	— ____।

४. समान अर्थ वाले ऐसे दूसरे शब्द लिखें जिनमें संयुक्ताक्षर हैं :

शाम	— ____ ____	पहाड़	— ____ ____ ____
सोना	— ____ ____	आग	— ____ ____

सीखने का परामर्श : *विद्‌यार्थी लेख को पढ़कर अभ्यास का कार्य करेंगे।*

Make sentences from the tables :

He She I you	am is are	a boy a girl a student

He is a boy.

This That These Those	is are	a star apples kites a rainbow

Learning tips : *Students will make sentences from the table.*

Tick (√) the correct alternative :

1. That (is/are) a bird.
2. They (are/am) players.
3. Trees (are/is) our friends.
4. I (is/am) in class two.
5. You (is/are) a brave girl.

Make sentences from the table :

He You I We They These That	am is are	a box girls students boy a tree books a kite

Learning tips : *Students will do the activities.*

ऋतुओं से जुड़े विभिन्न वाक्यों को पढ़ें :

१) आज काले बादल छाए हैं।

२) सरसों, चना, गेहूँ जाड़े में पैदा होता है।

३) अक्षयबाबु के बगीचे वाले गोभी के पत्तों को बकरियों ने खाकर सपाट कर दिया है।

४) वर्षा शुरू हुई, अब गर्मी नहीं रही।

५) चन्दनबाबु बरसाती पहनकर जा रहे हैं।

६) पानी से भरकर सभी गढ्ढे अब मेढकों के घर बने।

७) तिस्ता नदी में बाढ़ आई है, पानी की धारा बहुत तेज है।

८) रूक-रूक कर बादल गरज रहे हैं और बिजली चमक रही है।

९) वर्षा-बादल गए दूर,

निकली धूप झिलमिलाकर

लगती बाँसों के डाल-डाल पर।

१०) फाल्गुन का महीना है, किन्तु अभी भी बहुत ठंडक है। थोड़ी देर पहले ही मूसलाधार वर्षा हुई है।

१। बड़ों से पूछकर ऋतुओं के बारे में और वाक्य लिखें :

....

....

....

 सीखने का परामर्श : *विद्यार्थी सहजपाठ के वाक्यों को पढ़ेंगे।*

२। पिछले वाक्यों से कौन–कौन सी ऋतुओं को खोजकर पाते हैं, उसे कॉपी पर लिखें। कौन–कौन से महीनों को मिलाकर ये ऋतुएँ हैं, उसे लिखें। अपने प्रिय ऋतु का नाम लिखें। चित्र बनाएँ।

३। निम्नलिखित शब्दों के संयुक्ताक्षरों को तोड़कर पहले बॉक्स में लिखें और फिर शब्दों से वाक्य बनाएं:

ग्रीष्म			....
वृष्टि			....
विद्युत			....
फाल्गुन			....
वसन्त			....
शुष्क			....

४। चित्रों को देखकर वाक्यों को पूरा करें :–

४.१ ____________ का रंग गहरा नीला है।   ४.२ अंशु __________ लेकर कहाँ जाओगे।

शिक्षण परामर्श : *सहज पाठ के वाक्यों को पढ़कर ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

४.३ चन्दनबाबु .... पहनकर चल रहे हैं।

४.४ सभी गड्ढे भरकर अब .... के घर बन गए हैं।

४.५ ओढ़े हुए .... के ऊपर नक्शा बना है।

५। नीचे के शब्दों को वाक्य के पहले, मध्य एवं अन्त में प्रयोग करें।

(१) नीला : (क) नीला कपड़ा पहन कर मैं खेलने जाऊँगा।

(ख) आकाश नीला है।

(ग) छतरी नीले रंग की है।

(२) पानी:	(३) वर्षा	(४) छाता
(क)................................	(क)................................	(क)................................ ....
(ख)................................	(ख)................................	(ख)................................ ....
(ग)	(ग)	(ग) ....

 शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी वाक्यों को पढ़कर ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

Colour and write :

Do you like bananas?

Yes, I like bananas./ No, I do not like bananas.

Do you like apples?

Do you like oranges?

Tell the class :

Which fruit do you like the most ? Which colours do you find in that fruit?

Learning tips : *Students will do the activities. Teacher will encourage the students to participate in the '**Tell the class**' actvity.*

नीचे दिए गए फूलों से सम्बन्धित वाक्यों को पढ़ें :

१. उसके घर में एक सुंदर फूलदानी रखो।

२. उसमें चमेली और सूर्यमुखी का फूल रहेगा।

३. बिन्दु को जाकर कहो कि चंदनमाला तैयार रहना चाहिए।

४. देखो जल में खिली कुमुदिनी
गेंदा गुलाब चमेली जवा
लिलि कमल केतकी शिउली
मिला उजाला झूमाती हवा

१। उपरोक्त वाक्यों से फूलों के नाम ढूँढो। उनका कोई और नाम हो तो लिखो।

....

....

....

....

२। यदि मैं फूलदानी में फूल रखना चाहूँ तो उसमें...................................... के फूलों को रखूँगा।

३। मेरे प्रिय फूल के बारे में कुछ वाक्य लिखूँ। उसमें लिखूँगा:
(फूल का नाम, रंग, किस ऋतु या मौसम का फूल है, उसमें गंध है या नहीं)

....

....

....

....

....

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

४। फूलदानी में देखो फूल हैं क्या ? नहीं हों तो प्रयास करके देखो फूलों का नाम बना सकते हो कि नहीं।

__________________ __________________ __________________

__________________ __________________ __________________

५। आओ मिलाएँ किस फूल का रंग कैसा है :

फूलों का नाम	रंग
जवा	नीला
गुलाब	सफेद
अपराजिता	गुलाबी
जूही	लाल
गेंदा	पीला

६। अपने प्रिय दो फूलों का चित्र अपनी कापी पर बनाएं और रंग भरें।

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

काश गेंदा जूही बेली

शिउली **फूल** सूर्यमुखी

गुलाब जिनिया पलाश कदम्ब

७। ऊपर के तालिका का कौन सा फूल किसी ऋतु में मिलता है उसे नीचे दिये खाके में लिखें, अपनी पहचान वाले अन्य फूलों का नाम भी जोड़ें :-

ग्रीष्म	*वर्षा*	*शरद*	*हेमन्त*	*शीत*	*वसन्त*	*सब ऋतु में*

८. दूसरी तरह से बोलें

फूल को पुष्प भी कहते हैं।

पेड़ को वृ .... भी कहते हैं।

पत्ता को प .... भी कहते हैं।

पेड़ में अनेक शाखा-प्र .... हैं।

९. कमल का फूल पानी में खिलता है। हमेशा नहीं पाया जाता है। अपनी जरूरत के समय इसे पाने के लिए क्या करोगे ? आओ कागज को काटें और कमल का फूल बनाएं तथा घर को सजाएं।

 शिक्षण परामर्श : *विद्‌यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

Look at the letter clusters :

key se du
ange tus cr ana
li or mine
ra du rot
mon lo zeb
go
ban par on ck
ro
man ow

Make names of flowers, fruits, animals and birds.

Names of flowers	rose,
Names of fruits	
Names of animals	
Names of birds	

Count , add and write:

....	+	....	=	....
(number of flowers)		(number of fruits)		total number
....	+	....	=	....
(number of animals)		(number of birds)		total number

Learning tips : *Students will do the activities.*

घड़ी देखें :

कल हमलोग 'बोटानिकल गार्डन' घुमने जाएँगे। सबेरे ही जागना होगा। उठते ही घड़ी पर नजर गयी देखा :-

छोटा काँटा ६ के घर में।
बड़ा काँटा [ ] के घर में।
अभी कितना बज रहा है?

अभी सुबह का ६ बज रहा है।

घड़ी में **छोटा काँटा** **घंटा** एवं **बड़ा काँटा** **मिनट** बताता है।

नीचे के चित्रों को देखें और खाली घरों में लिखें :

१ बजा				

जब दोनों काँटे १२ के घर में रहें उस समय [ ] बजता है।

(स्वयं लिखें)

नीचे बॉक्स में दिए गये समय को घड़ी के चित्रों में काँटा बनाकर दिखाएं।

४ बजे	६ बजे	८ बजे	११ बजे	२ बजे

 शिक्षण परामर्श : *घड़ी देखकर समय पहचानने की धारणा।*

पंक्षियों से सम्बन्धित विभिन्न पंक्तियों को पढ़ें :

१. बेरी वन के पेड़ों पर
फलों को घेरे बादल सटकर
मोर यहीं पर आयेगा
नाच दिखाकर जायेगा।

२. करेंगी मैना सब निरर्थक रगड़ा
लग जाएगा आपस में झगड़ा।

३. जैसे ही आती है धूप,
पूरब दिशा कह देता मुख।
काँव–काँव करते हैं,
देखो वह कौवों का झुंड।

४. तीन अबाबील करते झगड़ा
हिलता चौके की छाजन का खपड़ा।

५. चलते–चलते नदी किनारे,
मेढक–मेढकी मिलते सारे।
राह पूछता उन्हें देखकर,
पेड़ों के नीचे वो रहते बैठकर।

१। उपरोक्त वाक्यों से पक्षियों/प्राणियों का नाम खोजकर लिखें। वे क्या कर रहें है, उसे लिखें।

....

....

....

....

....

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

आओ पक्षियों से जुड़े शब्दों को जानें :

पंख	नीड़	चें-चें	डोमकौवा
किलोल	कौवा	चहचहाहट	सफेद उल्लू
चंदना	फंदा	कबूतर	गिद्ध
हीरामनतोता	अबाबील	डैना	काँव-काँव
बया	पपीहा	पंडुक	टुनटुनि
नीलकंठ	राजहंस	सारस	गुटरगुँ
कठफोड़वा	मैना	वनमुर्गी	रामचिरैया

२। पक्षियों को उनकी बोली से मिलाएँ :

पक्षियों के नाम	पक्षियों की बोली
मोर की आवाज / बोली	कुहू-कुहू
कबूतर की आवाज / बोली	के-को
कोयल की आवाज / बोली	गुटर-गूँ

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

वि.द्र : डोमकौवा = एक बड़े आकार का बहुत काला कौवा।

३. बिखरे शब्दों को सजाकर सही वाक्य बनाएँ और लिखें :

३.१ घर बया पंक्षी का सुन्दर है

____

३.२ होते ही मुर्गा सुबह बाग देता है

____

३.३ हरा तोता वन में है उड़ता

____

३.४ के झरोखे में ऊँचे मकान गौरैया का घर है

____

३.५ झगड़ रही हैं तीन मैना रसोईघर की छप्पर के ऊपर

____

३.६ सफेद डैनों को खोला बगुले ने अपने

________________________।

४। किस पंछी के शरीर का रंग कैसा है, लिखें :

४.१ हँस ________________

४.२ रामचिरैया ________________

४.३ कोयल ________________

४.४ गौरैया ________________

४.५ तोता ________________

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी पक्षियों के विषय में ऊपर दिए गए कार्यों को करेंगे।*

५. स्तम्भों को मिलाएँ (एक कर दिया गया है) :

'क'	'ख'
कौवा	सिर पर लाल कलंगी
मुर्गा	कौवे के घोसले में अण्डा देती है
रामचिरैया	शान्ति का दूत
बया	चोंच में मछली पकड़ कर उड़ जाता है
कोयल	गंदगी साफ करता है
कबूतर	दर्जी पंक्षी

६। शब्द या शब्दांश जोड़कर नए शब्द बनाएँ (एक कर दिया गया है):

राज	टुन ....
राम	कठ ....
नील	को ....
काका तुआ	कबू.....................
बुल	चह ....

शिक्षण परामर्श : *विद्‌यार्थी पक्षियों के विषय में दिए गए ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

७. ऊपर के चित्र को देखकर पंछियों के नाम लिखें। प्रत्येक पंछी के बारे में कम से कम दो वाक्य अपनी कापी में लिखें।

८. नीचे की तालिका को पूरा करें (एक कर दिया गया है) :

मनुष्यों के आवाज की नकल करने वाला पंछी	____________
गाना गाने वाला पंछी	____________
कर्कश आवाज में बोलने वाला पंछी	____________
निशाचर पंछी	उल्लू
सबसे बड़े आकार वाला पंछी	____________
सबसे छोटे आकार वाला पंछी	____________

९. अपने दो प्रिय पंछियों के चित्र अपनी कापी में बनाएँ और रंग भरें :

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी पंछियों के बारे में दिए गए ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

Fill in the table :

About me	What I do	I am
Float in the sky. Take many shapes.	Bring rain.	
Have wings. Look like a bird.	Quickly travel long distances. Take people and goods with me.	
Ball of fire. Shine in the sky.	Give light and heat.	

अपनी जानकारी के अनुसार आकाश से सम्बन्धित निम्न तालिका को पूरा करें।

आकाश	देखने में कैसा लगता है ?	क्या-क्या दिखाई देता है ?
प्रात:काल		
वर्षा से पहले		
वर्षा के बाद		
रात के समय		

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर की तालिकाओं को पूरा करेंगे। विद्यार्थी की स्वच्छंद भावना व्यक्त होगी।*

प्राणियों से सम्बन्धित विभिन्न वाक्यों को पढ़ें :

१. बेचारे मवेशियों की बड़ी दुर्गति है।

२. जंगल में बाघ-भालू अनेक हैं।

३. एक बड़ी कतला मछली यदि बाजार में मिले तो लेते आना जरा।

४. आँचल में भर खीलें तुम
ज्यों ही आओगी अपने द्वार
त्यों ही वन के हिरण सब
आयेंगे दौड़ते लगातार

५. गिलहरी आयी पूँछ उठाकर
खाएगी धान हाथों का आकर।

६. गाँव के बाहर वाले मैदान में सियार हुँआँ-हुँआँ बोल रहा है।

१। उपरोक्त वाक्यों से प्राणियों के नाम ढूँढ कर लिखें और वाक्य बनाएं (एक कर दिया गया है) :

बाघ	बाघ एक खतरनाक जानवर है।
	....
	....
	....
	....
	....

२। अपने आस-पास जिन प्राणियों को देखा है उनके बारे में कुछ वाक्य या पंक्तियाँ लिखें।

....

....

....

....

....

....

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

आओ प्राणियों से जुड़े तरह-तरह के शब्दों को जानें :

जन्तु	जानवर	चौपाया	पशुराज	पशुशाला
अश्व	हाथीदाँत	बाघ	हाथी	टट्टू
महावत	गजेन्द्र	भेड़	साँप	केंचुल
हिरण	हिनहिनाना	नभचर	घोंघा	हथिनी
जलहाथी	कछुआ	मछली	साँड़	उभयचर

३. नीचे लिखे शब्दों से संयुक्ताक्षरों को खोजें और उससे नए शब्द बनाएँ :

चतुष्पद =	ष्प	पुष्पा	गजेन्द्र =		
जघन्य =			व्याघ्र =		
टट्टू =			दुम्बा =		
अश्व =			कालामृग =		
बिल्ली =			बन्दर =		

४. बाँए को दाहिने से मिलाएँ :

बायाँ	दाहिना
हिरण	सूँढ़
हाथी	केंचुल
साँप	केशर
अश्व	कस्तूरी

 शिक्षण परामर्श : *विद्‌यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे। (विषय : प्राणी)*

५। शब्दों की टोकरी से शब्द चुनकर खाली स्थानों को भरें :-

५.१ .... एक चौपाया जानवर है।

५.२ हाथी को .... कहते हैं और घोड़ा को .... कहते हैं।

५.३ हाथी की आवाज है चिंघाड़ना, घोड़े की आवाज है .... ।

५.४ .... खोल में रहता है।

५.५ शेर .... में रहता है।

५.६ टट्टू एक छोटे कद का .... है।

५.७ .... जल और थल दोनों में रहता है।

५.८ .... पानी में रहती है।

५.९ आकाश में उड़ने वाले को .... कहते हैं।

नभचर
जेब्रा, गज, हिनहिनाना,
कछुआ, समुद्र,
छोटे कद का घोड़ा,
जंगल, मेढक, मछली,
पक्षी, अश्व

६। प्राणियों से सम्बन्धित पाँच शब्द लिखें। प्रत्येक शब्द में संयुक्ताक्षरों का प्रयोग रहे।

(१) .... (२)................ (३) .... (४)............... (५) ....

७। वाक्य बनाएं :

जलहाथी : ....

गैंडा : ....

जेब्रा : ....

बेंग : ....

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे। (विषय : प्राणी)*

८. मैं कौन हो सकता हूँ। दोस्तों के साथ बातचीत करके लिखें :

मैं कौन हूँ ?

....

९. अपने प्रिय पशु के बारे में कुछ वाक्य लिखें। उसमें लिखें– पशु का नाम, कहाँ पाया जाता है, बोली कैसी है, क्या खाता है, क्यों मुझे प्रिय है।

....

....

....

....

१०. अपने प्रिय पशु का चित्र बनाएं :

शिक्षण परामर्श : *विद्‌यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे। (विषय : प्राणी)*

मिलि

— पूर्णेन्दु पत्री

हमारी एक है बिल्ली
मिलि
और बच्चे हैं उसके तीन
पिलि।

टुटुल बाबु के पढ़ने की मेज
उनका संसार,
जिसके नीचे लगती उनकी सेज
है घर–बार।
पेट भरने की उधेड़–बुन
लगी रहती।
नजर किन्तु रसोईघर की
मछली पर रहती।

एक पालतु प्राणी का चित्र बनाएँ और रंग भरें।

शिक्षण परामर्श : *विद्‌यार्थी ऊपर की कविता को पढ़ेंगे। उसके बाद नीचे के कार्यों को करेंगे।*

Read the sentences :

	I am Arjun. I have a cricket bat.
	You are Rubina. You have a beautiful smile.
	She is Rimi. She has a doll.
	He is Imran. He has a football.
	It is a butterfly. It has colourful wings.

Tick (✓) the correct alternative :

I am Rakhi. I have / has many friends. Mukti is my best friend. She has / have a brother. His name is Mrinal. Mrinal has / have a bicycle. It has / have two wheels.

Fill in the gaps with has/have :

I am Piklu. I ________ a football. Mita is my sister. She ________ a doll. The doll is very beautiful. It ________ long hair.

Learning tips : *Students will read the sentences. They will learn the use of **have** and **has** and do the activity.*

घड़ी देखकर खाली घरों को भरें :

पार्थ सोकर उठता है सुबह ______ बजे।

पार्थ स्कूल जाता है ______ बजे।

पार्थ स्कूल में मिड डे मील खाता है ______ बजे।

पार्थ स्कूल से घर वापस आता है ______ बजे।

पार्थ रात का खाना खाता है ______ बजे।

पार्थ बिस्तर पर सोने जाता है ______ बजे।

नीचे खाली घरों में सटीक समय लिखें। लिखे समय के साथ डिजिटल घड़ी का समय मिलाकर देखें।

पारिवारिक संबंधों को लेकर विभिन्न वाक्यों को पढ़े :

१) लड़की का नाम श्यामा है।
२) वह और उसके भाई सौम्य पाट का व्यापार करते हैं।
३) और उसके भैया बंगबाबु आएँगें।
४) मामा के आने से माँ बहुत प्रसन्न है।
५) छोटी लड़की बैंगनी रंग की साड़ी धूप में पसार रही है।
६) उनके छोटे लड़के के पेट में दर्द है, बहुत तकलीफ हो रही है।
७) यात्रियों के आत्मीय स्वजन उनकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।

१। दिए गए वाक्यों से पारिवारिक या सामाजिक संबंधों के नाम लिखो।

१.१ माँ के भाई को क्या कहते हैं? ....

१.२ पिता के भाई को क्या कहते हैं? ....

१.३ आस-पास रहने वाले लोगों को क्या कहते हैं? ....

१.४ पिता की बहन को क्या कहते हैं? ....

१.५ माँ की बहन को क्या कहते हैं? ....

२। वाक्यों को पढ़ें। खाली स्थानों में पारिवारिक संबंधसूचक शब्दों को सोचकर भरें।

२.१ छोटी ________ के मुहँ पर हँसी देखकर माता-पिता आज बहुत खुश हैं।

२.२ स्वर्ण और कर्ण दोनों ________ हैं। २.३ आज मेरे घर मेरे ________ आएँगे।

३। नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ें व खाली स्थानों को संयुक्ताक्षरों से भरें :

३.१ हमलोग ________ल में पढ़ते हैं।

३.२ बीमार होने पर बहुत क________ होता है।

३.३ हमलोग अभी छोटे हैं, हमारी उ________ बहुत कम है।

३.४ रात के समय आकाश में असं ________ तारों को देखकर हम प्रस________ हो जाते हैं।

 शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे। (विषय – परिवार)*

४। निम्नलिखित वाक्यों में से परिवार से सम्बन्धित शब्दों को खोजकर बगल में लिखें :

४.१ और आएंगे उसके भैया बंगबाबु। ________________

४.२ शक्तिनाथ और मुक्तिनाथ दोनों भाई हैं। ________________

४.३ उनके छोटे लड़के के पेट में दर्द है। ________________

४.४ दुलर्भबाबु की छोटी लड़की का अन्नप्राशन है। ________________

५। दिए गए संयुक्ताक्षरों के साथ शब्द बनाएँ (न्य, व्य, ष्ट, क्ट का प्रयोग करें):

कन्या —		
व्यवसाय —		
नष्ट —		
डाक्टर —		

६। अपने परिवार के सदस्यों के बारे में पाँच वाक्य लिखें :

....

....

....

....

....

....

७। हमारे परिवार को विभिन्न पेशेवाले मित्र सहायता करते हैं। उनके बारे में सोचकर खाली स्थानों को संयुक्ताक्षरों से पूरा करें :

(क) हमारे घरों को राजमि________ बनाते हैं।

(ख) ________षक खेतों में फसल उगाते हैं।

(ग) विद्यालय में शि________का / शि________क पढ़ाते हैं।

(घ) वै________ रोग दूर करते हैं।

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे। (विषय : परिवार)*

८। निम्नलिखित चित्रों को देखें। प्रत्येक के बारे में एक-एक वाक्य अपनी कॉपी में लिखें।

 सीखने का परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

Read the sentences :

	We read in a primary school. We have a garden in our school.
	They read in class two. They have many friends.

Tick (✓) the correct alternative :

1. I have / has a pet dog.
2. We have / has a blue bicycle.
3. You have / has a nice bag.
4. They have / has new pencil.

Fill in the gaps :

I am Bumba. My best friend is Piku. We ______ a bat and a ball. We ______ two other friends. They are Rahim and Ram. They ______ a football. We all play together.

Learning tips : *Students will read the sentences. They will learn use of* ***have*** *and do the activities.*

आज बगीचे में हमलोगों ने खूब मजे किए। अत: घर लौटने में बहुत देर हो गई।

घर आकर देखा घड़ी में ⟶

बड़ा काँटा है ६ के घर में। छोटा काँटा है १ और २ के बीच में। अत: अभी कितना बज रहा है?

अभी दोपहर *१ बजकर ३०* मिनट या दोपहर के *डेढ़ बजे* हैं।

नीचे के चित्रों को देखें और खाली घरों में लिखें।

२ बजकर ३० मिनट
या अढ़ाई

३ बजकर ३० मिनट
या साढ़े तीन

४ बजकर ३० मिनट
या साढ़े चार

१० बजकर ३० मिनट
या साढ़े दस

शिक्षण परामर्श : *घड़ी देखकर ३० मिनट की धारणा। बोलने और लिखने की धारणा।*

छुट्टी

–रहीम शाह

खेलेंगे कूदेंगे आज दिनभर
आज हमारी छुट्टी
पूरे दिन घासों के ऊपर
करेंगे लोटा–पोटी
पत्तों का मैं मित्र बनूँगा
झील के पानी में तैरूँगा
होते शाम मैदान है जाना
है देह में हवा लगाना,
हो सकता है उसके बाद
नदी में पड़े नहाना।
पूरे दिन चिड़ियों की खोज
करता फिरूँगा वन–वन में
शालिक कोयल तोता मैना
बनूँगा मन ही मन में।
चिड़ियों जैसे उड़ते उड़ते
आकाश बनूँगा घुरते घुरते
दूर पहाड़ पर जाऊँगा दौड़
मृग शावक के पास,
ठीक जहाँ पहाड़ से सटकर
झरना गिरता करता नाच।
आज दिनभर छुट्टी है मेरी
आज पूरे दिन की छुट्टी
आज खुशी से सारे दिन
करेंगे लोटा–पोटी।

शब्दार्थ : लोटा–पोटी=लोट–पोट करना, शालिक=अबाबील पक्षी, मृग=हरिण, शावक=हरिण का बच्चा,

शिक्षण परामर्श : *विद्‌यार्थी ऊपर की कविता को पढ़ेंगे।*

लगे हाथ करके देखें

१। कविता का बालक क्या-क्या करने के लिए सोच रहा है ?

....

....

....

२। कविता में आये पानी मिलने के दो स्थानों का नाम : ....

३। कविता में आए हुए चार पंछियों का नाम ....

४। कविता में आए एक पशु का नाम ....

५। शब्दार्थ लिखें :

लोटा-पोटी- ....   झरना- ....

वन- ....   मित्र- ....

६। विलोम शब्द लिखें :-

दूर- ....   खुशी- ....

दिन- ....   पीछे- ....

७। कविता में आए हुए संयुक्ताक्षरों वाले शब्द : ....

८। मित्र = त्र = | त + र | 'त्र' लगे पाँच शब्दों को लिखें : ....

....

९। मेरे स्कूल की साप्ताहिक छुट्टी का दिन है : ....

१०। साप्ताहिक छुट्टी के दिन जिन कार्यों को मैं करना चाहूँगा, वे होंगे : ....

....

....

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी छुट्टी कविता पढ़ेंगे व अभ्यास के सारे कार्य करेंगे।*

Fill in the gaps with correct words :

1. I ———— (slip / sleep) on the bed.
2. Please come ———— (hear / here).
3. ———— (There / Their) are many birds in the sky.
4. Her ———— (sun / son) reads in class two.
5. The floor is ———— (wet / wait).

Look at the picture. Fill in the gaps with the given words :

swim **walk** **fly**

A bird can ————.

An elephant can ————.

A man can ————.

A fish can ————.

एक महीने का कैलेण्डर देखें और उत्तर देने की कोशिश करें। जिन तारीखों को लाल रंग से लिखा गया है वे दिन रविवार, विशेष दिन या छुट्टी के दिन हैं।

रवि	सोम	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
		१	२	३	४	५
६	७	८	९	१०	११	१२
१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९
२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६
२७	२८	२९	३०	३१		

(१) एक वर्ष में [ ] महीने। बारी–बारी उन महीनों के नाम लिखें।

जनवरी					

(२) इस महीने में कुल कितने दिन, लिखें। [ ]

(३) इस महीने की ६ तारीख कौन सा वार है और हमारे स्कूल में उस दिन क्या रहता है, लिखें।

(४) इस महीने कितने बुधवार मिलेंगे, हिसाब करें। [ ]

(५) इस महीने का कौन बुधवार विशेष दिन है, लिखें। [ ]

(६) इस महीने कितने रविवार मिलेंगे, हिसाब करके लिखें। [ ]

(७) इस महीने हमारे स्कूल में कितने दिनों की छुट्टी रहेगी, हिसाब करें। [ ]

(८) हमलोग स्कूल के बगीचे में किसी शनिवार को पौधे लगाएंगे। इस महीने की [ ] तारीख को हमलोग पौधे लगाएँगे।

(९) हमारे स्कूल की '*वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता*' समारोह इसी महीने की ४ तारीख को होगी। उस दिन [ ] रहेगा। कैलेण्डर देखकर लिखें।

(१०) २६ तारीख को कौन सा वार है व क्यों लाल रंग से लिखा है, समझकर लिखें।

....

शिक्षण परामर्श : *कैलेण्डर में महीने व दिन की धारणा। लाल रंग से लिखे दिनों के सम्बंध में धारणा।*

Listen and say :

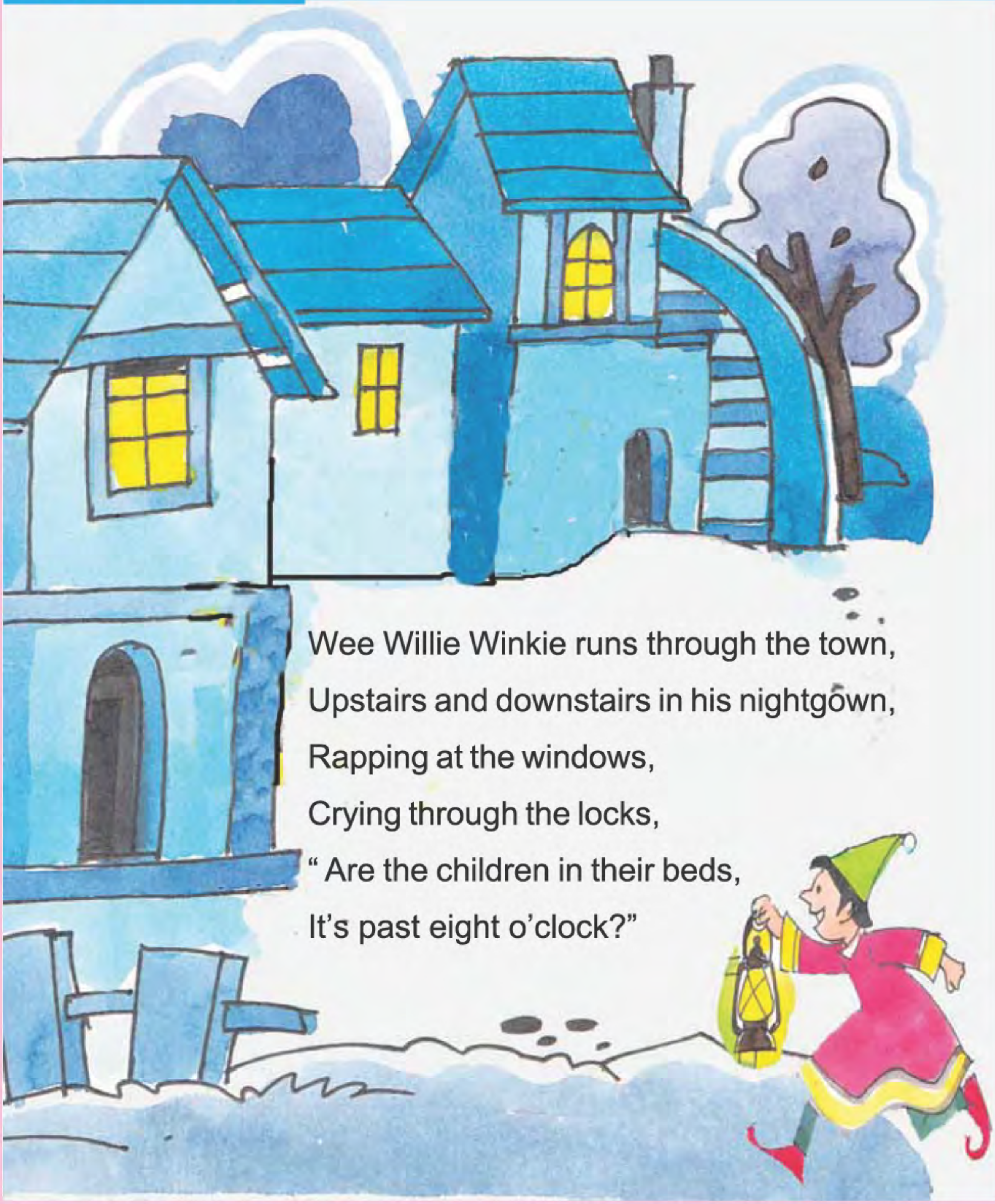

Wee Willie Winkie runs through the town,
Upstairs and downstairs in his nightgown,
Rapping at the windows,
Crying through the locks,
" Are the children in their beds,
It's past eight o'clock?"

Learning tips : *Teacher will encourage the students to participate in the rhyme.*

घर की चहारदीवारी बनाएं :

हमारे घर की चहारदीवारी को बनाने का काम ७ जून २०१४ को शुरू हुआ था। दीवाल को बनाने में कुल ८ दिनों का समय लगा। कौन सी तारीख को काम पूरा हुआ, देखें।

७ जून ◯ ◯ ◯ ◯ ◯ ◯ ◯

७ + ८ = १५

१५ − १ = १४ तारीख

	द	इ
		७
+		८
	१	५

१५ − १ = १४

१४ तारीख को काम पूरा हुआ।

मैं ८ मार्च से १३ मार्च तक स्कूल में अनुपस्थित था।

मैं ☐ दिनों तक स्कूल नहीं जा सका।

	द	इ
	१	३
−		८

☐ + १ = ☐

२१ दिसम्बर के दिन से हुगली जिले के आँटपुर में मेला लगता है। मेला ३ दिनों तक चलता है।

मेला समाप्त होगा आगामी ☐ दिसम्बर को।

	द	इ

☐ = ☐

शिक्षण परामर्श : *कैलेण्डर से दिन के हिसाब की धारणा।*

नीचे के वाक्यों में उत्सव, पर्व, त्योहार आदि के बारे में जानें :

१) आज रावण का पुतला वहाँ जलाया जाएगा।
२) उदयनाथ बाबु की बेटी का विवाह आज है।
३) यहाँ आकर देखा 'स्वतंत्रता दिवस' पर्व मनाया जा रहा है।
४) स्कूलों में 'सरस्वती पूजा' की धूम रहती है।
५) दुर्गापूजा की छुट्टी में लोगों का मेला दूर देश से आया है।
६) 'प्रजातंत्र दिवस' की परेड को देखकर बच्चे बहुत खुश होते हैं।
७) दुर्लभबाबु की छोटी बेटी का अन्नप्राशन कल है।

१। उपरोक्त लिखे वाक्यों में दिए गए उत्सवों के नाम ढूँढ कर लिखें :

२। नीचे दिए गए संयुक्ताक्षरों का प्रयोग करके नए शब्द बनाएँ और उनसे वाक्यों की रचना करें :

व्य- .... | ....

न्न- .... | ....

ट्ट- .... | ....

ल्ल- .... | ....

च्च- .... | ....

३। उत्सव से जुड़े नए-नए शब्द लिखें :

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर दिए कार्यों को करेंगे।*

४। खाली स्थानों को भरें :

४.१ आकाश में .... चाँद उगा है।

४.२ स्वतंत्रता दिवस .... अगस्त को मनाया जाता है।

४.३ .... के दिनों में स्कूल की लंबी छुट्टी होती है।

४.४ आज मुहल्ले की .... को साफ करने का दिन है।

५। निम्नलिखित दिवसों के बारे में दो-दो वाक्य लिखें :

५.१ **पर्यावरण दिवस** : ....

....

५.२ **प्रजातन्त्र दिवस** : ....

....

५.३ **स्वाधीनता दिवस** : ....

....

५.४ **शिक्षक दिवस** : ....

....

५.५ **बाल दिवस** : ....

....

६। 'अरण्य सप्ताह' के दौरान विद्यालय में क्या-क्या किया जाता है, उसे कुछ वाक्यों में लिखें:

____

____

____

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

एक तरफ पतंग-लटाई और दूसरी तरफ रंग-तूलिका। चलो वहाँ तक पहुँचने का रास्ता ढूँढें।

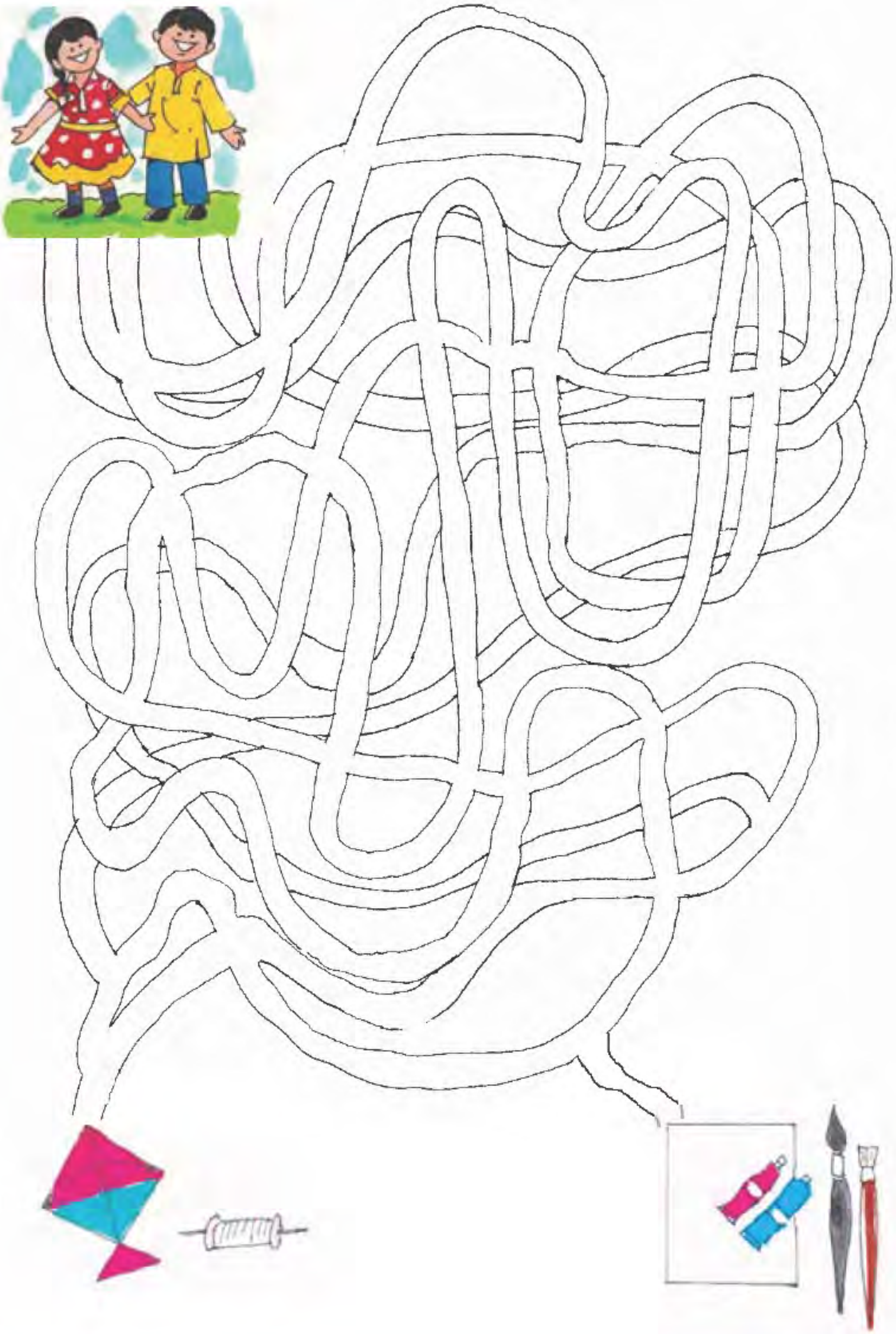

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

Read the sentences :

Actions	Yesterday	Today
	I played cricket.	I play cricket.
	We enjoyed our football match.	We enjoy our football match.
	You walked on the road.	You walk on the road.
	They talked to me.	They talk to me.

Fill in the gaps :

Yesterday	Today
1. I helped a man.	1. I help a man.
2. We ______ for the market	2. We start for the market
3. You worked very hard.	3. You ________ very hard.
4. They _____ in joy.	4. They _____ in joy.

Learning tips : *Students will read the sentences. They will have the idea of past tense and do the activity.*

	हम दोनों मित्र मेले में गए। मैंने १० रुपये देकर बेल का शरबत पिया। मेरे मित्र ने १२ रुपये देकर लस्सी पी। हमलोगों का कुल कितना रुपया खर्च हुआ, हिसाब करें।	रुपये १ ० +१ २ ______ ______
	एक कप चाय का दाम ४ रुपये ५० पैसे। एक बिस्कुट का दाम १ रुपया ५० पैसे। एक कप चाय और एक बिस्कुट का दाम कितना हुआ, हिसाब करें।	रुपये पैसे ४ ५० + १ ५० ______ ______
	एक धोसा का दाम २० रुपये ५० पैसे। एक इडली का दाम ३ रुपये ५० पैसे। धोसा का दाम इडली के दाम से कितना अधिक है, हिसाब करें।	रुपये पैसे २० ५० − ३ ५० ______ ______
	एक सेब का दाम १० रुपये और एक अमरूद का दाम ३ रुपये। सेब और अमरूद के दाम में कितना अंतर है, हिसाब करें।	
 १ संदेश का दाम ६ रुपये। १ सिंघाड़ा का दाम ४ रुपये ५० पैसे। १ लड्डू का दाम ५ रुपये।	स्वयं भाषा में सवाल गढ़ें और कुल कीमत निकालें :	

शिक्षण परामर्श : *रुपये-पैसे के जोड़ तथा घटाव की धारणा।*

घर–द्वार विषय से जुड़े वाक्यों को पढ़ें :

१. वह संसारबाबु के घर जाएगा।

२. आँगन में बाजा बज रहा है।

३. मिश्र के बंगले में रहूँगा।

४. चलो गाँव वापस लौट चलें।

५. तुम्हारे लिए एक छोटी सी झोपड़ी बनाऊँगा।

६. सुंदर सी एक फूलदानी देखकर उसके घर में रखो।

७. दरवाजा बंद करो।

८. बाँस की चटाई वाला वह बेढ़ा टूट गया।

९. खिड़की खुली है।

१०.दूसरे तल्ले के घर वाले पलंग के ऊपर है।

११. सीढ़ी चढ़कर ऊपर तल्ले पर जाओ।

१२ झरोखे में गौरैया का घर है।

१३. रसोईघर से बिल्ली की आवाज आ रही है।

१४. खुली छत पर मत जाओ।

१। उपरोक्त वाक्यों से घर–द्वार से जुड़े शब्दों को खोजकर लिखें :

....

....

२। नीचे के चित्रों को देखकर विभिन्न प्राणियों की रहने की जगह का नाम नीचे खाली स्थानों में लिखें :

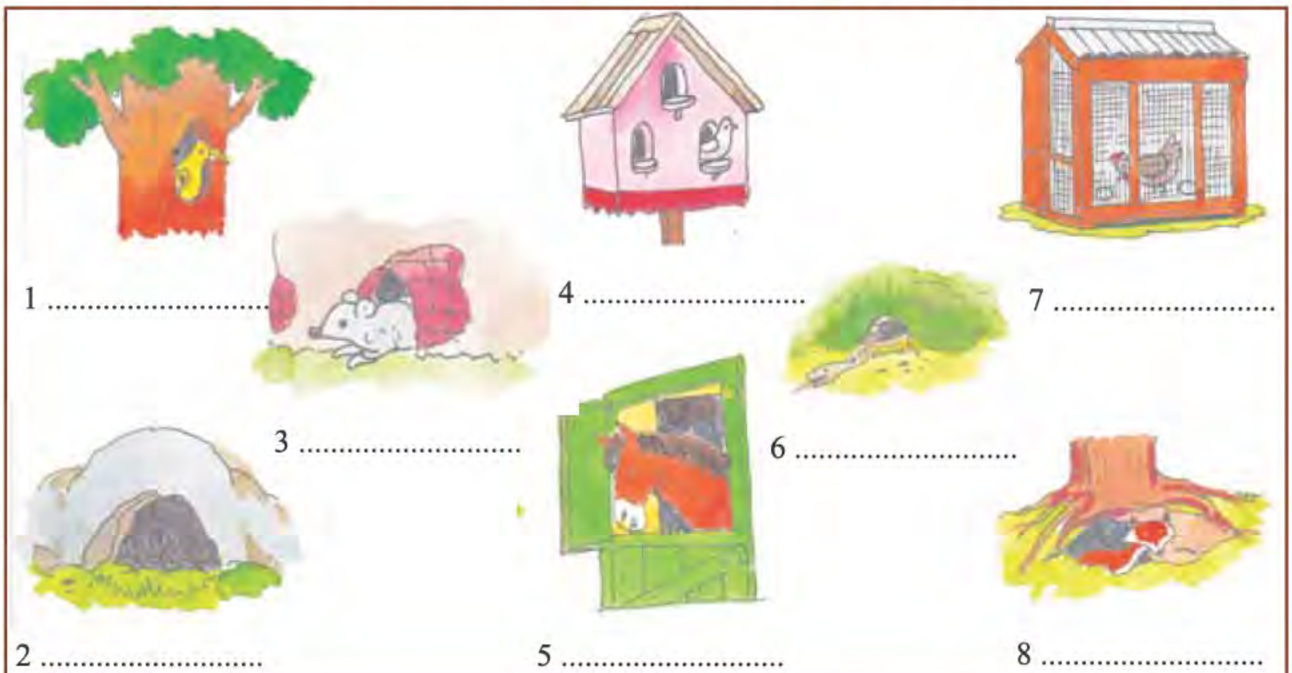

शिक्षण परामर्श : *विद्‌यार्थी घर–द्वार से सम्बन्धित वाक्यों को पढ़ेंगे।*

३। अपनी जानकारी और शिक्षक / शिक्षिका की सहायता से और भी प्राणियों के नाम तथा उनके घरों के बारे में लिखें :

आओ घर से सम्बन्धित नीचे दिए शब्दों के साथ परिचित हों।

घर	खिड़की	बैठकघर	छप्पर	सीढ़ी	बरामदा	चौखट
रसोईघर	पाँचिल	चबूतरा	छज्जा	ईंट	बेढ़ा	सीमेंट
छत	मचान	दीवाल	दरवाजा	आंगन	फर्श	रोशनदान

४। नीचे के शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करें :-

झरोखा, जैसे — गौरैया झरोखे में घर बनाती है।

चबूतरा : ....

छज्जा : ....

पाँचिल : ....

सीढ़ी : ....

छत : ....

घर में काम आनेवाले विभिन्न सामानों से परिचय :

चित्र	किसका चित्र है	किस काम में आता है

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी घर द्वार से सम्बन्धित विषयों को पढ़ेंगे और ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

५। वर्णों को जोड़ें, सहायक शब्द समूहों को पढ़ें और नये शब्द बनाएँ।

(क) श + र —श्र→ जैसे घर-द्वार ....आश्रय.......... ।

(ख) स + त —स्त→ जैसे बड़ा या विशाल .... ।

(ग) क + ष —क्ष→ जैसे कमरा या कोठरी .... ।

६। नीचे विभिन्न प्रकार के घरों का चित्र देखें। प्रत्येक के बारे में दो-दो वाक्य लिखें :

....	....	....
....	....	....

७। चित्र में आये वस्तुओं का नाम पास में लिखें। वे किस काम में आते हैं उसे अपनी कापी पर लिखें :

१. .... ।
२. .... ।
३. .... ।
४. .... ।
५. .... ।
६. .... ।
७. .... ।
८. .... ।
९. .... ।
१०. .... ।

 शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

Read the sentences. Fill in the table :

1. We followed the man.
2. They visited our house.
3. We moved to a new place.
4. I love my country.
5. You climb the tree.

Yesterday	Today

Read the sentences :

Long ago, people walked from place to place. Then someone tamed horses. People could go farther than ever before. They could go faster, too. After a while, someone made a wagon.Horses pulled the wagon. Then people could move big, heavy things.

Today we have cars, boats, planes, and trains. There are big trucks. These are all forms of transportation.

Fill in the gaps with words from the passage:

(1) Long ago, people ___________ from place to place.

(2) After taming horses, people could ________ farther than ever before.

(3) Horses ___________ the wagon.

(4) Cars, boats, planes _________ all forms of transportation.

Learning tips : *Students will read the sentences and do the activities.*

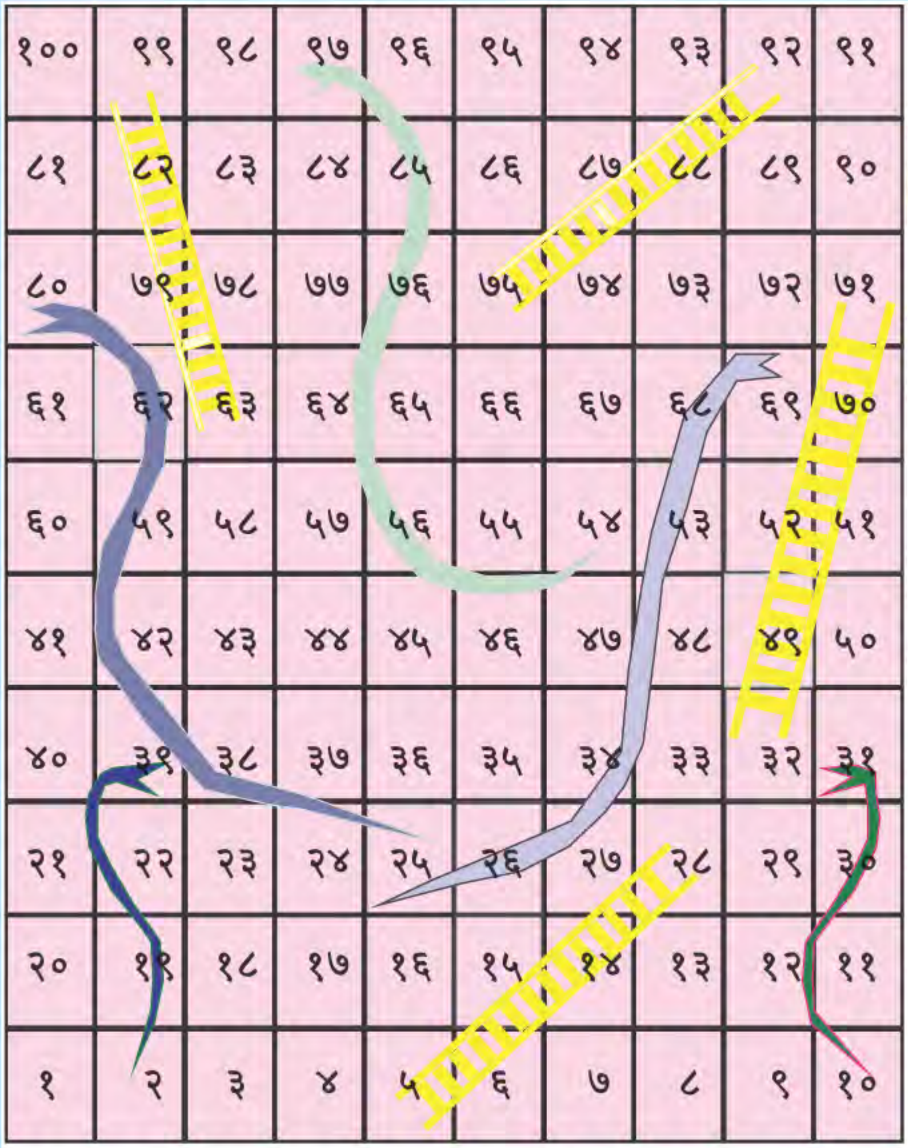

राजा और मैं दोनों मिलकर साँप और सीढ़ी का खेल खेलेंगे।

खेल का नियम होगा।

छक्के में पुट(१) के आने पर खेल शुरू होगा तथा खिलाड़ी को एक बार और चाल चलने का मौका मिलेगा।

सीढ़ी के घर में गोटी जाने पर गोटी सीढ़ी से चढ़कर ऊपर वाले घर में चली जाएगी।

साँप वाले घर में गोटी के जाने पर साँप के पूँछ वाले घर में गोटी उतर जायेगी।

मैंने चाल चली और (१) आया फिर दोबारा वाले चाल में (५) आया।

मैं कौन से घर में जाऊँगी, देखूँ।

पुट (१) आने के कारण मैंने खेल की शुरुआत की।
दोबारा ५ आने पर गोटी ५ के घर में गयी।

मेरी गोटी पहले ५ के घर में गयी फिर वहाँ से सीढ़ी द्वारा ऊपर २८ के घर में चली गयी। गोटी सीढ़ी के द्वारा कितने घर आगे गयी ?
द इ २ ८ − ५ ☐

इस तरह खेलते हुए राजा की गोटी ६९ के घर में पहुँची। लेकिन साँप के घर में आने के कारण गोटी २५ वाले घर में उतर आयी। राजा की गोटी कितने घर नीचे आयी।
द इ ६ ९ −२ ५ ☐

१. यदि मेरी गोटी ३१ के घर में पहुँचे तो मैं कितने घर जाऊँगी, देखूँ।

  ३ १
− १ ०
  २ १ घर पीछे हो जाऊँगी। अर्थात् २१−१ = २० घर पीछे हो जाऊँगी।

२. राजा की गोटी १३ के घर में है और उसे 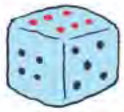 आया। गोटी कौन से घर में जाएगी।

द इ
गोटी जाएगी ☐
+ ☐
______ के घर में

३. यदि मेरी गोटी १८ के घर में रहे और 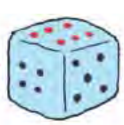 गिरे तो मेरी गोटी ☐ घर में जाएगी।

स्वयं करें :

४. मेरी गोटी ☐ के घर में थी। और छक्के में ☐ आया है। इसलिए मेरी गोटी को मैंने ☐ के घर में रखा।

द इ
☐
+ ☐

शिक्षण धारणा : *खेल के द्वारा योग-वियोग।*

चित्रों को देखकर उनके नीचे संयुक्ताक्षरों वाले शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाकर लिखें :

(१)	(२)	(३)
<u>आम्र</u> के बगीचे में बच्चे खुश होकर आम चुन रहे हैं।		
(४)	(५)	(६)
(७)	(८)	(९)

 शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी चित्रों को देखकर कार्य करेंगे।*

Listen and say...

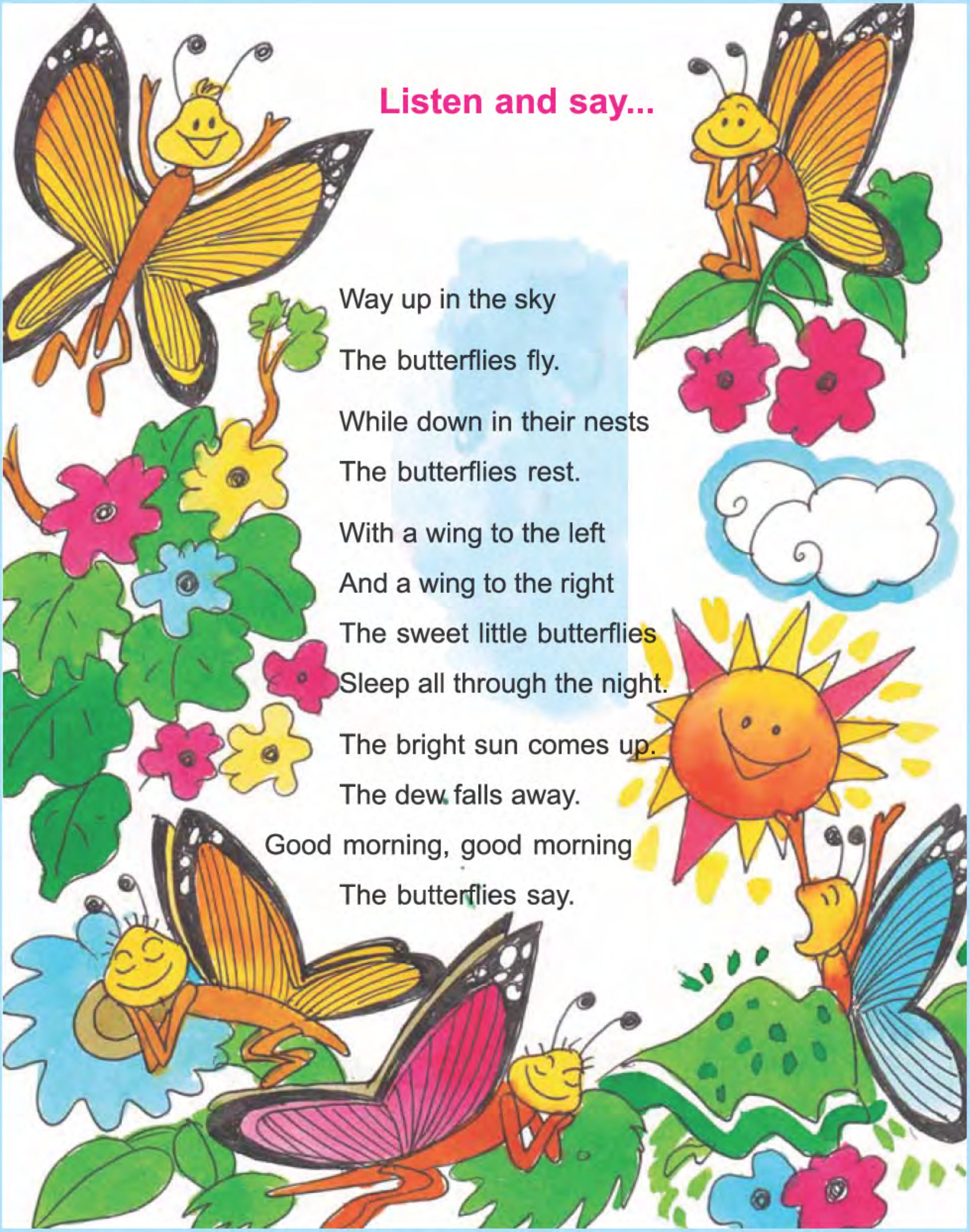

Way up in the sky
The butterflies fly.
While down in their nests
The butterflies rest.
With a wing to the left
And a wing to the right
The sweet little butterflies
Sleep all through the night.
The bright sun comes up.
The dew falls away.
Good morning, good morning
The butterflies say.

Learning tips : *Teacher will encourage the students to participate in the rhyme.*

See and colour :

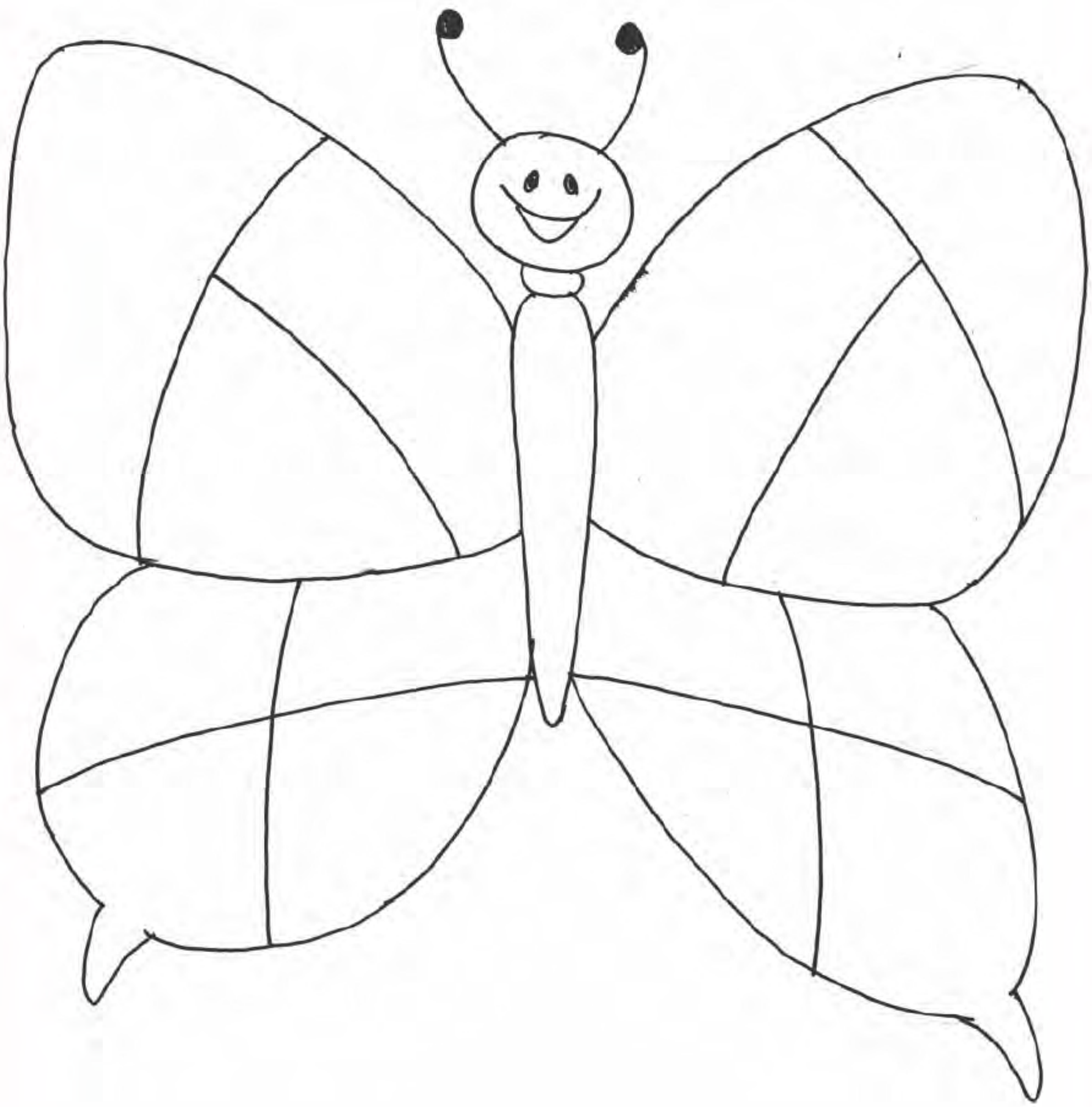

गमलों में मिट्टी भरें :

चित्र १

चित्र २

जाड़े का मौसम आ रहा है। गमलों में नये पौधे लगाए जाएंगे। पहले ९ गमलों में मिट्टी भरी गयी। फिर और ८ गमलों में मिट्टी भरी गयी। मिट्टी भरते समय लेकिन ५ गमले टूट गए। कितने गमलों में मिट्टी भरी गयी, हिसाब करें।

पहले मिट्टी भरी गयी ☐ गमलों में।

दुसरी बार मिट्टी भरी गयी ☐ गमलों में।

कुल मिलाकर मिट्टी भरी गयी,

९ + ८ = ☐ गमलों में।

लेकिन ५ गमले टूट गए है।

इस प्रकार मिट्टी से भरे गमले १७ − ५ = ☐ गमले।

इस कार्य को गणित की भाषा में संक्षिप्त करके मिला, ९ + ८ − ५

= ☐ − ५

= ☐

१. मैं कॉपी खरीदना है। पिताजी ने ५ रुपये दिए है। माँ ने भी ४ रुपये दिए। मैंने ६ रुपये देकर एक कॉपी खरीदी। मेरे पास अब ☐ रुपये बचे हैं। (*संक्षेप में गणित की भाषा में लिखकर हिसाब करें*)।

(स्वयं हल करें) *(संक्षेप में गणित की भाषा में)* *(समाधान)*

☐ = ☐ ☐ ☐ = ☐

२) स्वयं मान ढूंढें : (क) ७ + ८ − ३ (ख) ३ + ४ − ७ (ग) ५ + ९ − ३

(घ) ५ + २ − ६ (ङ) १८ + ३ − ७ (च) २५ + ५ − १३

आओ केक बेचें :

एक दुकान में केक के १८ पैकेट थे। उसमें से केक के ८ पैकेट बिक गये। फिर दुकानदार ने केक के १० पैकेट और खरीदकर दुकान में रखा। अब दुकान में कितने केक के पैकेट रह गये, हिसाब करें।

दुकान में केक के पैकेट थे ☐ ।

८ पैकेट केक बिक गये। बेचने के बाद केक के पैकेट बचे १८ − ८ = ☐ ।

दुकानदार ने फिर केक के ☐ पैकेट और खरीदे।

अब दुकान में कुल १० + १० = ☐ पैकेट रह गये।

काम को गणित की भाषा के छोटे रूप में लिखा : १८ − ८ + १० = ☐ + १० = ☐

लगे हाथ जाँचकर देखें :

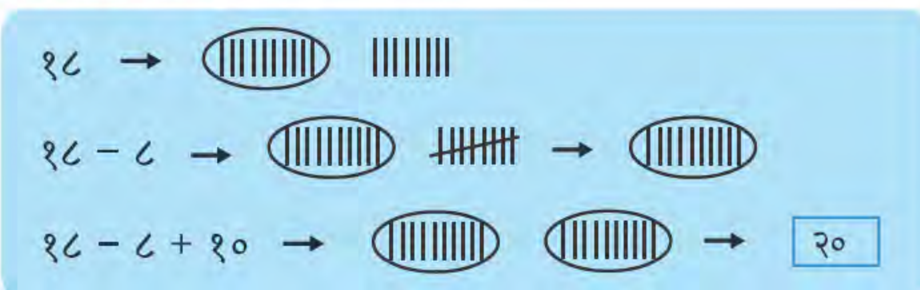

१। हमारी वैन गाड़ी पर ५ यात्री बैठे हैं। बाजार में ३ यात्री उतर गए। फिर वहाँ से २ यात्री और गाड़ी में चढ़े। अब वैनगाड़ी में कितने यात्री हो गये, गणित की भाषा वाले छोटे रूप में लिखकर हिसाब करें।

(स्वयं हल करें) *(गणित की भाषा के छोटे रूप में)* *(समाधान)*

☐ = ☐ ☐ ☐ = ☐

२। स्वयं मान ढूँढें :

(क) ८ − २ + ५ (ख) ७ − ३ + १

(ग) ९ − ४ + ६ (घ) ५ − १ + ४

(ङ) १२ − ३ + ६ (च) २७ − ९ + ५

शिक्षण परामर्श : *सरल के सवालों को हल करने की धारणा।*

चलो कागज की नाव बनाए :

आज वर्षा हो रही है। हमलोगों ने तय किया है कि कागज की नाव बनाएँगे। मिताली ने कागज की ७ नावें बनाईं। मैंने २ नावों को पानी में उतार दिया। मिताली ने भी २ नावों को पानी में उतारा।

अब मिताली के पास कितनी कागज की नावें रह गईं, हिसाब करें।

मिताली बनायी थी कागज की [ ] नावें । मैंने पानी में उतारी थीं कागज की [ ] नावें।

अब बाकी बचीं ७ − २ = ५ कागज की नावें।

मिताली ने भी पानी में उतारीं [ ] कागज की नावें।

अब मिताली के पास बचीं हैं, ५ − २ = ३ कागज की नावें।

गणित की भाषा में छोटा करके लिखने पर कैसा रूप मिला, देखें :

७ − २ − २
= ५ − २
= ३

लगे हाथ करके देखें,

[७] → |||||||

[७ − २] → |||||~~||~~ → |||||

[७ − २ − २] → |||~~||~~ → ||| ३

१) *जयनगर* वाले १२ मोए थाली में थे। मेरे भाई ने ४ मोए खा लिये। मैंने भी ३ मोए खाये। अब थाली में कितने मोए बचे रह गए। गणित की भाषा वाले छोटे रूप में लिखकर हिसाब करें।

(स्वयं हल करें) *(गणित की भाषा के छोटे रूप में)* *(समाधान)*

[ ] = [ ] [ ] [ ] = [ ]

स्वयं करें :

(१) ९ − २ − ३

(२) ७ − २ − १

(५) १८ − ५ − ७

(३) ८ − २ − ६

(४) ५ − ४ − १

(६) २१ − १४ − ७

घटनाओं को पढ़ें तथा जाँच कर देखें :

१। स्कूल के प्रांगण में बहुत से पत्ते बिखरे पड़े हैं। एक छात्र ने १० सूखे पत्तों को उठाकर एक खाली टोकरी में रखा। उसके मित्र ने उसी टोकरी में और ९ सूखे पत्तों को रखा। हवा से उड़कर ६ पत्ते टोकरी से बाहर आ गये। टोकरी में अब कितने पत्ते रह गये। गणित की भाषा वाले छोटे रूप में लिखकर हिसाब करें।

२. मेरे पास १७ लॉजेन्स थे। भैया ने १२ लॉजेन्स मुझे और दिए। उसमें से ४ लॉजेन्स मैंने छोटे भाई को दे दिया। मेरे पास अब कितने लॉजेन्स रह गये, गणित की भाषा वाले छोटे रूप में लिखकर हिसाब करें।

३. सुतपा के पास २९ रंग पेंसिलें थीं। उसमें से उसने रफिक को ८ दे दिये। रीना भी सुतपा से ३ रंग पेंसिलों को ली। सुतपा के पास अब कुल कितनी रंग पेंसिलें बची हैं। गणित की भाषा वाले छोटे रूप में लिखकर हिसाब करें।

४. मेला जाते समय पिताजी ने मुझे १५ रुपये दिये। मैंने ६ रुपये की एक बाँसुरी को खरीदकर भाई को दिया। पिताजी ने फिर मुझे ८ रुपये और दिए। अब मेरे पास कुल कितने रुपये हैं, गणित की भाषा वाले छोटे रूप में लिखकर हिसाब करें।

५. हमारे स्कूल में फरवरी महीने में [ ] दिन, मार्च महीने में [ ] दिन और अप्रैल महीने में [ ] दिनों की छुट्टी रही। इन तीन महीनों में कुल मिलाकर कुल कितने दिनों की छुट्टी थी। गणित की भाषा वाले छोटे रूप में लिखकर हिसाब करें।

शिक्षण परामर्श : *सरल के सवालों की धारणा एवं प्रयोग।*

स्वयं हल करें :

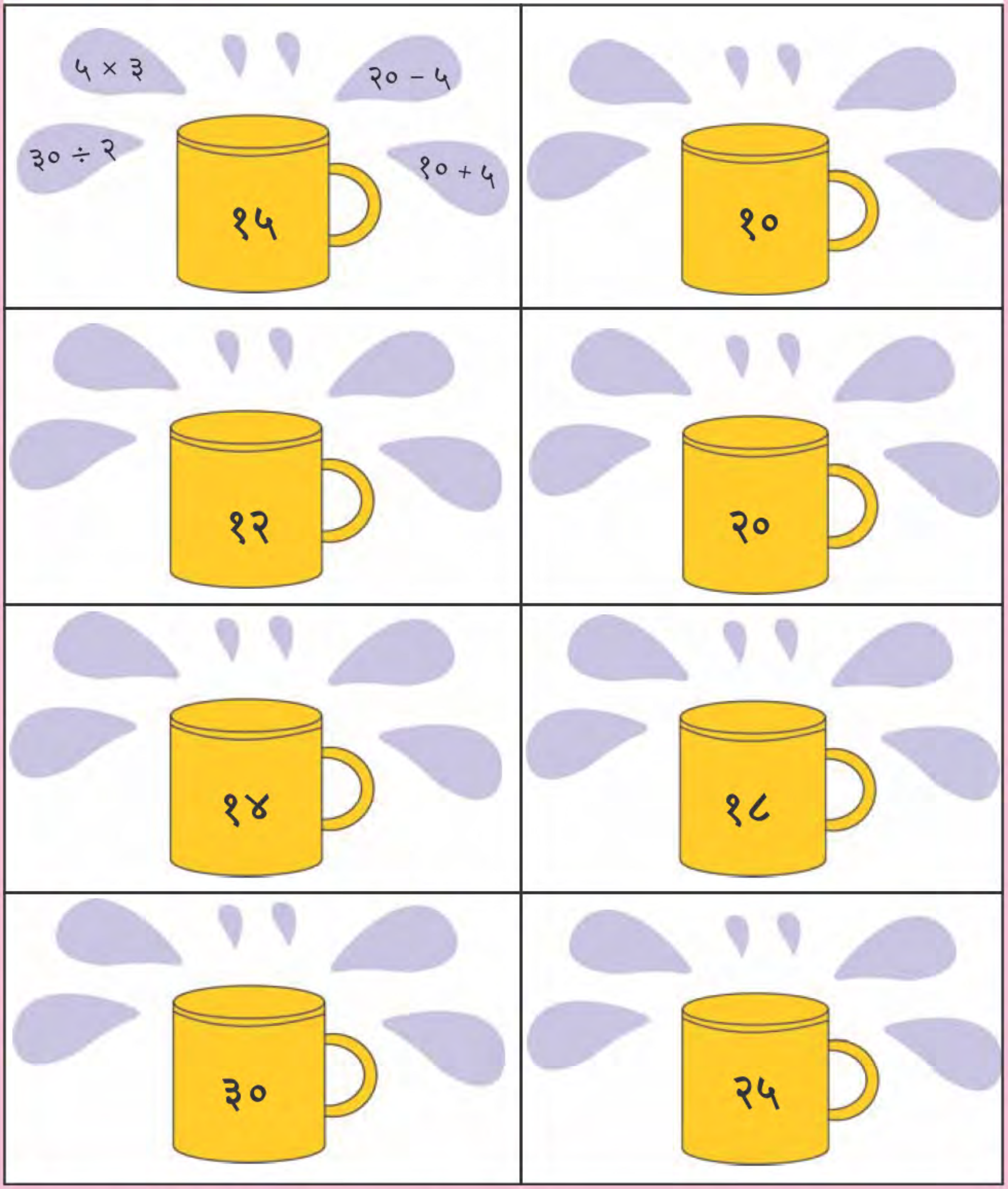

शिक्षण परामर्श : *किसी संख्या को योग, वियोग, गुणा व भाग के माध्यम से दर्शाना।*

संख्याओं से खेलें :

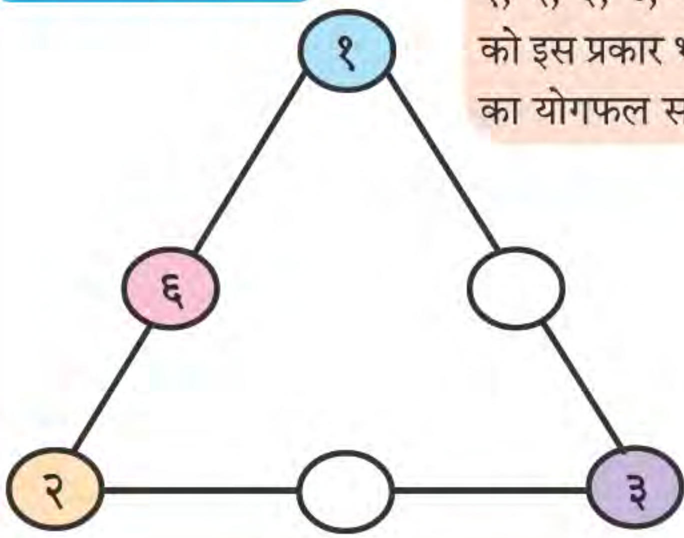

१, २, ३, ४, ५, ६ द्वारा खाली घरों को इस प्रकार भरें ताकि प्रत्येक पंक्ति का योगफल समान हो।

बगल में लिखें :

१ + ६ + २ = ☐

२ + ☐ + ३ = ९

३ + ☐ + १ = ☐

अब २, ३, ४, ५, ६ और ७ द्वारा खाली घरों को इस प्रकार भरें ताकि प्रत्येक पंक्ति का योगफल समान हो।

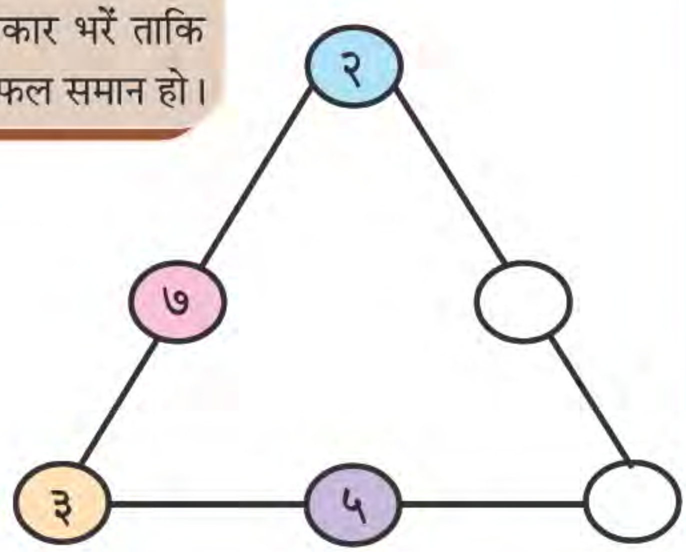

किस प्रकार मिला देखें :

२ + ७ + ३ = ☐

३ + ५ + ☐ = ☐

३ + ☐ + ☐ = १२

कौन सी संख्या भरेंगे सोचें

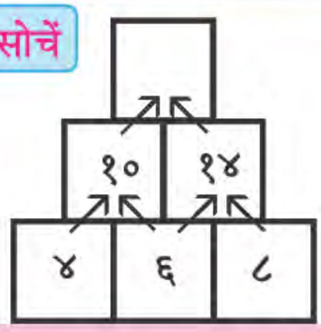

स्वयं बनाएँ

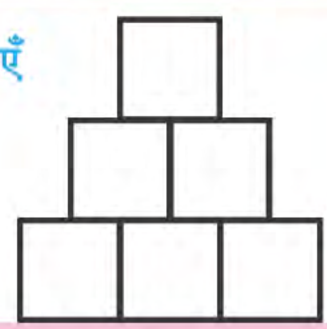

 शिक्षण परामर्श : *संख्याओं का मजा।*

छिपी हुई संख्याओं को खोज निकालें :

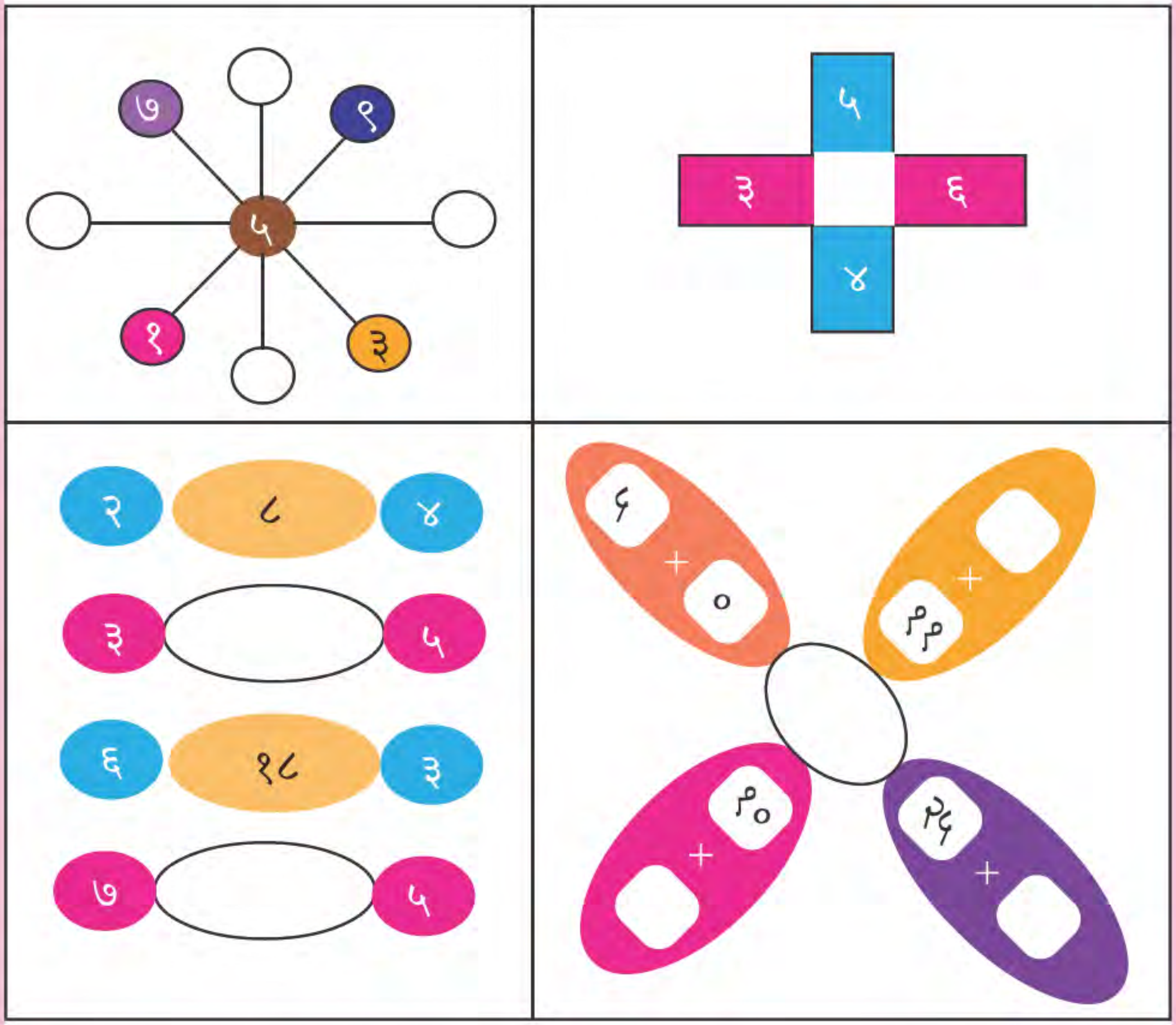

१। दो २ की सहायता से ०, १, ४ पाने की चेष्टा करें।

२। दो ३ की सहायता से ०, १, ६ तथा ९ बनाएँ।

३। तीन ३ के द्वारा क्या-क्या मिलेगा देखें।

४। किसी भी संख्या के साथ किसे जोड़ने पर वही संख्या मिलेगी, देखें।

तितली ! तितली !

तितली ! तितली ! कहाँ मिले भई ऐसे पंख रंगीन।
गहरे लाल नीले आड़े तिरछे चमकीले,
कहाँ मिले भई ऐसे पंख रंगीन... ।।
भूला मेरा मन जाना स्कूल
ले चलो साथ अपने तुम तितली
साथ छोड़ने की मत करना भूल।।
हवा में उड़ती इठलाती तुम जाओ
और मतवाला अपने जैसा मुझे बनाओ,
अच्छा नहीं लगता अब अपना यह कुरता
रंग बिरंगा कुरता तुम अपना पहनाओ।
कहाँ मिले भई ऐसे पंख रंगीन... ।।
कोमल वनफूलों का मधु तुम चखती जाओ
बनकर मित्र मुझे भी वह मधु चखाओ,
दे दो रुपहले पराग घुले अपने पंख सुनहले।
कहाँ मिले भई ऐसे पंख रंगीन कहाँ मिले... ।।

—काजी नजरुल इसलाम

शब्दार्थ : आड़े-तिरछे = टेढ़े-मेढ़े; इठलाती = इतराना; मतवाला = मस्त; पराग = मधु

शिक्षण परामर्श : *शिक्षार्थी शिक्षक/ शिक्षिका की सहायता से ऊपर की कविता को सस्वर पढ़ेंगे।*

पहला पुरस्कार

स्वप्न बूढ़ो

रवीन्द्रनाथ को अपने जीवन का पहला पुरस्कार उनके पिता महर्षि देवेन्द्रनाथ ठाकुर से मिला। एक गीत की रचना करने के पश्चात पिता ने पुत्र को यह पुरस्कार दिया था। यह घटना एक ऐतिहासिक बात है। हो सकता है, इसी घटना से प्रेरित होकर रवीन्द्रनाथ ने 'नोबल पुरस्कार' पाया हो। उसी घटना पर आधारित मैंने इस नाटिका की रचना की है। तुमलोग २५ वें बैशाख के दिन इस पर अभिनय कर सकोगे।

हुगली जिले के चुँचुड़ा स्थित गंगा नदी के किनारे एक मकान की छत। ऊपर से गंगा नदी दिखायी दे रही है। छत की रेलिंग को पीछे छोड़ते नारियल वाले पेड़ों के शीर्ष आसमान की सीध में खड़े हैं। प्रात:काल का समय है। सूर्योदय हो रहा है। तरह-तरह के पंछी-पखेरूओं की आवाजें सुनायी पड़ रही हैं। प्रात:काल का वातावरण बहुत ही सुहावना है। बालक रवि और उसके भैया ज्योति छत पर टहल रहे हैं।

रवि ।। जानते हो ज्योति भैया, नदी किनारे स्थित चुँचुड़ा के इस मकान में आकर मुझे इतना अच्छा लग रहा है, कि मैं क्या बताऊँ तुम्हें! लग रहा है जैसे धरती मेरे कानों में गीत बनकर गुँजायमान है। सिर के ऊपर वाला आकाश भी जैसे नीचे आकर मेरे साथ मित्रता कर रहा है! गंगा के ऊपर पालों वाली नौका इच्छानुसार चली जाती है, मुझे भी लगता है कि जैसे मैं भी उनके साथ निरुद्देश्य यात्रा करूँ।

शिक्षण परामर्श : *शिक्षार्थी इस नाटक को पढ़ेंगे। शिक्षक/ शिक्षिका की सहायता से नाटक का विद्यालय में मंचन करेंगे।*

और सुबह–सुबह जो ये अंजाने पक्षी सब बोले जा रहे हैं ... मुझे लगता है ...जैसे वे सभी नये–नये सुरों को मेरे कानों में समाते जा रहे हों। न जाने कितने सुरों ने मेरे हृदय में घर बनाया है, तुम्हें क्या बताऊँ, ज्योति भैया! लगता है कि सारा जीवन में केवल गीतों को ही सुनाता जाऊँ...।

ज्योति ।। चुँचुड़ा आकर क्या तुमने कोई नया गीत लिखा रवि? तुम्हारे गीतों के साथ बजाना मुझे बहुत अच्छा लगता है।

रवि ।। हाँ ज्योति भैया। वह जो कापी मैंने जोड़ासाँको में बनायी थी.......... यहाँ आकर वह गीतों से पूरी तरह भर गयी है। किसी शांत स्थान पर कापी पेंसिल लेकर बैठते ही नए छंदों के नए सुरों वाले गीतों को तैयार कर देता हूँ।

ज्योति ।। मुझे सुनाओगे नहीं! उन गीतों को, रवि?

रवि ।। अवश्य। जिन गीतों को स्वर नहीं दे सका........ केवल छंदों ने ही मन को झुमाया...... उन्हें तो तुम्हारे सामने ही उपस्थित करूँगा। तुम बजाओगे, मैं उनमें फिर से नए स्वर दूँगा।

ज्योति ।। ठीक है। आज दोपहर में ही तुम मुझे उन गीतों को सुनाना, रवि। मैं पियानो बजाकर नए–नए सुरों की रचना करूँगा। तुम्हारी आवाज के साथ स्वर मिलाने में मुझे किन्तु बहुत ही अच्छा लगता है।

रवि ।। कल देर रात मुझे क्या हुआ था जानते हो, ज्योति भैया?

ज्योति ।। क्या हुआ था, रे रवि?

रवि ।। देर रात अचानक मेरी नींद टूट गयी। उस समय घर में कोई जागा हुआ नहीं था। दूर से गंगा की कल–कल ध्वनि सुनायी पड़ी। उसने मेरे कानों में जैसे नए छंदों को जगा दिया। करवटें बदलता रहा। पर नींद नहीं आयी! फिर धीरे से बिछौने को छोड़ा और उठकर इस छत पर चला आया.....।

ज्योति ।। अकेले–अकेले! तुम्हें डर नहीं लगा, रवि?

रवि ।। डर? डर की बात तो एक बार भी मेरे मन में नहीं आयी, ज्योति भैया। जबकि तुम जानते ही हो कि जोड़ासाँको वाले घर में मुझे भूतों का कितना भय था?

ज्योति ।। उसके बाद रवि?

रवि ।। उसके बाद बहुत देर तक गंगा की ओर निहारता रहा। गगन में चाँद की रोशनी, बादलों के छोटे–छोटे टुकड़े उस चाँद के ऊपर भाष्यमान हैं......। देखता ही रह गया, अपनी आँखों को फिरा नहीं सका! लगा जैसे कितने अनबोले गीत आकर मेरे सीने में घर बना गए। गंगा की धारा की तरह वे भी मुक्त होना चाहते हैं। निर्झर का सपना कब टूटेगा? चाँदनी गंगा के वक्ष पर खेलती अठखेलियाँ करने लगी... ठगा सा रह मैं देखता रहा।

 शिक्षण परामर्श : *शिक्षार्थी इस नाटक को पढ़ेंगे। शिक्षक/ शिक्षिका की सहायता से नाटक का विद्यालय में मंचन करेंगे।*

ज्योति ।। सारी रात सोए नहीं, रवि ? गंगा के पानी और चाँद की लुकाछिपी के खेल को ही देखते रहे ?

रवि ।। एक रात नहीं सोने से क्या होता है, ज्योति भैया ? किन्तु उसके बदले में मुझे क्या मिला, जानते हो ?

ज्योति ।। क्या पाया रे रवि ?

रवि ।। भोर होते ही मेरे मन में सुंदर सा एक गीत जागा।

ज्योति ।। सचमुच ? उस गीत की पहली पंक्ति को मुझे सुनाओगे नहीं ?

रवि ।। क्यों नहीं सुनाऊँगा, ज्योति भैया ? पहली पंक्ति है ......

'नयन तुम्हें पाते नहीं देख, रहते नैनों में ...'

ज्योति ।। [*उत्साहित होकर*] वाह ! अद्‌भुत बात है यह तो ! '*नयन तुम्हें पाते नहीं देख, रहते नैनों में...*' .... इतने सुंदर बोल, मैं भुला नहीं सकता। मैं अभी हारमोनियम लेकर आता हूँ। तुम गाओगे, मैं धीरे-धीरे स्वर उठा लूँगा।

रवि ।। बहुत अच्छी बात कही तुमने, ज्योति भैया।

(*ज्योति हारमोनियम लेकर आया। दोनों छत के ऊपर बैठ गए, रवि ने गाना शुरू किया*)

गीत

' नयन तुम्हें पाते नहीं देख, रहते नैनों में ... '
हृदय तुम्हें जान नहीं पाता, हृदय में ही रहते छिपे ।।

ज्योति ।। वाह ! बहुत सुन्दर गाए। जैसे बोल वैसा स्वर।

' नयन तुम्हें पाते नहीं देख, रहते नैनों में ... '
हृदय तुम्हें जान नहीं पाता, हृदय में ही रहते छिपे ।।

शिक्षण परामर्श : *शिक्षार्थी इस नाटक को पढ़ेंगे। शिक्षक/ शिक्षिका की सहायता से नाटक का विद्यालय में मंचन करेंगे।*

रवि ।। सचमुच ज्योति भैया, आज दिनभर लगातार यही गीत गुनगुनाते भौंरे की तरह मेरे मन में गुँजन करता फिर रहा है।

ज्योति ।। [*आनन्दित हो रवि को सीने से लगा लिया*] मुझमें भी रवि, मुझमें भी। [*गीत को गाया*]

[*पर्दा गिरता है। मध्यांतर हुआ। रंगमंच का पर्दा जब उठा, तो दिखाई पड़ी फिर वही छत। आसमान में चाँद निकल रहा है। और दो नौकरों का प्रवेश*]

ईश्वर ।। जानते हो श्यामचँद, प्रतिदिन मालिक यहीं बैठकर सांयकाल के समय भगवान को बुलाते हैं। इसीलिए जल्दी से यहां चटाई बिछाने चला आया।

दूसरा नौकर ।। मुझे अब और क्या करना होगा, ईश्वर भैया ?

ईश्वर ।। धुप-धुना लाकर देना .... पीतल की तश्तरी में फूल लाकर रखना। मालिक फूलों को बहुत पसंद करते हैं। नीचे के बगीचे में बहुत से फूल खिले हैं। फूलों की तो कोई कमी है नहीं।

[*उन दोनों ने धुप-धुना सुलगाया, चटाई बिछायी और तश्तरी में फूलों को रखकर चले गये। उसके थोड़ी देर बाद ही हाथों में तानपुरा लिए श्रीकंठबाबु का आगमन*]

श्रीकंठ ।। इसीकारण! देख रहा हूँ कि मालिक अब तक छत पर नहीं आये। नीचे रवि को खोजने पर वह नहीं मिला। बहुत चमत्कारी गला है उसका। रवि यदि गाना गाने सीखे तो एक दिन में ही वह उस्ताद बन सकता है।

[*चटाई पर बैठे और तानपुरा लेकर स्वयं ही गाना आरंभ किये*] अब क्या करें, स्वंय ही अपना गला साधें।

'तुम बिन कौन प्रभु संकट टारे ...
कौन सहायक अंधेरे भवसागर तारे ... '

[*उसी समय महर्षि देवेन्द्रनाथ का छत पर आगमन। उनके निकट आकर चटाई पर बैठ गये।*]

श्रीकंठ।। अरे मालिक! आप आ गये। रवि आजकल कितने चमत्कारिक गीत बना रहा है। और इस उम्र में उसकी आवाज भी बहुत मधुर हो गयी है। माघोत्सव के लिए आज सुबह उसने एक ऐसा गीत लिखा है... सुनने पर आप भी खुश हो जाएंगे।

महर्षि ।। ऐसी बात है क्या, श्रीकंठबाबु ? मैं तो कोई खोज-खबर रखता नहीं। अच्छा, मैं ईश्वर के द्वारा उसे बुलवा रहा हूँ...। ईश्वर.... अरे ईश्वर....

[*ईश्वर का आवगमन*]

ईश्वर।। जी हाँ मालिक।

 शिक्षण परामर्श : *शिक्षार्थी इस नाटक को पढ़ेंगे। शिक्षक/ शिक्षिका की सहायता से नाटक का विद्यालय में मंचन करेंगे।*

महर्षि ।। रवि को जरा नीचे से बुलाकर लाओ। कहना, मैंने बुलाया है...

ईश्वर ।। जो आज्ञा मालिक! *[ईश्वर का प्रस्थान और रवि के साथ आगमन]*

महर्षि ।। अरे.. ओ रवि! मैंने श्रीकंठबाबु से जाना कि तुम गीतों की रचना कर रहे हो। उपासना के पहले एक गीत सुनाओ तो जरा!

[चटाई पर बैठकर रवि ने सुबह वाले गीत को सुनाया। महर्षि की ओर ताकने पर देखा कि उनकी मुंदी हुई आँखों से आनंद के आँसू झर रहे हैं। किसी के मुँह से कोई आवाज नहीं निकल रही। केवल श्रीकंठबाबु ही आनंदित होकर सिर हिला रहे हैं। थोड़ी देर बाद महर्षि ने ही उस निस्तब्धता को तोड़ा।]

महर्षि ।। सुनो रवि, तुम्हारे गीत को सुनकर मैं मुग्ध हुआ। देश का राजा, यदि देश की भाषा जानता और साहित्य का सम्मान समझता, तो अवश्य ही वह कवि को वह पुरस्कार देता। राजा की ओर से जब ऐसी कोई संभावना नहीं, तब यह कार्य मुझे ही करना पड़ेगा। यह लो कवि,....... तुम्हारा पुरस्कार।

[जेब से निकालकर पाँच सौ रुपये का एक चेक रवि के हाथों में दिए। रवि ने अपने पिता के चरणों की धूलि ली]

शब्दार्थ : पखेरू = पक्षी; भाष्यमान = बहते हुए; अद्‌भुत = अनोखा; नयन = आँख; मधुर = मीठा; रचना = बनाना; उपासना = पूजा करना; मुग्ध = मोहित; सम्मान = मर्यादा; रंगमंच=नाटक की जगह।

शिक्षण परामर्श : *शिक्षार्थी इस नाटक को पढ़ेंगे। शिक्षक/ शिक्षिका की सहायता से नाटक का विद्यालय में मंचन करेंगे।*

Listen and say :

I am a Music Man

Leader: I am a music man,
I come from far away,
And I can play.

All: What can you play?

Leader: I play piano.

All: Pia, pia, piano, pia, piano.

Leader: I am a music man,
I come from far away,
And I can play.

ALL: What can you play?

Leader: I play the big drum.

ALL: Boomdi, boomdi, boomdi boom,
Boomdi boom, boomdi boom,
Boomdi, boomdi, boomdi boom,
Boomdi, boomdi
boom.
Pia, pia, piano, piano,
piano
Pia, pia, piano, pia, piano.
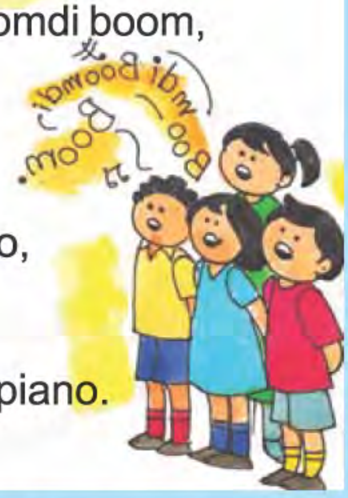
Learning tips : *Teacher will encourage the students to participate in the rhyme song.*

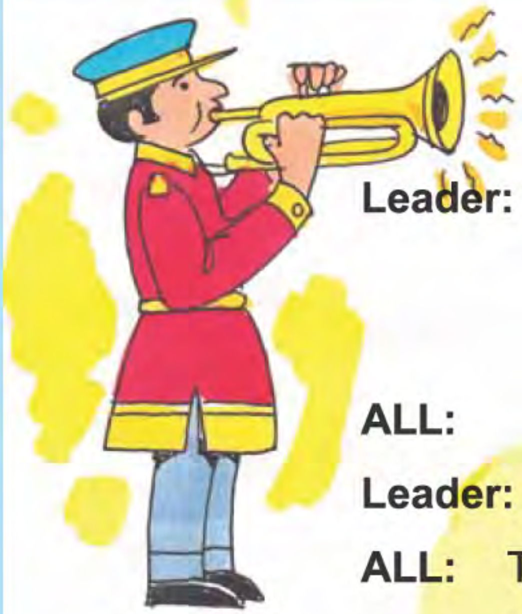

Leader: I am a music man,

I come from far away,

And I can play.

ALL: What can you play?

Leader: I play the trumpet.

ALL: Tooti, tooti, tooti, toot,

Tooti, toot, tooti, toot,

Tooti, tooti, tooti, toot,

Tooti, tooti, toot.

Boomdi, boomdi, boomdi boom,

Boomdi boom, boomdi boom,

Boomdi, boomdi, boomdi boom,

Boomdi, boomdi boom.

Pia, pia, piano, piano, piano,

Pia, pia, piano, pia, piano.

Learning tips : *Teacher will encourage the students to participate in the rhyme song.*

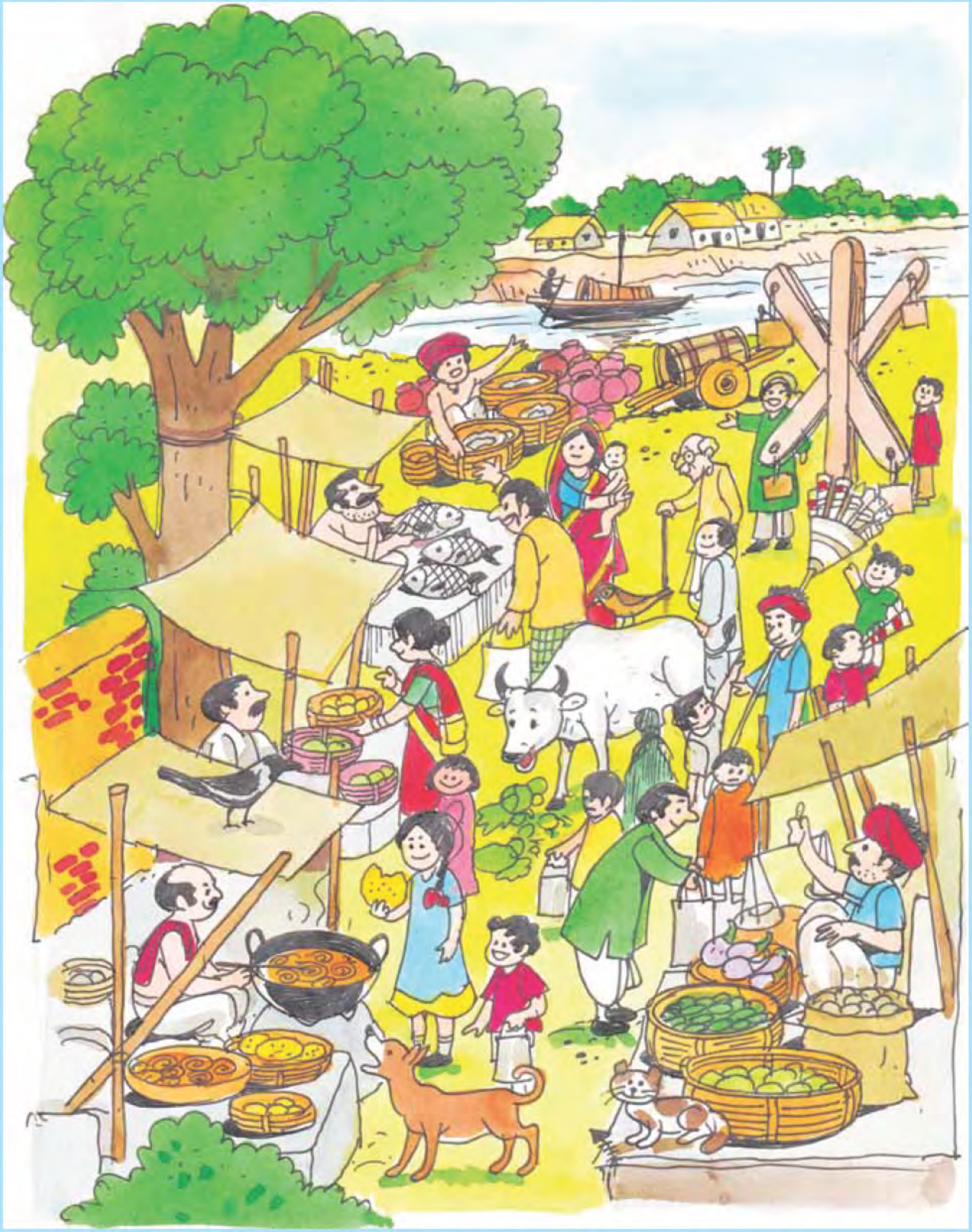

 शिक्षण परामर्श : *इस पुस्तक में जिन भावनाओं का व्यवहार हुआ है उपरोक्त चित्र में शिक्षार्थी उसके प्रतिफलन की खोज करेंगे।*

चित्रों को देखकर उससे सम्बन्धित बातों को अपने शब्दों में लिखें।

What do you see in the picture ? Write a few sentences about the picture.

चित्रों को देखें, सोचें तथा उनमें छिपी अंकों/संख्याओं की बातों को लिखें :

शिक्षण परामर्श : *विद्यार्थी ऊपर के कार्यों को करेंगे।*

आनन्द पाठ :

मैना

जसीमुद्दिन

कुतुर-कुतुर मैना,
कल दूँगा तेरा गहना।
काँसे का घुँघरू पावों में,
नाचती फिरोगी गाँवों में
झुमका कानों में झूलेगा,
नथियानाक का हिलेगा।
तुझको कल सब दूँगा रे,
आज तो पास आजा मेरे।
ताक धिना धिन, ताक धिना,
सुर सम्हाल में आए ना।
थोड़ा सा तुम गाओ गान,
जुड़ा जाओ रे मेरे प्राण।

मेरा बंगाल

सुनील गंगोपाध्याय

सुनो कहानी अजब देश की
वह देश है, मेरा बंगाल।
वैशाख में है बड़ी कठिनाई,
आषाढ़ सावन में वृष्टि आई।
शरत काल में शुभ्र मेघ जैसा,
अपरूप सजा रहता दिन वैसा।
उत्सव त्योहार जितने यहाँ,
पाओगे तुम और कहाँ?
अगहन में देती माता का प्यार,
स्वर्ण धान्य का देती उपहार।
उसी गंध से पवित्र होता देह,
फाल्गुन में पाते नए जीवन का सार।
कितना लिखें लिखना नहीं शेष,
स्वप्नों से बना, मेरा बंगला देश।

बारह माह, तेरह पर्व

सुनील जाना

एक है ऐसी धरती बंगाल है जिसका नाम।
जिसे ढूंढना है नहीं मुश्किल काम।
छूती खुशी आकाश, हवा में गीतों के सुर,
नद नदी माठ घाट हैं जिसमें भरपुर।
हृदय में सबके बजता, खुशी भरा साज।
पूजा-पर्व से भरा है, यहाँ का समाज।
जब तब मने यहाँ, खुशी और आनन्द।
कौन रखे हिसाब इसका, सब हिसाब बंद।
दिन महीने कट जाएं इसी तरह हर वर्ष।
बंगालवासियों के घर में उत्सव का हर्ष।
छः ऋतुओं के बारह माह भी कम पड़ जाते हैं,
बारह माह में तेरह पर्व, लोग यहाँ मनाते हैं।
वैशाख हो या जेठ, सावन या आषाढ़,
चाहिए हर माह यहाँ, दो एक त्योहार।
भादो हो या अश्विन, कार्तिक हो या अगहन
उत्सवों से प्रफुल्लित, रहता सबका मन।
पौष रहे या माघ, फाल्गुन हो या चैत्र,
अनेकानेक उत्सव, यहाँ अनेक वैचित्र्य।
ग्रीष्म हो या वर्षा-कोई अंत नहीं पाता है,
शरद्, हेमन्त, शीत, वसन्त आता जाता है।
मनाते कितने उत्सव कितने ही उपलक्ष्य में,
सैकड़ों दुःख कष्ट भले रहें बंगाली के वक्ष में।
उत्साह का है यहाँ ज्वार, खुशियाँ भी हैं अपार,
बारह माह में तेरह पर्व मनाते सभी यहाँ बारबार।

Pleasure Reading :

Sparrow

Little brown sparrow, sat upon a tree,
Way up in the branches, safe as he can be !
Hopping through the green leaves, he will play,
High above the ground is where he will stay.

The Ostrich

Here is the ostrich straight and tall,
Nodding his head above us all.
Here is the spider scuttling around,
Treading so lightly on the ground.
Here are the birds that fly so high
Spreading their wings across the sky.
Here are the children fast asleep,
And in the night the owls the peep,
“Tuit tuwhoo, tuit tuwhoo!”

The Big, Red Train

Peep ! Peep! The Whistle’s blowing,
The bright green light is glowing,
The big, red train is going,
Toot! Toot ! We are on our way!

Two Little Dickie Birds

Two little dickie birds sitting on a wall
One named Peter, one named Paul.
Fly away Peter, fly away Paul,
Come back Peter, come back Paul !

शिक्षण परामर्श

- राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा-२००५ एवं शिक्षा का अधिकार कानून-२००९ इन दोनों अधिसूचनाओं के आधार पर दूसरी कक्षा के बच्चों के लिए यह नई पुस्तक प्रकाशित हुई।
- उपरोक्त दोनों अधिसूचनाएँ आनन्दमय एवं भारमुक्त शिक्षण की बात बताती हैं। नई पुस्तक प्रथम भाषा, द्वितीय भाषा व गणित के समन्वय के साथ-साथ वर्णमय चित्र, नाच-गान, कृत्य व खेल-कूद के संयोजन के साथ बनी है।
- कक्षा शिक्षण के क्षेत्र में जिन चार आधारों की बातें कहीं गई हैं, वे हैं —

  १. शिशु केन्द्रिक शिक्षण (child centric learning)

  २. कार्य आधारित शिक्षण (activity-based learning)

  ३. समन्वित शिक्षण (integrated learning)

  ४. आनन्दमय शिक्षण (joyful learning)
- द्वितीय श्रेणी की मेरी पुस्तक ने विभिन्न भावों के ऊपर आधारित समन्वित शिक्षण परिकल्पना का रूप पाया है।
- मेरी पुस्तक के प्रथमार्द्ध में प्रथम श्रेणी की मेरी पुस्तक के ऊपर आधारित कई कर्मपत्र दिये गये हैं। जिनमें पिछले वर्ष अर्जित सामर्थ्यों की पुर्नजाँच बच्चे कर सकते हैं।
- द्वितीय श्रेणी के प्रथमार्द्ध में भाग में विद्यार्थी प्रथम भाषा के क्षेत्र में संयुक्ताक्षरों को सीखेंगे। इसी उद्देश्य को लेकर पृष्ट ३ से २५ तक वर्णों के क्रमिक विन्यास के अनुसार (विभिन्न संयुक्ताक्षर आधारित) आधार पाठ एवं विभिन्न संयुक्ताक्षरों के अभ्यास के लिए एक परिसर तैयार किया गया है। यह भाग नमूना के रूप में व्यवहृत होगा। इसी अनुरूप अन्य उपकरण एवं जरूरी TLM शिक्षक/ शिक्षिका श्रेणी शिक्षण के लिए व्यवहार करेंगे।
- द्वितीय श्रेणी को ध्यान में रखकर विद्यार्थी को अपनी क्षमता अर्जित करने के लिए पुस्तक के द्वितीय भाग (दो) की शिक्षण सामग्री को लिया गया है।
- प्रत्येक शिक्षण उपकरण एवं कर्मपत्र इस प्रकार तैयार किये गये है ताकि कक्षा में पढ़ते समय बच्चों का अनायास ही बिना किसी बाधा के सतत और सार्विक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation/CCE) हो जाए। प्रस्तुतिकालीन एवं पर्यायक्रमिक दोनो रूपों में ही मूल्यांकन होगा । CCE के लिए विशेषज्ञ समिति द्वारा निर्धारित एवं स्वीकृत 'Peacock Model' लागू होगा।
- आशा है कि राज्य के सभी शिक्षकों / शिक्षिकाओं की सहायता से द्वितीय श्रेणी हेतु 'मेरी पुस्तक' विद्यार्थियों की अति प्रिय मित्र बन जाएगी।

अपने कार्य में लगाएँ

कक्षा में सीखने के दौरान शिक्षार्थी इस पृष्ठ का उपयोग करेंगे।

अपने कार्य में लगाएँ

कक्षा में सीखने के दौरान शिक्षार्थी इस पृष्ठ का उपयोग करेंगे।

मेरा पन्ना

यह पुस्तक तुम्हें कैसी लगी ? लिखकर बताएं :

मेरा पन्ना

यह पुस्तक तुम्हें कैसी लगी ? लिखकर बताएं :